



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 2]
No. 2]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 13, 2001 (पौष 23, 1922)
NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 13, 2001 (PAUSA 23, 1922)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

सहयोगी एवं अनुषंगी समूह

मुंबई, दिनांक 26 दिसम्बर 2000

क्र. एसबीडी. 13/2000.—भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 (1959 का 38 वाँ) की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक श्री बी.वी.वी. राजेश्वर राव क स्थान पर श्री एम. एन. राव, उप महाप्रबंधक (सहयोगी बैंक), भारतीय स्टेट बैंक, सहयोगी एवं अनुषंगी समूह, मुंबई को दिनांक 1 जनवरी 2001 से निम्नलिखित सहयोगी बैंकों के निदेशक के रूप में नामित करता है:—

- (1) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
- (2) स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
- (3) स्टेट बैंक ऑफ इंदौर
- (4) स्टेट बैंक ऑफ मैसूर
- (5) स्टेट बैंक ऑफ पटियाला
- (6) स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र
- (7) स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर

जानकी बल्लभ
अध्यक्ष

कर्मचारी भविष्य निधि मंडल (केन्द्रीय कार्यालय)

नई दिल्ली 110066, दिनांक 14 नवम्बर 2000

सं.-2/1959/डी.एल.आई./एकजम/89/भाग-II/2602.—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है (कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2) (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम का अग्रयणी कर बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निदेश सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य से अधिक है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय द्वारा प्रकाशित केन्द्रीय नगर/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. 1/2000 प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-II के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि न उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची-1

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना को सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार को गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० मा० नि० आ० को फाईल सं०
1.	मै० मणिपाल फाइनेंस कोर्पोरेशन लि०, मणिपाल हाउस, डाक मणिपाल-576119	केएन/ 12151	2/1959/डोएलआई/एक्जम/ 89/भाग-1 दि०-18. 11. 98	30. 9. 99	1. 10. 99 से 23. 6. 2000	6/4/96/डोएलआई
2.	मै० मनोपाल सौभाग्य निधि लि०, मनोपाल हाउस, मनोपाल-576119	केएन/ 12398	18. 11. 98	31. 10. 99	1. 11. 99 से 23. 6. 2000	6/5/96
3.	मै० मणिपाल इंडस्ट्रीज लि०, मणिपाल हाउस, मणिपाल-576119	केएन/ 3555	18. 11. 98	30. 9. 99	1. 10. 99 से 23. 6. 2000	6/9/96
4.	मै० वेस्टर्न रोडवेज केयर आफ मणिपाल इंडस्ट्रीज पी.ओ. मणिपाल कर्नाटक	केएन/ 3558	18. 11. 98	30. 9. 99	1. 10. 99 से 23. 6. 2000	6/11/96
5.	मै० एन एम ए स्म इंडस्ट्रीयूट आफ टेक्नोलॉजी नितदो करकाला-574100	केएन/ 12288	16. 11. 98	31. 12. 99	1. 1. 2000 से 23. 6. 2000	6/14/96

2	3	4	5	6	7	
6.	मै० निरुक्ति स्त्रुकेषन ट्रस्ट को डियाबल भेगलोर-755003	केएन/6 12229	10. 11. 98.	31. 12. 99	1. 1. 2000से 23. 6. 2000	6/15/96
7.	मै० निरुक्ति इन्स्टीट्यूट आफ नर्सिंग सर्फाईन्स नानथूर भेगलोर इंफर्नटिका	केएन/ 12822	16. 11. 98	31. 12. 99	1. 1. 2000से 23. 6. 2000	6/19/96
8.	मै० टी. ए. पाई, मैनेजमेंट इन्स्टी- ट्यूट, डाक भनिपाल-576119	केएन/ 12332	3. 7. 98	31. 12. 99	1. 1. 2000से 23. 6. 2000	6/20/97
9.	मै० निरुक्ति गुलाबो गेडों मैथोरियल इन्स्टीट्यूट आफ फार्मासिटिकल सर्विस, नानथूर भेगलोर	केएन/ 12287	16. 11. 98	31. 12. 99	1. 1. 2000से 23. 6. 2000	6/21/96
10.	मै० एन. आर. के. एम. प्रो लिटिक्विक पो. ओ. निरुक्ति, करकाला-574100	केएन/ 12503	16. 11. 98	31. 12. 99	1. 1. 2000से 23. 6. 2000	6/22/96
11.	मै० मन्डोवी मोटर्स, अरविन्द वालमाटटा रोड, भेगलोर- -575001	केएन/ 3750	10. 11. 98	31. 12. 99	1. 1. 2000से 23. 6. 2000	6/32/96

अनुसूची-1

उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसे इसके पत्राचार नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय श्रमिक निधि आयोग को पत्र लिखकर निवेदन किया जाएगा और लेखा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए भी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय श्रमिक निधि आयोग समय समय पर निर्दिष्ट करें।

नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रमोटी या प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय होगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रमोटी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों पर वह नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमानित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाय तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या को प्रमोटी में उसकी प्रतिलिपि प्रदान स्थापना के सुचना पटल पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो श्रमिक निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को श्रमिक निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम पुरन्त दर्ज करेगा और उसकी संबंधित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने को सुनिश्चित करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो तो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मुख्य पर इस स्कीम के अधीन सदस्यता प्राप्त है जो कर्मचारी को उस दशा में सदस्य हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि धारित/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के अनुसूची में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय श्रमिक निधि आयोग के पूर्ण अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल का प्रभाव पड़ेगा तब समय-समय पर वह क्षेत्रीय श्रमिक निधि आयोग अनुमोदन देने के पूर्ण कर्मचारियों को जहाँ अनुसूची में संशोधन का प्रभाव पड़ेगा उस अनुसूची में संशोधन देना।

9. यदि किसी राज्य में स्कीम के कर्मचारियों भारतीय जीवन बीमा निगम या उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना करने अपना चुका है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की संख्या होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो वह को जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उक्त नियम तारीख के भीतर बीमा निगम मिल नहीं प्रीमियम का संदाय करने में असमर्थ रह जाता है और गारंटी को व्यक्त होने दिया जाता है तो कुछ रकम को जा सकता है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के लिए गये व्ययितक्रम को दर्शाते उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक धारितों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा स्कीमों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

राधा कृष्ण

§ एसओ रघुराम §

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डो. एल. आर्डी/भाग-1/2619

साओ काओ.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने § जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना काहू गया है § कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा को उपधारा 28 § के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है § जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रोमिसम को अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम को सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है § जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा 28 § द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त...डि.र.गुण...ने स्कीम को धारा 28 § 7 § के अन्तर्गत ढोल प्रदान की है, उच्च को अवधि के लिए उक्त के संचालन को छूट प्रदान कर दी गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावो तिथि	के० प्र० नि० आ० फा० सं०
1.	मै० हिन्द उद्योग 56-सी/2 इन्डस्ट्रियल एरिया, एन. आई. टी, फरीदाबाद, हरि. ॥	एचआर/ 1457	1. 12. 90से 30. 11. 93 1. 12. 93से 30. 11. 96	5/15/99/डोरलआर्ह
2.	मै० होटल डिलाईट प्लॉट न. 17, नोलम बाटा रोड, फरीदाबाद	एचआर/ 5717	1. 2. 92से 31. 1. 95 1. 2. 95से 31. 1. 98 1. 2. 98से 23. 6. 2000	5/4/98
3.	मै० मार्डन पब्लिक स्कूल सेक्टर -37, फरीदाबाद	एचआर/ 7506	1. 9. 95से 31. 8. 98	5/24/2000

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पत्राचार नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदाय करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मुख्य पर इस स्कीम के अधीन स्वेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में स्वेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पात्रता की दृष्टि से योग्य होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्ययितक्रम को दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

रघु राम

§ एस० रघु राम §

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं०-2/1959/डो. एल. आर्डी. /एकजम/89/भाग-11/2633

सं० का..... जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना का गया है § कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 का 19 की धारा 17 की उपधारा 28 क० के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है । जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारों के लिए कर्मचारों निक्षेप सहित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है § जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 28 क० द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिसूचना सं० तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुरूप में तथा संलग्न अनुसूची-11 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

अनुसूची-1

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० म० नि० आ० की फाईल सं०
1.	मे० इंडियन डायस्टफ इंडस्ट्रियल लि०, मफ्तलाल सेंटर निरमान पोइंट, बम्बई-400021	एमएच/ 4395	2/1959/डोएलआई/एक्जम/ 89/भाग-1 दि.	5.4.92	6.4.92से 5.4.95 6.4.95से 5.4.98 6.4.98से 23.6.2000	9/71/99/डोएलआई
2.	मे० इक्वस फार्मास्यूटिकल्स प्रा० लि०, डापुडो, पुणे-411012 महा०	एमएच/ 21772	5.2.98	31.10.97	1.11.97से 23.6.2000	2/60/95
3.	मे० औमनि प्रोटेय इन्स प्रा. लि०, सी-4113, एम आई डी सी मौसारी, पुणे	एमएच/ 21772सी	28.1.99	31.3.99	1.4.99से 23.6.2000	9/22/98
4.	मे० लासुर लेबोरेट्रीस लि०, सी-10/12, एम आई डी सी मौसारी, पुणे-411026	एमएच/ 21772ए	28.1.99	31.12.98	1.1.99से 23.6.2000	3/23/98

1	2	3	4	5	6	7
5.	मै० फोरेस इंजो नियरिंभ इंडिया लि०, 22, वालमाई देसाई मार्ग, महालक्ष्मी चेम्बर्स, मुम्बई-26	स्मरच/ 6830	25. 1. 2000	31. 1. 97	1. 2. 97से 31. 1. 2000 1. 2. 2000से 23. 6. 2000	2/1963/81
6.	मै० महेन्द्रा विजाडर-स्टोअर लि०, महेन्द्रा टावर ब्लॉक, मुम्बई-400018, तथा शाखाएं	स्मरच/ 7123	11. 7. 91	31. 5. 94	1. 6. 94से 31. 5. 97 1. 6. 97से 31. 5. 2000 1. 6. 2000से 23. 6. 2000	2/2151/89
7.	मै० ओटोस अलिवेटर कंपनी इंडिया लि०, गेटवे बुल्डिंग, अपोलो बन्दर, मुम्बई-400001 तथा शाखाएं	स्मरच/ 4154/ 2295	12. 12. 97	4. 1. 97	5. 1. 97से 4. 1. 2000 5. 1. 2000से 23. 6. 2000	2/1125/84
8.	मै० कार्बन अवरफ्लो लि०, 88, एम आई डी सी हरिया सड़क, नासिक, -422007	स्मरच/ 19682	23. 2. 87	23. 12. 89	24. 12. 89से 23. 12. 92 24. 12. 92से 23. 12. 95 24. 12. 95से 23. 12. 98 24. 12. 98से 23. 6. 2000	2/764/82

1	2	3	4	5	6	7
9.	मै० बजाज इलेक्ट्रोक्ल्स लि०, 45/47, वीर नरिमान रोड मुम्बई-400023	एमएच/ 460	28. 5. 92	30. 9. 93	1. 10. 93से 30. 9. 96 1. 10. 96से 30. 9. 99 1. 10. 99से 23. 6. 2000	2/2123/89
10.	मै० फाइबर फोल्स लि०, 58, एम आई डी सी अन्धेरो बिल्डिंग मुम्बई-400043	एमएच/ 12107	20. 5. 99	28. 2. 96	1. 3. 96से 28. 2. 99 1. 3. 99से 23. 6. 2000	3376/91
11.	मै० बैटलोवी लि०, एस. वी. मार्ग. जोगेश्वरी, मुम्बई-4000102	एमएच/ 4349	14. 9. 89	24. 9. 91	25. 9. 91से 24. 9. 94 25. 9. 94से 24. 9. 97 25. 9. 97से 23. 6. 2000	2/663/82
12.	मै० हिन्दुस्तान लिवर लि०, हिन्दुस्तान लिवर हाउस 165/166, बेकपेस, रेलामेशस, मुम्बई-400020	एमएच/ 917	19. 1. 93	24. 11. 94	25. 11. 94से 24. 11. 97	2/688/82

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए निविदाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम से संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बीमा निगम नियुक्त करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यंग्य होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि वह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस रघुराम

४ एस० रघुराम ४

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डो. एल. आर्क/भाग-1/2653

सा० का०.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने § जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना काङ्गया है § कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा को उपधारा 2 § क § के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है § जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारों को ईं अलग अंशदान या प्रोमियम को अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम को सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारों निक्षेप सहित बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है § जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 को उपधारा 2 § क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त...ने स्कीम को धारा 28 § 7 § के अन्तर्गत ढोल प्रदान को है, उर्वर को अवधि के लिए उक्त के संचालन को छूट प्रदान कर दो गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावो तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० हेमनानी पब्लिक स्कूल, बाबा नेभराज मार्ग, लाजपतनगर-1, नई दिल्ली-110024	डोएल/ 12280	1. 2. 91से 31. 1. 94 1. 2. 94से 31. 1. 97 1. 2. 97से 31. 1. 2000	3/181/2000
2.	मै० टो. सो. आई. एल. बेलसाऊथ लि०, मर्केनटाईल हाऊस, 7वीं मंजिल, 15, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001	डोएल/ 13785	1. 7. 98से 23. 6. 2000	3/182/2000
3.	मै० वी. एल. एस. फाइनांस लि०, सो-489, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली-110024	डोएल/ 15876	1. 7. 95से 30. 6. 98 1. 7. 98से 23. 6. 2000	3/183/2000
4.	मै० के. एल. भरारा एण्ड कं० प्रा. लि०, कमरा न. 7-ए, मेट्रो होटल, कनाट प्लेस नई दिल्ली- -110001	डोएल/ 15978	1. 7. 99से 23. 6. 2000	3/184/2000
5.	मै० राईटर इंडिया प्रा. लि०, 38 रिंग रोड, लाजपतनगर-3 नई दिल्ली-110024	डोएल/ 17530	1. 6. 97से 31. 5. 2000	3/185/2000

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होसदस्थ है, उक्त स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम से संदाय करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बीमा निगम निवृत्त करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को ब्यंगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के लिए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. . उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली कितनी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

राम रघुराम

४ एस० रघुराम ४
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डो. एल. आर्डी/भाग-1/2666

सा० का०.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने ४ जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना काय्यगया है ४ कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 ४ 1952 का 19 ४ को धारा को उपधारा 2 ४ के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है ४ जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम को सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारों निक्षेप सहित बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है ४ जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 को उपधारा 2 ४ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त.....ने स्कीम को धारा 28 ४ 7 ४ के अन्तर्गत दौल प्रदान की है, उर्वर को अधि के लिए उक्त के संचालन को छूट प्रदान कर दी गई है ।

-अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छुट की प्रभावो तिथि	के० भ० नि० आ० का० नं०
1.	मै० राकेश प्रेस, ए-7, नारायणा इन्डस्ट्रियल एरिया फेस-11, नई दिल्ली-110028	डोएल/ 376	1. 3. 98से 23. 6. 2000	3/187/2000/सो-5
2.	मै० दि फर्नीचर एसोसिएट आफ इंडिया 10, गहोद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110067	डोएल/ 3579	1. 1. 99से 23. 6. 2000	3/188/2000
3.	मै० ड्रोपलेस फासेट इंडिया, 47-48, डो एस आई डी सी रोड ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110020	डोएल/ 5239	1. 2. 88से 31. 1. 91 1. 2. 91से 31. 1. 94 1. 2. 94से 31. 1. 97 1. 2. 97से 31. 1. 2000	3/189/2000
4.	मै० जगननाथ एण्ड संस, बी/9-12 ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20	डोएल/ 7243	1. 10. 87से 30. 9. 90 1. 10. 90से 30. 9. 93 1. 10. 93से 30. 9. 96 1. 10. 96से 30. 9. 99	3/190/2000
5.	मै० पार्क होटल, 15, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001	डोएल/ 8496	1. 6. 95से 31. 5. 98 1. 6. 98से 23. 6. 2000	3/191/2000
6.	मै० ममता मोर्डन सोनियर सैकण्डरी स्कूल, एच ब्लॉक, विकासपुरी नई दिल्ली-18	डोएल/ 9281	1. 11. 92से 31. 10. 95 1. 11. 95से 31. 10. 96 1. 11. 98से 23. 6. 2000	3/192/2000

1	2	3	4	5
7.	मै० इन्टर कोटोनेन्टल कंसल्टेंट्स एण्ड टेक्नोग्राफ्ट्स प्रा. लि०, ए-11, गोम पार्क, नई दिल्ली-110016	डोएल/ 11894	1. 3. 95से 28. 2. 98 1. 3. 98से 23. 6. 2000	1/2000
8.	मै० इन्डियन रिन्धुस्वल एर्नडो डवलपमेंट एजेन्सी लि०, इंडिया हेबोटेर सेन्टर कम्प्लैक्स कोर 4, ए, ईस्ट कोर्ट पहलो मंजिल, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003	डोएल/ 12903	1. 3. 97 29. 2. 2000	194/2000
9.	मै० भोलरसन इन्डस्ट्रीज लि०, शोतला हाउस 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019	डोएल/ 13091	1. 12. 96से 30. 11. 99 1. 12. 99से 23. 6. 2000	3/195/2000
10.	मै० चारको ट्रेवल प्रा. लि०, एम-64, 8 पहलो मंजिल लाजपत नगर, फेस-11 नई दिल्ली-110024	डोएल/ 15228	1. 7. 96से 30. 6. 99 1. 7. 99से 23. 6. 2000	3/198/2000
11.	मै० ओरियन्ट क्राफ्ट लि०, जो ओरियन्ट हाउस एफ-8, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110020	डोएल/ 15629	1. 10. 97से 23. 6. 2000	3/199/2000
12.	मै० रुफ टाप होटल्स एण्ड रेस्टोरेंट्स होएल/ प्रा. लि०, अन्तरिया भवन, 27, के. जी. मार्ग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली- 110001	16050	1. 8. 99से 23. 6. 2000	2/200/2000
13.	मै० ए. पी. के. एस. ई. जी. कंट्रोलस इंडिया लि०, 222, ओखला इन्डस्ट्रियल एस्टेट नई दिल्ली- 110020	डोएल/ 16206	1. 4. 93से 31. 3. 96 1. 4. 96से 31. 3. 99 1. 4. 99से 23. 6. 2000	3/201/2000
14.	मै० बिस्ट्रो अमेरिकाना लि०, पुंज लोयड हाउस, 17, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019	डोएल/ 17293	1. 7. 98से 23. 6. 2000	3/202/2000

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक^१ जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु संख्या को भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होतृदस्थ है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वांछित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम से दत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बीमा निगम निवृत्त करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यंगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि संहाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

राम रघुराम

४ एस० रघुराम ४

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डो. एल. आर्. /भाग-1/2686

स०.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने ४ जिसे इसमें इसके पश्चात् स्थापना कहा गया है ४ कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 ४ 1952 का 19४ को धारा को उपधारा 2४क४ के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है ४ जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया ।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम की सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं ४ जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा 2४क४ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त...हरियाणा.....ने स्कीम की धारा 28४7४ के अन्तर्गत ढोल प्रदान की है, 3 वर्षों की अवधि के लिए उक्त संचालन की छूट प्रदान कर दी गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड न०	छूट की प्रभाव की तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	भै० रोड मिडवे पैकेजिंग कम्पनी आफ इंडिया प्रा. लि०, प्लॉट न. 5ई, सेक्टर-4, बल्लभगढ़ -121004, हरियाणा	एचआर/ 1866	1. 2. 90से 31. 1. 93 1. 2. 93से 31. 1. 96 1. 2. 96से 31. 1. 99 1. 2. 99से 31. 1. 2000 23. 6. 2000	5/25/2000/डीएलआर
2.	भै० समानता प्रा. लि०, 11/7, मथुरा रोड, फरोदाबाद	एचआर/ 3481	1. 12. 94से 30. 11. 97 1. 12. 97से 23. 6. 2000	5/26/2000
3.	भै० रिबल, 448, फेस-3, उधोग विहार, गुडगांव	एचआर/ 9172	1. 10. 97से 23. 6. 2000	5/27/2000
4.	भै० डेकलाइम एण्ड इंडिया प्रा. लि०, 166, उधोग विहार फेस-1 गुडगांव	एचआर/ 9264	1. 3. 98से 28. 12. 2000 23. 6. 2000	5/22/2000
5.	भै० वोलर लेदर कोर्पोरेशन लि०, गांव पथेरो राष्ट्रीय मार्ग, न. 8, गुडगांव	एचआर/ 9443	1. 12. 97से 23. 6. 2000	5/21/2000
6.	भै० एन. टी. एफ प्रा. लि०, प्लॉट न. 49, सेक्टर-3, आई. एम. टी. मानेसर गुडगांव	एचआर/ 9907	1. 11. 98से 31. 10. 2001 23. 6. 2000	5/23/2000
7.	भै० कोर्ड इंडिया ब्रह्मपुर रोड गांव, खाडसा गुडगांव	एचआर/ 9322	1. 7. 99से 23. 6. 2000	5/28/2000

अनुसूची—।

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बोमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को वह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले हो सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जितने कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारित/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बोमा निगम को उस सामूहिक बोमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बोमा निगम नियुक्त करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को ब्यंग्त होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत को दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारितों की यदि वह छूट हो गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बोमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

राम रघुराम

§ एस० रघुराम §

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं०/2/1959/डो. एल. आई. /एकजम/89/भाग-1/2700

सा० का.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने, जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है, कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 का 19 को धारा 17 को उपधारा 2 के अन्तर्गत छूट के वित्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस गाम से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम की सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारों के लिए कर्मचारों निक्षेप सहित बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभ से अधिक अनुकूल है जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं० तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-1 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० प्र० नि० आ० की फाईल सं०
1	मै० वेध्यामदम् वेध्यालाला स्टेड नर्सिंग होम पो. आ. मोजाथुर त्रिथाला पालाकाट त्रिथाला केरला-679534	केआर/केके 11369	2/1959/डोएलआई/एक्जम्/भाग-1 दि. 22. 9. 97	30. 9. 98	1. 10. 98से 30. 9. 2001 23. 6. 2000	8/42/97/डोएलआई
2	मै० केरला स्टेट को. आप. एग्री. स्टेड रुरल डेवलपमेंट बैंक लि०, पो. बा. 56, तिरुवनथापुरम-695001	केआर/ 1914	22. 11. 97	30. 6. 97	1. 7. 97से 30. 6. 2000 23. 6. 2000	2468/90
3	मै० केरल स्टेट फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि०, चित्रजिली स्टूडियो कांम्पलेक्स, तिरुवनम पो. आ. तिरुवनतपुरम केरल एस्. इंडिया-695027	केआर/ 4617	15. 11. 97	30. 8. 95	31. 8. 95से 30. 8. 98 31. 8. 98से 30. 8. 2001 23. 6. 2000	8/27/97
4	मै० हिन्दुस्तान लैटेक्स लि०, लैटेक्स मैन, पुजापुरा, तिरुवनतपुरम-695012	केआर/ 3947	12. 12. 97	28. 2. 93	1. 3. 93से 29. 2. 96 1. 3. 96से 28. 2. 99 1. 3. 99से 28. 2. 2002 23. 6. 2000	3509/91
5	मै० भारत होटल पो. बा. न. 2357, डो. एच. रोड अरनाकुलम कोचिन-682016	केआर/केसो 2741	4. 9. 91	31. 8. 92	1. 9. 92से 31. 8. 95 1. 9. 95से 31. 8. 98	2/3779/91

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का ध्यान नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बांझत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन स्वेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में स्वेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविशेष अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालतों की व्यंगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते लोगों लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस रघुराम

§ एस0 रघुराम §

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं0-2/1959/डो. एल. आर्. /एजम/89/भाग-1।/2712

सं0 का.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना का गया है § कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा 17 की उपधारा 2 § क § के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आবেदन किया है । जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम को सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत रवोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है § जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2 § क § द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं0 तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-1 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे उ शर्तों को अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

अ-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी आ. सूचना को सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार को गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० प्र० नि० आ० की फाईल सं०
1.	मै० कफेरी केमिकल्स प्रा. लि०, थिरुवन्तपुरम तिरुन्कुला केरला-689115	केआर/12565	2/1959/डोस्लआई/एक्चम/भाग-1 दि. 24. 1. 99	31. 10. 99	1. 11. 99 से 23. 6. 2000	8/62/97/डोस्लआई
2.	मै० मालाबार सिमेन्ट्स लि०, वालाथार पो. ओ. ४ पालाशकाल जिला केरला-678624	केआर/केके 11299	27. 2. 98	28. 2. 99	1. 3. 99 से 23. 6. 2000	8/54/97
3.	प्र० क्रिप्टम कन्सल्टन्स रूइंडिया प्रा. लि०, पो. वा. 10, कान्जीरामा-पारा रोड, थोडूरुडा-84 केरला इंडिया	केआर/12380	5. 8. 99	31. 12. 99	1. 1. 2000 से 23. 6. 2000	8/6/96
4.	प्र० सेन्युरी हाउस होल्ड इंडो वेडटीकोडू पो. ओ. पुस्तनचरी माजेरी-मान्दपुरम जिला-676122	केआर/केके 11731	22. 12. 97	20. 12. 97	1. 1. 99 से 23. 6. 2000	8/31/97
5.	प्र० आद वायनद जिला को. ओ. फ. बक लि०, कालपेटा नार्थ, वायनद	केआर/9958	26. 10. 97	31. 12. 96	1. 1. 97 से 31. 12. 99 1. 1. 2000 से 23. 6. 2000	2/4548/92

1	2	3	4	5	6	7
6.	मै० श्री भागवथी टेक्स्टाईल्स लि०, रेजिस्टर्ड आफिस, मिल प्रिमोसेज चित्तूर वान्नामादई रोड, चित्तूर पालाक्कड केरला- -678101	केआर/केके 2963	28. 1. 99	28. 2. 99	1. 3. 99से 23. 6. 2000	2/5088/93
7.	मै० होटल इलाइट कान्टोनेटल मैन सेन्ट्रल रोड, थिरुवल्ला केरला	केआर/ 12096	21. 5. 99	30. 9. 99	1. 10. 99से 23. 6. 2000	8/59/97
8.	मै० इन्जाप्पु हिप्पिकल स्टैंड केमिकल्स आयल लि०, भवानटार्वस तिसरा तल पथनामईयत्ता- -689645 केरला	केआर/ 10903	12. 4. 99	30. 11. 98	1. 12. 98से 23. 6. 2000	8/50/97

अनुसूची:- I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसी निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुद्देश्य है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बीमा निगम नियम करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को ब्यंगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाली किसी स्टाफ की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिवत वारिसों को बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

§ एसो सिराम §
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डो. एल. आर्. /भाग-1/2726

S/O.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने § जिसे इसमें इसके पश्चात स्थापना कहा गया है § कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा को उपधारा 28 क § के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है § जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ।

चुकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारों निक्षेप सहित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्थ लाभों से अधिक अनुकूल हैं § जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 को उपधारा 28 क § द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त.....ने स्कीम को धारा 28 क § के अन्तर्गत दोल प्रदान की है, 3 वर्षों की अवधि के लिए उक्त संचालन को छूट प्रदान कर दी गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	शुट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	भै० गोइन्का इन्जोनियरिंग वर्क्स शिलांग-793001 कोटिंग रोड मेघालय	एसए/ 345	1. 12. 89से 30. 11. 92 1. 12. 92से 30. 11. 95 1. 12. 95से 30. 11. 98	2/15/2000/डोएलआई
2.	भै० बिजोऊ सीनेमा पालिस बाजार शिलांग-793001 मेघालय	एसए/ 1506	1. 12. 89से 30. 11. 92 1. 12. 92से 30. 11. 95 1. 12. 95से 30. 11. 98 1. 12. 98से 23. 6. 2000	2/16/2000
3.	भै० इस्तर्न एग्री प्रोसेसिंग र्व टो वेयर हाउसिंग को. ओप. सोसायटी लि०, जवाहरनगर बेलटोला, गौहाटी -781028 आसाम	एसए/ 1522	17. 2. 99से 23. 6. 2000	2/17/2000
4.	भै० श्री स्टोमोबाइल्स प्रा. लि०, पलटन बाजार, जो एस. रोड, गोहाटी-781008	एसए/ 1828	31. 1. 92से 30. 1. 95 31. 1. 95से 30. 1. 98 31. 1. 98से 23. 6. 2000	2/18/2000
5.	भै० मनोपुर इलेक्ट्रो निक्स डवलपमेंट कोर्पोरेशन लि०, बो-14 टकपल इन्डस्ट्रियल एस्टेट, इम्फाल -795001. मनोपुर	एसए/ 1975	23. 4. 98से 23. 6. 2000	2/19/2000
6.	भै० भारती बर्षशोयल्स प्रा. लि०, हेम बरवा रोड, पान बाजार गोहाटी-781001	एसए/ 2693	1. 3. 94से 28. 2. 97 1. 3. 97से 29. 2. 2000	2/20/2000

अनुसूची-1

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	हुट की प्रमापि तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मे० बोन्गेगांव रोलर फ्लोर मिल,पो.ओ. बोन्गेगांव- -783380 चापागुरी रोड आताम	रेसट/ 1001	1. 12. 93ते 30. 11. 96 1. 12. 96ते 30. 11. 99	2/21/2000/ती-5

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है, संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसे विवरणियाँ भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समूह समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बोमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसको मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होसदस्थ है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगम संदाय करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुवीय है।
7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बोमा निगम को उस सामूहिक बोमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारोख के भीतर बोमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यंगंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये, व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि वह छूट दो गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बोमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितो/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

राम रघुराम

॥ एस० रघुराम ॥
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डो. एल. आर्. /भाग-1/2740

सं०..... जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने ॥ जिसे इसमें इसके पश्चात स्थापना कहा गया है ॥ कर्मचारो भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 ॥ 1952 का 19 को धारा को उपधारा 28 के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है ॥ जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ।

चुकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारो कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम को सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारो निक्षेप सहब बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं ॥ जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 को उपधारा 28 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछलो तारोख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त..... ने स्कीम को धारा 28 के अन्तर्गत ढोल प्रदान को है, उ वष को अवधि के लिए उक्त संचालन को छूट प्रदान कर दो गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	घुट की प्रभावो तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० इलेक्ट्रानिक्स रिसर्च सेंड डेवलपमेंट सेंटर, विलियमवालय त्रिषेन्द्रम-695033	केआर/ 12190	1. 4. 99से 23. 6. 2000	8/151/2000/डोएलआई
2.	मै० दि केरल माइनर्स सेंड मेटल्स लि०, पो. बो. न. 4, चावरा-691583 कोल्लम, केरल, इंडिया	केआर/ 10315	1. 1. 98से 23. 6. 2000	8/154/2000
3.	मै० केरल स्टेट कौप० बैंक लि०, कोषिक टावर्स, पालायम, त्रिषेन्द्रम-695033	केआर/ 2575	1. 4. 91से 31. 3. 94 1. 4. 94से 31. 3. 97 1. 4. 97से 31. 3. 2000	8/156/2000

अनुसूची-

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को धारा 17 के अन्तर्गत विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसे संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले होसदस्थ है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारोख के भीतर बीमा निगम निधन करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यंगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितो/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस. एच. राम

§ एस. एच. राम §
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ।

2/1959/डो. एल. आर्. /भाग-1/ 2751

सा. 0. जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने § जिसे इसमें इसके पश्चात स्थापना कहा गया है § कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा को उपधारा 28 क § के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है § जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोर्कार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं § जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 28 क § द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त... शुद्ध... ने स्कीम को धारा 28 क 7 § के अन्तर्गत ढोल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त संचालन की छूट प्रदान कर दी गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावो तिथि	फै० भ० नि० आ० फा० न०
1.	मै० मिहिर टेक्सटाईल्स लि०, चौथी मंजिल बैंक आफ बडौदा बिल्डिंग, गांधी रोड अहमदाबाद- -380001	जोजे/ 262ए	1. 6. 95से 31. 5. 98 1. 6. 98से 31. 5. 2001 23-6-2000	4/198/2000/डोएलआई
2.	मै० स्टोबिक इन्डस्ट्रीज लि०, इस्क्रोन डिवाइजन नन्दोआ इन्डस्ट्री- -यल डवलपमेंट कोपोरेशन लाम्बा गांव के पास, पोस्ट नारोल, अहमदाबाद-382405	जोजे/ 6927	1. 3. 95से 28. 2. 98 1. 3. 98से 28. 2. 2001 23-6-2000	4/198ए/2000
3.	मै० अतुल लि०, 297, जो. आई. डो. सी. इन्डस्ट्रियल एस्टेट, अहमदाबाद- -393002	जोजे/ 9720	1. 3. 94से 28. 2. 97 1. 3. 97से 28. 2. 2000	4/199/2000
4.	मै० इन्वेस्टमेंट एण्ड प्रोमोशन फास्टिंग लि०, नारो रोड, भावनगर गुजरात	जोजे/ 11080	1. 7. 93से 30. 6. 96 1. 7. 96से 30. 6. 99 1. 7. 99से 30. 6. 2002 23-6-2000	4/200/2000
5.	मै० रायल निटिंग प्रा. लि०, विलेज, बस्का, प्लॉट न. 318, पंचमहल तल. हलाल, गुजरात	जोजे/ 16388बी	1. 9. 97से 31-8-2000 23-6-2000	4/201/2000
6.	मै० विजय निटिंग प्रा. लि०, प्लॉट न. 318, बस्का, तल. हलाल जिला पंचमहल, गुजरात	जोजे/ 16388डो	1. 9. 97से 31-8-2000 23-6-2000	4/202/2000
7.	मै० रायल बैलनित प्रा. लि०, 319, बस्का, बडौदा रोड, विलेज बास्का, तल. हलाल, पंचमहल, गुजरात	जोजे/ 16388ई	1. 9. 97से 31-8-2000 23-6-2000	4/203/2000
8.	मै० आशीर्वाद इन्टरप्राइजेज, विलेज उच्छद पादरा जम्बुसत हाइवे जिला भरुच, गुजरात	जोजे/ 23274	1. 12. 99से 30-11-2002 23-6-2000	4/206/2000

1	2	3	4	5
9.	मै० वीडियोकॉन इन्टर नेशनल लि०, ४ पिक्चर ट्यूब यूनिट ४ ई-23 एण्ड ई-24 इलेक्ट्रॉनिक्स एस्टेट, गांधीनगर -382045 गुजरात	जोजे/ 24365	1. 9. 97से 31. 8. 2000 23. 6. 2000	4/208/2000
10.	मै० गांधीनगर होटल लि०, होटल हवेली, सेक्टर-1। गांधीनगर-382001 गुजरात	जोजे/ 24571	1. 5. 95से 30. 4. 98 1. 5. 98से 30. 4. 2001 23. 6. 2000	4/209/2000
11.	मै० हागुरु इन्जो नियरिंग प्रा. लि०, ए-1। भारतीनगर के पास हाइवे, अमरावदी अहमदाबाद-380026	जोजे/ 15860	1. 2. 94से 31. 1. 97 1. 2. 97से 31. 1. 2000	4/210/2000
12.	मै० समयक उद्योग प्लास्टिक्स प्रा. लि०, विलेज उच्छद पादरा, जम्बूसत हाइवे, जिला भरुच, गुजरात	जोजे/ 30797	1. 12. 99से 30. 11. 2002 23. 6. 2000	4/211/2000
13.	मै० मोता कैमिकल्स 163, जो. आई. डो. सी. नन्देसरो इन्डस्ट्रियल एस्टेट नन्देसरो-391340, बडोदरा	जोजे/ 20620	1. 1. 95से 31. 12. 97 1. 1. 98से 31. 12. 2000 23. 6. 2000	4/121/99
14.	मै० मारुति गैस प्रा. लि०, 1402-बो, जो. आई. डो. सी. इलाल जिला, पंचमहल	जोजे/ 17883ए	1. 3. 99से 28. 2. 2002 22. 6. 2000	4/213/2000
15.	मै० अबलेज ग्लास वर्क्स प्रा. लि०, ई-5212, सरदार इन्डस्ट्रियल एस्टेट अजवा रोड, बडौदा-390019	जोजे/ 20381बो	1. 2. 99से 31. 1. 2002 23. 6. 2000	4/214/2000

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुको है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम-तारोख के भीतर बीमा निगम निधन करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यंगंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि वह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितो/विधिक-वारसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

राजेश खुराम
§ एस० रघुराम §
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डॉ. एल. आर्. /भाग-1/2773

सा०..... जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने § जिसे इसमें इसके पश्चात स्थापना कहा गया है § कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा को उपधारा 2 § क § के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है § जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं § जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा 2 § क § द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त.... दि. 1.1.2001 ने स्कीम को धारा 28 § 7 § के अन्तर्गत ढोल प्रदान की है, उ वसी को अवधि के लिए उक्त संचालन को छूट प्रदान कर दो गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	भै० मोटोरेडस डा. के एस कृष्णन रोड, ४ सन. पो. सल. पूसा इन्स्टीट्यूट 2222 के पास नई दिल्ली-110012	डोएल/ 4686	1. 2. 97 से 31. 1. 2000	3/142/2000/डोएल
2.	भै० ओस्कर हेल्थ केयर प्राइवेट लि०, ब०-84/1, ओखला फेस-11 नई दिल्ली-110020	डोएल/ 4686	1. 4. 88 से 31. 3. 91 1. 4. 91 से 31. 3. 94 1. 4. 94 से 31. 3. 97 1. 4. 97 से 31. 3. 2000	3/138/99
3.	भै० एच. जी. एस. इंडिया लि० सी०/9, बसंत कुंज, नई दिल्ली-110070.	डोएल/ 8863	1. 1. 90 से 31. 12. 92 1. 1. 93 से 31. 12. 95 1. 1. 96 से 31. 12. 98	3/132/99
4.	भै० ए. आर. जे. स्कुरिटो प्रिन्टर्स ब०-25/3, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया फेस-11, नई दिल्ली-110020	डोएल/ 11326	1. 4. 91 से 31. 3. 94 1. 4. 94 से 31. 3. 97 1. 4. 97 से 31. 3. 2000	3/143/2000
5.	भै० ए. बी. सी. लैबर्स, ब०-65, मायापुरी, फेस-1, नई दिल्ली-64	डोएल/ 13527	1. 5. 98 से 30. 4. 2001 23. 6. 2000	3/147/2000
6.	भै० ओंकार स्कुरिटो इन्टरप्राइसर्स ई-45, कौशल्या भवन, मोहन बाबा नगर, ताजपुर एक्सटेंशन नई दिल्ली-110044	डोएल/ 13780	1. 1. 98 से 23. 6. 2000 1. 1. 2001 31. 12. 2000	3/148/2000
7.	भै० सिसटोपिक् फार्माक्यूटिकल्स प्रा. लि०, 208, सम्राट भवन कर्मशि-यल काम्पलेक्स, रन्जोत नगर नई दिल्ली-110008	डोएल/ 13789	1. 6. 93 से 31. 5. 96 1. 6. 96 से 31. 5. 99 1. 6. 99 से 31. 5. 2002 23. 6. 2000	3/149/2000

1	2	3	4	5
8.	मै० टी. बी. डब्ल्यू. ए. एन्ड्स प्रा. लि०, 25-सो कर्मशायल कम्पलेक्स पश्चिम मार्ग, बसन्त विहार नई दिल्ली-110057	डोएल/ 14069	1. 7. 92से 30. 6. 95 1. 7. 95से 30. 6. 98 1. 7. 98से 30. 6. 2001 23. 6. 2000	3/150/2000
9.	मै० ओरिएन्ट फ्राण्ट लि०, बो-14, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया फेस-11, नई दिल्ली-20	डोएल/ 15428	1. 1. 97से 31. 12. 99	3/151/2000
10.	मै० स्वीडला इन्डस्ट्री इंडिया लि०, ई-7/14, बसन्त विहार, नई दिल्ली -110057	डोएल/ 15708	1. 10. 96से 30. 9. 99 1. 10. 99से 30. 9. 2002 23. 6. 2000	3/152/2000
11.	मै० अनसुन जोर्पस प्रा. लि०, एन-470, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48	डोएल/ 16151	1. 3. 98से 28. 2. 2001 23. 6. 2000	3/153/2000
12.	मै० इन्टेग्रा कैपिटल मैनेजमेंट लि०, इन्टिग्राह हाउस 9, कम्युनिटी सेंटर पंचशील पार्क, नई दिल्ली-110017	डोएल/ 16936	1. 7. 95से 30. 6. 98 1. 7. 98से 30. 6. 2001 23. 6. 2000	3/146/2000
13.	मै० सिकास इन्टरनैशनल फ्राईट सर्विस प्रा. लि०, एन-28, मिडल सर्कल क्वाट प्लेस, नई दिल्ली-1	डोएल/ 17166	1. 1. 99से 31. 12. 2001 23. 6. 2000	3/154/2000
14.	मै० प्रताप पारिख एंटीसिस्टम सो-65, मालवीयनगर, नई दिल्ली- -110017	डोएल/ 17876	1. 3. 98से 28. 2. 2001 23. 6. 2000	3/144/2000
15.	मै० एम. एम. एक्सपोर्ट्स इंडिया ए-221, ओखला इन्डो एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20	डोएल/ 17824	1. 6. 98से 31. 5. 2001 23. 6. 2000	3/145/2000
16.	मै० प्रेम नाथ मोटर्स लि०, 8, सिधिया हाउस, नई दिल्ली-1	डोएल/ 196	1. 9. 94से 31. 8. 97 1. 9. 97से 23. 6. 2000	3/155/2000
17.	मै० हिमालय मैन्यूफैक्चरिंग इंड स्ट्रल्स कम्पनी 3632, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-2	डोएल/ 494	1. 8. 98से 31. 7. 2001 23. 6. 2000	3/156/2000

1	2	3	4	5
18.	मै० अनसन मल्टीटेक इंडिया लि०, बो-123/बो-141, ओखला इण्डो एरिया, फेस-1 नई दिल्ली-110020	डोएल/ 10081	1. 3. 98से 28. 2. 2001 23. 6. 2000	3/157/2000
19.	मै० सिसटोपिक लेबोरेट्रीज लि०, 101, प्रगति चैम्बर्स कर्मशायल कम्प्लेक्स, रन्जोतनगर, नई दिल्ली-110008	डोएल/ 12804	1. 6. 93से 31. 5. 96 1. 6. 96से 31. 5. 99	3/158/2000
20.	मै० सैम जोपर्स प्रा. लि०, ए-31 इवेसमेंट कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-110048	डोएल/ 19917	1. 3. 98से 28. 2. 2001 23. 6. 2000	3/159/2000
21.	मै० स्टिक ट्रेवल्स प्रा. लि०, आर-734 पहली मंजिल न्यू रजिन्दर नगर दिल्ली-110060	डोएल/ 11851	1. 11. 98से 31. 10. 2001 23. 6. 2000	3/160/2000
22.	मै० बी. के. भैटल इन्डस्ट्री, 4193, दरोगा स्ट्रीट, जोगोवाडा नई सडक, दिल्ली-6	डोएल/ 4283	1. 8. 89से 31. 7. 92 1. 8. 92से 31. 7. 95 1. 8. 95से 31. 7. 98	3/139/2000
23.	मै० बिन भैडोकेयर लि०, 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-19	डोएल/ 6600	1. 10. 90से 30. 9. 93 1. 10. 93से 30. 9. 96 1. 10. 96से 30. 9. 99	3/129/2000
24.	मै० ए. के. एस. सोफ्टवेयर लि०, ए-1/69, सप्टरजंग स्नक्लेव, नई दिल्ली-110029	डोएल/ 11314	1. 12. 94से 30. 11. 97 1. 12. 97से 31. 11. 2001 23. 6. 2000	3/161/2000
25.	मै० राशि एक्सपोर्ट सो-63/1, ओखला फेस-11, नई दिल्ली-110020	डोएल/ 12152	1. 8. 97से 31. 7. 2001 23. 6. 2000	3/162/2000
26.	मै० आर. सो. एम. सो. भेयर रजिस्ट्री प्रा. लि०, 1515, पहली मंजिल 8 भीष्म पोताम्बर मार्ग, होटल मधुराकपुर ताउय एक्स प्रोड नई दिल्ली	डोएल/ 15824	1. 3. 98से 28. 2. 2001 23. 6. 2000	3/163/2000

1	2	3	4	5
27.	मै० इस्टर इन्डस्ट्रीज लि०, 75-76, अमृतनगर, साउथ एक्स के पोस्टे पार्ट-1 नई दिल्ली-3	डोएल/ 13668	1. 9. 93से 31. 8. 96 1. 9. 96से 31. 8. 99	3/164/2000
28.	मै० इस्टर्न एक्सपोर्ट्स 3/9 इन्डस्ट्रियल एरिया, कोर्तिनगर नई दिल्ली-110015	डोएल/ 15059	1. 8. 98से 31. 7. 2001 23. 6. 2000	3/165/2000
29.	मै० होन्डा सेल कार्स इंडिया लि०, केयर आफ श्रीराम होन्डा पावर इक्विपमेंट लि०, 19, रजिन्दर प्लेस, कोर्ति महल बिल्डिंग पाँचवी मंजिल, नई दिल्ली-110008	डोएल/ 17547	1. 1. 97से 31. 12. 99	3/166/2000
30.	मै० पी. ए. सी. एल. इंडिया लि०, पी. ए. सी. एल. हाउस, बो-1/5, जवाला हेरो रोड पश्चिम बिहार नई दिल्ली-110063	डोएल/ 18066	1. 2. 99से 31. 1. 2002 23. 6. 2000	3/167/2000
31.	मै० सुपर वायर कॉर्पोरेशन 2, डो. एल. एफ. इन्डस्ट्रियल एरिया नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110015	डोएल/ 19712	1. 9. 98से 31. 8. 2001 23. 6. 2000	3/168/2000
32.	मै० प्युजरेस इंडिया लि०, मैकेंटाईल हाउस पहली मंजिल 15, के. जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001	डोएल/ 19727	1. 1. 98से 31. 12. 2000 23. 6. 2000	3/169/2000
33.	मै० आर. पी. जी. इटाचुफाइनान्स लि०, 602, अन्तरिक्ष भवन, 22के. जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001	डोएल/ 20198	1. 5. 98से 30. 4. 2001 23. 6. 2000	3/170/2000

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक, जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है, संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले होसदस्थ है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारोख के भीतर बीमा निगम निवृत्त करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को खर्गंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि वह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितो/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जोवन बोमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जोवन से बीमाकृत राशि प्राप्त-होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस एच्युशम

§ एस० रघुराम §
क्षेत्रीय भाषिय निधि आयुक्त

सं०-2/1959/डो. एल. आर्. /एकत्रम/69/भाग-11/2816

सं० का..... जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना का गया है § कर्मचारो भाषिय निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 का 19 को धारा 17 को उपधारा 28क के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए अपेदन किया है । जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भाषिय निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारो कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी कर बिना जोवन बोमा के रूप में भारतीय जोवन बोमा निगम को सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारो के लिए कर्मचारो निक्षेप सहित बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है § जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा के उपधारा 28क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भाषिय निधि आयुक्त को अधिसूचना सं० तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-11 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भाषिय निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे उ शर्तों को अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारो अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० प्र० नि० आ० की फाईल सं०
1.	मै० श्री विजयरामा गंगाधेयो को ओप. सुगर्स लि०, मोमासिंगो विजोयानागाराम जिला	रेपो/वोपो 5638	2/1959/डोस्लआई/एक्जम/ 89/भाग-1 दि. 16. 11. 97	31. 1. 99	1. 2. 99से 23. 6. 2000	1/71/97/डोस्लआई/रेपो
2.	मै० आई डी स्ल केमिकल्स लि०, पो. बा. न. 1, सतनगर आई. ई. पो. ओ. हैदराबाद-500018	रेपो/ 1791	27. 8. 97	27. 8. 97	28. 8. 97से 23. 6. 2000	2/294/79
3.	मै० पो. ई इंजोर्नर्स प्रा. लि०, 231, डि. स. बालानगर हैदराबाद-500037	रेपो/ 4803		29. 2. 94	1. 3. 94से 28. 2. 97 1. 3. 97से 29. 2. 2000 1. 3. 2000से 23. 6. 2000	2/2138/89
4.	मै० स्टैंडर्ड पैकर्स इंडिया लि०, 6-6, इन्डस्ट्रियल एस्टेट, नेलोर -524004 आ० प्र०	रेपो/ 6980	5. 4. 99	28. 2. 2000	29. 2. 2000से 23. 6. 2000	2/1997/

1	2	3	4	5	6	7
5.	मै० आन्ध्रप्रदेश स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लि०, कोप. केडिट सोसाईटी लि०, सत्यानरायणा रेडो मार्ग, अजमाबाद हैदराबाद	स्पे०/ 6479	7. 10. 92	29. 4. 91	30. 4. 91 से 29. 4. 94 30. 4. 94 से 29. 4. 97 30. 4. 97 से 29. 4. 2000	2/1203/85
6.	मै० जतवाल इंजी वार्क्स. ए. ए. लि०, 32, आई डी ए. बालानगर हैदराबाद-500037	स्पे०/ 6279	14. 5. 99	31. 3. 99	1. 4. 99 से 23. 6. 2000	1/75/99
7.	मै० हगबन्डस डीजाईन लि०, पटनाचारु, जिला, मेडक	स्पे०/ 4239	7. 3. 94	28. 2. 95	1. 3. 95 से 28. 2. 98 1. 3. 98 से 23. 6. 2000	2/2698/92
8.	मै० वसावो प्रोबाइन्ड राईस मि. शुगर मार्ग, मरियालागुडा नालगोंडा जिला-508207	स्पे०/ 18623	11. 3. 99	30. 9. 99	1. 10. 99 से 23. 6. 2000	1/72/98

1	2	3	4	5	6	7
9.	मै0 होली मदर हाई स्कूल, 284, श्री विश्वानगर, राधिका मार्ग, कापडा आर. आर. जिला हैदराबाद	स्पो/ 20871	14. 5. 99	28. 2. 98	1. 3. 98से 23. 6. 2000	1/80/99/डोएलआई
10.	मै0 महेश्वरी परबोल्ड मार्डन राईस मिल, आर/10, मुकेन्दापूरम डा. दुग्गापल्ली-508278	स्पो/ 18633	18. 3. 99	30. 9. 99	1. 10. 99से 23. 6. 2000	1/36/98
11.	मै0 सोभाग्य कन्फेक्चररी प्रा. लि0, प्लॉट न. 308, निर्मल टावर द्वारकापुरी पंजागुट्टा हैदराबाद-500082	स्पो/ 19684	6. 11. 97	29. 2. 2000	1. 3. 2000से 23. 6. 2000	1/112/97
12.	मै0 रेडडीस लेबोरेट्रीस लि0, सर्वे न. 47, गांव वसुपाल्ली कुटुबुल्लापुर मण्डल, जिला, आर. आर. -500123	स्पो/ 17049	1. 3. 95	30. 11. 96	1. 12. 96से 30. 11. 99 1. 12. 99से 23. 6. 2000	2/2704/90
13.	मै0 प्रसाद ड्राग्स प्रा. लि0, सर्वे न. 296/713, मोलाराम, नरगापुर, टी. ओ. मेडक जिला	स्पो/ 18803	22. 12. 98	31. 8. 98	1. 9. 98से 23. 6. 2000	2/2185/

1	2	3	4	5	6	7
14.	मै० काकातोया टेक्सटाईल्स लि०, 6-3-1090/सी/1/9/101, लक्नो मानसून राजभवन मार्ग, सोमाजोगुडा हैदराबाद-500482	रेपो/ 17160	2. 11. 98	30. 9. 95	1. 10. 95से 30. 9. 98 1. 10. 98से 23. 6. 2000	2/4243/92
15.	मै० इन्डोनेशनल लि०, टाटा गांव सुलरपेट तालुक जिला, नैल्लौर-524401 आ. प्र.	रेपो/ 11560	9. 8. 98	31. 10. 97से	1. 11. 97से 23. 6. 2000	2/1451/86
16.	मै० के. सी. पी. लि०, रामाकृष्णा सीमेंट हैम्परेरो स्टाफ मेयरला मुन्दूर-522426 आ. प्र.	रेपो/ 2267	27. 9. 95	30. 11. 96	1. 12. 96से 30. 11. 99 1. 12. 99से 23. 6. 2000	2/3190/
17.	मै० के. सी. पी. लि०, रामाकृष्णा सीमेंट मेयरला मुन्दूर जिला आ० प्र०	रेपो/ 929	23. 12. 92.	30. 11. 93	1. 12. 93से 30. 11. 96 1. 12. 96से 30. 11. 99 1. 12. 99से 23. 6. 2000	2/3188/90

1	2	3	4	5	6	7
18.	मै0 डान-रेड्डो-रिसर्च फा उद्देश 7-1-27, अमरपेट हैदराबाद- -500016	स्प0/ 18588	10. 1. 99	28. 2. 99	1. 3. 99से 23. 6. 2000	2/3035/90
19.	मै0-पुआरो सीमेन्टस कृष्णानगर पेरागुन्तला कुडप्पा आ. प्र. -51631	स्प0/ 18735	3. 9 97	20. 11. 99	1. 12. 99से 23. 6. 2000	1/19/96
20.	मै0 स्न. तो. स्ल. इंडस्ट्रीज लि., आर. आर. टावर्स 7वातल चिरागअली लेन हैदराबाद- -500001	स्प0/ 17031	13. 8. 97	31. 3. 99	1. 4. 99से 23. 6. 2000	2136/
21.	मै0 गोदावरी एक्सप्लोसिव प्रा. लि0, 202/203, मिनर्वा काम्पलेक्स दूसरा तल स्त. डी. मार्ग, सिकन्दराबाद-500003	स्प0/ 18612	26. 7. 99	31. 10. 99	1. 11. 99से 23. 6. 2000	2/4278/
22.	मै0 दि बुक प्वाइंट इंडिया लि0, 3-5-819, हैदराबाद- -500029	स्प0/ 16274	24. 9. 91	28. 2. 91	1. 3. 91से 28. 2. 94 1. 3. 94से 28. 2. 97 1. 3. 97से 29. 2. 2000 1. 3. 2000से 23. 6. 2000	3733/91

1	2	3	4	5	6	7
23.	मै० पेनर इन्डस्ट्रीज लि०, 1-10-75/1/J-6, पहली मंजिल सप्तगिरी टावर्स एस्. पो. रोड बेगमपेट हैदराबाद-500016	एपो/ 20737	10. 1. 99	31. 10. 99	1. 11. 99से 23. 6. 2000	2/4247/92
24.	मै० नवयुग इंजोनियरिंग कं० लि०, द्वारका नगर विशाखा- पटनम-530001	एपो/वोपो 17618	9. 2. 98	31. 10. 99	1. 11. 99से 23. 6. 2000	2/4336/94
25.	मै० दि आ० प्रदेश डैरी डवलप- मेंट को. ओपरेटिव फेडरेशन लि०, -500017	एपो/ 2862	7. 97	4. 3. 98	5. 3. 98से 23. 6. 2000	2/706/82
26.	मै० गिरोजन को. पो. कार्पोरेशन लि०, विशाखापटनम-17	एपो/ 3060	3. 5. 91	31. 5. 91	1. 6. 91से 31. 5. 94 1. 6. 94से 31. 5. 97 1. 6. 97से 31. 5. 2000 1. 6. 2000से 23. 6. 2000	2/3506/91
27.	मै० प्रिमियर टोबको फ़ैक्टरी लि०, पो. बा. न. 1, सिंगारोकोण्डा प्रकाशम जिला आ. प्र. -523101	एपो/ 13526	2. 2. 94	30. 9. 95	1. 10. 95से 30. 9. 98 1. 10. 98से 23. 6. 2000	2/4521/92

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पञ्चात नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जितमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बीमा निगम नियम करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को ब्यगंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत को दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितो/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि स्वीय तात्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तात्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन से बीमाकृत राशि प्राप्त-होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस. रघुराम

§ एस० रघुराम §
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डो. एल. आर्. /भाग-1/2853

सं०.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं में § जिसे इसमें इसके पश्चात स्थापना कहा गया है § कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा को उपधारा 2 § के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है § जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट रहे कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं § जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 को उपधारा 2 § के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछले तारीख से प्रमाणित जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त.....ने स्कीम को धारा 28 § 7 § के अन्तर्गत ढोल प्रदान की है, 3 वर्षों की अवधि के लिए उक्त संचालन को छूट प्रदान कर दो गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छुट की प्रभावो तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० अखिल फार्मा लि०, गाँव मुतानगो पटनचेरु संगारेडो तालुका जिला मेडक आ०प्र०-502300	रेपो/ 14260	1. 11. 92से 31. 10. 95 1. 11. 95से 31. 10. 98 1. 11. 98से 23. 6. 2000	1/41/96/डीएलआई
2.	मै० चारमिनार ग्रेनाईट्स एक्स- -पोर्टर्स लि०, सर्वे न. 172, आई. डॉ. ए. बोलाराम जिन्नाराम मंडल मेडक जिला-502325	रेपो/ 26198	1. 11. 95से 31. 10. 98 1. 11. 98से 23. 6. 2000	1/174/2000
3.	मै० बी. एच. ई. एल. एम्पलाईज को.ओप.क्रेडिट सोसाइटी लि०, रामाचन्द्रापुरम हैदराबाद- -500032	रेपो/ 25292	1. 7. 96से 30. 6. 99 1. 7. 99से 23. 6. 2000	1/175/2000
4.	मै० बोरोन लेब्रोटेरोज लि०, 1-8-179/2 उष्मा किरण एस्. जो. मार्ग, सिकन्दराबाद-500003	रेपो/ 22102	1. 1. 96से 31. 12. 98 1. 1. 99से 23. 6. 2000	1/176/2000
5.	मै० लिबर्टी कारपोरेशन लि०, 23, नागरजुना हिल्स पंजागुडा हैदराबाद-500082	रेपो/ 26197	1. 11. 95से 31. 10. 98 1. 11. 98से 23. 6. 2000	1/177/2000
6.	मै० उद्योदया पब्लिकेशन इनाडू काम्पलेक्स सोमाजोगुडा हैदराबाद -500082	रेपो/ 29091	1. 8. 96से 31. 7. 99 1. 8. 99से 23. 6. 2000	1/178/2000
7.	मै० साइनियन सिस्टम प्रा. & लि०, प्लॉट न. 71, 72, अनरिच इंडस्ट्रियल स्टेट, आई. डॉ. ए. बोलाराम, हैदराबाद-502325	रेपो/ 23975	1. 7. 97से 23. 6. 2000	1/179/2000
8.	मै० बोरगामिक्स लि०, 2011, इमराल्ड हाउस, एस्. डॉ. मार्ग, सिकन्दराबाद-500003	रेपो/ 25213	1. 7. 99से 23. 6. 2000	1/180/2000

1	2	3	4	5
9.	मै० सपशगिरी कम्पनी लि०, 13-5, गोतो मार्ग, बी-कोथापल्ली एन सच-7, अन्तापुर-515731	एपो/ 29249	1. 10. 99से 23. 6. 2000	1/181/2000
10.	मै० मेडक रबर लि०, प्लाट न. 106, एपो/ श्री धेन्कटेश्वरा कौप. इन्डस्ट्रियल स्टेट, पो. ओ. बोल्लाराम टोक्को, नररापुर & आ. प्र. & 502320	30609	1. 5. 98से 23. 6. 2000	1/182/2000
11.	मै० रशियन परोक्ताइडस लि०, जो एन टो मार्ग, तुलरपथ जिला नेल्लूर-524123	एपो/ 29260	1. 7. 99से 23. 6. 2000	1/183/2000
12.	मै० श्री शक्ति कालेज आफ होटल मैनेजमेन्ट अड्जुसन्ट टू एयरपोर्ट वेगामपेट हैदराबाद-500016	एपो/ 30633	1. 4. 99से 23. 6. 2000	1/184/2000
13.	मै० हरटेक्स इलास्टोनेश प्लाट नं. नं. 106, आई डी ए बोल्लाराम टोक्को नसीपुर जिला मेडक- -502320	एपो/ 29841	1. 5. 98से 23. 6. 2000	1/185/2000
14.	मै० हरटेक्स रबर लि०, प्लाट नं. नं. 104, आई डी ए बोल्लाराम जिला. मेडक-502325	एपो/ 19841	1. 5. 98से 23. 6. 2000	1/186/2000
15.	मै० टाटा टेलिसविशन लि०, 15-9-62, खाम लतिफ खाम स्टेट फतेह महादम मार्ग, हैदराबाद- -500001	एपो/ 32831	1. 4. 98से 23. 6. 2000	1/187/2000
16.	मै० ग्लोपाल पुलक डग्गस संड अमैचिमिकल्स लि०, डिग्वाल गांव की हिर मण्डल जिला मेडक -522321	एपो/ 24019	1. 5. 96से 30. 4. 99 1. 5. 99से 23. 6. 2000	1/188/2000
17.	मै० जो तो एस आर कालेज रजनो श्री काकुलम जिला-523127	एपो/ 28697	1. 4. 97से 31. 3. 2000	1/189/2000
18.	मै० ई. पी. एफ. प्रोसेस फिल्टर्स संड अकुमुलेटर्स प्रा. लि०, 59-ए, सो आई एफ & एक्जम & गांधीनगर बालानगर, हैदराबाद-500037	एपो/ 28067	1. 10. 96से 30. 9. 99 1. 1. 99से 23. 6. 2000	1/190/2000

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बोमा प्रोमिसम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसे संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसको मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होतदस्थ है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रोमिसम भारतीय जीवन बोमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बोमा निगम की उस सामूहिक बोमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस निधम तारीख के भीतर बोमा निगम निधन करें प्रोमिसम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यर्थ होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रोमिसम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि वह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बोमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के मोतर सुनिश्चित करेगा ।

एस. रघुराम
§ एस. रघुराम §
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं०-2/1959/डो. एल. आर्. डी. /एकजम/89/भाग-11/ 2881

सं० का..... जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं में जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना का गया है १ कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 का 19 को धारा 17 को उपधारा 28क के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आदिष्ट किया है । जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है १ जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 28क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं० तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-11 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संयोजन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

अनुसूची-1

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड-नं०	सरकारी अधिसूचना को सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार को गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० प्र० नि० आ० को फाईल सं०
1.	मै० श्री सारदा मिल्स प्रो. बो. न. 4803, सुरेन्द्रापुरम, कोयम्बेटर-24, 69	टोस्न/ 69	2/1959/डोस्लआई/एक्जम्/ 89/भाग-1 दि. 17. 6. 99	31. 12. 987	1. 1. 99से 23. 6. 2000	2/3298/90/डोस्लआई
2.	मै० दि कुमारन मिल लि०, स्न स्न स्न पालायम, कोयम्बेटर-31	टोस्न/ 70	15. 5. 99	21. 12. 99	22. 12. 99से 23. 6. 2000	2/1089/89
3.	मै० ब्रेडसेल लि०, न. 47, ग्रेम्स मार्ग, चेन्नई-600006 तथा शाखाएं 129ए/बो	टोस्न/ 129ए/बो	3. 4. 2000	31. 3. 99	1. 4. 99से 23. 6. 2000	2/5369/93
4.	मै० दि टुटिकोरिन स्पिनिंग मिल्स लि०, 106, पालायमकुट्टई रोड, टुटिकोरिन-8	टोस्न/ 209	26. 10. 97	30. 11. 98	1. 12. 98से 23. 6. 2000	2/2941/90
5.	मै० प्रिकोट मिल्स लि०, "हंपरोया" प्रो. बो. न. 3888, रेस कोर्स मार्ग, कोयम्बेटर-18	टोस्न/ 240सो	19. 5. 99	31. 3. 99	1. 4. 99से 23. 6. 2000	2/3151/90
6.	मै० के. के. जिला सैन्ट्रल कौप. बैंक नागेरकोल	टोस्न/ 4144	3. 5. 94	31. 3. 93	1. 4. 93से 31. 3. 96 1. 4. 96से 31. 3. 99 1. 4. 99से 23. 6. 2000	2/5405/94

1	2	3	4	5	6	7
7.	मै० टो संड आर फेलडिंग प्रोडक्ट्स इंडिया लि०, 29, इन्डस्ट्रियल स्टेट, अम्बाटूर, चेन्नई-58	टोएन/ 5054	19. 3. 99	29. 2. 2000	1. 3. 2000से 23. 6. 2000	2/2603/90/डोरलआई
8.	मै० मांडलाडो प्राइमरी एग्रीकल्चरल कौप. बैंक लि०, मांडलाडा जिला, कन्याकुमारी	टोएन/ 6124	5. 4. 2000	31. 1. 93	1. 2. 93से 31. 1. 96 1. 2. 96से 31. 1. 99 1. 2. 99से 23. 6. 2000	14/704/99
9.	मै० वलिंग्टन टो फैक्टरी वार्निंग पो. ओ. -643231, दि निलग्रीस	टोएन/ 8876	19. 5. 99	30. 11. 99	1. 12. 99से 23. 6. 2000	2/4856/93
10.	मै० सोरा ट्रेडिंग लि०, 56/2, अन्ना सलाई नागलकनो, चरोमपेट, चेन्नई-4	टोएन/ 30433	14. 1. 2000	30. 9. 99	1. 10. 99से 23. 6. 2000	14/684/99
11.	मै० टो. अब्दुल वाहिद टैनरिज लि०, न. 26, वेपरो डाई मार्ग, परियामेट चेन्नई-3	टोएन/ 10602ए	21. 6. 99	31. 12. 99	1. 1. 2000से 23. 6. 2000	14/45/95
12.	मै० इलैक्ट्रान इंडिया, टाइप-11 न. 9, बी. एस. आई. स्टेट, थोरु वन्मियूर चेन्नई-41	टोएन/ 12170	24. 11. 95	31. 8. 96	1. 9. 96से 31. 8. 99 1. 9. 99से 23. 6. 2000	2/2585/90

1	2	3	4	5	6	7
13.	मै0 तमिलनाडू केमिकल्स प्रोडक्ट्स को विलूर, कराइकुडो	टोस्न/ 12143	26. 2. 98	28. 2. 99	1. 3. 99से 23. 6. 2000	2/3292/91
14.	मै0 शंकर हायर सेकण्डरी स्कूल मदुरै मार्ग, शंकरनगर-627358 तिरुनेलवली जिला, कन्याकुमारो	टोस्न/ 13548	4. 5. 98	31. 3. 99	1. 4. 99से 23. 6. 2000	14/326/97
15.	मै0 महात्मा गांधी सेन्टरो विधालय विधालय, टेन्नूर, त्रिचि-620107	टोस्न/ 16227	18. 3. 99	28. 2. 99	1. 3. 99से 23. 6. 2000	14/504/98
16.	मै0 इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ तमिलनाडू लि0, दूसरो मंजिल, एम एच यू कौम्पलेक्स, 473, अन्ना सलाई नन्दानम, चेन्नई-35 तथा शाखारं	टोस्न/ 16633	30. 9. 97	31. 3. 96	1. 4. 96से 31. 3. 99 1. 4. 99से 23. 6. 2000	1088/84
17.	मै0 सनको ट्रान्स लि0, न. 90, मोरे स्ट्रीट चेन्नई-1	टोस्न/ 16536	24. 11. 95	31. 3. 96	1. 4. 96से 31. 3. 99 1. 4. 99से 23. 6. 2000	2/2734/90
18.	मै0 क्वाल्लो कोड प्राइमरो एगो- -कलचर्ल कौम. बैंक लि0, क्वाल्लोकोड पो. ओ.	टोस्न/ 17304	5. 4. 2000	28. 2. 99	1. 3. 99से 23. 6. 2000	14/706/99
19.	मै0 मियर्स साफ्टवेयर इंटरनैशनल लि0, न. 24, मेन रोड, यूनाइटेड इंडिया कालोनी, कोडम्बाक्कम, चेन्नई-24 तथा शाखारं	टोस्न/ 36091	11. 3. 99	30. 9. 99	1. 10. 99से 23. 6. 2000	14/394/98

1	2	3	4	5	6	7
20.	मै० बंसर इन्डस्ट्रिज लि०, 17, अवरामपालायम मार्ग, गणपति पो. ऑ. कौयम्बेटूर-641006	टोएन/ 21845	23. 1. 99	31. 10. 99	1. 11. 99से 23. 6. 2000	2/4722/92
21.	मै० श्री वर्धाराजा टेक्सटाइल्स, पो. बी. नं. 1616, पिलामेडूर कौयम्बेटूर-641004	टोएन/ 519	15. 5. 99	9. 11. 99	10. 11. 99से 23. 6. 2000	2/1068/84
22.	मै० ब्रिज होटल प्रा. लि०, नं. 850, पुन्मआल्लो हाई मार्ग, चेन्नई-10	टोएन/ 31403	5. 4. 2000	30. 9. 99	1. 10. 99से 23. 6. 2000	14/715/99
23.	मै० मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारि कौप. बैंक लि०, नं. 317, सेम्बुदासे स्ट्रीट चेन्नई-600001	टोएन/ 10945	1. 11. 95	31. 5. 96	1. 6. 96से 31. 5. 99 1. 6. 99से 23. 6. 2000	2/3605/91
24.	मै० दि. तिल्लेचेन्दुर कौप. स्पिनिंग मिल्स लि०, नं. 628617, टुटोको-रिन, जिला	टोएन/ 3926	12. 5. 99	23. 12. 98	24. 12. 98से 23. 6. 2000	2/938/83
25.	मै० एस. जी. जयराज स्लैट सन्स, 176बी त्रिवेन्द्रम मार्ग, पालयमकुट्टई, त्रिवेन्द्रम-2	टोएन/ 6293	23. 1. 92	31. 8. 94	1. 9. 94से 31. 8. 97 1. 9. 97से 23. 6. 2000	2/2464/90

1	2	3	4	5	6	7
26.	मै0 रैमको इन्डस्ट्रीज लि0, 5वां प्लोर, 98ए, डा. राधाकृष्णन मार्ग, माइलापोर, चेन्नई-4	टोएन/ 6183	20. 10. 95	29. 2. 96	1. 3. 96से 28. 2. 99 1. 3. 99से 23. 6. 2000	2/2725/90
27.	मै0 ड आई एच एसोसियेटेड लि0, नं. 1/24, जे. एस. टी. मार्ग, मिनम्बा- कम, चेन्नई-27	टोएन/ 26101	17. 8. 99	30. 9. 99	1. 10. 99से 23. 6. 2000	14/79/95
28.	मै0 कम्पलिट बुशनेश सोलुशनस इंडिया लि0, मद्रास एक्सपोर्ट प्रोसिजिंग जेन चेन्नई-600045	टोएन/ 30027	1. 6. 98	31. 8. 99	1. 9. 99से 23. 6. 2000	14/107/95
29.	मै0 मद्रास ओक्सोजन स्टैंड असेलाइलन कं0 लि0, पो. बों. नं. 4218, परियाना- इकन, पालायन, कोयम्पेटूर-641020	टोएन/ 7945	15. 5. 99	30. 9. 99	1. 10. 99से 23. 6. 2000	2/3116/90
30.	मै0 दि त्रिचि जिला अमरावती कन्सुमर्स कौप. होलसेल स्टोर्स, लि0, त्रिचि-620002	टोएन/ 4512	16. 2. 99	28. 2. 99	1. 3. 99से 23. 6. 2000	14/230/97
31.	मै0इ. एम. एल. स्पेन्सोज प्रा. लि0, स्वामी कोम्पलेक्स, पहली मंजिल नं. 41, थाम्बुपेट्टी स्ट्रीट, मन्नाडे चेन्नई-1	टोएन/ 36278	16. 5. 99	30. 11. 99	1. 12. 99से 23. 6. 2000	14/441/98

1	2	3	4	5	6	7
32.	मै० अमेरिकन रेमिडिज लि०, नं. 124, टोएन/ एल बो मार्ग, अदियार, चेन्नई- -600020	16265	19. 4. 94	31. 3. 93	1. 4. 93से 31. 3. 96 1. 4. 96से 31. 3. 99 1. 4. 99से 23. 6. 2000	4489/92
33.	मै० फूलर इंडिया लि०, नं. 180, कोडम्बाकम हाई मार्ग, चेन्नई- -600034 तथा शाखाएं	19248	23. 1. 99	31. 1. 2000	1. 2. 2000से 23. 6. 2000	2/2042/89
34.	मै० जयलक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स लि०, सगालोपालायम, एन ब्रो जी ओ कालोनी १ पो. ओ. १ कोयम्बटूर-	10434	8. 4. 99	31. 1. 99	1. 2. 99से 23. 6. 2000	14/396/98
35.	मै० इस्ट्रन क्रोमो टैनिंग कापोरेशन नं. 12, कालेज मार्ग, चेन्नई-6	9396	19. 5. 99	29. 2. 2000	1. 3. 2000से 23. 6. 2000	2/2256/89
36.	मै० कुम्बाकोनम हरल इलेक्ट्रोड कौप० सौसायटो, रामराज मार्ग, पो. बो. नं. 8, कुम्बाकोनम	16814	30. 9. 97	28. 2. 98	1. 3. 98से 23. 6. 2000	2/4061/92

1	2	3	4	5	6	7
37.	मै० सानमुगा प्रेसिजन फोर्जिंग, थिल्मालाईसमद्रम, थान्नावर जिला	टोएन/ 27045	16. 2. 99	31. 8. 96	1. 9. 96से 31. 8. 99 1. 9. 99से 23. 6. 2000	
38.	मै० सेथार पूह आयल लि०, त्रिचि सलम मेन मार्ग, मुत्तिरि- -621211, त्रिचि जिला तमिलनाडू	टोएन/ 27043	19. 5. 99	31. 12. 99	1. 1. 2000से 23. 6. 2000	14/227/97

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्त के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बोमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसे संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी की विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बोमा निगम की उस सामूहिक बोमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारोख के भीतर बोमा निगम नियम करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को ब्यंगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि वह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बोमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

रघुराम

४ एस० रघुराम ४

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डॉ. एल. आई. /भाग-1/ 2928

दिनांक:-

2.1.2000

सं०..... जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने ४ जिसे इसमें इसके पश्चात स्थापना कहा गया है ४ कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 ४ 1952 का 19 को धारा को उपधारा 28 के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है ४ जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ।

चुकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम की सामूहिक बोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बोमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं ४ जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 को उपधारा 28 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त..... ने स्कीम को धारा 28 के अन्तर्गत छूट प्रदान की है, उसी की अवधि के लिए उक्त संचालन को छूट प्रदान कर दी गई है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छुट की प्रभावो तिथि	फै० नं० नि० अ० फा० नं०
1.	मै० अखिल फार्मा लि०, गाँव मुतानगी पटनघेरु संगारेडो तालुका जिला मेडक अ० प्र०-502300	ऐप०/ 14260	1. 11. 92से 31. 10. 95 1. 11. 95से 31. 10. 98 1. 11. 98से 23. 6. 2000	1/41/96/डो० स्लआई
2.	मै० चारमिनार ग्रेनाईट्स एक्स- -पोर्ट्स लि०, सर्वे न. 172, आई. डो. ए. बोलाराम जिन्नाराम मंडल मेडक जिला-502325	ऐप०/ 26198	1. 11. 95से 31. 10. 98 1. 11. 98से 23. 6. 2000	1/174/2000
3.	मै० बी. एच. ई. एल. एम्पलाईज को. ओप. क्रेडिट सोसाइटी लि०, रामाचन्द्रपुरम हैदराबाद- -500032	ऐप०/ 25292	1. 7. 96से 30. 6. 99 1. 7. 99से 23. 6. 2000	1/175/2000
4.	मै० बोरोन लेब्रोटेरीज लि०, 1-8-179/2 उषा किरण स्त. जो. मार्ग, सिकन्दराबाद-500003	ऐप०/ 22102	1. 1. 96से 31. 12. 98 1. 1. 99से 23. 6. 2000	1/176/2000
5.	मै० लिबर्टी कारपोरेशन लि०, 23, नागरजुना हिल्स पंजागुडा हैदराबाद-500082	ऐप०/ 26197	1. 11. 95से 31. 10. 98 1. 11. 98से 23. 6. 2000	1/177/2000
6.	मै० उषोदया पब्लिकेशन इनाडु काम्पलेक्स सोमाजीगुडा हैदराबाद -500082	ऐप०/ 29091	1. 8. 96से 31. 7. 99 1. 8. 99से 23. 6. 2000	1/178/2000
7.	मै० साइनिन सिस्टम् प्रो. १ लि०, प्लॉट न. 71, 72, अनरिच इंडस्ट्रियल स्टेट, आई. डो. ए. बोलाराम, हैदराबाद-502325	ऐप०/ 23975	1. 7. 97से 23. 6. 2000	1/179/2000
8.	मै० बोरगामिक्स लि०, 2011, इमराल्ड हाउस, एस्. डो. मार्ग, सिकन्दराबाद-500003	ऐप०/ 25213	1. 7. 99से 23. 6. 2000	1/180/2000

1	2	3	4	5
9.	मै० सपशागिरो कम्पनी. लि०, 13-5, गोतो मार्ग, बो-कोथापल्ली एन एच-7, अन्तापुर-515731	रेपो/ 29249	1. 10. 99से 23. 6. 2000	1/181/2000
10.	मै० मेडक रबर लि०, प्लॉट नं. 106, श्री धनकेश्वरा कौप. इन्डस्ट्रियल स्टेट, पो. ओ. बोल्लाराम टोक्को, नररापुर & आ. प्र. & 502320	रेपो/ 30609	1. 5. 98से 23. 6. 2000	1/182/2000
11.	मै० एशियन परोक्साइडस लि०, जो एस टो मार्ग, सुलरपथ जिला मैल्लूर-524123	रेपो/ 29260	1. 7. 99से 23. 6. 2000	1/183/2000
12.	मै० श्री शक्ति कालेज आफ होटल मेनेजमेन्ट अडजेसन्ट टू एयरपोर्ट वेगमपेट हैदराबाद-500016	रेपो/ 30633	1. 4. 99से 23. 6. 2000	1/184/2000
13.	मै० हरटैक्स इलास्टोमैश प्लॉट नं. नं. 106, आई डो ए बोल्लाराम टोक्को नसोपुर जिला मेदक- -502320	रेपो/ 29841	1. 5. 98से 23. 6. 2000	1/185/2000
14.	मै० हरटैक्स रबड लि०, प्लॉट नं. नं. 104, आई डो ए बोल्लाराम जिला मेदक-502325	रेपो/ 19841	1. 5. 98से 23. 6. 2000	1/186/2000
15.	मै० टाटा टैलिसविशन लि०, 15-9-62, खाम लतिफ खाम स्टेट फोह महादम मार्ग, हैदराबाद- -500001	रेपो/ 32831	1. 4. 98से 23. 6. 2000	1/187/2000
16.	मै० ग्लोपाल पुलक इग्स सेंड अमिचिमिकल्स लि०, डिग्वाल गांव कोहिर मण्डल जिला मेदक -522321	रेपो/ 24019	1. 5. 96से 30. 4. 99 1. 5. 99से 23. 6. 2000	1/188/2000
17.	मै० जो सी एस आर कालेज रजनो श्री काकुलम जिला-523127	रेपो/ 28897	1. 4. 97से 31. 3. 2000	1/189/2000
18.	मै० ई. मो एफ प्रोपैस फिल्टर्स सेंड अकुमुलेटर्स प्रा. लि०, 59-ए, सी आई एफ & एक्जम & गांधीनगर बालानगर, हैदराबाद-500037	रेपो/ 28067	1. 10. 96से 30. 9. 99 1. 1. 99से 23. 6. 2000	1/190/2000

अनुसूची-1

1. (क) उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक, जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है, संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसी निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों की प्रस्तुत किया जाना बोमा प्रोमिसम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी खासत आवश्यक प्रोमिसम भारतीय जीवन बोमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञाप्य है।
7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी की विधि वारिस/नाम निर्देशितों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बोमा निगम की उस सामूहिक बोमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बोमा निगम नियम करें प्रोमिसम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को खर्गंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रोमिसम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बोमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिष्ठों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस. रघुराम
§ एस. रघुराम §
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं०/2/1959/डो. एल. आर्. ई./एकजम/89/भाग-11/2953

दिनांक:-

23 NOV 2000

सं० का..... जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने § जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है § कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा 17 की उपधारा 2 § के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है । जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारों के लिए कर्मचारों निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है § जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2 § के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं० तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-11 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है । जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम सामने दर्शाया है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छुट प्रदान/विस्तार की गई	छुट समाप्ति की तिथि	छुट विस्तार की तिथि	के० भ० नि० आ० की फाईल सं०
1.	भै० सुपर्रोम मोटर्स, बालमत्ता मार्ग, मंगलौर-575001	केएन/ 6607	2/1959/डोएलआई/एक्जम/ 89/दि. 10. 11. 98	31. 1. 2000	1. 2. 2000से 23. 6. 2000	6/34/96/डोएलआई
2.	भै० मिता प्लास्ट इंजोनियरिंग वर्क्स बाईकामपेडो मंगलौर	केएन/ 2004	3. 7. 98	31. 10. 99	1. 11. 99से 23. 6. 2000	6/27/97
3.	भै० अरविंद मोटर्स प्रा. लि०, बालामात्ता मार्ग, मंगलौर-570001	केएन/ 2147	10. 11. 98	31. 1. 2000	1. 2. 2000से 23. 6. 2000	6/33/96

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संघीय क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसे संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले होसदस्थ है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम से देता रहेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तिपुस्त अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारोख के भीतर बीमा निगम नियुक्त करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को रद्दगंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नरम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि वह छूट दो गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितो/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस रघुराम

§ एस० रघुराम §
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ।

सं०-2/1759/डो. एल. आर्.ई. /एक्जम/89/भाग-11/.2960

सं० का..... जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना का गया है § कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 का 19 को धारा 17 की उपधारा 28क के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए अपेक्षित किया है । जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत वरीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है § जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 28क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा जम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं० तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-1 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

अनुसूची-1

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार को गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० भ० नि० आ० की फाईल सं०
1.	मै० मोहन मेकिन लि०, सोलन डेवरी सोलन, हि० प्र०	रग्गी/ 11851	35014/251/86-स्त स्त-11 दिनांक 21. 10. 86	20. 10. 89	21. 10. 89से 20. 10. 92 21. 10. 92से 20. 10. 95 21. 10. 95से 20. 10. 98 21. 10. 98से 2.3.6 2000	2/252/88/ए रे स्लआई

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बोमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसे संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको वाञ्छित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिभूक्त अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बोमा निगम को उस सामूहिक बोमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारोख के भीतर बोमा निगम निधन करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को बर्गंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिभूक्त की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बोमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कोम के आधोन आने वाली किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बोमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बोमा निगम से बोमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस रघुराम

॥ एस० रघुराम ॥

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं०-2/1959/डो. एल. आर्. ई. /एकजम/89/भाग-1।/ 2970

सा० का.....जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना का गया है ॥ कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 का 19 की धारा 17 की उपधारा 2 क के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आर्पित किया है । जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बोमा के रूप में भारतीय जीवन बोमा निगम को सामूहिक बोमा स्कोम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहित बोमा स्कोम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्थ लाभों से अधिक अनुकूल है ॥ जिसे इसमें इसके पश्चात स्कोम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2 क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा प्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिसूचना सं० तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुरूप में तथा संलग्न अनुसूची-1 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कोम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे उ वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना को सं० व दिनांक जिसके द्वारा छुट तिथि प्रदान/विस्तार को गई	छुट समाप्ति क छुट तिथि	छुट विस्तार को तिथि	के० भ० नि० आ० को फाईल सं०
1.	मै० अनिल स्टार्च प्रोडक्ट्स लि०, पो. ब०. न. 10009 अनिल रोड, अहमदाबाद-380025	जोजे/ 1062	2/1959/डोएलआई/एक्जम 89/पोटो/2515 दि. 26. 10. 97	31. 12. 97	1. 1. 98से 23. 6. 2000	2/4871/93/डोएलआई
2.	मै० जेम इन्डस्ट्रीज लि०, मोगर -388340 तल आनन्द जिला छेडा ।	जोजे/ 6107	6. 4. 98	31. 12. 97	1. 1. 98से 23. 6. 2000	2/2356/89
3.	मै० एल. पो. ग्रेस इक्विपमेंट लि०, 1ए/1, ज०. आई. डी. सी. नरिदानगर भरुच-392015	जोजे/ 9562	18. 1. 94	31. 1. 96	1. 2. 96से 31. 1. 99 th 1. 2. 99से 23. 6. 2000	2/3859/91
4.	मै०. विमल इन्डस्ट्रीज, 5, जी. आई डी. सी. स्टेट, हाईवे महसाना -384002 गुजरात इंडिया	जोजे/ 11107	9. 11. 98	31. 7. 87	1. 8. 97से 23. 6. 2000	2/2370/89

1	2	3	4	5	6	7
5.	मै० ज्योति होस्पिटल विसनगर ई.एन.जी. जिला महसुना ईंडिया 384315	जोजे/ 11769	27. 1. 94	31. 1. 95	1. 2. 95से 31. 1. 98 1. 2. 98से 23. 6. 2000	2/4343/92
6.	मै० न्यू शोरोकें मिला मफ्तलाल इन्डस्ट्रीज लि०, टेक्सटाईल डिक्जिन नाडिगोड युनिट, अहमदाबाद-387001	जोजे/ 363	18. 1. 94	30. 7. 94	31. 7. 94से 30. 7. 97 31. 7. 97से 23. 6. 2000	2/567/91
7.	मै० वपार प्रा. लि०, नवरोजो वकोल कम्पाउंड, पोलिस लाईन शाही बाग, अहमदाबाद-380004 ई इंडिया	जोजे/ 14219	26. 10. 97	28. 2. 99	1. 3. 99से 23. 6. 2000	2/5209/93

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणिया भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम को धारा 17 को उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बोमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बोमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बोमा निगम को उस सामूहिक बोमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस निधम तारोख के भीतर बोमा निगम निवृत्त करें प्रीमियम का हं करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यंगंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत को दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दो गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बोमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इत स्कीम के आधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिष्ठों को बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

राजेश शर्मा
§ एसो रजिस्ट्रार §
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

2/1959/डो. एल. आर्. /भाग-1/2994

सं. जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने § जिसे इसमें इसके पश्चात् स्थापना कहा गया है § कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 § 1952 का 19 § को धारा को उपधारा 28 § के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है § जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया ।

चुकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारों निक्षेप सहित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोर्कार्य लाभों से अधिक अनुकूल हैं § जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा 28 § द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछले तारीख से प्रभावों जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने स्कीम की धारा 28 § 7 § के अन्तर्गत दौल प्रदान की है, उ वही अवधि के लिए उक्त संचालन की छूट प्रदान कर दी गई है ।

अनुसूची-1


क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावो तिथि	के० भ० नि० आ० मा० नं०
1.	भै० निरुला एण्ड कम्पनी प्रा. लि०, एल-ब्लाक, कनाट सर्कस नई दिल्ली-110001	डोएल/ 3453	1. 3. 95से 28. 2. 98 1. 3. 98से 23. 6. 2000	3/207/2000/सी-5
2.	भै० कर्णा इण्डस्ट्रीज लि०, 10/67, डोएल/ इण्डस्ट्रियल एरिया कोर्तिनगर नई दिल्ली	3479	1. 1. 94से 31. 12. 96 1. 1. 97से 31. 12. 99 1. 1. 2000से 23. 6. 2000	3/208/2000
3.	भै० सूर्याप्रिन्ट प्रोसेस प्रा. लि०, 9/54, कोर्तिनगर इण्डो एरिया नई दिल्ली-15	डोएल/ 7698	1. 7. 99से 23. 6. 2000	3/205/2000
4.	भै० इंडिया इन्टरनेशनल एक्स- -पोर्ट्स वीनस प्लाजा, दूसरी मंजिल, 237, संत नगर, ईस्ट आफ फेजाश नई दिल्ली-65	डोएल/ 8642	1. 11. 98से 23. 6. 2000	3/206/2000
5.	भै० न्यूसेज इण्डस्ट्रीज बो-66, मायापुरी इण्डस्ट्रीयल एरिया फेस-11, नई दिल्ली-110064	डोएल/ 11436	1. 3. 91से 28. 2. 94 1. 3. 94से 28. 2. 97 1. 3. 97से 29. 2. 2000	3/210/2000
6.	भै० बी निशी सर्विसिस प्रा., लि०, 109, पहली मंजिल अरबिन्दों प्लेस, होज खास नई दिल्ली-16	डोएल/ 13486	1. 10. 91से 30. 9. 94 1. 10. 94से 30. 9. 97 1. 10. 97से 23. 6. 2000	3/196/2000
7.	भै० आलसिट इंडिया प्रा. लि०, एच-16, उद्योगनगर नागलोई के पास रोहतक रोड नई दिल्ली-41	डोएल/ 13918	1. 1. 92से 31. 12. 94 1. 1. 95से 31. 12. 97 1. 1. 98से 23. 6. 2000	3/197/2000

1	2	3	4	5
8.	मै0 पिकर इंडिया लि0, 806- -808, सिद्धार्थ, 96, नेहरू प्लेस नई दिल्ली-19	डोएल/ 19024	1. 1. 98से 23. 6. 2000	3/211/2000
9.	मै0 मार्टिन स्कूल बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001	डोएल/ 5935	1. 7. 86से 30. 6. 89 1. 7. 89से 30. 6. 92 1. 7. 92से 30. 6. 95 1. 7. 95से 30. 6. 98 1. 7. 98से 23. 6. 2000	3/212/2000
10.	मै0 एनप्रो इंडिया लि0, अम्बा दोष 19वो मंजिल 14 के. जो. मार्ग, नई दिल्ली-110001	डोएल/ 14609	1. 1. 96से 31. 12. 98 1. 1. 99से 23. 6. 2000	3/213/2000
11.	मै0 दि ट्रैवल पोपल, कमरा न. 16, होटल जनपथ, नई दिल्ली-110001	डोएल/ 17242	1. 12. 98से 23. 6. 2000	3/214/2000
12.	मै0 एवरों सेल्स प्रा. लि0, 11वो मंजिल, सूर्य किरण 19 के. जो मार्ग, नई दिल्ली- -110001	डोएल/ 17315	1. 4. 97से 31. 3. 2000 1. 4. 2000से 23. 6. 2000	3/215/2000

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बोमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बोमा प्रोमिसम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरोक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बोमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसे संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले होसदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रोमिसम भारतीय जीवन बोमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बोमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।
7. सामूहिक बोमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बोमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बोमा निगम की उस सामूहिक बोमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर बोमा निगम नियम करें प्रोमिसम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यर्ग्य होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रोमिसम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बोमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधेन आने वाली किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितो/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संवत्स तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जोवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जोवन से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस० रघुराम


॥ एस० रघुराम ॥
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ।

सं०/२/१९५९/डो. एल. आर्. /एकजम/८९/भाग-११/

सं० का.....जहाँ अनुसूचो-। में उल्लिखित नियोजताओं ने जिते इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, १९५२ के धारा १७ को उपधारा २८ के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस गाम से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जोवन बीमा के रूप में भारतीय जोवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहज बीमा स्कीम, १९७६ के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभ से अधिक अनुकूल है जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा २८ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा जम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं० तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूचो-११ के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे ३ वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी जैसा कि संलग्न अनुसूचो-११ में उनके नाम के सामने दर्शाया है ।

अनुसूची-11

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना को सं० व दिनांक जिसके द्वारा छुट प्रदान/विस्तार को गई	छुट समाप्ति को तिथि	छुट विस्तार को तिथि	के० म० नि० आ० को फाईल सं०
1.	मे० दि इन्डियन क्लब स्ण्ड जनरल इन्जीनियरिंग कोर्पो- -रेशन यमुनानगर-135001 हरियाणा	सचआर/ 22	2/1959/डोस्लआई/सकजम/ 89/पोटो-11/1538 दि. 25. 10. 96	31. 3. 96	1. 4. 96से 31. 3. 99 1. 4. 99से 30. 11. 2000	5/30/2000/डोस्लआई
2.	मे० नार्थ वेस्ट सिविलियर इंफ्रा. इंजि. लि०, 14/3, मधुरा रोड, फरीदाबाद हरियाणा	सचआर/ 6355	दि. 11. 2. 2000	31. 3. 95	1. 4. 95से 31. 5. 98 1. 4. 98से 30. 11. 2000	5/8/99/डोस्लआई

क्र. सं. स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना को सं० व दिनांक जिसके द्वारा छुट प्रदान/विस्तार की गई	छुट समाप्ति तिथि	छुट विस्तार तिथि	के० मा० नि० आ० को फाईल सं०
3. मै० स्टलस साइकिल इन्डस्ट्री लि०, स्टलस नगर, स्टलस रोड पोस्ट बाक्स नं. 20, सोनीपत	एचआर/ 19	2/1959/डोएलआई/एक्जम/ 89/पोटो-1 दि. 23. 1. 96	30. 5. 94	31. 5. 94 से 30. 5. 97	2/4111/92/डोएलआई

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक जिसके पश्चात्त नियोजक कहा गया है संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।
2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2-क के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एकत्रित और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये तब संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु संख्या में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किया स्थापना को भविष्य निधि का पहले होसदस्थ है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के आधोन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के आधोन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के आधोन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकोष है।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर बीमा स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय हो जो जब वह उक्त स्कीम के आधोन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोद देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।
9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के आधोन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारोख के भीतर बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यंगंत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गये व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की यदि वह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधोन आने वाली किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितो/विधिक वारितों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन से बीमाकृत राशि प्राप्त-होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

एस रघुराम

॥ एस० रघुराम ॥
क्षेत्रीय मन्त्रिय निधि आयुक्त ।

संख्या: 3-7/99-एस०डी०एफ०

भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

कृषि भवन, नई दिल्ली

दिनांक: 15 दिसम्बर, 2000

ज्ञापन

विषय:-चीनी विकास निधि अधिनियम, 1982 - वित्तीय वर्ष 1999-2000 के लिए रिपोर्ट।

मुझे इस पत्र के साथ भारत के राजपत्र, भाग 3, खण्ड-4 के अगले संस्करण में प्रकाशन हेतु वित्तीय वर्ष 1999-2000 की वार्षिक रिपोर्ट भेजने का निदेश हुआ है।

राजपत्र की दो प्रतियां इस मंत्रालय को यथाशीघ्र भेजने की कृपा करें।

मे. बी. विश्वास

(एस०बी० विश्वास)

निदेशक(एस०डी०एफ०)

संख्या 3-7/99-एस0डी0एफ0 : केन्द्रीय सरकार, चीनी विकास निधि अधिनियम, 1982 (1982 का 4) की धारा 7 के अनुसरण में, एतद्वारा निम्नलिखित रिपोर्ट प्रकाशित करती है जिसमें वित्तीय वर्ष 1999-2000 के दौरान उक्त अधिनियम के अंतर्गत वित्तीय गतिविधियों का लेखा दिया गया है।

2. उक्त अधिनियम में एक निधि स्थापित करने का उपबंध है जिसमें (क) चीनी उपकर अधिनियम 1982 (1982 का 3) के अधीन लगाए गए और वसूल किए गए उत्पाद शुल्क की राशि के समतुल्य रकमें, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अवधारित वसूली की लागत घटाई गई हो, और (ख) निधि में मुनाफे के निवेश से आय शामिल है। वित्तीय वर्ष के दौरान 355,56,61,949.00 रुपये (तीन सौ पचपन करोड़ छप्पन लाख इकसठ हजार नौ सौ उन्चास रुपये केवल) जिसमें दो सौ पचास करोड़ रुपये चीनी पर उपकर के अंतरण द्वारा और केवल एक सौ पांच करोड़ छप्पन लाख इकसठ हजार नौ सौ उन्चास रुपये ऋण के मूलधन और उस पर ब्याज की किस्तों की अदायगी के लिए क्रेडिट के रूप में हैं, की धनराशि निधि में जमा की गई। इस जमा रकम से इस निधि में शेष धनराशि बढ़कर 1181,20,55,396.00 रुपये (ग्यारह सौ इक्यासी करोड़ बीस लाख पचपन हजार तीन सौ छियानवे रुपये केवल) हो गई। इसमें से 200,61,01,257.00 रुपये (दो सौ करोड़ इकसठ लाख एक हजार दो सौ सतावन रुपये केवल) का कुल खर्च किया गया जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

मुख्य शीर्ष 2408

(आंकड़े पूर्णांक रुपये में)

(क)	02.02.01 व 02.02.50 चीनी विकास निधि का प्रशासन	469,05,322
(ख)	01.00.33 चीनी का बफर स्टॉक रखने के लिए सब्सिडि	710,02,305
(ग)	02.00.31 चीनी उद्योग के विकास के लिए सहायता अनुदान	65,49,000
(घ)	राष्ट्रीय गन्ना और चीनी प्रौद्योगिकी संस्थान, मऊ पर खर्च	33,79,041

मुख्य शीर्ष “6860”

(क)	02.01.55 चीनी मिलों के पुनर्स्थापन/ आधुनिकीकरण के लिए ऋण	160,03,52,800
(ख)	02.02.55 गन्ने के विकास करने के लिए चीनी मिलों को ऋण	26,85,50,300

मुख्य शीर्ष 4408

राष्ट्रीय गन्ना और चीनी प्रौद्योगिकी संस्थान, मऊ	93,62,489
जोड़	200,61,01,257

वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर निधि के खाते में 980,59,54,139 रुपये (नौ सौ अस्सी करोड़ उनसठ लाख चौवन हजार एक सौ उनतालीस रुपये केवल) शेष थे।

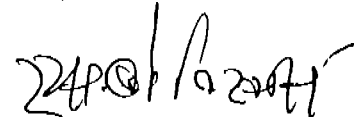
वित्तीय वर्ष 1999-2000 के दौरान 42 चीनी मिलों को गन्ने का विकास करने के लिए ऋण दिए गए। इसके अतिरिक्त 30 चीनी मिलों को उनको संयंत्र और मशीनरी के पुनर्स्थापन/आधुनिकीकरण करने के लिए प्रवर्तक के अंशदान में कमी को पूरा करने के लिए ऋण दिए गए।

1999-2000 के वित्तीय वर्ष के लिए लेखों का विवरण निम्नानुसार है:-

चीनी विकास निधि

(आंकड़े पूर्णांक रूपों में)

क्रम सं०	विवरण	धनराशि	धनराशि
1.	1.4.1999 को अथ शेष		825,63,93,447
2.	1999-2000 के दौरान जमा की गई राशि		
(क)	चीनी पर उपकर से अंतरण	250,00,00,000	
(ख)	चीनी विकास निधि के ऋणों पर ब्याज	32,93,40,409	
(ग)	गन्ने का विकास करने के लिए व चीनी मिलों के पुनर्स्थापन/आधुनिकीकरण के लिए मिलों को दिए गए ऋणों की किस्तों में वापसी जोड़	72,63,21,540	355,56,61,949
	1999-2000 के दौरान किया गया खर्च		1181,20,55,396
(क)	चीनी विकास निधि का प्रशासन	4,69,05,322	
(ख)	चीनी का बफर स्टॉक रखने के लिए सब्सिडि	7,10,02,305	
(ग)	चीनी उद्योग का विकास करने के लिए सहायता अनुदान	65,49,000	
(घ)	चीनी मिलों का पुनर्स्थापन/आधुनिकीकरण करने के लिए ऋण	160,03,52,800	
(ड.)	गन्ने का विकास करने के लिए चीनी मिलों को ऋण	26,85,50,300	
(च)	राष्ट्रीय गन्ना और चीनी प्रौद्योगिकी संस्थान, मऊ पर खर्च जोड़	127,41,530	200,61,01,257
	31.3.2000 को शेष		980,59,54,139



(एस०बी० बिश्वास)

निदेशक (एस०डी०एफ०)

भारतीय यूनिट ट्रस्ट मुंबई

यूटी/डीबीडीएम/एसपीडी-3/99-2000

नवंबर, 2000

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई निम्नलिखित योजनाओं के प्रावधान/दस्तावेज :

1. पीईएफ यूनिट योजना
2. मास्टरगेन - 92
3. मास्टरप्लस - 91
4. यूजीएस 10000
5. इक्विटी अपाच्युनिटी फंड
6. मास्टरग्रोथ 93
7. यूनिट योजना 92
8. यूटीआई - ग्रोथ सेक्टर फंड
9. यूनिट योजना 1995

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई निम्नलिखित प्लानों के प्रावधान/दस्तावेज :

1. यूटीआई - इक्विटी टैक्स सेविंग प्लान
2. मास्टर इक्विटी प्लान 91
3. मास्टर इक्विटी प्लान 92
4. मास्टर इक्विटी प्लान 93
5. मास्टर इक्विटी प्लान 94
6. मास्टर इक्विटी प्लान 95
7. मास्टर इक्विटी प्लान 96
8. मास्टर इक्विटी प्लान 97
9. मास्टर इक्विटी प्लान 98
10. मास्टर इक्विटी प्लान 99

जिन्हें भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 19(1)(8)(सी) के अंतर्गत उपरोक्त अधिनियम की धारा 21 के बनाई गई यूनिट योजना के संबंध में बनाया गया है और जिसे 27 अप्रैल, 2000 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में मूल रूप से अनुमोदित किया गया तथा 24 जून, 2000 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में सूचित किया गया, यहां प्रकाशित किया जाता है।

एस चटर्जी

एस चटर्जी

उप महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन

अनुबंध I

यूटीआई - ग्रोथ सेक्टर फंड (यूटीआई - जीएसएफ)

खंड सं.	प्रस्तावित संशोधन
विशिष्टताएं मद 6	प्रत्येक सेक्टर फंड में न्यूनतम निवेश रु.5000/-
विशिष्टताएं मद 11	सेक्टर निधियों के मध्य तथा एक सेक्टर फंड से यूटीआई की अन्य योजना में एनएवी या एनएवी आधारित मूल्य पर स्विच ओवर सुविधा उपलब्ध, जिसकी अनुमति समय-समय पर दी जाएगी।
यूनिटों एवं पेशकश खंड V(6) (पहला वाक्य)	प्रत्येक सेक्टर फंड में प्रारंभिक निवेश न्यूनतम रु.5000/- का होगा और उसके बाद ऐसी अतिरिक्त राशि (रुपए के भिन्नांक में न हो) जैसा निवेशक निश्चित करे।
यूनिटों की पुनर्खरीद/स्विचओवर खंड VIII(बी)(1)	यदि कोई निवेशक एक सेक्टर फंड से दूसरे या एक से अधिक सेक्टरों अथवा यूटीआई की किसी अन्य निधि/योजना में स्विचओवर करना चाहता हो, जिसकी अनुमति है, तो वह नवीनतम लेखा विवरणी के साथ निर्धारित प्ररूप में स्विचओवर के लिए आवेदन करे। स्विचओवर एनएवी/एनएवी आधारित पुनर्खरीद मूल्य पर प्रभावी होगी, जिसे समय-समय पर निश्चित किया जाएगा।
यूनिटों की पुनर्खरीद/स्विचओवर खंड VIII (बी) (3)	एक सेक्टर फंड से किसी अन्य सेक्टर फंड/योजना में स्विचओवर कम से कम रु.5000/- के लिए किया जाना चाहिए जिसकी गणना के लिए उस निधि की पूर्ववर्ती दिन के एनएवी को लिया जाएगा आंशिक स्विचओवर की अनुमति होगी बशर्ते सदस्य उस सेक्टर के अंतर्गत जिससे स्विचओवर किया जा रहा है रु.5000/- का न्यूनतम शेष कायम रखे। इस उद्देश्य हेतु न्यूनतम राशि की गणना के लिए स्विचओवर के लिए आवेदन प्राप्ति की तिथि के पूर्ववर्ती कार्य दिवस को लागू पुनर्खरीद मूल्य को संदीर्घ के लिए लिया जाएगा।
यूनिटों की पुनर्खरीद/स्विचओवर खंड VIII (बी)(4)	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 ईए/ईबी के लाभों को प्राप्त करने के उद्देश्य से योजना में किया गया निवेश क्रमशः 3/7 वर्ष की अवरुद्ध अवधि की समाप्ति के पूर्व स्विचओवर सुविधा के लिए उपलब्ध नहीं होगा।

अनुबंध II

यूटीआई - इक्विटी टैक्स सेविंग्स प्लान

खंड सं.	प्रस्तावित संशोधन
विशिष्टताएं मद 7	न्यूनतम 3 वर्ष की अवधि तक निवेश बनाए रखने के पश्चात् उस वर्ष के 1 अप्रैल से उसके बाद वाले वर्ष के 31 मार्च तक किसी भी वर्ष में किए गए निवेश में आंशिक पुनर्खरीद
विशिष्टताएं मद 8	योजना से किसी अन्य योजना में अथवा वापस उसी योजना में स्विचओवर की सुविधा एनएवी या एनएवी आधारित मूल्य पर, जिसकी घोषणा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर की जाएगी।
लेखा विवरण खंड V (8) (दूसरे परंतुक का अंतिम वाक्य)	जब कभी यूनिटों की अतिरिक्त खरीद अथवा आंशिक पुनर्खरीद की जाती हो तो प्रत्येक सदस्य हर बार अद्यतन किया हुआ लेखा विवरण प्राप्त करेगा।
यूनिटों की पुनर्खरीद खंड (VIII) (1) (घ क)	निवेश को न्यूनतम 3 वर्ष की अवधि तक बनाए रखने के पश्चात् 1 अप्रैल से 31 मार्च के मध्य योजना में किए गए निवेश के लिए आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति होगी बशर्ते कि सदस्य उस वर्ष के निवेश में से रु.5000/- का न्यूनतम निवेश कायम रखे। न्यूनतम शेष राशि की गणना के लिए पुनर्खरीद हेतु आवेदन प्राप्ति की तिथि के पूर्ववर्ती कार्य दिवस को लागू पुनर्खरीद मूल्य को संदर्भ हेतु लिया जाएगा। यदि इस प्रकार परिकलित शेष राशि ऊपर बताए गए अनुसार न्यूनतम आवश्यकता से कम है तो यूटीआई निवेशक की सम्पूर्ण धारिताओं की अनिवार्य पुनर्खरीद/विमोचन करेगा और उसके द्वारा इस उद्देश्य के लिए कोई आवेदन करने के बिना ही उसे प्रतिफल भेज देगा।
VIII (क)	<p>i) योजना के सदस्यों को योजना में उनके निवेश से दूसरी योजना (उस निवेश को न्यूनतम 3 वर्ष की अवधि के लिए धारण करने के पश्चात्) या वापस उसी योजना में स्विचओवर की अनुमति समय-समय पर ट्रस्ट द्वारा दी जाएगी। ऐसे मामलों में वे नवीनतम लेखा विवरण लेखा विवरण/विधिवत् हस्ताक्षरित यूनिट प्रमाणपत्र, यदि कोई हो, के साथ विनिर्दिष्ट सम्मिश्र सेवा फार्म (सीएसएफ) में अपना आवेदन प्रस्तुत करके स्विचओवर हेतु आवेदन कर सकते हैं।</p> <p>ii) स्विचओवर, ट्रस्ट द्वारा निश्चित किए गए एनएवी या एनएवी आधारित मूल्य पर की जाएगी</p> <p>iii) योजना से अन्य योजना अथवा वापस उसी योजना में आंशिक स्विचओवर, जिसकी घोषणा समय-समय पर ट्रस्ट द्वारा की जाएगी, के लिए दोनों योजना के अंतर्गत न्यूनतम निवेश की सीमा की शर्त पूरी करनी होगी। ट्रस्ट यूनिट प्रमाणपत्र, यदि कोई हो, को रद्द करने के लिए अपने पास रखेगा और सदस्यों को दोनों योजनाओं के लिए नई लेखा विवरणी जारी करेगा।</p>

अनुबंध III**1. मास्टर शेयर प्लस यूनिट स्कीम 1991 (मास्टरप्लस - 91)**

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (एन)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा II (X)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य के एक अविभाजित शेयर और प्रसंग के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
VIII ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>

2. यूनिट स्कीम 92 (यूएस92)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
II (जी)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
II (के)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
XXIII ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमा राशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलियो के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>

3. मास्टर ग्रोथ यूनिट स्कीम 1993 (मास्टरग्रोथ 93)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा III (10)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा III (17)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और प्रसंग के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के

	रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है।
परिभाषा III(18)	"यूनिट पूंजी" का आशय होता है - इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य।
IX ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमा राशि के पूंजीकरण के द्वारा, बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा।</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा।</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा।</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा।</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलियो के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी / नामांकन के रूप में निर्मित हित / विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे।</p>

4. मास्टर इक्विटी प्लान 1991 (एमईपी 91)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा 2(एफ)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है।
परिभाषा 2(एच)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और प्रसंग के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है।
1991का ईएलएसएस - 18 ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमा राशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या</p>

	<p>वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्यवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड लिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलियो के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>
--	--

5. मास्टर इक्विटी प्लान 1992 (एमईपी 92)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा 2(एफ)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा 2 (एच)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और प्रसंग के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
1992का ईएलएसएस XXI ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्यवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड लिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p>

	(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.
--	---

6. मास्टर इक्विटी प्लान 1993 (एमईपी 93)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (i)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय है निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या.
परिभाषा II (के)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और प्रसंग के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
1993 का एमईएस - XXII ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>

7. मास्टर इक्विटी प्लान 1994 (एमईपी 94)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (ई)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय है निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या.
परिभाषा	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित

II (i)	शेयर और प्रसंग के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है।
1994 का ईएलएसएस - XXII ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा।</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा।</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा।</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा।</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे।</p>

8. मास्टर इक्विटी प्लान 1995 (एमईपी 95)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (एफ)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है।
परिभाषा II (I)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और प्रसंग के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है।
XXIV ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा।</p>

	<p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा।</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा।</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा।</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलियो के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे।</p>
--	---

9. मास्टर इक्विटी प्लान 1999 (एमईपी 99)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (ई)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है।
परिभाषा II (i)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है।
परिभाषा II ()	"यूनिट पूंजी" का आशय होता है - इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य।
VII ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा।</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा।</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा।</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप</p>

	<p>माना जाएगा।</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे।</p>
--	---

10. **इविचटी ऑपरयुनिटि फंड 1996 (ईओएफ 96)**

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (i)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है।
परिभाषा II(एम)	"यूनिट पूंजी " का आशय होता है - इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य।
XXIX ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा।</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा।</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा।</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा।</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे।</p>

11. **यूटीआई इविचटी टैक्स सेविंग प्लान (यूटीआई-ईटीएसपी)**

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा III (7)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है।

परिभाषा III (11)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है।
IX ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा।</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा।</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा।</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा।</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई है दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे।</p>

12. यूनिट स्कीम 1995 (यूएस 95)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा III (17)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है।
परिभाषा III(18)	"यूनिट पूंजी" का आशय इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य से है।
IX ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट</p>

	<p>धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड लिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>
--	--

13. पीईएफ यूनिट स्कीम

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा III(के)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा III (क्यू)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
परिभाषा III(आर)	"यूनिट पूंजी" का आशय होता है - इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य.
XXXII ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा</p>

	<p>पूँजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>
--	---

14. कैपिटल ग्रोथ यूनिट स्कीम 1992 (मास्टरगेन 92)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा 3(i)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा 3 (एन)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूँजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूँजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
28 ए	<p>पूँजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूँजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूँजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>

15. यूनिट ग्रोथ स्कीम 10000 (यूजीएस 10000)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (जी)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा II (i)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
परिभाषा II(एम)	"यूनिट पूंजी" का आशय होता है - इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य.
XX ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलियो के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>

16. यू टी आई - ग्रोथ सेक्टर फंड

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा III (1)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा III (यू)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के

	रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
IX ए	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमा राशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोर्लिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>

17. **मास्टर इक्विटी प्लान 1996 (एम ई पी-96)**

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (जी)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा II (i)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी शामिल होता है.
परिभाषा II(एम)	"यूनिट पूंजी" का आशय होता है - इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य.
XII (ए)	<p>आय वितरण</p> <p>(क) योजना का प्रमुख उद्देश्य, अभिवृद्धि होते हुए भी, योजना आय का वितरण कर सकती है जैसा यूटीआई द्वारा तय किया जायेगा.</p> <p>(ख) वे यूनिट धारक जिनके नाम योजना में आय वितरण की घोषणा करने से पूर्व रजिस्ट्रारों को बंद करते समय यूनिटधारक रजिस्टर में शामिल हैं, वे योजना के अंतर्गत ऐसे वितरण के अंतर्गत आय प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे.</p>

	<p>(ग) योजना द्वारा वितरित आय का भुगतान जहां कहीं सुविधा उपलब्ध हो "इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस" द्वारा अथवा चेक/ड्राफ्ट अथवा यूटीआई द्वारा विनिर्दिष्ट बैंकों की शाखाओं में भुनाये जा सकने वाले वारंटों के माध्यम से किया जाएगा।</p> <p>(घ) आय वितरण की घोषणा के मामले में, आय वितरण वारंट, ऐसे वितरणों की घोषणा/दर्ज तारीख के दिन से 42 दिनों की अवधि के भीतर रवाना कर दिये जाएंगे।</p> <p>(ङ) <u>निवेशकों के बैंक विवरण और इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस (ईसीएस)</u></p> <p>(i) आय वितरण वारंटों/पुनर्खरीद चेकों/परिपक्वता आय चेकों के नकदीकरण में धोखेबाजी से बचने के लिए, "सेबी" ने निवेशकों के लिए, उनके ही हित में, बैंक विवरण जमा कराना अनिवार्य कर दिया गया है। तदनुसार यूटीआई द्वारा समय-समय पर घोषित शहरों में सभी यूनिट धारकों को अपने बैंक विवरण (अर्थात् खाते का स्वरूप, खाता संख्या और बैंक शाखा का नाम) देने की जरूरत है। यूनिट धारकों को नीचे दिये गये (ii) के अंतर्गत ईसीएस क्रेडिट सुविधा का लाभ उठाने के लिए आवेदन फार्म में 9 अंकों का बैंक और शाखा का एमआईसीआर कोड देने की आवश्यकता है।</p> <p>(ii) फिलहाल शहरों में रहने वाले उन निवेशकों को "ईसीएस" की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है जिनके नाम संबंधित केन्द्रों में यूनिट धारकों के बैंक खातों में सीधे क्रेडिट करने के लिए, यूटीआई द्वारा समय-समय पर तय किये जाते हैं। ऐसा फिलहाल रु.5,00,000/- से कम की एकल लिखत की राशि के मामले में किया जाता है। यह धनराशि बढ़ाई/घटाई जा सकती है जैसा समय-समय पर तय किया जायेगा। ऐसे मामलों में निवेशक को उसके बैंक खाते में सीधे क्रेडिट किये गये ऐसे विवरणों की सूचना दी जायेगी। यदि किसी केन्द्र में निवेशकों की संख्या इतनी पर्याप्त न हो अथवा अन्य कोई कारण ऐसा हो तो, ट्रस्ट "ईसीएस" के माध्यम से आय वितरण नहीं करेगा।</p>
XII बी	<p><u>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</u></p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूंजीकरण के द्वारा बोर्ड, बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा।</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा।</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा।</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा।</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलियो के अंतर्गत यूनिटों</p>

	पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.
--	--

18. मास्टर इक्वीटी प्लान 1997 (एमईपी -97)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (एफ)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा II (आई)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूंजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
परिभाषा II(एम)	"यूनिट पूंजी" का आशय होता है - इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य.
XI (ए)	<p>आय वितरण</p> <p>(क) योजना का प्रमुख उद्देश्य, अभिवृद्धि होते हुए भी, योजना आय का वितरण कर सकती है जैसा यूटीआई द्वारा तय किया जायेगा.</p> <p>(ख) वे यूनिट धारक जिनके नाम योजना में आय वितरण की घोषणा करने से पूर्व, रजिस्ट्रारों को बंद करते समय यूनिटधारक रजिस्टर में शामिल हैं, वे योजना के अंतर्गत ऐसे वितरण के अंतर्गत आय प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे.</p> <p>(ग) योजना द्वारा वितरित आय का भुगतान जहां कहीं सुविधा उपलब्ध हो ईसीएस द्वारा अथवा चेक/ड्राफ्ट अथवा यूटीआई द्वारा विनिर्दिष्ट बैंकों की शाखाओं में भुनाये जा सकने वाले वारंटों के माध्यम से किया जाएगा.</p> <p>(घ) आय वितरण की घोषणा के मामले में, आय वितरण वारंट, ऐसे वितरणों की घोषणा/दर्ज तारीख के दिन से 42 दिनों की अवधि के भीतर रवाना कर दिये जाएंगे.</p> <p>(ङ) निवेशकों के बैंक विवरण और इलैक्ट्रॉनिक विलयारिंग सर्विस(ईसीएस)</p> <p>(i) आय वितरण वारंटों/पुनर्खरीद चेकों/परिपक्वता आय चेकों के नकदीकरण में धोखेबाजी से बचने के लिए, "सेबी" ने निवेशकों के लिए, उनके ही हित में, बैंक विवरण जमा कराना अनिवार्य कर दिया गया है. तदनुसार यूटीआई द्वारा समय-समय पर घोषित शहरों में सभी यूनिट धारकों को अपने बैंक विवरण (अर्थात् खाते का स्वरूप, खाता संख्या और बैंक शाखा का नाम) देने की जरूरत है. यूनिट धारकों को नीचे दिये गये (ii) के अंतर्गत ईसीएस क्रेडिट सुविधा का लाभ उठाने के लिए आवेदन फार्म में 9 अंकों का बैंक और शाखा का एमआईसीआर कोड देने की आवश्यकता है.</p> <p>(ii) फिलहाल शहरों में रहने वाले उन निवेशकों को ईसीएस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है जिनके नाम संबंधित केन्द्रों में यूनिट धारकों के बैंक खातों में सीधे क्रेडिट करने के लिए यूटीआई द्वारा समय-समय पर तय किये जाते हैं. ऐसा फिलहाल रु.5,00,000/- से कम की एकल लिखत की धनराशि के मामले में किया जाता है. यह धनराशि बढ़ाई/घटाई जा सकती</p>

	है जैसा समय-समय पर तय किया जायेगा. ऐसे मामलों में निवेशक को उसके बैंक खाते में सीधे क्रेडिट किये गये ऐसे विवरणों की सूचना दी जायेगी. यदि किसी केन्द्र में निवेशकों की संख्या इतनी पर्याप्त न हो अथवा अन्य कोई ऐसा कारण हो तो किसी कारण से ट्रस्ट "ईसीएस" के माध्यम से आय वितरण नहीं करेगा.
XI बी	<p>पूँजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमाराशि के पूँजीकरण के द्वारा बोर्ड, बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है. साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा.</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा.</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूँजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा. इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा.</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>

19. मास्टर इक्विटी प्लान 1998 (एमईपी - 98)

खण्ड संख्या	प्रस्तावित संशोधन
परिभाषा II (ई)	"निर्गमित यूनिटों की संख्या" का आशय निर्गमित और देय (बकाया) यूनिटों की कुल संख्या से है.
परिभाषा II (i)	"यूनिट" का आशय होता है यूनिट पूँजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभाजित शेयर और परिप्रेक्ष्य के अनुसार इसमें, इस योजना के लिए स्थापित प्रारक्षित निधि के खाते में जमा राशि के आंशिक पूँजीकरण या किसी अन्य तरीके से एक पूर्ण प्रदत्त बोनस यूनिट के रूप में निर्गमित यूनिट भी इसमें शामिल होता है.
परिभाषा II(जे)	"यूनिट पूँजी" का आशय होता है - इस योजना के अंतर्गत निर्गमित और तत्समय देय (बकाया) यूनिटों का कुल अंकित मूल्य.
XI (A)	<p>आय वितरण</p> <p>(क) योजना का प्रमुख उद्देश्य, अभिवृद्धि होते हुए भी, योजना आय का वितरण कर सकती है जैसा यूटीआई द्वारा तय किया जायेगा.</p>

	<p>(ख) वे यूनिट धारक जिनके नाम योजना में आय वितरण की घोषणा करने से पूर्व रजिस्ट्रारों को बंद करते समय यूनिटधारक रजिस्टर में शामिल हैं, वे योजना के अंतर्गत ऐसे वितरण के अंतर्गत आय प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे।</p> <p>(ग) योजना द्वारा वितरित आय का भुगतान जहां कहीं सुविधा उपलब्ध हो ईसीएस द्वारा अथवा चेक/ड्राफ्ट अथवा यूटीआई द्वारा विनिर्दिष्ट बैंकों की शाखाओं में भुनाये जा सकने वाले वारंटों के माध्यम से किया जाएगा।</p> <p>(घ) आय वितरण की घोषणा के मामले में, आय वितरण वारंट, ऐसे वितरणों की घोषणा/दर्ज तारीख के दिन से 42 दिनों की अवधि के भीतर रवाना कर दिये जाएंगे।</p> <p>(ङ) निवेशकों के बैंक विवरण और इलेक्ट्रॉनिक विलयरिंग सर्विस (ईसीएस)</p> <p>(i) आय वितरण वारंटों/पुनर्खरीद चेकों/परिपक्वता आय चेकों के नकदीकरण में धोखेबाजी से बचने के लिए, "सेबी" ने निवेशकों के लिए, उनके ही हित में, बैंक विवरण जमा कराना अनिवार्य कर दिया गया है। तदनुसार यूटीआई द्वारा समय-समय पर घोषित शहरों में यूनिट धारकों को अपने बैंक विवरण (अर्थात् खाते का स्वरूप, खाता संख्या और बैंक शाखा का नाम) देने की जरूरत यूनिट धारकों को नीचे दिये गये (ii) के अंतर्गत ईसीएस क्रेडिट सुविधा का लाभ उठाने के लिए आवेदन फार्म में 9 अंकों का बैंक और शाखा एमआईसीआर कोड देने की आवश्यकता है।</p> <p>(ii) फिलहाल शहरों में रहने वाले उन निवेशकों को ईसीएस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है जिनके नाम संबंधित केन्द्रों में यूनिट धारकों के बैंक खातों में सीधे क्रेडिट करने के लिए यूटीआई द्वारा समय-समय पर तय किये जाते हैं। ऐसा फिलहाल रु.5,00,000/- से कम की एकल लिखत की धनराशि के मामले में किया जाता है। यह धनराशि बढ़ाई/घटाई जा सकती है जैसा समय-समय पर तय किया जायेगा। ऐसे मामलों में निवेशक को उसके बैंक खाते में ऐसे सीधे क्रेडिट किये गये विवरणों की सूचना दी जायेगी। यदि किसी केन्द्र में निवेशकों की संख्या इतनी पर्याप्त न हो अथवा अन्य कोई ऐसा कारण हो तो ट्रस्ट "ईसीएस" के माध्यम से आय वितरण नहीं करेगा।</p>
XI बी	<p>पूंजीकरण और बोनस यूनिटों का निर्गमन</p> <p>(1) किसी प्रारक्षित निधि, यूनिट प्रीमियम प्रारक्षित निधि या इस स्कीम के सदस्यों के मध्य वितरण के लिए उपलब्ध राशि सहित किसी ऐसी निधि में तत्समय जमा राशि के पूंजीकरण के द्वारा, बोर्ड बोनस यूनिटों के निर्गमन हेतु अनुमोदन प्रदान कर सकता है। साथ ही, यूनिट धारक सदस्यों को उनकी यूनिटों से प्राप्त आय के लिए पात्र सदस्यों के बीच उसी अनुपात में निम्नलिखित उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्रयोजन और तरीके से उक्त राशि का उपयोग या वितरण किया जाएगा।</p> <p>(2) उप-खण्ड (3) में निर्दिष्ट प्रावधानों के अंतर्गत उक्त राशि का उपयोग, निर्गमित और पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में आबंटित किए जाने वाले यूनिटों के लिए संबंधित सदस्यों के बीच उपर्युक्त अनुपात में भुगतान करने के लिए किया जाएगा।</p> <p>(3) तदनुसार बोर्ड पूर्ण प्रदत्त यूनिट के रूप में बोनस यूनिटों के निर्गमन और आबंटन के द्वारा पूंजीकरण के लिए निर्धारित राशि का विनियोजन और उपयोग करेगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए बोर्ड सभी प्रकार की आवश्यक कार्रवाई करेगा।</p> <p>(4) इस प्रकार से आबंटित और निर्गमित उक्त बोनस यूनिटों को हकदारी और पात्रता की</p>

	<p>दृष्टि से रिकार्ड तिथि (बोर्ड द्वारा निर्धारित) के अनुसार उपलब्ध वर्तमान यूनिटों के समरूप माना जाएगा.</p> <p>(5) जब तक कोई सदस्य कोई दूसरा विकल्प नहीं देता है, एक फोलिओ के अंतर्गत यूनिटों पर संबंधित सदस्य द्वारा गिरवी/नामांकन के रूप में निर्मित हित/विकल्प स्वतः ही बोनस यूनिटों पर लागू होंगे.</p>
--	---

भारतीय यूनिट ट्रस्ट मुंबई

R-16
यूटी/डीबीडीएम/एसपीडी-51/2000-2001

14 नवंबर 2000

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत निर्मित यूनिट योजना 1964 (यूएस-64) के प्रावधानों में संशोधन जिसे तत्काल प्रभावी होने के लिए 15 दिसंबर 1999 को संपन्न ट्रस्ट के न्यासी मंडल की कार्यकारी समिति की बैठक (बिना अंतरण विलेख के यूनिट प्रमाणपत्रों का अंतरण) में तथा 1 सितंबर 2000 से प्रभावी होने के लिए 27 जुलाई 2000 को संपन्न बैठक (यूनिट प्रमाणपत्र के बदले सदस्यता सूचना/लेखा विवरणी का जारी किया जाना) में अनुमोदित किया गया; इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

एस चटर्जी

एस चटर्जी

उप महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन

यूनिट योजना 1964 में संशोधन

अनुबंध

क.सं.	जोड़ा जाने वाला उपखण्ड	खण्ड का शीर्षक	उप-खण्ड
1	(सी सी सी ए)	परिभाषा (सीसीसी) के ठीक बाद में	<p>योजना के अंतर्गत किसी अभिव्यक्ति के रूप में प्रयोग किये गये "सदस्य" का तात्पर्य निम्नानुसार होगा और इसमें अधोलिखित शामिल होंगे.</p> <p>(i) ऐसा आवेदक जिसे 1 सितम्बर 2000 अथवा इसके बाद सदस्यता-रजिस्टर द्वारा अधिप्रमाणित यूनिट धारक के रूप में माना गया हो;</p> <p>और</p> <p>(ii) यूनिट सर्टिफिकेट (टों) के अधीन, वह वर्तमान यूनिट धारक जिसे 1 सितम्बर 2000 अथवा इसके बाद, यूनिटों की आंशिक पुनर्खरीद करने पर, सदस्यता-रजिस्टर में, शेष यूनिटों के धारक के रूप में दर्ज किया गया हो और यूनिट सर्टिफिकेटों के बदले, यथास्थिति सदस्यता सूचना अथवा लेखा विवरण जारी किया गया हो.</p>
2	(एफ एफ)	परिभाषा (एफ) के ठीक बाद में	01 सितम्बर 2000 से इस योजना में, समुचित स्थानों पर जब तक किसी प्रसंग का कोई और मतलब न हो, "यूनिट धारक/कों" शब्द में "सदस्य/यों" और "यूनिट धारकों का रजिस्टर" शब्द में "सदस्यता रजिस्टर" शामिल होगा.
3	4 (5) (डी)	यूनिटों हेतु आवेदन पत्र उप खण्ड (5) में (सी) के ठीक बाद में	<p>अधोलिखित मामलों में सदस्यता सूचना जारी की जायेगी,</p> <p>(i) 1 सितम्बर 2000 अथवा इसके बाद योजना में किये जाने वाले समस्त निवेश, और</p> <p>(ii) 1 सितम्बर 2000 अथवा इसके बाद, यूनिट सर्टिफिकेट/(टों) में वर्णित यूनिटों की आंशिक पुनर्खरीद के कारण शेष यूनिट;</p> <p>और इन्हें डाक से भेजा जाएगा. इस तरह भेजी गई सदस्यता सूचना के खो जाने, नष्ट हो जाने, गलत से वितरण होने अथवा वितरण न होने पर ट्रस्ट की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी. सदस्यता सूचना, आवेदक को योजना में शामिल किए जाने का एक वैध प्रमाण है.</p> <p>खण्ड 14, 14ए, 18, 19, 22ए, 22बी, 23 और 23ए के प्रावधान, सदस्यता रजिस्टर द्वारा प्रमाणित सदस्यों को आबंटित यूनिटों पर, आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे.</p>

यूनिट योजना 1964 में संशोधन

			<p>उपर्युक्त के होते हुए भी ट्रस्ट, कार्यपालक निदेशक द्वारा तय की जाने वाली किसी तारीख से, समय-समय पर सदस्यों को आंशिक रूप से बेची गई/पुनर्खरीद की गई उन यूनिटों के लिए सदस्यता सूचना के बदले लेखा विवरण जारी करेगा जिन्हें सदस्यता रजिस्टर द्वारा प्रमाणित किया गया हो. ये लेखा विवरण ऐसी अवधियों और उस रूप में तथा उस ढंग से जारी किये जाएंगे जैसा कार्यपालक निदेशक द्वारा समय समय पर तय किया जाएगा तथा योजना के अंतर्गत सदस्यता रजिस्टर द्वारा प्रमाणित यूनिटों पर लागू समस्त प्रावधान, लेखा विवरण में दर्शाई गई यूनिटों पर आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे.</p> <p>लेखा विवरण जारी करने में सदस्यता सूचना का संदर्भ और सदस्यता से संबंधित प्रावधानों को, लेखा विवरणों से संदर्भित और इनसे संबंधित माना जाएगा और ये आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होंगे.</p> <p>उपर्युक्त के रहते हुए भी, सदस्य के विशेष अनुरोध पर, सदस्यता रजिस्टर में सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों के सम्पूर्ण भाग अथवा एक अंश के लिए यूनिट सर्टिफिकेट ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निर्धारित प्रारूप में जारी किया जायेगा जिसके लिए यह शर्त होगी कि यूनिट सर्टिफिकेट के लिए किया जाने वाला अनुरोध कम से कम 200 यूनिटों के लिए हो और सदस्यता के अंतर्गत शेष बची यूनिट, यदि हों, तो वे कम से कम 200 यूनिट हों और विद्यमान सदस्यता सूचना, यूनिट सर्टिफिकेट के अनुरोध के साथ लौटाई जानी चाहिए और ट्रस्ट शेष यूनिटों के लिए नयी सदस्यता सूचना जारी करेगा.</p> <p>यूनिट सर्टिफिकेट, अनुरोध प्राप्त होने के सात दिन के अंदर जारी किये जाएंगे.</p>
4	4(7)	यूनिटों के लिए आवेदन पत्र खण्ड (6) के ठीक बाद में	सदस्यता रजिस्टर में सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों के लिए कोई विपरीत बात होते हुए भी, यूनिटों को उस स्टाक एक्सचेंज के माध्यम से अंतरित करने की सुविधा होगी अहां यह योजना सूचीबद्ध है जो सदस्यों को इसके जरिये यूनिट के लिए विकल्प देने और प्राप्त करने पर ही उपलब्ध होगी.
5	6	यूनिटों की बिक्री विद्यमान खण्ड के बाद में	उपर्युक्त के होते हुए भी, 1ली सितम्बर 2000 अथवा इसके बाद बेची गई यूनिटों के लिए सदस्यता सूचना जारी की जाएगी जिसमें बेची गई यूनिटों और सदस्यता रजिस्टर में

यूनिट योजना 1964 में संशोधन

			सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों की संख्या दर्शाई जाएगी.
6	7(5)	यूनिटों की पुनर्खरीद (4) के ठीक बाद में	<p>किसी सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों को, जिन्हें सदस्यता रजिस्टर द्वारा प्रमाणित किया गया हो, उन्हें ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर तय रूप में पुनर्खरीद आवेदनों के साथ-साथ सदस्यता सूचना के प्राप्त होने पर, ट्रस्ट पुनर्खरीद आवेदन पत्र में दर्शाई गई सभी यूनिटों अथवा इसके किसी एक अंश की पुनर्खरीद करेगा और यूनिट सर्टिफिकेटों के अंतर्गत, ऊपर दर्शाए गये प्रतिबन्ध और शर्तें आवश्यक परिवर्तनों के साथ ऐसी पुनर्खरीद पर लागू होंगी.</p> <p>प्रस्तुत की गई उपर्युक्त सदस्यता सूचना को निरस्त करने के लिए ट्रस्ट द्वारा रोक लिया जायेगा और आंशिक पुनर्खरीद की स्थिति में, ट्रस्ट नई सदस्यता सूचना जारी करेगा जिसमें सदस्यता रजिस्टर में, सदस्य के खाते में शेष यूनिटों को दर्शाया जायेगा.</p>
7	8 (ए) (एफ)	यूनिटों का व्यापार (इ) के ठीक बाद में	स्टाक एक्सचेंज में अपने खाते में बकाया यूनिटों को भुनाने के इच्छुक सदस्य को, स्टॉक एक्सचेंज में यूनिटों को भुनाने से पहले, इसके लिए अपना विकल्प पेश करना होगा और यूनिटों के लिए सर्टिफिकेट हासिल करना होगा.
8	9ए	दूसरी परिपक्व हो चुकी योजनाओं के यूनिट धारकों को यूएस 64 में निवेश के लिए विकल्प विद्यमान खण्ड के बाद में	परंतु, 1ली सितम्बर 2000 के बाद होने वाले परिवर्तनों के मामले में, यूनिटों के लिए सदस्यता सूचना जारी की जाएगी जो इस योजना के अंतर्गत सदस्यों के लिए तय किये गये अधिकारों, प्रतिबंधों, सीमाओं और विशेषाधिकारों के अधीन होंगी.
9	9 बी	बोनस यूनिटों का निर्गमन विद्यमान खण्ड के बाद में	परंतु, 1ली सितम्बर 2000 के बाद जारी की जाने वाली बोनस यूनिटों के लिए सदस्यता सूचना, यूनिटधारकों तथा सदस्यों दोनों को ही जारी की जाएगी जो अनुरोध किए पर इसे यूनिट सर्टिफिकेट में बदले जाने के अधिकार के अधीन होगा.
10	11 ए	सदस्यता सूचना का प्रारूप	सदस्यता सूचना का प्रपत्र उस रूप में होगा जैसा ट्रस्ट के कार्यपालक निदेशक द्वारा तय किया जायेगा.
11	13 ए	सदस्यता सूचना तैयार करने का तरीका	सदस्यता सूचना को मुद्रांकित किया जाएगा अथवा इसमें सील मोहर की छाप लगाई जायेगी और इसे ट्रस्ट की ओर से किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा जैसा कार्यपालक निदेशक द्वारा समय-समय पर तय किया जाएगा.
12	15सी	सदस्यता सूचना का	किसी सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों के मामले में, जिन्हें

यूनिट योजना 1964 में संशोधन

		विनिमय और सदस्यता सूचना के फट जाने, विरुपित हो जाने, खो जाने इत्यादि के संबंध में कार्य- प्रणाली	सदस्यता रजिस्टर द्वारा प्रमाणित किया गया हो, विभिन्न प्रकार की सदस्यता धारिता को समेकित करने के प्रयोजन से, कटी-फटी, -विरुपित हो चुकी, खो चुकी सदस्यता सूचनाओं के स्थान पर नई सदस्यता सूचना जारी करने के लिए, ट्रस्ट खण्ड 15 में तय की गई कार्यप्रणाली को, उन संशोधनों के साथ अथवा इनके बिना अपनाने के लिए सदस्य को अनुरोध कर सकता है जैसा ट्रस्ट के कार्यपालक निदेशक द्वारा समय-समय पर तय किया जाए.
13	16ए	सदस्यता रजिस्टर	<p>सदस्यों के पंजीकरण के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे :-</p> <p>(1) ट्रस्ट द्वारा अपने कार्यालयों में सदस्यों का एक रजिस्टर रखा जाएगा और इनमें अधोलिखित प्रविष्टियां की जाएंगी :-</p> <p>(क) सदस्यता सूचना की संख्या और सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों की संख्या</p> <p>(ख) प्रथम सदस्य का नाम और पता</p> <p>(ग) दूसरे धारक का नाम</p> <p>(घ) धारिता पैटर्न</p> <p>(ङ) नामिली व्यक्ति का नाम</p> <p>(च) सदस्यता स्वीकार किये जाने की तारीख</p> <p>(2) खण्ड 16 में निर्दिष्ट प्रतिबंध जो यूनिट सर्टिफिकेट / सर्टिफिकेटों और यूनिट धारक/धारकों पर लागू हैं, वे आवश्यक परिवर्तनों के साथ सदस्यता सूचनाओं और आवेदित यूनिटों/ सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों पर लागू होंगी.</p>
14	20 (1)	यूनिटों का अंतरण खण्ड 20(1) की तीसरी शर्त	परन्तुक्त आगे यह व्यवस्था है कि विशेष परिस्थितियों में, ट्रस्ट किसी अंतरण लिखत के बिना यूनिटों के अंतरण की अनुमति ऐसी शर्तों पर दे सकता है जैसा ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट की गई हों.
15	20(2) के अनुसार परन्तुक्त	यूनिटों का अंतरण खण्ड 20(2) के अंतर्गत	<p>आंशिक अंतरण के मामले में, यदि अंतरणकर्ता, अंतरण-लिखत में अपने विकल्प का उल्लेख नहीं करता, तो अंतरण के पश्चात उसके खाते में बकाया यूनिटों के लिए सदस्यता सूचना जारी की जाएगी. कोई अंतरणकर्ता जिसे सदस्यता सूचना जारी की गई हो, यदि चाहे तो बाद में इसके बदले यूनिट सर्टिफिकेट ले सकता है.</p> <p>ऐसी सदस्यता सूचनाएं डाक से भेजी जाएंगी. ट्रस्ट इस प्रकार भेजी जाने वाली सदस्यता सूचना के खो जाने, नष्ट हो जाने, गलत-वितरण अथवा वितरण न होने की कोई.</p>

यूनिट योजना 1964 में संशोधन

			<p>जिम्मेदारी नहीं उठायेगा. सदस्यता सूचना, अंतरणकर्ता के योजना में बने रहने (बकाया यूनिटों, के मामले में, यदि उसके खाते में शेष बची हों) और अंतरिती (ट्रान्सफरी) के योजना में शामिल होने का एक वैध प्रमाण है.</p> <p>यदि अंतरिती, अंतरण लिखत में अपने विकल्प का उल्लेख नहीं करता तो उसे सदस्यता सूचना जारी की जाएगी जिसे बाद में यदि वह चाहे तो यूनिट सर्टिफिकेट में बदली करा सकता है.</p> <p>धारित बकाया यूनिटों (यदि हों)/अंतरित यूनिटों जो सदस्यता धारित रजिस्टर के द्वारा प्रमाणित हों, उनके मामले में, योजना के प्रावधान आवश्यक परिवर्तनों के साथ अंतरणकर्ता और अंतरिती पर लागू होंगे.</p>
16	20 बी	सदस्यता के अंतर्गत धारित यूनिटों का अंतरण	<p>किसी सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों जिसे सदस्यता रजिस्टर द्वारा प्रमाणित किया गया हो, उनके अंतरण की आवश्यकता और कार्य प्रणाली अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर तय की जायेगी और कार्यप्रणाली के प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वयन के लिए समय-समय पर नियम बनाए जाएंगे.</p>

भारतीय यूनिट ट्रस्ट मुंबई

यूटी/डीबीडीएम/आर-१८ /एसपीडी-102/99-2000

14 अक्टूबर 2000

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 19(1)(8)(सी) के अंतर्गत निर्मित यूटीआई बॉण्ड फंड जो उक्त अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत निर्मित यूनिट योजना, यूटीआई बॉण्ड फंड योजना के संबंध में है, के प्रावधानों में संशोधन जिसे 8/06/99 को संपन्न कार्यकारी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया और 1 अक्टूबर 1999 से प्रभावी हुआ, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

एस चटर्जी

एस चटर्जी

उप महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन

अनुबंध

1. "मुख्य विशेषताओं" शीर्षक के अंतर्गत क्रमशः 8वें और 9वीं मद में अधोलिखित अंश जोड़े जाएंगे, यथा:

- "क्रमबद्ध निवेश" को सुचारु बनाने के लिए फोलिओ खाता
 - "सिस्टमैटिक विद्रावल प्लान" के अंतर्गत "मंथली विद्रावल प्लान (एमडब्ल्यूपी)" के लिए विकल्प
2. खण्ड XII के अंतिम पैराग्राफ के रूप में सदस्यता सूचना/यूनिट सर्टिफिकेट/लेखा विवरण नाम शीर्षक से अधोलिखित पैराग्राफ जोड़ा जाएगा.

जो सदस्य यूटीआई बॉण्ड फण्ड के अंतर्गत, मासिक आहरण प्लान का विकल्प देते हैं, उन्हें लेखा विवरण जारी किया जायेगा जिसमें पहले भुगतान की तारीख से मार्च तक की अवधि के लिए निवेशों और मासिक पुनर्खरीद का उल्लेख किया जाएगा. इसके बाद प्रत्येक वर्ष अप्रैल-मार्च के दौरान सभी मासिक पुनर्खरीद के बाद वार्षिक लेखा विवरण जारी किये जाएंगे. विवरण प्रत्येक वर्ष 31 मई तक जारी किये जाएंगे.

3. "यूनिटों की पुनर्खरीद" पर खण्ड IX के अंतर्गत विद्यमान उप खण्ड (8) और (9) को निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा.

(8) मंथली विद्रावल प्लान

फण्ड के "सिस्टमैटिक विद्रावल प्लान" के अंतर्गत मंथली विद्रावल प्लान सदस्यों को मासिक भुगतान प्राप्त करने की सुविधा देता है जो इलैक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस के माध्यम से अथवा जहां फिलहाल ट्रस्ट द्वारा ईसीएस की सुविधा उपलब्ध न कराई गई हो वहां उत्तर दिनांकित चेकों के माध्यम से किया जाता है. ऐसे भुगतान एक बार में छः माह की अवधि के लिए किए जाते हैं.

क. मंथली विद्रावल प्लान की मुख्य शर्तें निम्नानुसार हैं

- (i) न्यूनतम निवेश - रु. 30,000/-. अधिकतम सीमा नहीं है.
- (ii) पात्रता - उपर्युक्त न्यूनतम निवेश के 6 माह पूरा होने पर बाद की तिमाही के शुरु होने के शीघ्र बाद उपलब्ध होती है.
- (iii) मासिक भुगतान : न्यूनतम निवेश के 6 माह पूरा होने की तारीख के अनुसार प्रत्येक वर्ष 6-6 माह में दो बार 1 जनवरी और 1 जुलाई या 1 अप्रैल और 1 अक्टूबर या 01 जुलाई और 01 जनवरी या 01 अक्टूबर और 1 अप्रैल को किया जायेगा.

01.10.99 से 01.03.2000 तक मासिक भुगतान की राशि = रु. 574

viii) **यूनिटों का मासिक शोधन (रिडिमप्सन)** : प्रत्येक माह के पहले कार्यदिवस को, यूनिटों की राशि के बराबर मूल्य की यूनिटों की समुचित संख्या में "फर्स्ट इन फर्स्ट आउट" आधार पर पुनर्खरीद की जाएगी और इतनी राशि को यूनिट धारक के खाते में डेबिट किया जाएगा.

ix) **अगले 6 माह के लिए परिदृश्य** : उपर्युक्त उदाहरण अगले छः महिनों के लिए मासिक भुगतान हेतु 15 मार्च 2000 को बकाया यूनिटों के शुद्ध आस्ति मूल्य और इतनी ही यूनिटों के 15 सितम्बर 1999 के शुद्ध आस्ति मूल्य के अंतर पर आधारित होगा. इस अवधि के दरम्यान किसी अतिरिक्त निवेश के मामले में 15 मार्च के शुद्ध आस्ति मूल्य और ऐसे अतिरिक्त निवेशों के अंतर के आधार पर मासिक भुगतान किये जाएंगे और ऐसी ही प्रक्रिया आगे जारी रहेगी. 01.04.2000 से 01.09.2000 के दौरान मासिक भुगतान, नीचे दिये गये उदाहरण के अनुसार होंगे :-

तारीख	शुद्ध आस्ति मूल्य (रु.)	भुगतान के पहले यूनिटों की संख्या	मासिक भुगतान	आहरित यूनिट	बकाया यूनिटों की संख्या
01.10.1999	11.7839	5470.828	574	48.711	5422.118
01.11.1999	11.8925	5422.118	574	48.266	5373.852
01.12.1999	12.0091	5373.852	574	47.797	5326.055
01.01.2000	12.1223	5326.055	574	47.351	5278.704
01.02.2000	12.2853	5278.704	574	46.723	5231.982
01.03.2000	12.4871	5231.982	574	45.967	5186.014
15.03.2000	12.4735	5186.014			5186.014

01.04.2000 से 01.09.2000 तक भुगतान हेतु मासिक राशि की गणना :

= (15.03.2000 को शुद्ध आस्ति मूल्य - 15.09.2000 को शुद्ध आस्ति मूल्य) *
बकाया यूनिटों की संख्या

= (12.4735 - 11.7215) * 5186.01 = 3899.87952

01.04.2000 से 01.09.2000 तक मासिक भुगतान = 3899.87/6

= 649.98 (पैसे छोड़ दिये जाएंगे) अर्थात्
रु. 649/-

x) **मंथली विद्वावल प्लान की समाप्ति :**

(क) निवेशक, प्लान छोड़ने का कम से कम एक माह का अग्रिम नोटिस देते हुए और प्लान छोड़ने के ऐसे अनुरोध के साथ भुगतान के लिए बकाया चेक ट्रस्ट को लौटाते हुए मंथली

विद्रावल प्लान छोड़ने का विकल्प दे सकते हैं. भुनाये न गये चेक पर पुनर्खरीद की राशि में से रु. 10/- प्रति चेक प्रभार वसूल किया जाएगा.

- (ख) यदि कोई सदस्य मंथली विद्रावल योजना की चालू अवधि में अपने निवेश के सम्पूर्ण/एक अंश की पुनर्खरीद का अनुरोध करता है तो वह योजना का सदस्य नहीं रह जायेगा और "ई सी एस" के माध्यम से किये जाने वाले शेष भुगतान रोक दिये जाएंगे. यदि उसे मासिक चेक जारी किये गये हों तो, पुनर्खरीद की प्रक्रिया शुरू होने से पहले उसे न भुनाये गये शेष सभी चेकों को वापस करना होगा. प्रत्येक ऐसे चेक के लिए पुनर्खरीद की राशि में से प्रभार के तौर पर रु. 10/- प्रति चेक वसूल कर लिया जाएगा.

x) **मंथली विद्रावल प्लान के लिए विकल्प कैसे दें.**

आवेदक, आवेदन फार्म, में दिये गये चौखानों में उपयुक्त स्थान पर "सही" का निशान लगाकर मंथली विद्रावल प्लान के लिए विकल्प दे सकता है. मासिक आहरण प्लान का विकल्प पत्र के जरिये अनुरोध करते हुए बाद में भी दिया जा सकता है जिसमें सदस्य को अपना फोलियो नम्बर दर्शाना होता है.

xii) **"रोलओवर" की सुविधा**

इस सुविधा के अंतर्गत, सदस्य अपनी बकाया यूनिटों को पूरा का पूरा अथवा, इसके एक अंश की पुनर्खरीद कर सकता है और सम्पूर्ण लाभ अथवा पुनर्खरीद की गई यूनिटों के अंकित मूल्य तक की राशि को उसी दिन/अगले दिन शुद्ध आस्ति मूल्य पर निवेशित कर सकता है. योजना में "रोलओवर सुविधा" के अंतर्गत पुनर्निवेशित आय पर आकस्मिक आस्थागित बिक्री प्रभार देय नहीं होगा. ऐसा इसलिए किया गया है ताकि सदस्य को अपने खातों में समय-समय पर आय/लाभ के पूंजीगत आकलन को गमझने में आसानी हो.

(9) **बैंक विवरण और ईसीएस**

- (i) यह अनिवार्य है कि निवेशक आवेदन पत्र में निर्दिष्ट स्थान पर अपने बैंक खाते का पूरा विवरण दें, जैसे खाते का स्वरूप, खाता संख्या और बैंक शाखा का नाम तथा पता. साथ में पिन कोड भी दर्शाए.

यूनिटों की बिक्री/पुनर्खरीद के कोई भी आवेदन-पत्र बैंक विवरणों के बिना स्वीकार/आगे नहीं बढ़ाए जाएंगे.

- (ii) भारतीय रिजर्व बैंक ने धनराशि सदस्यों के बैंक खातों में सीधे जमा करने के लिए ईसीएस शुरू की है. निवेशकों को संबंधित केन्द्रों में चले रहे उनके बैंक खातों में धनराशि जमा करने की यह सुविधा फिलहाल अहमदाबाद, बल्लभगढ़/फरीदाबाद, बेंगलूर, बड़ौदा, भोपाल, भुवनेश्वर, कलकत्ता, चण्डीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद, इन्दौर, जयपुर, जमशेदपुर, लुधियाना, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पुणे, शिमला, सिलीगुड़ी, सूरत और त्रिशूर (आगे इन

- (iv) **मूल्यांकन तारीख** : मासिक भुगतान की राशि की गणना करने के लिए मूल्यांकन की तारीख, संबंधित कलेंडर तिमाही के पहले माह की 15 मार्च, 15 जून, 15 सितम्बर और 15 दिसम्बर होगी.
- (v) **मासिक भुगतान** : मासिक भुगतान की राशि किसी फोलिओ में उपर्युक्त मूल्यांकन तारीख को रु.30,000/- अथवा इससे अधिक के निवेश तथा इसके बाद के निवेश यदि कोई हों, उनसे संबंधित तिमाही के पहले माह की 15वीं तारीख को मूल्यमान और ऐसे निवेश के शुद्ध आस्ति मूल्य को 6 से भाग देने पर निकाला जाएगा. इस प्रकार निकाली गई राशि में यदि पैसे हों तो उन्हें छोड़ दिया जायेगा.
- (vi) **कार्य प्रणाली** : ऐसे सभी सदस्य जिनके रु.30,000/- अथवा इससे अधिक के निवेश के 15 सितम्बर 1999 को अथवा इससे पूर्व, 6 माह पूरे हो गये हों, वे 01 अक्टूबर 1999 से मासिक भुगतान के लिए पात्र हैं. मासिक भुगतान की राशि निकालने के लिए 15 सितम्बर 1999 को बकाया यूनिटों की संख्या के शुद्ध आस्ति मूल्य और 15 मार्च 1999 को उतनी ही संख्या के शुद्ध आस्ति मूल्य के अंतर को लिया जाएगा.
- (vii) उस फोलिओ में 15 मार्च 1999 और 15 सितम्बर 1999 के बीच की अवधि में यदि कोई और निवेश किये गये हों तो ऐसी यूनिटों को भी इसमें शामिल किया जाएगा. उपरोक्तानुसार निकाले गये अंतर को 6 से भाग देने पर मासिक भुगतान की राशि निकलेगी.

उदाहरण : यदि किसी सदस्य ने 18 जनवरी 1999 को रु.30000/- अथवा इससे अधिक का आरंभिक निवेश किया हो जिसे 18 जुलाई 1999 को 6 माह पूरे होते हैं, वह 01 अक्टूबर 1999 से मंथली विद्वावल प्लान के अंतर्गत मासिक भुगतान के लिए पात्र है.

साथ ही, यदि उसने 22.2.1999 को रु.20,000 और बाद में 10.7.1999 को रु.10,000 का निवेश किया है तो उसका मासिक भुगतान की राशि निम्नानुसार निकाली जाएगी.

तारीख	शुद्ध आस्ति मूल्य (रु.)	धन राशि	यूनिटों की संख्या
18.01.99	10.8184	30000	2773.053
22.02.99	10.9351	20000	1828.973
15.03.99 को यूनिटों का मूल्यांकन	11.0118	50676.59	4602.026
10.07.99 को अतिरिक्त निवेश	11.5101	10000	868.802
योग (क)	-	60676.591	5470.828
15.09.1999 (ख) को यूनिटों का मूल्यांकन	11.7215	64126.314	5470.828

$$\begin{aligned}
 \text{मासिक भुगतान} &= (\text{ख} - \text{क}) / 6 \\
 &= (\text{रु.}64126.314 - \text{रु.}60676.591) / 6 \\
 &= \text{रु.}574.95 \text{ (पैसे छोड़ दिये जाएंगे)}
 \end{aligned}$$

केन्द्रों की संख्या में घट/बढ़ हो सकती है) में जहां किसी एकल लिखत की धनराशि रु.5,00,000/- से अधिक न हो उन मामलों में यह सुविधा उपलब्ध है. निवेशकों को उनके बैंक खातों में जमा राशि के व्योरो की विवरणी दी जाएगी.

- (iii) निवेशक की बैंक शाखा, निवेशक के खाते में धनराशि जमा करेगी और उसकी पास बुक/बैंक खाता विवरणी में "ईसीएस" के साथ क्रेडिट-प्रविष्टि दर्शाएगी. उपर्युक्त केन्द्रों में रहनेवाले निवेशक आवेदन पत्र में बैंक शाखा का नाम और पता और खाता संख्या, खाते का स्वरूप और खाता संख्या, बैंक शाखा का 9 अंकों का बैंक और शाखा 'एमआईसीआर' कोड नम्बर दर्शाएंगे.
- (iv) यदि उपर्युक्त केन्द्रों में निवेशकों की संख्या पर्याप्त रूप से काफी न हो अथवा किसी दूसरे कारण से, ट्रस्ट उपर्युक्त केन्द्रों में से किसी एक अथवा सभी में "ईसीएस" के जरिए आय का भुगतान करने के बजाय बैंक खातों के विवरणों के साथ आय वितरण वारंट जारी करके, आय वितरण का भुगतान कर सकता है.

(V) **अनिवासी भारतीय निवेशकों को आय वितरण**

योजना के अंतर्गत "विनिमय नियंत्रण नियमावली" के अनुसार आय का भुगतान किया जाएगा. आय भुगतान की वर्तमान व्यवस्था निम्नानुसार है :

क) वारंट सदस्य के नाम से जारी किया जायेगा और इसे सदस्य के एनआरई/एनआरओ खाते में जमा करने के लिए भारत में उनके रिश्तेदार को भेजा जाएगा.

ख) वारंट उस रिश्तेदार के नाम से जारी किया जा सकता है जो भारत में रहता हो और अपने खाते में जमा करने के लिए उसे भेजा जाता है. अनिवासी भारतीय निवेशक के मामले में जिनमें भुगतान उनके निवासी रिश्तेदार के पक्ष में किया जाता हो, उन मामलों में ऐसे रिश्तेदारों को बैंक खातों के विवरण दिये जाने चाहिए.

- vi) ईसीएस सुविधा उन अनिवासी भारतीयों के लिए भी उपलब्ध होगी जिनके मुंबई में अपने खुद के खाते हों. जो अनिवासी भारतीय अपने निवासी रिश्तेदारों के बैंक खातों में आय वितरण जमा कराना चाहते हों, उनके लिए ऊपर खण्ड (ii) में दर्शाए गये स्थानों में ईसीएस सुविधा उपलब्ध हो वहां यह सुविधा दी जा सकती है.

R-15

यूटी/डीबीडीएम/एसपीडी-119-सी/2000-2001

14 जून 2000

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई यूनिट योजना मासिक आय योजना 2000 (तृतीय) के संबंध में कथित अधिनियम की धारा 19(1)(8)(सी) के अंतर्गत बनाए गए मासिक आय प्लान 2000 (तृतीय) का पेशकश दस्तावेज, जिसे 24 जून, 2000 को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति द्वारा अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

एक राब जी

एस चटर्जी

उप महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन



**भारतीय यूनिट ट्रस्ट
मासिक आय प्लान 2000 (तृतीय)
पेशकश (ऑफर) दस्तावेज**

पेशकश 30 अगस्त, 2000 से 13 अक्टूबर, 2000 तक खुली है

**यूटीआई
मासिक
आय प्लान
2000
(तृतीय)**

मासिक आय प्लान 2000 (तृतीय) भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 19 (1)(8)(सी) के अंतर्गत बनाया गया है जो कथित अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत यूटीआई के न्यासी मंडल द्वारा बनाई गई यूनिट योजना, मासिक आय योजना 2000 (तृतीय) के संबंध में है। यह पेशकश दस्तावेज योजना के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करता है जिसे भावी निवेशक निवेश करने से पहले जानना चाहते हैं। पेशकश दस्तावेज भविष्य के संदर्भ हेतु रखे जाने चाहिए।

योजना के विवरण भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुसार तैयार किए गए हैं, यथा तिथि तक संशोधित एवं सेबी के पास पंजीकृत हैं और जन साधारण के अधिदान हेतु पेश किए गए यूनिट सेबी द्वारा न तो अनुमोदित अथवा अननुमोदित किए गए हैं न ही सेबी ने पेशकश दस्तावेज की यथार्थता अथवा पर्याप्तता को ही प्रमाणित किया है।

प्लान का उद्देश्य

यह एक आयोन्मुख प्लान है। प्लान का उद्देश्य मासिक/वार्षिक आधार पर नियमित आय प्रदान कर अथवा 5 वर्ष की अवधि के दौरान आय की संवृद्धि को उपलब्ध करा कर निवेशकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

विशिष्टताएं

- ☐ यह पांच वर्ष की अवधि वाला एक नियत कालिक आय प्लान है।
- ☐ यह प्लान निवासियों तथा अ-निवासियों दोनों के लिए खुला है।
- ☐ इस प्लान के तहत तीन विकल्प हैं : 1) मासिक आय विकल्प 2) वार्षिक आय विकल्प एवं 3) संचयी विकल्प।
- ☐ यूनिट का अंकित मूल्य रु. 10/- है एवं यूनिटों की बिक्री सम-मूल्य पर की जाएगी।
- ☐ न्यूनतम निवेश रु. 10,000/- है।
- ☐ तीनों विकल्पों के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा एवं आय वितरण वारंटों का प्रेषण/आय वितरण का संचयन इस प्रकार किया जाएगा:

विकल्प	लागू अवधि	आय वितरण की दर	वारंट/वारंटों का प्रेषण/ आय का संचयन
मासिक आय	1 नवंबर 2000 - 31 मार्च 2001	9.75% प्र.व.	सदस्यता सूचना के साथ
	1 अप्रैल 2001 - 31 अक्टूबर 2001	9.75% प्र.व.	मार्च/अप्रैल 2001
	1 नवंबर 2001 - 31 मार्च 2002	मार्च 2001 में घोषित किया जाएगा।	मार्च/अप्रैल 2001
	2005 तक प्रत्येक उत्तरवर्ती अप्रैल - मार्च अवधि हेतु	प्रत्येक वर्ष मार्च माह में घोषणा की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2002 और तबुपरांत
	1 अप्रैल 2005 - 31 अक्टूबर 2005	मार्च 2005 में घोषणा की जाएगी	मार्च / अप्रैल 2005

वार्षिक आय	1 नवंबर 2000 - 31 अक्तूबर 2001	10.20% प्र.व.	मार्च 2001
संचयी (आय का संचयन किया जाएगा)	1 नवंबर 2001 - 31 मार्च 2002	मार्च 2001 में घोषित किया जाएगा।	मार्च/अप्रैल 2002
	2005 तक प्रत्येक उत्तरवर्ती अप्रैल - मार्च अवधि हेतु	प्रत्येक वर्ष मार्च महीने में घोषणा की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2003 और तदुपरांत
	1 अप्रैल 2005 - 31 अक्तूबर 2005	मार्च 2005 में घोषणा की जाएगी	अवधि पूर्ति राशि के साथ
	1 नवंबर 2000 - 31 अक्तूबर 2001	10.20% प्र.व.	अक्तूबर 2001
	1 नवंबर 2001 - 31 मार्च 2002 2005 तक प्रत्येक उत्तरवर्ती अप्रैल-मार्च अवधि हेतु	मार्च 2001 में घोषणा की जाएगी। प्रत्येक वर्ष मार्च महीने में घोषणा की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2002 मार्च/अप्रैल 2003 और तदुपरांत
	1 अप्रैल 2005 - 31 अक्तूबर 2005	मार्च 2005 में घोषणा की जाएगी	अक्तूबर 2005

- ☐ आवेदन की स्वीकृति तिथि से 31 अक्तूबर, 2000 तक की अवधि हेतु तीनों विकल्पों के अंतर्गत आनेवाले निवेशकों को 9.75% प्रति वर्ष की दर से आय वितरण का भुगतान किया जाएगा।
- ☐ आय वितरण उल्लिखित (वर्तमान में 22) केंद्रों पर ईसीएस के जरिए तथा अन्य स्थानों पर आय वितरण वारंटों को जारी करके किया जाएगा।
- ☐ योजना की यूनिटों को एनएसई के थोक ऋण खंड पर सूचीबद्ध कराया जाएगा।
- ☐ तीनों विकल्पों के अंतर्गत पुनर्खरीद 1 नवंबर, 2003 से एनएवी आधारित पुनर्खरीद मूल्य पर की जा सकती है।
- ☐ जब यूनिटों का प्रतिदान एनएवी या सम-मूल्य, जो भी अधिक हो, पर किया जाएगा, योजना में निवेशित पूंजी परिपक्वता पर सुरक्षित रहेगी। ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) द्वारा इस पूंजी सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी। 01 नवंबर, 2003 से 31 अक्तूबर, 2005 के बीच किए गए पुनर्खरीदों के लिए ऐसी कोई गारंटी नहीं है तथा ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूल्य प्रचलित शुद्ध आस्ति मूल्य के अनुसार होगा।
- ☐ एनआरआई तथा ओसीबी निवेशकों को वेय आय वितरण और पुनर्खरीद/प्रतिदान प्राप्ति का पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय है, जहां निवेश विदेशों में विप्रेषण के माध्यम से या अपने एनआरआई खाते को नामे करके अथवा एफसीएनआर जमाओं की राशि से चेक/ड्राफ्ट जारी करके किया गया हो और ऐसे भुगतान/ विप्रेषण के समय निवेशक अनिवासी बना रहता हो।
- ☐ वर्तमान में ट्रस्ट के सभी योजनाओं/प्लानों के अंतर्गत सभी वर्गों के निवेशकों को प्राप्त होने वाला आय वितरण आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (33) के अंतर्गत कर से पूरी तरह मुक्त होगा।
- ☐ प्रचलित कर कानूनों के अनुसार सभी निवेशकों के लिए यूटीआई द्वारा वितरित आय पर झोत पर कर की कटौती नहीं की जाएगी, भले ही निवेशक को योजना से प्राप्त होने वाली आय कितनी भी क्यों न हो। वित्त अधिनियम 2000 के अनुसार, योजना को 01.06.2000 के बाद वितरित आय, यदि कोई हो, पर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 115 आर के अंतर्गत, 20% आय वितरण कर तथा उस पर 10% अधिभार अवा करना आवश्यक है।
- ☐ योजना के अंतर्गत निवेश का मूल्य धनकर की उगाही से पूर्णतया मुक्त है।
- ☐ उपहार कर अधिनियम, 1958 के अंतर्गत 01 अक्तूबर, 1998 को या उसके बाद दिए गए उपहारों के संबंध में उपहार कर की उगाही को समाप्त कर दिया गया है। अतः यूटीआई के यूनिटों के उपहार पर उपहार कर की उगाही नहीं होगी।
- ☐ वर्तमान में योजना के यूनिटों की पुनर्खरीद पर होने वाले दीर्घावधि पूंजीगत अभिलाष, यदि कोई हो, पर लागत मुद्रास्फीति सूचकांक के प्रभाव के बाद निवेशक द्वारा चुने गए विकल्प के अनुसार 20% कर तथा अधिभार अथवा एकसमान दर से 10% कर तथा अधिभार देय होगा।
- ☐ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 54ईए के अंतर्गत 31/3/2000 तक बेची/अंतरित की गई दीर्घावधि पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से होने वाली बिक्री प्राप्ति का निवेश के लिए पात्र होगी बशर्ते ऐसा निवेश ऐसी बिक्री/अंतरण के छः महीने के

भीतर किया जाए, ऐसे निवेश से प्राप्त होने वाली यूनिटों की पुनर्खरीद/ अंतरण/गिरवी योजना के प्रारंभ होने की तिथि से तीन वर्षों की अवरुद्ध अवधि समाप्त होने के बाव ही किया जा सकता है।

II. नियत तत्परता प्रमाणपत्र

एमआईपी 2000 (तृतीय) हेतु सेबी को प्रस्तुत किया गया नियत तत्परता प्रमाणपत्र

इस बात की पुष्टि की जाती है कि :

- I. भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड को भेजा गया पेशकश दस्तावेज का ड्राफ्ट सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 एवं समय-समय पर सेबी द्वारा जारी विशानिर्देशों एवं निर्वेशों के अनुसार है ;
- II. इस योजना के प्रारंभ किए जाने से संबंधित सभी विधिक आवश्यकताएं एवं साथ ही इस संबंध में सरकार या अन्य किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विशानिर्देश, निर्देश आदि का विधिवत् अनुपालन किया गया है ;
- III. पेशकश दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरण सत्य, उचित एवं प्रस्तावित योजना में निवेश के लिए निवेशकों को सोच समझकर निर्णय लेने में सहायता देने के लिए पर्याप्त है ;
- IV. पेशकश दस्तावेज में उल्लिखित सभी बिचौलिए सेबी के साथ पंजीकृत हैं और आज की तिथि के अनुसार ऐसा पंजीकरण वैध है।

दिनांक : 06.07.2000

स्थान : मुंबई

हस्ताक्षर

ह/-

अजीत प्रसाद
अनुपालन अधिकारी
मुहर के साथ

III. परिभाषाएं

इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में जब तक संवर्ध में अन्यथा अपेक्षित न हो -

- (क) "स्वीकृति तिथि" का अर्थ ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदक द्वारा ट्रस्ट को प्रेषित आवेदन पत्र के संवर्ध में वह तिथि है जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर समझता है कि आवेदन सही है और उसे स्वीकार करता है;
- (ख) "अधिनियम" का तात्पर्य भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) से है;
- (ग) "वैकल्पिक आवेदक" का अर्थ नाबालिग के मामले में माता-पिता के अलावा उस माता-पिता से है जिन्होंने नाबालिग की ओर से आवेदन किया हो।
- (घ) "आवेदक" का अर्थ है वह व्यक्ति जो योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान में शामिल होने के लिए पात्र होगा, जो अवयस्क नहीं होगा और आवेदन पत्र में उल्लिखित वैकल्पिक आवेदक सहित जब मानसिक विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों की बिक्री की गयी हो और प्लान के खण्ड V के अंतर्गत आवेदन करता हो।
- (ङ) पांच वर्ष की अवधि वाली योजना/प्लान की "प्रारंभ होने की तिथि" 01 नवंबर, 2000 है।
- (च) "पात्र संस्था" का अर्थ भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली, 1964 में यथापरिभाषित कोई पात्र ट्रस्ट है।
- (छ) "फर्म", "भागीदार" और "भागीदारी" के अर्थ भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) में दिए गए अर्थ हैं, परंतु अभिव्यक्त भागीदार में कोई भी व्यक्ति सम्मिलित हो सकता है, जो नाबालिग हो और जिसे भागीदारी के लाभ प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया हो।
- (ज) "सूचीबद्धता" का अर्थ एनएसई के थोक ऋण खंड या अन्य किसी स्टॉक एक्सचेंज/खंड, जैसा कि सेबी के अनुमोदन से निश्चित किया जाए, पर व्यवसाय करने के प्रयोजन से यूनिटों का सूचीबद्ध किया जाना है।
- (झ) योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में "सदस्य" के रूप में प्रयुक्त अभिव्यक्ति का अर्थ और इसमें शामिल उस आवेदक से है, जिसे इस योजना में यूनिट आवंटित किए गए हों।
- (ञ) "मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति" का अर्थ वह व्यक्ति है, जो ऐसी मानसिक अक्षमता से ग्रस्त हो, जो उसे जीवन के सामान्य कार्य करने से वंचित रखती हो।
- (ट) "अनिवासी भारतीय" (एनआरआई) का तात्पर्य भारत के बाहर रहने वाला व्यक्ति जो भारत का नागरिक है अथवा भारत का मूल निवासी है। किसी व्यक्ति को भारत का मूल निवासी तभी माना जाएगा जब वह बांग्लादेश अथवा पाकिस्तान को छोड़कर किसी भी देश का नागरिक है, (क) यदि वह किसी भी समय भारतीय पासपोर्ट धारित करता है अथवा (ख) वह अथवा उसके माता पिता अथवा उसके पितामह-पितामही में से कोई भी एक भारत के संविधान अथवा नागरिकत्व अधिनियम, 1955 (1955 का 57) के आधार पर भारत का नागरिक है अथवा (ग) वह भारतीय नागरिक का/की पति/पत्नी है अथवा वह विदेशी विनियम प्रबंधन (जमा) विनियम, 2000 के खण्ड 2 { (xii)(क) अथवा (ख) } में उल्लिखित व्यक्ति है।
- (ठ) "जारी समझे जानेवाले यूनिटों की संख्या" का अर्थ बेचे गए और बकाया यूनिटों की कुल संख्या है।
- (ड) "विदेशी निगमित निकाय" (ओसीबी) के अंतर्गत कंपनी, भागीदारी फर्म, सोसाइटी और अन्य निगमित निकाय जिनका कम से कम 60% तक की सीमा का स्वामित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अनिवासी भारतीयों के पास है तथा विदेशी ट्रस्ट जिनमें कम से कम 60% लाभप्रद हित अप्रतिसंहरणीय रूप से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अनिवासी भारतीयों द्वारा धारित है, शामिल हैं।
- (ढ) "व्यक्ति" में ऊपर यथापरिभाषित पात्र संस्था शामिल है।
- (ण) "रजिस्ट्रार" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी सेवाएं ट्रस्ट द्वारा योजना के अंतर्गत समय-समय पर रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए ली जा सकें।
- (त) "विनियमावली" का अर्थ अधिनियम की धारा 43 (1) के अंतर्गत बनी भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली, 1964 है।
- (थ) "सेबी" का अर्थ है भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अंतर्गत बनाया गया भारतीय प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड।
- (व) "सेबी (एभएफ) विनियम" का तात्पर्य समय समय पर संशोधित भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के अंतर्गत प्रवर्त शक्तियों के प्रयोग में सेबी द्वारा निर्धारित भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 से है।

- (ध) "समिति" का अर्थ समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत स्थापित समिति या फिलहाल प्रवृत्त राज्य या केन्द्रीय विधि के अन्तर्गत स्थापित अन्य कोई समिति हैं।
- (न) "ट्रेडिंग" का तात्पर्य यूनिटों के पहले आबंटन के बाद शेयर-बाजार के जरिए यूनिटों की खरीद अथवा बिक्री में व्यवहार से है।
- (प) "यूनिट" का अर्थ यूनिट पूंजी में दस रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर है।
- (फ) "यूनिट पूंजी" का तात्पर्य फिलहाल यूनिट योजना के अंतर्गत निर्गत और शेष यूनिटों के अंकित मूल्य के योग से है।
- (ब) "यूनिट ट्रस्ट" या "ट्रस्ट" का तात्पर्य अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट से है।
- (भ) इसमें अपरिभाषित लेकिन अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित अन्य सभी अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे, जो अधिनियम/विनियमावली में दिये गये हैं।
- (म) एक वचन वाले शब्दों में बहुवचन शामिल हैं और सभी पुल्लिंग संवर्धों में स्त्रीलिंग तथा एक में वृसरे के विपर्यय शामिल हैं।

IV. जोखिम के तत्त्व

- ◆ म्यूचुअल फंड एवं प्रतिभूतियों में निवेश पर बाजार का जोखिम होता है। 01 नवंबर, 2003 से 31 अक्तूबर, 2005 के बीच किए गए पुनर्खरीद हेतु पूंजी की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है क्योंकि ऐसे मामले में पुनर्खरीद मूल्य प्रचलित शुद्ध आस्ति मूल्य पर निर्भर होगा।
- ◆ जैसे प्रतिभूतियों में किए जाने वाले किसी भी निवेश में होता है, योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों का एनएवी पूंजी बाजार को प्रभावित करनेवाली शक्तियों एवं कारकों पर निर्भर करते हुए ऊपर या नीचे जा सकता है।
- ◆ पूर्व योजनाओं/प्लानों का कार्यानिष्पादन आवश्यक रूप से भावी परिणामों का द्योतक नहीं है।
- ◆ मासिक आय प्लान 2000 (तृतीय) [एमआईपी 2000 (तृतीय)] केवल प्लान का नाम है और यह किसी भी प्रकार से प्लान की गुणवत्ता का संकेत नहीं देता है।
- ◆ सभी नियतकालिक योजनाओं के समान इसमें अनियमित सौदों का जोखिम एवं यूनिटों के बाजार मूल्य के एनएवी पर बट्टा काटे जाने की संभावना होती है।
- ◆ **डेरिवेटिव्स :** ऑप्शन्स एवं फ्यूचर्स जैसे डेरिवेटिव्स प्रतिभूतियों में लेन-देन करना एक अत्यंत विशेषीकृत कार्य है एवं इसमें सामान्य निवेश के जोखिमों से कहीं अधिक जोखिम होता है। हालांकि प्लान का अभिप्राय केवल पोर्टफोलियो के बचाव के उद्देश्य के लिए ही डेरिवेटिव्स में लेन-देन करना है, इस खंड में समग्र बाजार बहुत ही अनिश्चित हो सकता है जो इस बाजार में अन्य प्रतिभागियों के कार्य के कारण है। डेरिवेटिव्स में लेन-देन की सफलता निधि प्रबंधक के बाजार की भावी प्रवृत्ति का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता पर निर्भर करती है और यदि निधि प्रबंधक अपने पूर्वानुमान में गलत होता है तो निधि का कार्यानिष्पादन, यदि यह निवेश योजना प्रयोग में न लाई गई होती तो जो रहा होता, उसकी तुलना में घट गया होता।
- ◆ **विदेशी बाजारों में निवेश :** विदेशी बाजारों में निवेश की सफलता निधि प्रबंधक की बाजार की उन परिस्थितियों एवं जानकारीयों का विश्लेषण करने की योग्यता पर निर्भर करता है जो भारतीय बाजारों से भिन्न हो सकती हैं। जैसा कि इसमें विदेशी बाजारों में परिचालन शामिल है, बाजार के जोखिमों के अलावा विनियम दर के उतार-चढ़ाव के जोखिम भी हो सकते हैं।
- ◆ **स्टॉक उधार देना :** यह न्यून जोखिम के साथ प्लान के लिए अतिरिक्त आय जुटाने का साधन है। स्क्रिप्ट उधार दिए जाने की अवधि के दौरान बिक्री हेतु सुलभ स्टॉक की अनुपलब्धता के रूप में जोखिम हो सकता है। प्लान की प्रतिभूतियों के पुनर्भुगतान में उधारकर्ता/मध्यस्थ द्वारा चूक किए जाने की संभावना के रूप में भी जोखिम हो सकता है। तथापि, जोखिम को इस प्रक्रिया में शामिल हुए मध्यस्थ द्वारा उधारकर्ता से उचित ऋणाधार लेकर पर्याप्त रूप से वसूल किया जाएगा। ऐसे ऋणाधार पर यूटीआई का ग्रहणाधिकार रहेगा। प्रतिभूतियों के उधार देने की प्रक्रिया में शामिल किसी भी जोखिम को न्यूनतम करने हेतु हमारी उचित जांच एवं नियंत्रण भी होंगे।
- ◆ ट्रस्ट मासिक आय प्लान के अंतर्गत यूनिट पूंजी में से आय अदा करने की प्रक्रिया अपनाता रहा है और जो सवस्य परिपक्वता अवधि से पहले ही यूनिटों की पुनर्खरीद करते हैं, उनको इस प्रक्रिया के कारण कम एनएवी मिल सकती है। इसलिए, योजना की अवधि के दौरान, प्रतिफल यूनिट पूंजी में से अदा किया जा सकता है और उस हद तक एनएवी कम हो जाएगी।
- ◆ ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) द्वारा गारंटी प्रदान करने के आधार पर इस योजना के अंतर्गत आय का आश्वासन दिया गया है। डीआरएफ की गारंटी के साथ आश्वासित आय वाली 22 योजनाओं के अंतर्गत दिनांक 30.06.2000 को 26268.96 करोड़ रुपए की निवेश योग्य निधियों के प्रति 30.06.2000 को डीआरएफ की मात्रा 1069.97 करोड़ रुपए थी।

डीआरएफ की आस्तियों का करीब 63.33% इक्विटियों में, 20.77% ऋणों में और 15.89% आस्तियां मुद्रा बाजार लिखतों में हैं।

V. यूनितें एवं पेशकश

1. यह योजना मासिक आय योजना 2000 (तृतीय) [एमआईएस '2000 (तृतीय)] कही जाएगी और इस योजना के अंतर्गत बनाया गया प्लान मासिक आय प्लान 2000 (तृतीय) [एमआईपी 2000 (तृतीय)] कहा जाएगा।
2. यह योजना पांच वर्ष की अवधि के लिए अर्थात् 1 नवंबर, 2000 से 31 अक्टूबर, 2005 तक के लिए होगी।
3. यूनितों की बिक्री 30 अगस्त, 2000 से 13 अक्टूबर, 2000 तक 45 दिनों के लिए होगी। बशर्ते, यूनित ट्रस्ट के न्यासी मंडल की कार्यकारिणी समिति/अध्यक्ष किसी भी समय युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होने पर, स्टॉक एक्सचेंजों में व्यवसाय न होने पर या अन्य सामाजिक-आर्थिक कारणों से अखबारों में 7 दिन का नोटिस देने के बाद या ऐसी पद्धति से जैसा ट्रस्ट द्वारा निर्णय किया जाए, योजना के अंतर्गत यूनितों की बिक्री स्थगित कर सकता है।
4. इस योजना के अंतर्गत जारी किए गए प्रत्येक यूनित का अंकित मूल्य दस रुपए होगा।
5. **यूनितों के लिए आवेदन**

यूनितों के लिए आवेदन निवासियों और अनिवासियों द्वारा भी निम्नलिखित रूप से किये जा सकते हैं:

- (i) निवासी व्यक्ति या अनिवासी एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त/ एकल या उत्तरजीवी आधार पर।
 - (ii) निवासी या अनिवासी नाबालिग की ओर से माता-पिता, सौतेले माता-पिता या अन्य विधिक अभिभावक। बालिग और नाबालिग संयुक्त रूप से आवेदन नहीं कर सकते हैं।
 - (iii) योजना में यथापरिभाषित पात्र संस्था, जिसमें अप्रतिसंहरणीय और लिखत द्वारा निर्मित निजी न्यास शामिल है।
 - (iv) मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए कोई व्यक्ति।
 - (v) योजना में यथापरिभाषित कोई समिति।
 - (vi) कंपनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत निर्मित कंपनी सहित निगमित निकाय एवं बैंक।
 - (vii) निवासी या अनिवासी हिन्दू अविभक्त परिवार।
 - (viii) सेना/नौसेना/वायु सेना/पैरामिलिट्री निधियां।
 - (ix) भागीदारी फर्म
- (भागीदारी फर्म द्वारा आवेदन, फर्म के अधिकतम तीन सदस्यों द्वारा किया जाना चाहिए तथा ट्रस्ट सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए प्रथम नामित सदस्य को ही सदस्य के रूप में मान्यता देगा।) और
- (X) विदेशी निगमित निकाय जिनमें अनिवासी भारतीयों का स्वत्वाधिकार कम से कम 60% तक हो।

6. न्यूनतम निवेश राशि

सभी विकल्पों के अंतर्गत आवेदन न्यूनतम रु. 10,000/- के लिए किया जाना चाहिए। कोई अधिकतम सीमा नहीं होगी। यदि आवेदन रु. 10/- के गुणकों में न हो, तो यूनितों का आबंटन भिन्नांक में दशमलव के बाद तीन अंकों तक किया जाएगा। रु. 50,000/- और उससे अधिक के निवेश के मामले में, अनिवासी सामान्य खाते के जरिए निवेश करने वाले निवासी या अनिवासी भारतीय को सलाह दी जाती है कि यदि उसका आयकर पीएन/जीआईआर संख्या तथा आय कर सर्किल का पता है, तो वह उसे प्रस्तुत करे।

7. निर्गम की लक्ष्य राशि

योजना के अंतर्गत 50 करोड़ रुपए की राशि की गारंटी का लक्ष्य रखा गया है।

यदि लक्ष्य राशि का अभिदान न हो, तो योजना के अंतर्गत एकत्र की गई सम्पूर्ण राशि को यूनितों की बिक्री बंद होने की तिथि से छः सप्ताह के भीतर ट्रस्ट द्वारा आदाता के खाते में धन-वापसी आवेदक द्वारा धन वापस किया जाएगा। ऐसी परिस्थितियों में निवेशक स्वीकृति तिथि से बिक्री की समाप्ति की तिथि तक 9.75% प्र.व. की दर से आय वितरण प्राप्त करने का पात्र नहीं होगा। उक्त अवधि के भीतर राशि वापस न करने की स्थिति में यूनितों की बिक्री बंद होने की तिथि के 43वें दिन से धन-वापसी की तिथि तक ट्रस्ट आवेदक को 15% प्रति वर्ष की दर से ब्याज का भुगतान करने का जिम्मेदार होगा।

8. सूचीबद्धता

योजना के अंतर्गत जारी यूनिट को एनएसई के थोक खण्ड या अन्य किसी स्टॉक एक्सचेंज/खण्ड, जैसा सेबी की अनुमति से निश्चित किया जाए, पर अधिदान बंद होने की तिथि से छ माह के भीतर सूचीबद्ध किया जाएगा। योजना में सभी पात्र आवेदनकर्ताओं को सवस्यता सूचनाओं का प्रेषण करने के तुरंत बाद शेयर बाजार को सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया जाएगा। बिक्री योग्य 100 यूनिटों का लॉट रु 10/- प्रति यूनिट के अंकित मूल्य का है।

9. सदस्यता सूचना

प्लान के अंतर्गत बिक्री बंद होने की तिथि से छ सप्ताह के भीतर ट्रस्ट सदस्यता सूचना भेजेगा। जो सदस्य यूनिट के अंतरण या स्टॉक एक्सचेंज के जरिए यूनिट बेचने के इच्छुक हैं और यदि वे सदस्यता सूचना के बवले में यूनिट प्रमाण-पत्र बिक्री योग्य लॉट या एकल प्रमाण-पत्र में चाहते हैं, तो वे इस बात का उल्लेख करते हुए रजिस्ट्रार को लिख सकते हैं। ऐसे अनुरोध प्राप्त होने की तिथि से 7 दिन के अंदर रजिस्ट्रार द्वारा यूनिट प्रमाणपत्र/प्रमाणपत्रों को जारी किया जाएगा।

अनिवासी भारतीय सदस्यता सूचना के स्थान पर सदस्यता सूचना या यूनिट प्रमाणपत्र/यूनिट प्रमाणपत्रों के प्रेषण के लिए निम्नलिखित में से किसी एक तरीके का चयन कर सकते हैं।

- (i) आवेदक के भारतीय/विदेशी पते पर या
- (ii) आवेदक के भारत स्थित रिश्तेदार के पते पर या
- (iii) सुरक्षित अभिरक्षा हेतु उसके भारत स्थित बैंक को।

10. यूनिटों का अंतरण/गिरवी रखा जाना/समनुदेशन :

सदस्यता सूचना अंतरणीय/गिरवी रखे जाने योग्य/समनुदेशनीय नहीं है। जो सदस्य स्टॉक एक्सचेंज के जरिए यूनिट बेचने के इच्छुक हैं या यूनिट का अंतरण करना चाहते हैं, वे उपरोक्त अनुच्छेद 9 में बताए गए अनुसार सदस्यता सूचना के स्थान पर यूनिट प्रमाणपत्र/प्रमाणपत्रों के लिए रजिस्ट्रार को लिख सकते हैं। इस तरह जारी किया गया यूनिट प्रमाणपत्र निम्नलिखित शर्तों के अधीन अंतरण/गिरवी रखे जाने/समनुदेशन के योग्य होगा :

- (i) अंतरण उपरोक्त अनुच्छेद V(5) के अंतर्गत दर्शाए अनुसार निवेशकों की श्रेणियों के पक्ष में होगा।
- (ii) अंतरण यूनिटधारण करने की क्षमता रखनेवाले अंतरणकर्ता और अंतरिती के द्वारा और उनके मध्य प्रभावकारी होगा। किसी अन्य अंतरण को मान्यता देने के लिए ट्रस्ट बाध्य नहीं होगा।
- (iii) विधिवत् मुहर लगा हुआ निर्दिष्ट अंतरण विलेख संबंधित यूनिट प्रमाणपत्र के साथ और अंतरण माह (मासिक आय विकल्प के मामले में) और उसके बाद के अनुभूनाये गए आय वितरण वारंट रजिस्ट्रार को वापस भेजे जाते हैं। ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय को प्रस्तुत किए गए अथवा उसके द्वारा स्वीकृत कोई भी अंतरण विलेख रजिस्ट्रार के निकटतम कार्यालय को भेज दिया जाएगा।
- (iv) प्रत्येक अंतरण लिखत पर अंतरणकर्ता (संयुक्त धारिता के मामले में सभी अंतरणकर्ता) तथा अंतरिती (संयुक्त खरीद के मामले में सभी अंतरिती) के हस्ताक्षर होंगे और रजिस्ट्रार द्वारा अंतरिती का नाम धारकों के रजिस्टर में दाखिल करने तक अंतरणकर्ता को ही यूनिट का धारक समझा जाएगा।
- (v) अंतरणकर्ता के स्वत्वाधिकार या यूनिटों का अंतरण करने के उसके अधिकार के समर्थन में रजिस्ट्रार ऐसा कोई भी सबूत माग सकते हैं, जो उन्हें आवश्यक लगे।
- (vi) यदि यूनिट प्रमाणपत्र खो गया हो, चुरा लिया गया हो, नष्ट हो गया हो तो कुछ अपेक्षाओं, जिन्हें रजिस्ट्रार जरूरी समझे, को पूरा करने के बाद मूल यूनिट प्रमाणपत्र की प्रस्तुति के सबंध में रजिस्ट्रार छूट दे सकते हैं।
- (vii) अंतरण के सभी लिखत और यूनिट प्रमाणपत्र, यूनिटों के अंतरण का पंजीकरण होने तक रजिस्ट्रार के पास रखे जा सकते हैं।
- (viii) अंतरण को मान्यता देने वाले तथा पंजीकरण करनेवाले रजिस्ट्रार, अंतरण तथा सदस्यता सूचना अथवा यूनिट प्रमाणपत्रों तथा वारंटों को जारी करने के सबंध में वेय प्रभारों की अवायगी तथा वसूली के बाद, मूल या नया यूनिट प्रमाणपत्र अथवा सदस्यता सूचना और आय वितरण वारंट (मासिक आय विकल्प के मामले में), यदि कोई हो, अंतरिती को जारी कर सकते हैं।
- (ix) यदि कोई अंतरिती आधिकारिक क्षमता के कारण, विधि के परिचालन से अथवा गिरवी लागू होने पर अनुसूचित बैंक यूनिटों का धारक बन जाता है, तो रजिस्ट्रार ऐसे साक्ष्य जिसे पर्याप्त समझे, के प्रस्तुतीकरण के अधीन, अंतरिती के यूनिटों के धारण के लिए अन्यथा पात्र होने पर, अंतरण प्रभावी करेंगे।
- (x) विशिष्ट परिस्थितियों में, कंपनी अथवा अन्य निगमित निकाय द्वारा दूसरी कंपनी अथवा निगमित निकाय अथवा किसी व्यक्ति/व्यक्तियों के साथ, जिनमें से कोई भी नाबालिग न हो, यूनिटों के धारण करने हेतु ट्रस्ट द्वारा ध्यान में लिया जाएगा।

- (X) इसमें ऊपर उल्लिखित प्रावधानों के अधीन ट्रस्ट अंतरण को पंजीकृत करेगा और आय वितरण वारंट, यदि कोई हो, के साथ यूनिट प्रमाणपत्र संबंधित अंतरण लिखत के साथ यूनिट प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर अंतरिती को वापस करेगा।

संयुक्त अंतरितियों के मामले में यूनिट प्रमाणपत्र का प्रेषण और यूनिट प्रमाणपत्र के संबंध में सभी भुगतान केवल पहले सदस्य के नाम से किया जाएगा।

11. योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति/रोल ओवर/परिसमापन

- (1) योजना 3। अक्टूबर, 2005 को समाप्त हो जाएगी, सदस्यों के बकाया यूनिटों का प्रतिदान किया जाएगा और सदस्यों को उनके यूनिटों के मूल्य की अवायगी ट्रस्ट द्वारा निर्धारित प्रतिदान मूल्य पर दी जाएगी। प्रतिदान एनएवी या रु 10/-, जो भी अधिक हो, पर होगा। विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) इस पूंजी की सुरक्षा की गारंटी देगा। 01 नवंबर, 2003 से 31 अक्टूबर, 2005 के बीच की गई पुनर्खरीद हेतु ऐसी कोई गारंटी नहीं है और ऐसे मामले में पुनर्खरीद मूल्य प्रचलित एनएवी पर आधारित होगा। उपरोक्तानुसार निर्धारित पुनर्खरीद/प्रतिदान मूल्य प्राप्त करने के अलावा पुनर्खरीद/प्रतिदान मूल्य में वृद्धि के रूप में या पुनर्खरीद/प्रतिदान की तिथि के पश्चात्पूर्वी अवधि हेतु आय के रूप में किसी भी प्रकार का कोई लाभ सदस्यों को उपार्जित नहीं होगा।

- (11) फिर भी, ट्रस्ट, सेबी की पूर्व अनुमति से इस योजना को पांच वर्ष से आगे बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ऐसी स्थिति में सदस्यों को विकल्प दिया जाएगा कि या तो वे यूनिटों को वापस ट्रस्ट को बेच दें अथवा इस योजना में बने रहें। ट्रस्ट द्वारा निवेशक को यह विकल्प भी दिया जा सकता है कि वह पुनर्खरीद की राशि को आरंभ की गई अथवा उस समय परिचालन में रहने वाली किसी भी योजना में परिवर्तित कर सके।

पांच वर्ष से अधिक योजना की अवधि में विस्तार सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के विनियम 33 के उप-विनियम 4 के अनुसार होगा। उप विनियम के प्रावधान हैं।

“एक नियतकालिक योजना परिपक्वता अवधि के उपरांत पूरी तरह उन्मोचित होगी।

बशर्ते, नियतकालिक योजना को रोल-ओवर की अनुमति दी जाएगी यदि रोल-ओवर के उद्देश्य, अवधि एवं अन्य शर्तें एवं रोल-ओवर के तुरंत पहले आस्तियों के सभावित निपटान सहित योजना की महत्वपूर्ण जानकारी, शुद्ध आस्तियां एवं योजना के शुद्ध आस्ति मूल्य का प्रकटीकरण यूनिटधारकों को किया गया हो और इसकी एक प्रति सेबी को भेजी गई हो।

परंतु यह भी कि केवल उन्हीं यूनिटधारकों के मामले में रोल-ओवर की अनुमति दी जाएगी जिन्होंने लिखित में अपनी सहमति दी हो एवं जो यूनिटधारक रोल-ओवर का विकल्प नहीं चुनते हैं या लिखित सहमति नहीं देते हैं उन्हें शुद्ध आस्ति मूल्य पर अपनी धारिताओं का मोचन करने की अनुमति दी जाएगी।”

- (iii) ट्रस्ट योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान को निम्नलिखित परिस्थितियों में समाप्त कर सकता है

- (क) योजना के पांच वर्ष पूरे होने पर अर्थात् 31 अक्टूबर, 2005 को अथवा पांच वर्ष के आगे ऐसी तारीख की समाप्ति पर जो ट्रस्ट द्वारा यथा निर्धारित हो।
- (ख) कोई ऐसी घटना घटित होने पर जिससे ट्रस्ट की राय में योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान की समाप्ति आवश्यक हो, या
- (ग) प्लान के 75% सदस्यों द्वारा योजना को समाप्त करने का सकल्य पारित करने पर, या
- (घ) प्लान के सदस्यों के हित में सेबी ऐसा करने के लिए निर्देश दे।

- (iv) जहां उपर्युक्त उप खण्ड (iii) के मद (ख), (ग) व (घ) के अनुसरण में योजना परिसमाप्त की जाती है, तो ट्रस्ट योजना को समाप्त करने वाले कारणों की सूचना, समापन के कम से कम एक सप्ताह पहले सेबी को और अखिल भारतीय स्तर पर परिचालित होने वाले दो दैनिक समाचार पत्रों में और मुंबई में एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में देगा।

- (v) समाप्ति संबंधी विज्ञापन की तिथि को और उस तिथि से ट्रस्ट -

- (क) इस योजना से संबंधित कोई भी व्यावसायिक क्रियाकलाप नहीं करेगा।
- (ख) इस योजना के अंतर्गत यूनिटों को उत्पन्न और रद्द करना बंद करेगा।
- (ग) इस योजना में यूनिटों को जारी करना और यूनिटों का प्रतिदान भी बंद करेगा।

- (vi) न्यासी मंडल सदस्यों की एक बैठक बुलाएगा जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा विचार किया जाएगा तथा साधारण बहुमत से आवश्यक सकल्य पारित किया जाएगा और बैठक में मतदान द्वारा न्यासियों अथवा किसी अन्य व्यक्ति को योजना की समाप्ति हेतु कदम उठाने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

परन्तु यदि योजना परिपक्वता अवधि के पूरा होने पर समाप्त की जाती है तो बैठक की आवश्यकता नहीं होगी।

- (vii) (क) न्यासी मंडल या योजना के उप खंड (vi) के अन्तर्गत प्राधिकृत व्यक्ति योजना से संबंधित आस्तियों को योजना के सदस्यों के सर्वोत्तम हित में निपटाएगा।
- (ख) ऊपर दिए गए उप खण्ड (vii)(क) के अनुसार की गई बिक्री की राशि को पहले वृष्टान्त में, योजना के अंतर्गत ऐसी देयताओं के उन्मोचन के लिए उपयोग किया जाएगा जो उचित रूप से देय हों और ऐसी समाप्ति से संबंधित व्ययों को चुकाने के लिए उचित प्रावधान करने के बाद समाप्ति का निर्णय लेने वाली तिथि को योजना की आस्तियों में यूनिट धारकों के हित के समानुपात में उन्हें शेष राशि का भुगतान किया जाएगा।
- (viii) परिसमापन पूरा होने पर, ट्रस्ट सेबी और सदस्यों को समाप्ति के बारे में एक रिपोर्ट प्रेषित करेगा, जिसमें ऐसी परिस्थितियाँ, जिनके कारण योजना समाप्त हुई, परिसमापन से पूर्व योजना की आस्तियों के निपटान के लिए उठाए गए कदम, परिसमापन के लिए किया गया योजना का व्यय, सदस्यों को वितरण के लिए उपलब्ध शुद्ध आस्तियाँ और योजना के लेखा परीक्षकों से प्राप्त एक प्रमाणपत्र भेजेगा।
- (ix) इसमें ऊपर दी गई किसी भी बात के बावजूद, जब तक योजना समाप्त न हो जाए या समापन की कार्यवाही पूरी न हो जाए, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के प्रावधान, अर्धवार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट के प्रकटीकरण के लिए लागू रहेंगे।
- (x) उपरोक्त खण्ड (viii) में संर्षित रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद यदि सेबी संतुष्ट हो जाता है कि योजना समाप्त करने की सारी कार्यवाही पूरी हो गयी है, तो योजना समाप्त हो जाएगी।
- (xi) ट्रस्ट, रजिस्ट्रार के कार्यालय में सदस्य/सदस्यों द्वारा विधिवत् उन्मोचित पुनर्खरीद अनुरोध (सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के पिछले पृष्ठ पर मुद्रित) प्राप्त होने के बाद परंतु 10 दिवसों के भीतर अन्य प्रक्रिया और परिचालन संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने पर यथाशीघ्र पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान करेगा। सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र पुनर्खरीद के लिए प्राप्त अनुरोध पत्र और अन्य फार्म, यदि कोई हों, ट्रस्ट द्वारा रद्दकरण के लिए रख लिए जाएंगे।
- (xii) अनिवासी निवेशकों के मामले में, पुनर्खरीद/प्रतिदान राशियाँ निवेश के स्रोत पर निर्भर करते हुए निम्नानुसार विप्रेषित की जाएंगी :
- (क) जब यूनिटों की खरीद विदेश से विप्रेषित विदेशी मुद्रा से की गई हो अथवा सदस्य की एफसीएनआर जमाओं की राशि से की गई हो अथवा सदस्य के भारत स्थित बैंक में सदस्य के अनिवासी बाह्य खाते (एनआरई) में धारित निधियों से की गई हो, तो प्राप्तियाँ सदस्य को विदेशी मुद्रा में विप्रेषित की जा सकती हैं या एनआरई खाते या अनिवासी सामान्य (एनआरओ) खाते में जमा की जा सकती है अथवा भारत स्थित उसके रिश्तेदार को अथवा की जा सकती हैं।
- (ख) जब यूनिटों की खरीद तब की गई हो जब आवेदक भारत का निवासी था या सदस्य के एनआरओ खाते में धारित निधियों से की गई हो तो परिपक्वता प्राप्ति या तो निवेशक के भारत स्थित बैंक को उसके एनआरओ खाते में जमा कराने या भारत में निवेशक के रिश्तेदार को प्रेषित की जाएंगी।

VI. व्यय

1) प्रारंभिक निर्गम व्यय

- (i) योजना के प्रारंभिक निर्गम व्यय का अनुमान निम्नानुसार है :

मद	योजना के अंतर्गत उगाही गई निधियों का %
मुद्रण और डाक	1.75
प्रचार, विपणन और विक्रय संवर्धन	3.50
रजिस्ट्रार का प्रभार	0.50
बैंक प्रभार	0.25
योग	6.00

सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के अनुसार कुल आरंभिक निर्गम व्यय एकत्रित निधि के 6% की सीमा के भीतर होंगे। इस प्रकार किसी निवेशक द्वारा निवेश किए गए प्रत्येक रुपये में से कम से कम 94 पैसे का इस योजना में निवेश किया जाएगा।

- (ii) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान प्रारंभ की गई योजनाओं के लिए प्रारंभिक निर्गम व्यय इस प्रकार है :

योजना	व्यय (एकत्रित निधि का %)
यूटीआई-जीसेक	0.32
एमआईपी-99 II	2.53
एमआईपी 2000	3.11
ईटीएसपी	4.71

- (ii) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान आरंभ किए गए निफ्टी इंडेक्स फंड, जो एक भार रहित योजना थी, के संबंध में निर्गम व्यय (डीआरएफ द्वारा प्रभारित) ट्रस्ट द्वारा वहन किए गए थे।

(2) आवर्ती व्यय

- (i) आवर्ती व्यय : आवर्ती आधार पर योजना में निम्नलिखित व्यय प्रभारित किए जाएंगे। अनुमानित वार्षिक आवर्ती व्यय निम्नानुसार हैं :

मद	औसत साप्ताहिक एनएवी का %
प्रशासनिक व्यय	0.90
अभिरक्षण शुल्क	0.15
डीआरएफ में अंशदान	0.25
कर्मचारी कल्याण निधि	0.10
रजिस्ट्रारों का शुल्क/संसाधन प्रभार, मुद्रा शुल्क, यदि कोई हो	0.85
योग	2.25

- (ii) उपरोक्त व्यय अनुमानित हैं और वास्तविक रूप से किए गए व्ययों के साथ परिवर्तित किए जाने के अधीन हैं।
- (iii) योजना का कुल वार्षिक आवर्ती व्यय, आरंभिक निर्गम व्ययों एवं प्रतिदान व्ययों के परिशोधन को छोड़कर परंतु प्रशासनिक व्ययों, विकास प्रारक्षित निधि और कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान को सम्मिलित करते हुए निम्नलिखित सीमा के अधीन होंगे :
- (क) योजना की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों के प्रथम 100 करोड़ रुपए पर - 2.25%
- (ख) योजना की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों के अगले 300 करोड़ रुपए पर - 2.00%
- (ग) योजना की औसत साप्ताहिक शुद्ध आस्तियों के अगले 300 करोड़ रुपए पर - 1.75%
- (घ) योजना की शेष आस्तियों पर - 1.50%
- (iv) प्रशासनिक व्यय, विकास प्रारक्षित निधि में अंशदान एवं कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान, सेबी (एमएफ) विनियम, 1996 के विनियम 52 के खण्ड 2 के अंतर्गत उल्लिखित सीमा से अधिक नहीं होंगे, नामतः
- (क) योजना के लिए प्रत्येक लेखा वर्ष में बकाया साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्तियों का सवा प्रतिशत जब तक कि शुद्ध आस्तियां 100 करोड़ रुपए से अधिक नहीं हो जातीं, और
- (ख) 100 करोड़ से अधिक की अतिरिक्त राशि का एक प्रतिशत, जहां इस प्रकार परिगणित शुद्ध आस्तियां 100 करोड़ से अधिक हों।
- (2) जबकि सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली अधिनियम, 1996 के अनुसार, यूटीआई निवेश प्रबंधन शुल्क एवं परामर्श शुल्क नहीं लेता है। तथापि, यूटीआई द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्गम पूर्व व्यय एवं वार्षिक आवर्ती व्यय, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली, 1996 के विनियम 52 के अंतर्गत दर्शाई गई सीमा के भीतर ही हों।
- (4) विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) में अंशदान
- (i) साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.25% प्र.व. ट्रस्ट के डीआरएफ में अंशदान के रूप में रखा जाएगा। डीआरएफ अंशदान आवर्ती व्यय का अंश होगा।
- (ii) ट्रस्ट ने इस निधि की स्थापना एक सामान्य निधि के रूप में 1983-84 में की थी ताकि ट्रस्ट नई योजनाओं को लागू करने के संबंध में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को करने, नई पद्धतियों और प्रक्रियाओं का अवधारणा के स्तर पर प्रवर्तन करने तथा उत्पादन एवं विकास से संबंधित ऐसे बहुत से अन्य कार्यों जो किसी विशेष योजना से जुड़े अथवा संबंधित न हों, पर होने वाले व्ययों को पूरा कर सके। इस निधि का उपयोग आर्थिक और पूंजी बाजार अनुसंधान, प्रबंधन और व्यावसायिक प्रशिक्षण, ट्रस्ट के लिए सर्वेक्षण एवं बाजार अनुसंधान, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट के छवि निर्माण संबंधी ऐसे प्रयासों, जो किसी विशेष योजना से जुड़े हुए न हों तथा मानव संसाधन

विकास संबंधी प्रयासों, जिनका दीर्घकालिक प्रभाव हो और जो ट्रस्ट के भविष्य के कार्यकलापों से संबंधित हों, तथा ट्रस्ट की किन्हीं भी योजनाओं में दिए गए आश्वासित प्रतिफल की वर में कमी के साथ ही भारहीन योजनाओं हेतु निर्गम व्ययों की पूर्ति करने के लिए भी किया जा सकता है।

(5) कर्मचारी कल्याण निधि (एसडब्ल्यूएफ) में अंशदान

औसत शुद्ध आस्ति मूल्य का 0.10% प्र.व. कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान के रूप में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने कर्मचारी कल्याण निधि की स्थापना अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए की है जिसमें विपत्ति में सहायता, चिकित्सा सहायता, स्वास्थ्य सहायता अथवा इसी प्रकार के अन्य प्रयोजन शामिल हैं।

VII. यूनिटों की बिक्री

1. बिक्री संधिदा / सदस्यता सूचना जारी करना

(क) पेशकश की अवधि के दौरान यूनिटों की बिक्री सममूल्य पर होगी। ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री-संधिदा, स्वीकृति तिथि को पूरी हुई समझी जाएगी सिवाए इसके कि आवेदन इस दस्तावेज के खण्ड VII (6) में बताए गए किसी भी कारण से ट्रस्ट द्वारा नामंजूर किया गया हो। बिक्री-संधिदा पूर्ण होने पर ट्रस्ट यथाशीघ्र आवेदक को सदस्यता सूचना जारी करेगा। ट्रस्ट द्वारा पात्र संस्था, फर्म या निगमित निकाय को जारी सदस्यता सूचना पात्र संस्था/फर्म/निगमित निकाय के नाम से जारी की जाएगी। इस प्रकार प्रेषित सदस्यता सूचना के खो जाने, क्षतिग्रस्त हो जाने, गलत डिलिवरी या डिलिवरी नहीं होने का कोई दायित्व ट्रस्ट पर नहीं होगा।

(ख) संस्थाओं से प्राप्त आवेदन पत्र दस्तावेजों के साथ केवल यूटीआई कार्यालयों / दुबई प्रतिनिधि कार्यालय में स्वीकार किए जाएंगे।

(ग) ट्रस्ट, प्लान के अंतर्गत बिक्री बंद होने की तिथि से 6 हफ्तों के भीतर सदस्यता सूचना भेजेगा।

2. भुगतान विधि

(क) किसी आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। यदि आवेदन यूटीआई के शाखा कार्यालयों में जमा किए जाएं, तो चेक या ड्राफ्ट उसी शहर में स्थित बैंकों की शाखा पर आहरित किए जाएं, जिस शहर में स्थित शाखा कार्यालय में आवेदन जमा किया जाता है।

लेकिन, जहां व्यक्ति निवेशक ट्रस्ट के शाखा कार्यालय/संग्रहण केंद्र/विशेष अधिकृत कार्यालय वाले स्थान की बजाए किसी दूसरे स्थान से आवेदन करता है तो उसे ट्रस्ट के शाखा कार्यालय को आवेदन बैंक ड्राफ्ट के साथ बैंक ड्राफ्ट में से बैंक ड्राफ्ट खरीदने हेतु रु. 25/- तक का बैंक प्रभार या वास्तविक खर्च की गई राशि, जो भी कम हो, घटाकर भेजना चाहिए। ऊपर बताए गए अनुसार व्यक्ति निवेशक द्वारा रु. 25/- से अधिक अवा किया गया बैंक ड्राफ्ट कमीशन प्रभार, निवेशक को स्वयं वहन करना होगा। संग्रहण केंद्र/फ्रेन्चाइस कार्यालय/एजेंसी बैंक स्थानीय देय चेक या यूटीआई की संबंधित शाखा कार्यालय पर देय डिमांड ड्राफ्ट के साथ आवेदन स्वीकार करने हेतु प्राधिकृत हैं, जिसमें व्यक्ति निवेशक रु. 25/- की सीमा तक या उसके द्वारा वास्तविक खर्च की गई राशि, जो भी कम हो, काट सकता है। ड्राफ्ट कमीशन प्रभार प्लान के आरंभिक निर्गम व्ययों का एक अंश होगा।

(ख) जहां व्यक्ति-इतर आवेदक द्वारा बैंक ड्राफ्ट का भुगतान किया जाता है, वहां बैंक ड्राफ्ट हेतु कमीशन प्रभार आवेदक को स्वयं वहन करना होगा।

(ग) किंतु, जहां ट्रस्ट के शाखा कार्यालय/संग्रहण केंद्र/विशेष बिक्री कार्यालय हैं और आवेदन स्थानीय बैंक ड्राफ्ट के साथ मिला है तो बैंक ड्राफ्ट कमीशन निवेशक को ही वहन करना होगा।

(घ) यदि भुगतान चेक/ड्राफ्ट द्वारा किया जाए तो आवेदन प्राप्ति की तिथि, ट्रस्ट के शाखा कार्यालय या प्राधिकृत संग्रहण केंद्र द्वारा आवेदन प्राप्ति की तिथि होगी, बशर्ते चेक की वसूली हो।

(ङ) यदि इस प्लान के अंतर्गत आवेदन राशि न्यूनतम निवेश से कम है, तो सम्पूर्ण राशि ट्रस्ट द्वारा यथोचित रीति से आवेदक को उसके खर्च पर वापस लौटा दी जाएगी।

(च) अनिवासी भारतीय (एनआरआई)/विदेशी निगमित निकाय (ओसीबी) बेहतर हो यदि अपने आवेदन एनआरआई शाखा, मुंबई, दुबई प्रतिनिधि कार्यालय में प्रस्तुत करें या यूटीआई की किसी भी शाखा में एनआर(ई)/एनआर(ओ) चेक या रुपए में ड्राफ्ट के साथ उस स्थान पर देय जहां आवेदन स्वीकार किए जाते हैं, प्रस्तुत करें।

3) प्रत्यावर्तन लाभों के साथ निवेश की भुगतान विधि

एनआरआई/ओसीबी द्वारा किए गए निवेश पर प्रत्यावर्तन का अधिकार निवेशित पूंजी और उस पर अर्जित आय तथा पूंजी वृद्धि (यदि कोई हो) पर तब तक होगा जब तक निवेशक भारत के बाहर का निवासी बना रहता है। इन स्थितियों में निवेश निम्नलिखित विधियों में से किसी एक के माध्यम से किया जा सकता है :

- (क) विदेश में परिचालित बैंक/विनिमय गृह द्वारा यूटीआई के पक्ष में रुपये में जारी किया गया ड्राफ्ट जो उनके भारतीय संपर्ककर्ता बैंक पर आहरित हो।
- (ख) भारत स्थित बैंक में निवेशक द्वारा कायम रखे गए एनआरई खाते पर आहरित चेक द्वारा।
- (ग) निवेशक की एफसीएनआर जमाओं की राशि से जारी किए गए चेक/ड्राफ्ट द्वारा।

टिप्पणी : नेपाल व भूटान की मुद्राओं में भुगतान स्वीकार नहीं किया जाता है।

4) प्रत्यावर्तन लाभों के बिना निवेश की भुगतान विधि

(क) जहां एनआरओ खाते में अथवा एनआरएसआर/एनआरएनआर जमा राशियों से धारित निधियों का उपयोग यूनिटों की खरीद के लिए किया जाता है तो इस प्रकार निवेश की गई निधियां और पूंजी वृद्धि (यदि कोई हो), भारत के बाहर प्रत्यावर्तन के योग्य नहीं होगी। इसी प्रकार निवेशक के भारत का निवासी रहने के दौरान रुपए में खरीदे गए यूनिट में निवेश और नत्पश्चात् उसके अनिवासी हो जाने पर यूनिटों की पुनर्खरीद राशि प्रत्यावर्तन हेतु योग्य नहीं होगी।

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक के विनांक 19 अगस्त, 1994 के परिपत्र ए.डी. (एम.ए.शृंखला) सं. 18 के अनुसार वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान और उसके उपरांत अर्जित सम्पूर्ण आय पूर्ण प्रत्यावर्तन के योग्य होगी। इन मामलों में यूटीआई एनआरओ खाते में जमा करने के लिए रुपये में अदायगी करेगा। निवेशको को यह सूचना दी जाती है कि यदि वे यूनिटों पर आय वितरण का विदेश में विप्रेषण चाहते हैं तो अपने बैंक/कर सलाहकार से संपर्क करें।

5. पात्र संस्थाओं, नाबालिगों और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए आवेदक आदि द्वारा आवेदन और प्लान के सदस्य के रूप में पंजीकरण और यूनिट जारी किए जाने से पहले योजना के अंतर्गत आवेदनकर्ताओं द्वारा आवश्यकताओं का अनुपालन

- (i) पात्र संस्थाएं, निगमित निकाय और समितियां (सहकारी समितियों सहित) सदस्य के रूप में पंजीकृत की जा सकती हैं।
- (ii) वयस्क, जो किसी नाबालिग का माता-पिता, सौतेला माता-पिता या विधिक अभिभावक है, अधिनियम की धारा 21 की उप-धारा (2ए) के अनुसार और उपबंधित सीमा तक यूनिट रख सकता है और क्रय-विक्रय कर सकता है। अपेक्षानुसार ऐसा वयस्क, ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से नाबालिग की उम्र और नाबालिग की ओर से यूनिट रखने तथा क्रय-विक्रय करने की क्षमता का प्रमाणपत्र ट्रस्ट के समक्ष पेश करेगा। आवेदन में ऐसे वयस्क द्वारा किये गये कथन के अनुसार बिना किसी अतिरिक्त प्रमाण के ट्रस्ट को कार्य करने का अधिकार होगा।
- (iii) जहां किसी व्यक्ति द्वारा मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए आवेदन किया जाए वहां ट्रस्ट प्रस्तुत कथन के आधार पर कार्य करेगा और ऐसा करने में यह समझा जाएगा कि ट्रस्ट सद्भावपूर्वक कार्य कर रहा है। ट्रस्ट को हक होगा कि वह केवल आवेदक के साथ व्यवहार करे और उसकी मृत्यु की स्थिति में सभी व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए वैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करे तथा उक्त आवेदक या वैकल्पिक आवेदक को ट्रस्ट द्वारा यूनिट के संबंध में किया गया भुगतान ट्रस्ट के लिए सही उन्मोचन माना जाएगा।
- (iv) फर्म को सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जाएगा और सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र फर्म के नाम से बनाया जाएगा।
- (v) नाबालिग/मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति की तरफ से योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिटों के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को आवेदन करने की अपनी पात्रता के बारे में ट्रस्ट को संतुष्ट करना होगा और ट्रस्ट की सभी अपेक्षाएं, जैसे नाबालिग की ओर से प्राप्त आवेदन पत्र के मामले में जन्म प्रमाणपत्र/मानसिक विकलांगता के मामले में मनोचिकित्सक या नेत्र चिकित्सक का प्रमाणपत्र, पूरी करनी होगी।
- (vi) भागीदारी फर्मों/सहकारी समितियों/निगमित निकायों/कंपनियों जैसे निकायों की तरफ से यूनिटों के लिए आवेदन के साथ भागीदारी विलेख की प्रमाणित प्रति/समिति के उप-नियम/निगमित निकायों को शासित करने वाला अधिनियम/योजना में निवेश करने हेतु प्रबंध समिति के संकल्प के साथ कंपनी के अंतर्नियम एवं बहिर्नियम (यदि वह ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय में पहले ही पंजीकृत है तो वस्तावेज के पंजीयन संख्या का उल्लेख करना ही पर्याप्त होगा) प्रस्तुत करने होंगे। यूनिटों की पुनर्खरीद के समय, पुनर्खरीद हेतु अधिकृत करने वाला समिति का संकल्प एवं औपचारिकताओं के अनुपालन के लिए निकाय के संबंधित अधिकारी/(अधिकारियों) को पुनर्खरीद चेक को स्वीकार करने के प्राधिकार को प्रस्तुत करना होगा।
- (vii) गलत घोषणा करके/प्रमाणपत्र यूनिट रखने वाला व्यक्ति अपनी सदस्यता के निरस्तीकरण का भागी होगा और उसका नाम सदस्यों की पंजी से काट दिया जाएगा।

- (viii) जैसा कि उपरोक्तलिखित खण्ड (vii) के मामले में बताया गया है, ट्रस्ट को अधिकार होगा कि वह ऐसी स्थिति में 25% बण्ड के तौर पर घटाने के बाद सममूल्य या एनएवी, जो भी कम हो, पर या ट्रस्ट द्वारा निर्धारित मूल्य पर यूनिटों की पुनर्खरीद कर और गलती से भुगतान किये गये आय वितरण की वसूली पुनर्खरीद राशि से करे और शेष वापस करे। पुनर्खरीद करने और आवेदक को पुनर्खरीद राशि भेजने में ट्रस्ट को जो भी समय लगेगा उसके लिये कोई ब्याज देय नहीं होगा।

6. आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत करने का ट्रस्ट का अधिकार

ट्रस्ट को यह अधिकार होगा कि वह अपने विवेक के अनुसार योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिट जारी करने के लिए आवेदन स्वीकृत और/या अस्वीकृत कर सके। ट्रस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में यूनिटें जारी करने हेतु आवेदन अस्वीकृत कर सकता है :

- (i) यदि आवेदन रु. 10,000/- की न्यूनतम निवेश गशि से कम के लिए प्राप्त हुआ हो।
- (ii) यदि आवेदन, पहले आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित न हो।
- (iii) यदि आवेदक, योजना में निवेश करने के लिए पात्र न हो। योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में आवेदन करने के संबंध में किसी व्यक्ति की पात्रता या अन्यथा के बारे में ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा।
- (iv) आवेदन अपूर्ण पाये जाने पर अस्वीकृत कर दिया जाएगा और बिना किसी ब्याज या अन्य राशि के, चाहे जो भी हो, बिना किसी देयता के उसे नार्मल किया जाएगा।
- (v) **प्रथम आवेदक के बैंक विवरण के बिना कोई भी आवेदन अस्वीकार किए जाने के योग्य होगा।** अस्वीकार किए गए ऐसे मामलों में धन-वापसी ब्याज या अन्य कोई गशि, चाहे जो भी हो, बिना किसी देयता के आवश्यक परिचालनगत एवं प्रक्रियागत औपचारिकताओं के बाव की जाएगी।

7. सदस्यों द्वारा नामांकन

- (i) नामांकन सुविधा केवल अपनी ओर से आवेदन करने वाले व्यक्तियों अर्थात् एकल या संयुक्त रूप से दो तक के लिए उपलब्ध है।
- (ii) आवेदक केवल एक व्यक्ति को नामित कर सकते हैं।
- (iii) अनिवासी भारतीय अवयस्क सहित किसी भी अवयस्क को नामित किया जा सकता है।
- (iv) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गये विशानिर्देशों के अनुसार अनिवासी भारतीय नामित किए जा सकते हैं।
- (v) प्लान के चालू रहने के दौरान आवेदक किसी भी समय नामांकन में परिवर्तन कर सकता है।
- (vi) सदस्य जो नाबालिग की ओर से माता-पिता या विधिक अभिभावक हों तथा पात्र संस्था, समिति, निगमित निकाय, एचयूएफ, भागीदारी फर्म और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिट हेतु आवेदन करने वाले आवेदक को नामांकन करने का अधिकार नहीं होगा।
- (vii) अन्य प्रावधान विनियमों में उपलब्ध कराई गई सीमा तक रहेंगे।
- (viii) अधिनियम की धारा 39ए के अंतर्गत सदस्य को सांविधिक नामांकन की सुविधा उपलब्ध है। तदनुसार, जहां विनियम के अनुसार किसी यूनिट के संदर्भ में नामांकन किया गया है, सदस्य/सदस्यों की मृत्यु के उपरान्त सदस्य को देय राशि पर अधिकार नामिति का होगा और इस प्रकार धारित यूनिटों के संबंध में नामिति को प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा बशर्ते उपरोक्त यूनिटों के संदर्भ में किसी प्रभार या बाधा न हो। उपरोक्त के अनुसार ट्रस्ट द्वारा किया गया भुगतान कथित यूनिटों के संदर्भ में ट्रस्ट का सभी देयताओं से पूर्ण उन्मोचन माना जाएगा।

VIII. यूनिटों की पुनर्खरीद

1. योजना और उसके अंतर्गत बनाए प्लान के अंतर्गत पहले तीन वर्ष के दौरान मृत्यु संबंधी बावों के निपटान के मामले छोड़कर कोई पुनर्खरीद नहीं की जाएगी। तीनों विकल्पों के अंतर्गत, प्लान के यूनिटों की पुनर्खरीद प्लान के आरंभ होने के तीन वर्ष के बाद अर्थात् 1 नवंबर, 2003 से आरंभ होगी। पुनर्खरीद मूल्य यूनिटों के एनएवी पर (पूर्ववर्ती आधार पर) आधारित होगा और उसे प्लान के आरंभ होने की तारीख से छः माह पश्चात् अर्थात् 1 मई, 2004 को तथा उसके बाद साप्ताहिक आधार पर समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा। सप्ताह (सोमवार से रविवार तक) के लिए वैध पुनर्खरीद मूल्य पिछले सप्ताह के बुधवार के एनएवी पर आधारित होगा। यदि बुधवार को महाराष्ट्र राज्य में छुट्टी हो तो उससे एक दिन पूर्व के कार्यदिवस के एनएवी को ध्यान में लिया जाएगा। पुनर्खरीद मूल्य परिकलित करते समय ट्रस्ट

को प्रशासनिक लागत और अन्य प्रभार, जो प्रति यूनिट एनएवी के 5% से अधिक न हों, की कटौती करने की स्वतंत्रता होगी।

2. मासिक आय विकल्प

- (i) पुनर्खरीद, रजिस्ट्रार के कार्यालय में सदस्यों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित (सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के पिछले पृष्ठ पर मुद्रित) पुनर्खरीद अनुरोध की प्राप्ति पर प्रभावी होगी।
- (ii) आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति होगी, बशर्ते सदस्य द्वारा न्यूनतम शेष रु. 10,000/- (अंकित मूल्य) कायम रखा जाए।
- (iii) पुनर्खरीद के लिए आवेदन करते समय सदस्य को पुनर्खरीद माह सहित तथा उसके बाद के महीनों के बचे हुए शेष अनभुनाए हुए आय वितरण वारंट ट्रस्ट को सौंपने होंगे।
- (iv) मासिक आधार पर प्रदत्त पूरे वर्ष के आय वितरण के हकदार बनने के लिए सदस्य को यूनिट पूरे वर्ष तक रखने होंगे। यूनिटों की पुनर्खरीद करने वाले तथा वर्ष के किसी भाग के लिये यूनिट रखनेवाले यूनिट धारक के मामले में वह केवल धारण अवधि केलिये, जो हमेशा पूर्ण अंग्रेजी कैलेंडर मास की होगी, आनुपातिक आय वितरण प्राप्त करने का हकदार होगा और माह के भाग को, चाहे वह कितने भी दिन का क्यों न हो, हमेशा छोड़ दिया जाएगा।
- (v) पूर्ण रूप से पुनर्खरीद की स्थिति में, ट्रस्ट विधिवत् उन्मोचित पुनर्खरीद अनुरोध पत्र (सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के पिछले पृष्ठ पर मुद्रित) प्राप्त होने पर स्वीकृति के महीने या भावी महीने के लिए यूनिट पर आय वितरण का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होगा और न ही पुनर्खरीद की प्राप्ति पर कोई ब्याज देय होगा, बशर्ते सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमों के अंतर्गत बताई गई समय सीमा के भीतर ऐसी पुनर्खरीद राशि का भुगतान / प्रेषण किया जाता हो।
- (vi) प्राप्त सभी दस्तावेज और अनभुनाए आय वितरण वारंट, यदि कोई हों, निरस्तीकरण के लिये ट्रस्ट द्वारा रख लिये जाएंगे।
- (vii) पूर्ववर्ती उप-खण्डों में अन्तर्विष्ट किसी बात के बावजूद, ट्रस्ट यूनिटों की पुनर्खरीद करते समय, सदस्य द्वारा उस समय तक बकाया आय वितरण वारंटों को अभ्यर्पित नहीं करने की स्थिति में पुनर्खरीद राशि में से आय वितरण वारंटों, जो अभ्यर्पित नहीं किए गए, पर भविष्य में देय राशि घटाकर सदस्य को शेष राशि का भुगतान करने के लिए स्वतंत्र होगा। ट्रस्ट विधिवत् उन्मोचित पुनर्खरीद अनुरोध पत्र (सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के पिछले पृष्ठ पर मुद्रित) की स्वीकृति के बाद तथा पूर्ण पुनर्खरीद की स्थिति में सदस्य को स्वीकृति माह के आय वितरण सहित भावी आय वितरण प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा और ऐसे बकाया आय वितरण की राशि का वावेंवार ट्रस्ट होगा।
- (viii) आंशिक पुनर्खरीद की स्थिति में, अपने पास रखे जानेवाले यूनिटों की संख्या पर निर्भर करते हुए सदस्य को नयी सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र और स्वीकृति माह सहित शेष अवधि के लिए आय वितरण वारंटों का नया सेट जारी किया जाएगा। पुनर्खरीद राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा बशर्ते सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमों के अंतर्गत बताई गई समय सीमा के भीतर ऐसी पुनर्खरीद राशि का भुगतान / प्रेषण किया जाता हो।
- (ix) सदस्य/सदस्यों की मृत्यु हो जाने की स्थिति में विधिक प्रतिनिधि या नामिती द्वारा सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र, यूनिटों की पुनर्खरीद के लिए पुनर्खरीद अनुरोध और बकाया अनभुनाए आय वितरण वारंट ट्रस्ट को सौंपे जाने के बाद वह (ट्रस्ट) दावे को मान्यता संबंधी निर्धारित आवश्यकता पूरी होने पर अपने नियमों और विशा-निर्देशों के अनुसार इसमें ऊपर उपखण्ड (iv) और (vii) में यथावर्णित रूप में यूनिटों की पुनर्खरीद करेगा और दावे की निपटान तिथि तक के बकाया मासिक आय वितरण का आनुपातिक भुगतान करेगा।

(3) वार्षिक एवं संचयी विकल्प

आंशिक पुनर्खरीद की अनुमति होगी, बशर्ते सदस्य द्वारा दोनों विकल्पों के अंतर्गत न्यूनतम शेष रु. 10,000/- (अंकित मूल्य) कायम रखा जाए।

- (4) ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीद किए यूनिटों के लिए भुगतान, कटौती, यदि कोई हो, करने के बाद विधिवत् उन्मोचित पुनर्खरीद अनुरोध पत्र (सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र के पिछले पृष्ठ पर मुद्रित) तथा आय वितरण वारंटों, यदि कोई हों, के प्राप्त हो जाने की तिथि से 10 कार्य दिवसों के भीतर (बशर्ते आवेदन सही हो) ऐसे केन्द्र पर किया जाएगा जहां पुनर्खरीद अनुरोध संसाधित किए जाते हैं।

आवेदक को देय पुनर्खरीद की राशि पर किसी भी कारण से कोई ब्याज देय नहीं होगा बशर्ते सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमों के अंतर्गत बताई गई समय सीमा के भीतर ऐसी पुनर्खरीद राशि का भुगतान / प्रेषण किया जाता हो तथा ट्रस्ट द्वारा प्रेषित चेक या ड्राफ्ट का वसूली खर्च या प्रेषण की लागत (डाक खर्च सहित) आवेदक द्वारा वहन किया जाएगा।

- (5) अनिवासी भारतीय/ओसीबी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद राशि निवेश के स्रोत पर निर्भर रहते हुए अनुच्छेद V(11) (Xii) में बताए अनुसार प्रेषित की जाएगी।

(6) यूनिटों की पुनर्खरीद पर प्रतिबंध

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध में अंतर्विष्ट किसी बात के बावजूद ट्रस्ट यूनिटों की पुनर्खरीद के लिए बाध्य नहीं होगा :

- (i) ऐसे दिन, जो कार्य-दिवस नहीं हों; और
- (ii) रिकॉर्डों को अद्यतन करने तथा यूनिट पूंजी के सम्मेलन के लिए जब सदस्यों की पूंजी बंद हो, ऐसी (15 दिन से अनधिक) अवधि के दौरान।

स्पष्टीकरण : इस योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान के प्रयोजनार्थ शब्द "कार्य दिवस" का अर्थ वह दिन है, जो न तो

- (i) महाराष्ट्र राज्य या ऐसे अन्य राज्यों में, जहां ट्रस्ट के कार्यालय हों, सार्वजनिक अवकाश के रूप में परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के अंतर्गत अधिसूचित हो और न ही
- (ii) भारत के राजपत्र में ट्रस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया हो कि उस दिन ट्रस्ट का कार्यालय बंद रहेगा।

IX. आय वितरण

(क) सदस्य को निम्नलिखित में से किसी एक विकल्प के चुनाव का अधिकार होगा :

- 1) मासिक आय विकल्प या
- 2) वार्षिक आय विकल्प या
- 3) संचयी विकल्प

यह योजना में निवेश करते समय चुना जाएगा। निवेशक द्वारा विकल्प नहीं दिए जाने के मामले में उसे मासिक आय विकल्प समझा जाएगा। ट्रस्ट के पास निवेशकों को ऐसी शर्त पर जैसा कि भविष्य में तय किया जाए, आय वितरण विकल्प को बदलने (अर्थात् मासिक से वार्षिक या संचयी विकल्प या उसके विपरीत) का अधिकार सुरक्षित है। निवेशकों को इसकी सूचना उचित माध्यम से दे दी जाएगी।

1. मासिक आय विकल्प

(i) मासिक आय विकल्प के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा और आय वितरण वारंटों का प्रेषण निम्नानुसार किया जाएगा :

लागू अवधि	आय वितरण की दर	आय वितरण वारंटों का प्रेषण
1 नवंबर, 2000 से 31 मार्च, 2001 तक	9.75% प्र.व.	सबस्यता सूचना के साथ
1 अप्रैल, 2001 से 31 अक्टूबर, 2001 तक	9.75% प्र.व.	मार्च/अप्रैल 2001
1 नवंबर, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक	घोषणा मार्च 2001 में की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2001
वर्ष 2005 तक प्रत्येक परवर्ती अप्रैल - मार्च की अवधि हेतु	प्रेषण प्रत्येक वर्ष के मार्च महीने में की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2002 और तदुपरांत
1 अप्रैल, 2005 से 31 अक्टूबर, 2005 तक	घोषणा मार्च 2005 में की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2005

प्लान के निवेश उद्देश्यों और प्रचलित नीतियों तथा लिखतों से अनुमानित लाभ, जिनमें योजना की निधियों का निवेश किया जाएगा, के आधार पर योजना प्लान के अंतर्गत 9.75% प्रति वर्ष की दर से मासिक रूप से देय प्लान के प्रथम वर्ष के लिए अंशवासित आय अदा करने के लिए पर्याप्त आय प्राप्त कर सकेगी।

- (ii) प्रत्येक माह के लिये आय वितरण अगले महीने के प्रारंभ में देय होगा और बैंकों के साथ पूर्व भुगतान व्यवस्था के अंतर्गत भुगतान ट्रस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट बैंक की शाखाओं पर सममूल्य पर देय आय वितरण वारंट या ईसीएस द्वारा या किसी लिखत के माध्यम से किया जाएगा।
- (iii) आवेदन की स्वीकृति की तिथि पर निर्भर करते हुए एक आय वितरण वारंट स्वीकृति तिथि से 31 दिसंबर, 2000 तक की अवधि हेतु तथा जनवरी 2001 से मार्च 2001 तक 3 महीने के लिए ईसीएस या आय वितरण वारंट के जरिए सदस्यता सूचना के साथ भेजा जाएगा। प्रत्येक वर्ष मार्च माह के लिए आय वितरण वारंट 31 मार्च को बनाया जाएगा।

- (iv) उप खण्ड (iii) के उपबंधों के प्रावधानों के अधीन, मासिक आधार पर आय वितरण के भुगतान के लिए वारन्ट सदस्य को अग्रिम रूप से भेजे जाएंगे। वारंट को इस प्रकार दिनांकित किया जाएगा कि सदस्य भुगतान के लिए परिपक्व होने पर प्रत्येक वारन्ट को भुना सके। हरेक वारंट तीन महीने के लिए वैध रहेगा।
- (v) वैध अवधि पूरी होने के पहले सदस्य के पास कोई वारंट नहीं पहुंचने या उनके पुराने हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट ब्याज का भुगतान करने के लिये बाध्य नहीं होगा।
- (vi) पुनर्खरीद की स्थिति में, सदस्य द्वारा अनभुनाए वारंटों को अभ्यर्पित नहीं करने पर, ऐसे आय वितरण वारंटों की राशि पुनर्खरीद प्राप्ति में से काट ली जाएगी और ऐसे मामलों में सदस्य परवर्ती माह हेतु बकाया वारंटों तथा वारंटों के परिपक्वता तिथि तक सदस्य के पास रहे वारंटों को भुनाने का पात्र होगा।
- (vii) सदस्य की मृत्यु की स्थिति में यदि नामिती/विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पात्र है और आगे भी यूनिट रखना चाहता है, तो ऐसा नामिती/विधिक उत्तराधिकारी अपने पक्ष में आवश्यक सुधार के लिए भावी महीनों के अनभुनाए सभी वारन्ट वापस करने के लिए बाध्य होगा। तथापि, आगे यूनिट रखने के इच्छुक नामिती/विधिक उत्तराधिकारी मृत सदस्य के पक्ष में पहले से जारी वारन्ट को सुधार कर नये प्रविष्ट सदस्य के पक्ष में करने में लगनेवाले समय के लिये कोई ब्याज या मुआवजा प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।
- (viii) किसी आवेदक की मृत्यु की स्थिति में जहां मासिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिये आवेदक द्वारा आवेदन किया गया है, वहां वैकल्पिक आवेदक को आवश्यक सुधार के लिये भावी महीनों के अनभुनाए सभी आय वितरण वारन्ट वापस करने होंगे। लेकिन, ऐसा वैकल्पिक आवेदक मृत आवेदक के पक्ष में पहले से जारी वारन्ट को सुधार करके नये प्रविष्ट आवेदक के पक्ष में करने में लगनेवाले समय के लिए कोई ब्याज या मुआवजा प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।

2. वार्षिक आय विकल्प

वार्षिक आय विकल्प के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा और ईसीएस भुगतान अथवा आय वितरण वारंटों का प्रेषण निम्नानुसार किया जाएगा :

लागू अवधि	आय वितरण की दर	आय वितरण वारंटों का प्रेषण
1 नवंबर, 2000 से 31 अक्टूबर, 2001 तक	10.20% प्र.व.	अक्टूबर, 2001
1 नवंबर, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक	घोषणा मार्च 2001 में की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2002
वर्ष 2005 तक प्रत्येक परवर्ती अप्रैल - मार्च की अवधि हेतु	घोषणा प्रत्येक वर्ष के मार्च माह में की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2003 और तदुपरांत
1 अप्रैल, 2005 से 31 अक्टूबर, 2005 तक	घोषणा मार्च 2005 में की जाएगी	अवधिपूर्ति राशि के साथ

3. संघयी विकल्प

इस विकल्प के अन्तर्गत कोई आय वितरित नहीं की जाएगी। संघयी विकल्प के अंतर्गत आय वितरण की घोषणा एवं आय का संघयन निम्नानुसार किया जाएगा :

लागू अवधि	आय वितरण की दर	आय का संघयन
1 नवंबर, 2000 से 31 अक्टूबर, 2001 तक	10.20% प्र.व.	अक्टूबर, 2001
1 नवंबर, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक	घोषणा मार्च 2001 में की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2002
वर्ष 2005 तक प्रत्येक परवर्ती अप्रैल - मार्च की अवधि हेतु	घोषणा प्रत्येक वर्ष के मार्च माह में की जाएगी	मार्च/अप्रैल 2003 और तदुपरांत
1 अप्रैल, 2005 से 31 अक्टूबर, 2005 तक	घोषणा मार्च 2005 में की जाएगी	अक्टूबर, 2005

सभी तीनों विकल्पों के अंतर्गत, निवेशक को आवेदन की स्वीकृति की तिथि से 31 अक्तूबर, 2000 तक की अवधि के लिए सभी तीनों विकल्पों के अंतर्गत 9.75% प्र.व. की दर से आय वितरण का भुगतान सदस्यता सूचना के साथ चेक के माध्यम से किया जाएगा।

4) प्लान के अंतर्गत पहले वर्ष के लिए 10.20% प्र.व. प्रतिलाभ का औचित्य

- (i) मान लीजिये 100 करोड़ रुपये एकत्र होते हैं और आरंभिक निर्गम व्यय 3% हैं और उन्हें पांच वर्ष की अवधि के दौरान अपलिखित किया जाता है। पहले वर्ष के लिए उपलब्ध निवेश योग्य निधियां 97 करोड़ रुपये होंगी। सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियमावली के अनुसार आरंभिक निर्गम व्यय एकत्रित निधियों के 6% की सीमा के भीतर होगा।
- (ii) साथ ही यह मान लेते हैं कि योजना 80% ऋण लिखतों में निवेश करेगी, जिनका जोखिम तत्त्व न्यून में मध्यम हो, इन लिखतों का वाईटीएम 10.00% से 13.50% की सीमा में है, तो निवेश 12.31% प्र. व. की दर से औसत भारित प्रतिलाभ अर्जित करेगा।
- (iii) इक्विटी में निवेश की गई 20% राशि पर लाभांश के रूप में वार्षिकीकृत आय, इक्विटी पोर्टफोलियो के मूल्य में हुई मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास एवं प्राप्त लाभों को ध्यान में रखते हुए करीब 22.50% प्र.व. रहेगी।
- (iv) उपरोक्त उदाहरण में योजना द्वारा प्रथम वर्ष में 13.91% आय अर्जित करने का अनुमान है, जैसे कि नीचे दिया गया है :

लिखतें	पोर्टफोलियो का %	निवेश योग्य निधियां	प्रतिलाभ (%)
डिबेंचर	80	77.60	12.31
इक्विटी	20	19.40	22.50

$$(V) \text{ पोर्टफोलियो पर भारित औसत प्रतिलाभ} = \frac{77.60 * 12.31 + 19.40 * 22.50}{100.00} = 13.91\%$$

- (i) वार्षिक व्यय एवं प्रावधानों को 1.25% मानते हुए, वितरण के लिए उपलब्ध आय 12.66% होगी। यह सभी विकल्पों के अंतर्गत प्लान के प्रथम वर्ष हेतु आय वितरण पर 22% प्र.व. कर का भुगतान करने के बाद मासिक आय विकल्प के अंतर्गत 9.75% प्र.व. और वार्षिक आय व संचयी विकल्प के अंतर्गत 10.20% प्र.व. की दर से आय का भुगतान करने हेतु पर्याप्त होगी।
- (ii) यह एक दृष्टांत है और प्लान की शुरुआत के समय बातों को मानते हुए बाजार की स्थितियों पर आधारित है।
- क) जुटाई गई संपूर्ण निधि को कम से कम समय में जैसे 1-2 माह में अभिनियोजन करने के पर्याप्त अवसर होंगे।
- ख) इक्विटी पोर्टफोलियो में तरल स्क्रिप्स होंगे और सक्रिय व्यापारिक रणनीति अपनाई जाएगी।

5. बैंक विवरण और इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) :

- (i) आवेदनकर्ता को आवेदन पत्र में उचित स्थान पर अपने बैंक खाते का पूर्ण विवरण जैसे, खाते की प्रकृति, खाता संख्या तथा बैंक शाखा का नाम, पता और पिन कोड देना अनिवार्य है।
- (ii) हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पेश की गई इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) के अंतर्गत एक नई सुविधा अहमदाबाद, वल्लभगढ़ / फरीदाबाद, बेंगलूर, बड़ौदा, भोपाल, भुवनेश्वर, कलकत्ता, चंडीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद, इन्दौर, जयपुर, जमशेदपुर, लुधियाना, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पुणे, शिमला, सिलिगुड़ी, सूरत और त्रिचूर (कालक्रम में केंद्रों की संख्या जोड़ी/घटाई जा सकती है) के निवेशकों को संबंधित केंद्रों पर उनके बैंक खातों में सीधे जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जहां एकल लिखत की राशि रु. 5,00,000/- से अधिक नहीं है। सदस्यों को उनके बैंक खाते में हुए मासिक जमा का ब्योरा देने वाली विवरणी दी जाएगी।
- (iii) सदस्य की बैंक शाखा उसके खाते में जमा करेगी तथा पासबुक/खाता विवरणी में जमा प्रविष्टि को "ईसीएस" से निर्दिष्ट करेगी। जो आवेदक यह सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं, वे आवेदन पत्र में अपने बैंक का नाम और पता, खाते का प्रकार और नंबर, 9 अंकों वाली बैंक एवं शाखा कूट संख्या इत्यादि भरें।
- (iv) यदि उपरोक्तलिखित शहरों से पर्याप्त सदस्य संख्या नहीं है, तो इस सुविधा पर मिली प्रतिक्रिया इसके संचालन हेतु पर्याप्त नहीं हो या कोई अन्य कारण हो तो ट्रस्ट "ईसीएस" के जरिए आय का भुगतान करने के बजाय आय वारंट जारी करके आय की अवायगी कर सकता है।

(V) अनिवासी भारतीय सदस्य को आय वितरण

प्लान के अंतर्गत आय विदेशी मुद्रा नियंत्रण विनियमों के अनुसार अदा की जाएगी। आय के भुगतान की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है :

- क) वारंट सदस्य के नाम जारी किया जा सकता है तथा सदस्य के एनआरआई/एनआरओ खाते में जमा करने के लिए, जैसा भी मामला हो, उसके किसी ऐसे रिश्तेदार को भेजा जा सकता है जो भारत का निवासी हो। अथवा
- ख) वारंट किसी ऐसे रिश्तेदार के नाम जारी किया जा सकता है जो भारत का निवासी हो तथा उसे भेजा जा सकता है ताकि वह अपने खाते में जमा कर सके। एनआरआई सदस्य के मामले में जहां भुगतान उसके निवासी रिश्तेदार के पक्ष में किया जाना अपेक्षित है, वहां ऐसे रिश्तेदार का बैंक खाता विवरण देना आवश्यक है।
- (1) ईसीएस की सुविधा उन अनिवासी भारतीय सदस्यों के लिए भी उपलब्ध है, जिनके मुंबई में अपने बैंक खाते हैं। जो अनिवासी भारतीय सदस्य आय वितरण अपने निवासी संबंधी के खाते में जमा कराने के इच्छुक हैं, उनके लिए ईसीएस की सुविधा उपरोक्त खण्ड (ii) में दर्शाए गए स्थानों पर उपलब्ध कराई जा सकती है।

X. निवेश उद्देश्य, नीतियां, स्टॉक उधार एवं सहवर्ती (डेनिगेटिक्स)

1. निवेश उद्देश्य

- (i) योजना का निवेश उद्देश्य मुख्यतः सदस्य को नियमित आय उपलब्ध कराना तथा योजना की परिपक्वता पर ग्राहक की पूंजी में वृद्धि के लिए प्रयत्न करना भी है। योजना के अंतर्गत संग्रहीत निधियों का सभी आरंभिक निर्गम व्यय अदा करने के बाद सामान्यतः निम्नलिखित रूप में निवेश किया जाएगा :
- (क) निधियों का कम से कम 80% मुद्रा बाजार लिखतों सहित ऋण लिखतों में निवेश किया जाएगा। निवेश का जोखिम तत्त्व न्यून से मध्यम होगा।
- (ख) निधियों का 20% से अनधिक इक्विटी और इक्विटी संबंधी लिखतों में निवेश किया जाएगा। इक्विटी निवेश में जोखिम तत्त्व उच्च हो सकता है।
- (ii) न्यूनतम एवं अधिकतम आस्ति आबंटन :
- (क) ऋण - न्यूनतम 80%, अधिकतम 100%
- (ख) इक्विटी - अधिकतम 20%
- (iii) सामान्यतः मुद्रा बाजार लिखतों के लिए सामान्यतः कोई नियत नियोजन नहीं किया जाएगा। मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश न्यूनतम रखा जाएगा ताकि प्लान की तरलता की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। तथापि, ऊपर कथित निवेश उद्देश्य के अनुसरण में, प्रतिभूतियों में योजना की निधियों का अभिनियोजन लंबित रखकर, मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश कर सकता है।
- (iv) ट्रस्ट रक्षात्मक सोच-विचार पर लघु अवधि हेतु आस्ति आबंटन में परिवर्तन करने का विकल्प अपने पास रखता है।

2. मूल विशेषताएं

- (i) “मूल विशेषताओं” का अर्थ निम्नलिखित है :
- (क) योजना का प्रकार : मासिक आय प्लान 2000 (थर्ड) एक नियतकालिक आय निधि है, जो प्लान की अवधि के पहले वर्ष के लिए मासिक देय 9.75% प्र.व. और वार्षिक तथा संचयी आय विकल्प के अंतर्गत 10.20% और उसके बाद की अवधि के लिए खण्ड IX में बताए अनुसार आश्वासित आय देती है।
- (ख) निवेश उद्देश्य : जैसा कि इस पेशकश दस्तावेज के खंड X के अंतर्गत बताया गया है।
- (ग) निर्गम की शर्तें :
- (i) सूचीबद्धता, यूनिटों की पुनर्खरीद एवं व्यय के संबंध में इस पेशकश दस्तावेज में प्रावधान है।
- (ii) योजना में निवेशित पूंजी को परिपक्वता अवधि पर सुरक्षा प्रदान की जाती है और तब यूनिटों का प्रतिदान एनएवी अथवा सम मूल्य में से उच्चतम मूल्य पर किया जाएगा। परंतु, समय पूर्व पुनर्खरीद पर पूंजी की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है और ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूल्य एनएवी पर निर्भर होगा।
- (ii) योजना की मूलभूत विशेषताओं में कोई परिवर्तन केवल तभी किया जाएगा जब ;
- क) मौजूदा यूनिटधारकों को व्यक्तिगत संपर्क द्वारा सूचित किया जाता हो और
- ख) अखिल भारतीय स्तर पर परिसंचरित होने वाले अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में और साथ ही मुंबई में परिसंचरित होने वाले मराठी समाचार पत्र में विज्ञापन दिया जाता हो।
- ग) सदस्यों को बिना किसी निकासी भार के प्रचलित एनएवी पर योजना से बाहर हो जाने का विकल्प दिया जाता हो।

- (iii) बोर्ड समय-समय पर योजना और इसके अंतर्गत बने प्लान में परिवर्धन या अन्यथा उसमें संशोधन कर सकता है तथा ऐसा कोई संशोधन/परिवर्धन अधिनियम की शर्तों के अनुसार सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।
- (iv) योजना की मूल विशेषताओं में कोई परिवर्तन/संशोधन/परिवर्धन सेबी के पूर्व अनुमोदन से किया जाएगा। अन्य कोई परिवर्तन/संशोधन/परिवर्धन, जो मूल विशेषताओं में संशोधन नहीं है और जो यूनिट धारकों के हितों को प्रभावित नहीं करते हैं, उनके बारे में सेवा में सूचित किया जाएगा।

3. निवेश नीतियाँ

- (i) योजना अपने एनएवी के 15% से अधिक का निवेश किसी एकल जारीकर्ता द्वारा जारी किए गए ऋण लिखतों में नहीं करेगी, जिसका निर्धारण सेबी के अंतर्गत पैसा कार्यकलाप करने हेतु प्राधिकृत प्रेडिक्टेड रेटिंग एजेंसी द्वारा निवेश श्रेणी के नीचे नहीं किया जाता है। ऐसे निवेश की सीमा न्यासी मंडल के पूर्व अनुमोदन से योजना के एनएवी के 20% तक बढ़ाई जा सकती है। बशर्ते कि यह सीमा सरकारी प्रतिभूतियों और मुद्रा बाजार लिखतों में किए जाने वाले निवेशों के लिए लागू न हो।
- (ii) योजना अपने एनएवी के 10% से अधिक का निवेश किसी एकल जारीकर्ता द्वारा जारी किए गए अनिर्धारित ऋण लिखतों में नहीं करेगी और ऐसे लिखतों में कुल निवेश योजना के एनएवी के 25% से अधिक नहीं होगा। ऐसे सभी निवेश न्यासी मंडल के पूर्व अनुमोदन से किए जाएंगे।
बशर्ते यह भी कि उस सीमा तक निवेश गिरवी आधार कृत प्रतिभूति वाले ऋण में किया जा सकता है जिसका मूल्य निर्धारण सेबी के साथ पंजीकृत क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा निवेश श्रेणी के नीचे नहीं किया गया हो।
- (iii) इस योजना द्वारा कोई सावधि ऋण नहीं दिये जाएंगे।
- (iv) ट्रस्ट प्रतिभूतियों का क्रय विक्रय सुपुर्दगियों के आधार पर करेगा और खरीद के सभी मामलों में संबंधित प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी लेगा और बिक्री के सभी मामलों में प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी करेगा और किसी भी मामले में खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालेगा जिससे इसे संबद्धिया बिक्री करनी पड़े या सौदे का वायवा (कैरी फारवर्ड) करना पड़े या बदला वित्त में लिप्त होना पड़े।
- (v) ट्रस्ट प्रतिभूतियों की खरीद या अंतरण ट्रस्ट के नाम से करवाएगा।
- (vi) (क) यह योजना सेबी द्वारा घोषित, प्रतिभूतियाँ उधार देने की शर्तों के अनुसार, स्टॉक उधार देने के क्रियाकलाप में सहित हो सकती है। यह क्रियाकलाप किसी स्वीकृत मध्यस्थ के जरिए किया जाएगा।
(ख) स्टॉक उधार देने वाले कार्यक्रम में किसी एकल मध्यस्थ का योजना में अधिकतम प्रभावन किसी भी समय योजना के इक्विटी पोर्टफोलियो के बाजार मूल्य का 10% तक हो सकता है।
(ग) म्यूचुअल फंडों और यूटीआई को स्टॉक उधार लेने की अनुमति है। योजना इस संबंध में सेबी विशानिर्देशों के अनुसार उचित स्थितियों में स्टॉक उधार ले सकती है।
- (vii) योजना, समुद्रपारीय/विदेशी कंपनियों द्वारा जारी एवं विदेश में सूचीबद्ध प्रतिभूतियों या भारतीय निकायों द्वारा विदेशी/समुद्रपारीय निवेशकों को जारी एवं विदेशी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध प्रतिभूतियों में निवेश के संबंध में समय-समय पर जारी सेबी/आरबीआई विशानिर्देशों के अनुसार ऐसे निर्गमों में अभिधान करके या विदेशी स्टॉक एक्सचेंजों के जरिए क्रय करके सीधे निवेश कर सकती है।
- (viii) योजना इनमें से किसी में निवेश नहीं करेगी ;
क) ट्रस्ट की सहायक या समूह कंपनी की कोई असूचीबद्ध प्रतिभूति ; या
ख) ट्रस्ट की सहायक या समूह कंपनी द्वारा निजी स्थापन के माध्यम से जारी की गई कोई प्रतिभूति; या
ग) ट्रस्ट की समूह कंपनी की सूचीबद्ध प्रतिभूतियाँ जो ट्रस्ट की सभी योजनाओं के शुद्ध आस्तियों के 25% का आधिक्य है।
- (ix) सेबी द्वारा सूचित किए अनुसार यूटीआई सिक्योरिटीज एक्सचेंज लि. के जरिए प्लान के लिए प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री किसी भी तीन महीने की अवधि के दौरान प्लान द्वारा की गई प्रतिभूतियों की समग्र खरीद और बिक्री के 5% से अधिक नहीं होगी।
- (x) जनता को पेश न किए गए ऋण लिखतों में निवेश : योजना उपलब्ध आय पर निर्भर करते हुए जनता को पेश न किए गए ऋण प्रतिभूतियों में निवेश कर सकती है।
- (xi) तरलता की आवश्यकताओं के आधार पर, योजना बिना किसी निवेश सीमा के भारत सरकार/राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में निवेश कर सकती है।
- (xii) योजना किसी कंपनी की इक्विटी संबंधित लिखतों अथवा इक्विटी शेयरों में उसकी एनएवी का 10% से अधिक का निवेश नहीं करेगी।
- (xiii) योजना किसी असूचीबद्ध इक्विटी शेयरों अथवा इक्विटी संबंधित लिखतों में उसकी एनएवी का 10% से अधिक का निवेश नहीं करेगी।

4. ट्रस्ट की योजनाओं में कापरेट निवेश और इन कंपनियों में ट्रस्ट का निवेश

- (i) 31/12/99 के अनुसार उन योजनाओं की सूची जिनमें कंपनियों ने योजना के शुद्ध आस्ति मूल्य का 5% से अधिक निवेश किया है।

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना की आस्तियों के 5% से अधिक धारिता वाली कंपनी का नाम
1.	आईआईएसएफयूएस, 97	एचडीएफसी हिन्दुस्तान लीवर लि.
2.	आईआईएसएफयूएस 97 (II)	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द पियरलेस जनरल फाइनांस एंड इन्वेस्टमेंट कं.लि.
3.	आईआईएसएफयूएस 98	द पियरलेस जनरल फाइनांस एंड इन्वेस्टमेंट कं.लि.
4.	आईआईएसएफयूएस 98 (II)	नेशनल हाउसिंग बैंक
5.	एमआईपी 97(IV)	ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
6.	एमआईएफ	द पियरलेस जनरल फाइनांस एंड इन्वेस्टमेंट कं.लि. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
7.	एमवीयूपी	आईडीबीआई एसबीआई
8.	ग्रोथ सेक्टर फंड (ब्राड वैल्यू)	अरानिक सिन्धोरिटीज प्रा. लि.
9.	ग्रोथ सेक्टर फंड (फार्मा)	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
10.	ग्रोथ सेक्टर फंड (सर्विसेज)	स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
11.	जी सेक	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
12.	यूटीआई-एमएमएफ	बेनेट, कोलमन एण्ड कं. लि. यूटीआई बैंक लि. द अरविंद मिल्स लि. भारतीय स्टॉक धारिता निगम लि.

- (ii) 31/12/99 को उपरोक्त योजना द्वारा या यूटीआई की किसी अन्य योजना द्वारा उपरोक्त कंपनियों या उसकी सहायक कंपनियों में सकल आधार पर किया गया निवेश।

(र. करोड़ में)

कंपनी का नाम	इक्विटी (लागत)	ऋण (लागत)	जमा	कुल
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर	0.18	0.00	0.00	0.18
स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	0.00	0.76	0.00	0.76
आईडीबीआई बैंक	0.85	0.00	0.00	0.85
भारतीय स्टॉक धारिता निगम लि.	7.33	0.00	0.00	7.33
हिन्दु लीवर केमिकल्स लि. (हिन्दुस्तान लीवर लि. की सहयोगी)	20.45	0.00	0.00	20.45
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	29.07	0.00	0.00	29.07
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स (एसबीआई की सहयोगी)	0.00	35.45	0.00	35.45
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	0.00	50.00	0.00	50.00
द अरविन्द मिल्स लि.	58.35	1.07	0.00	59.42
सिडबी (आईडीबीआई की सहयोगी)	0.00	75.96	0.00	75.96
यूटीआई बैंक लि.	89.12	0.00	0.00	89.12
एचडीएफसी	234.50	91.63	0.00	326.13
एसबीआई	599.33	57.01	0.00	656.34
हिन्दुस्तान लीवर लि.	1782.16	0.00	0.44	1782.60

आईडीबीआई	352.73	2012.16	0.00	2364.89
योग	3174.07	2324.04	0.44	5498.55

- (iii) 31/12/98 को उपरोक्त योजना द्वारा या यूटीआई की किसी अन्य योजना द्वारा उपरोक्त कंपनियों या उसकी सहायक कंपनियों में सकल आधार पर किया गया निवेश।

(रु. करोड़ में)

कंपनी का नाम	इक्विटी (लागत)	ऋण (लागत)	जमा	कुल
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर	0.18	0.00	0.00	0.18
स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	0.00	0.65	0.00	0.65
आईडीबीआई बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00
भारतीय स्टॉक धारिता निगम लि.	7.51	0.00	0.00	7.51
हिन्दू लीवर केमिकल्स लि. (हिन्दुस्तान लीवर लि. की सहयोगी)		0.00	0.00	0.00
ओरिएन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स	31.66	0.00	0.00	31.66
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स (एसबीआई की सहयोगी)	0.00	0.00	0.00	0.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	0.00	0.00	0.00	0.00
द अरविन्द मिल्स लि.	97.76	2.24	0.00	100.00
सिडबी (आईडीबीआई की सहयोगी)	0.00	75.36	0.00	75.36
यूटीआई बैंक लि.	89.12	0.00	0.00	89.12
एचडीएफसी	303.39	150.00	0.00	453.39
एसबीआई	844.50	52.33	0.00	896.83
हिन्दुस्तान लीवर लि.	1082.68	6.60	0.87	1090.15
आईडीबीआई	363.39	1883.92	0.00	2247.31
योग	2820.19	2171.10	0.87	4992.16

यूटीआई द्वारा यह निवेश अपने सामान्य कारोबार के दौरान किया गया।

XI. अंतर योजना अंतरण

इस योजना से ट्रस्ट की दूसरी योजना / प्लान में अंतरण केवल तभी किया जाएगा जब -

- उधृत लिखतों के लिए प्रचलित बाजार मूल्य पर ऐसे अंतरण स्पॉट आधार पर किए गए हों।
स्पष्टीकरण: "स्पॉट आधार" का अर्थ वही होगा जो स्टॉक एक्सचेंज द्वारा स्पॉट सौदों के लिए निर्दिष्ट है।
- ऐसी अंतरित प्रतिभूतियां उस योजना/प्लान के निवेश उद्देश्यों के अनुरूप हों जिनमें ऐसे अंतरण किए जाते हैं।
- प्लान से/में असूचीबद्ध या अनोद्धृत निवेश का ट्रस्ट की अन्य योजना/प्लान में/से अंतरण ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित नीतियों के अनुसार किया जाएगा।

XII. संयुक्त सौदे एवं उधार

- योजना यूनिटों की पुनर्खरीद, प्रतिदान या सदस्यों को आय या ब्याज की अदायगी करने की योजना की अस्थाई नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने के अलावा उधार नहीं लेगी।
परन्तु उधार योजना की शुद्ध आस्ति के 20% से अधिक नहीं लिया जाएगा और इस तरह के उधार की अवधि छः माह से अधिक नहीं होगी।
- अधिनियम की धारा 20 के अनुसार ट्रस्ट को निम्नलिखित उधार लेने की शक्तियां प्राप्त हैं :
 - ट्रस्ट, भारत या भारत से बाहर के किसी प्राधिकरण या व्यक्ति, जो सरकार या रिजर्व बैंक न हो, से ऐसी प्रतिभूति के प्रति एवं ऐसी शर्तों एवं परिस्थितियों पर जिस पर वे आपस में सहमत हों, उधार ले सकता है।
 - ट्रस्ट रिजर्व बैंक से उधार ले सकता है -

- (क) भारत में इस समय लागू किसी कानून द्वारा जिससे न्यासी ट्रस्ट का धन निवेश करने हेतु प्राधिकृत है, स्टॉक, निधियों एवं प्रतिभूतियों के प्रति (अचल संपत्तियों के अतिरिक्त) माग पर या नियत अवधि की समाप्ति पर प्रतिदेय जो इस प्रकार ली गई राशि की तिथि से नब्बे दिन से अधिक न हो,
- (ख) केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से बाडो की प्रतिभूति के प्रति, जिसे ट्रस्ट जारी कर सकता है, माग पर या जिस तिथि से ऐसी राशि उधार ली गई है, उस तिथि से अठारह महीनों की अवधि के भीतर प्रतिदेय है,
- (ग) प्रथम यूनिट योजना के अतिरिक्त किसी अन्य योजना के प्रयोजन हेतु जिसे इस संवर्ध में रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया है ट्रस्ट की ऐसी अन्य संपत्तियों की प्रतिभूति के प्रति या ऐसी शर्तों एवं नियमों पर.

बशर्ते कि इस खंड के अंतर्गत उधार ली गई कोई राशि एवं किसी एक समय पर बकाया राशि -

- (क) ऐसी प्रत्येक योजना के सबंध में पांच करोड़ रुपये से ज्यादा न हो, एवं
- (ख) समग्र रूप से ऐसी समस्त योजनाओं के सबंध में दस करोड़ रुपये से अधिक न हो।
- (III) ट्रस्ट द्वारा धारा 20 की उप धारा (ii) के अंतर्गत जारी बाड के मूल राशि की अदायगी की गारंटी केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाएगी एवं ब्याज का भुगतान बाड जारी करते समय केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित दर पर किया जाएगा।

XIII. एनएवी निर्धारण एवं आस्तियों का मूल्यांकन

1. शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का परिकलन और प्रकटीकरण :

योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों के शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के उपचयों और उपबंधों को ध्यान में रखते हुए योजना की आस्तियों के मूल्य को निर्धारित कर और योजना की देयताओं को घटाकर किया जाएगा। प्रति यूनिट शुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के एनएवी में उस तिथि को जारी और बकाया यूनिटों की कुल संख्या से भाग दे कर किया जाएगा। योजना का एनएवी मासिक आय विकल्प, वार्षिक आय विकल्प और संचयी विकल्प के लिए अलग-अलग निर्धारित किया जाएगा। अभिवान बढ़ होने की तिथि से छः माह के भीतर और उसके बाद साप्ताहिक आधार पर (अगले सोमवार से रविवार तक जिसमें मूल्यांकन तिथि पिछले बुधवार की होगी) शुद्ध आस्ति मूल्य (पूर्ववर्ती आधार पर) समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा।

2. इस योजना की आस्तियों का मूल्यांकन

- (I) अवरोद्ध अवधि के अधीन वाले निवेशों, यदि कोई हो, सहित उद्धृत निवेशों परतु सरकारी प्रतिभूतियों को छोड़कर, का मूल्यांकन मूल्यांकन की तारीख को बाजार में बढ़ मूल्य पर किया जाता है तथा इसके उपलब्ध न होने पर मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अवधि में बिल्कुल हाल ही की उपलब्ध दर पर किया जाता है। यदि मूल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अवधि हेतु, कोई भाव उपलब्ध नहीं है तो उसे अनोद्धृत निवेश माना जाता है।
- (II) उद्धृत सरकारी प्रतिभूतिया मूल्यांकन तिथि को अंतिम एनएसई बाजार दरों पर मूल्यांकित की जाती हैं और इसकी अनुपस्थिति में मूल्यांकन तिथि से पहले 7 दिन की अवधि के अंदर उपलब्ध नवीनतम भाव को मूल्यांकन के लिए लिया जाता है। यदि मूल्यांकन की तिथि से साठ दिन पूर्व की अवधि हेतु कोई भाव उपलब्ध नहीं हो तो उसे अनोद्धृत सरकारी प्रतिभूतिया माना जाएगा।
- (III) उद्धृत डिबेंचरों और बाडों के मामले में, बाजार दर, जो ब्याज सहित है उसे ब्याज तत्त्व यदि कोई हो, के लिए समायोजित किया जाता है।
- (IV) शेयरों के अधिकार पत्रता का मूल्यांकन, लाभांश तत्त्व हेतु बढ़टा काटकर, जहाँ लागू हो, बाजार दर पर किया जाता है।
- (V) अनोद्धृत अधिमान शेयर/संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर लागत पर लिए जाते हैं।
- (VI) अनोद्धृत इक्विटी शेयर जैसे कि न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित किया जाए, उचित मूल्यांकन आधार पर मूल्यांकित किए जाते हैं।
- (VII) अनोद्धृत डिबेंचर, बॉण्ड एवं अंतरणीय नोट परिपक्वता पर प्रतिफल पर मूल्यांकित किए जाते हैं, जो न्यासी मंडल द्वारा मूल्य वृद्धि के अनुमोदन के साथ भारत सरकार की प्रतिभूतियों (आय कर्ष) से जुड़ा है।
- (VIII) अनोद्धृत वारंट, अंतरनिहित इक्विटी शेयरों के बाजार दर पर, लाभांश तत्त्व के लिए बढ़टा काटकर, यदि कोई हो, तथा देय प्रायोगिक मूल्य से कम करके मूल्यांकित किए जाते हैं। जिन मामलों में इस तरह लिए गए मूल्य से प्रायोगिक देय मूल्य ज्यादा हों, वहाँ वारंटों का मूल्य शून्य लिया जाता है।
- (IX) अनोद्धृत सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन प्रचलित ब्याज दर पर परिपक्वता पर प्रतिफल के आधार पर किया जाता है।

- (X) परिवर्तनीय डिबेंचर एवं बॉण्ड, जहां मिश्र बाजार भाव उपलब्ध न हो, वहां परिवर्तनीय भाग का मूल्यांकन सबधित इक्विटी शेयरों के बाजार दर पर, जिनमें लाभांश तत्त्व, यदि कोई हो, काट कर किया जाता है। ऐसे डिबेंचरों एवं बॉण्डों का अपरिवर्तनीय भाग, यदि कोई हो, का मूल्यांकन, उपरोक्त (VI) के अनुसार किया जाता है। जहां परिवर्तनीय भाग के लिए परिवर्तन की शर्तें विनिर्दिष्ट न हों, वहां उन्हें लागत पर लिया जाता है।
- (Xi) पूंजी सूचकांकित बॉण्ड लागत पर मूल्यांकित किए जाते हैं।
- (Xii) मुद्रा बाजार लिखतों के लिए मूल्यांकन नीति :-
- (क) मुद्रा बाजार लिखते एवं अन्य निवेश बही मूल्य पर लिए जाते हैं।
- (ख) अंतर बैंक कॉल बाजार में निवेशित राशि लागत पर ली जाती है।
- (ग) बट्टे /व्याज उपार्जन लिखतों में निवेशित राशि का मूल्यांकन, उस प्रतिफल पर किया जाता है जिसमें लिखत का सौदा पिछली बार किया गया था। इस उद्देश्य हेतु भाव मूल्यांकन तिथि से पहले का कार्य दिवसों की अवधि के भीतर उपलब्ध हाल ही का भाव ध्यान में लिया जाता है। जब पिछले दो कार्य दिवसों में कोई भाव उपलब्ध न हो, तो लिखत लागत एवं लिखत के परिपक्व होने के बाकी बचे दिनों के लिए लागू एक समान लागत और पृष्ठ मूल्य के मध्य अंतर पर मूल्यांकित किया जाता है।
- (घ) अनोद्धृत डिबेंचरों सहित अन्य मुद्रा बाजार लिखतों का मूल्यांकन लागत एवं लिखत के परिपक्व होने के बाकी बचे दिनों पर लागू एक समान लागत और पृष्ठ मूल्य के अंतर पर किया जाता है।

खंड X (3), XIII (1) एवं XIII (2) के संदर्भ में किसी बात के बावजूद, निवेश नीतियां, आस्तियों का मूल्यांकन, एनएवी की गणना, पुनर्खरीद मूल्य का निर्धारण एवं एनएवी के प्रकटीकरण की आवृत्तियां, पुनर्खरीद मूल्य/पोर्टफोलियो समय-समय पर सेबी द्वारा जारी सेबी (एमएफ) विनियमों/दिशानिर्देशों/निर्देशों के प्रावधानों के अनुसार होगा।

XIV. लेखा नीतियां

1. आय की मान्यता

- सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों पर लाभांश आय भूतपूर्व लाभांश तिथि पर प्रोद्भूत की जाती है। असूचीबद्ध इक्विटी शेयरों एवं अधिमान शेयरों पर लाभांश आय का हिसाब प्राप्ति आधार पर किया जाता है।
- निवेशों पर व्याज एवं प्रतिबद्धता प्रभार का हिसाब प्रोद्भव आधार पर किया जाता है।
- निवेशों की बिक्री पर लाभ या हानि की पहचान भारित औसत लागत के आधार पर व्यापार तिथियों पर की जाती है।
- डिबेंचर/बॉण्डों के प्रतिदान पर प्रीमियम एवं लाभ या हानि की पहचान वेय तिथि पर की जाती है।
- जब कोई राशि जिम्मे नहीं आती हो तो हमीदारी कमीशन को नकदी आधार पर राजस्व माना जाता है। जिम्मे आई राशि के मामले में, पूर्ण हमीदारी कमीशन एवं निवेशों की लागत में से कम किया जाता है।
- शेयरों एवं डिबेंचरों के निवेश पर आरंभिक शुल्क को ऐसे निवेशों की लागत में से कम किया जाता है।
- जीरो कूपन बॉण्डों, डीप डिस्काउंट बाण्डों और अन्य दीर्घावधि बट्टाकृत लिखतों के संबंध में पुनर्खरीद मूल्य एवं परिपक्वता मूल्य के मध्य अंतर को वाईटीएम आधार पर लिखत के शेष अवधि के दौरान आय समझा जाता है।
- अन्य आय को प्राप्ति आधार पर लिया जाता है।

2. व्यय

- व्यय की गणना प्रोद्भव आधार पर की जाती है।
- अधिनियम की धारा 25(4) के प्रावधानों के अनुसार यूनिट योजना 1964 के अंतर्गत किए गए खास सामान्य खर्चों का निर्धारण अन्य योजनाओं पर किया जाता है।
- नियत आस्तियों वाली यूनिट योजना 1964 कथित आस्तियों के उपयोग के लिए अन्य योजनाओं से स्वीकृत आधार पर पट्टा किराया वसूल करती है।

3. आस्थगित राजस्व व्यय

अधिनियम की धारा 25(3) के प्रावधानों के अनुसार, कुछ खास व्ययों को आस्थगित किया गया है, जो निम्नानुसार हैं -

- (i) नियतकालिक योजनाओं द्वारा एजेंटों के कमीशन सहित किए गए आरंभिक निर्गम व्ययों को योजनाओं की समयावधि पर एक समान रूप से बटूटे खाते में डाल दिया जाता है।
- (ii) जब यूनितों की पुनर्खरीद की जाती है/पुनःक्रय किया जाता है, उस वर्ष प्रभारित किए जाने वाले एवं अन्य असमाप्त अवधि के लिए आस्थगित राजस्व व्यय को उचित रूप से समायोजित किया जाता है।

4. निवेश

- i. निवेशों की लागत पर या अपलिखित लागत पर लिया जाता है।
- ii. द्वितीयक बाजार कारोबार के मामले में निवेश को व्यापार तिथियों पर किया गया माना जाता है।
- iii. आबंटन पर प्राथमिक बाजार निर्गमों में अभिवान को निवेश माना जाता है।
- iv. बोनस/अधिकार पत्रताओं को पूर्ववर्ती-बोनस/पूर्ववर्ती अधिकार तिथियों पर माना जाता है।
- v. निवेश अर्थात् डिबेंचर/बॉण्ड प्रतिदान/देय तिथि का चालू आस्तियों में अंतरित किए जाते हैं।
- vi. निवेश की लागत में दलाली एवं सेवा - कर शामिल हैं लेकिन स्टाम्प शुल्क शामिल नहीं हैं, जिसे राजस्व में प्रभारित किया जाता है।

5. प्रावधान एवं मूल्यहास :

(क) संदिग्ध समझी गई आय के प्रति प्रावधान

पिछली दो तिमाही या उससे अधिक के लिए देय बाकी ब्याज आय के संबंध में प्रावधान किया जाता है। यदि लाभांश, पिछले लाभांश की तिथि से एक वर्ष से अधिक के लिए बकाया है तब वर्ष के अंत में प्रावधान किया जाता है।

(ख) निवेश के मूल्य में हास

- (i) उपरोक्त खंड XIII (2) के अनुसार गणना किए गए निवेशों के कुल मूल्य की तुलना ऐसे निवेशों की कुल लागत से की जाती है आग पाणिगामिक हास, यदि हो, सामान्य प्राक्षित निधि/यूनिट प्रीमियम प्राक्षित निधि में प्रभारित किए जाते हैं। यदि कुल मूल्य, कुल लागत या पिछले वर्ष के अंत के कुल मूल्य से अधिक हो जाता है तो मूल्य वृद्धि, यूनिट प्रीमियम प्राक्षित निधि/सामान्य प्राक्षित निधि में उस सीमा तक जोड़ी है जहां तक हास पिछली बार समायोजित किया गया था।
- (ii) जहां अनोधृत इक्विटी या अधिमान शेयर पिछले वर्षों में अपलिखित किए गए हों, वहां ऐसे निवेशों की लागत को उधृत या उचित मूल्य उपलब्ध होते ही उसकी लागत पर पुनरांकित किया जाता है।
- (iii) आस्तियां जिन पर ब्याज पिछली दो तिमाही या अधिक से बकाया है, अनुपयोज्य आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ऐसी आस्तियों के लिए प्रावधान अलग-अलग बनाया जाता है (जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है)। ऐसा प्रावधान उम्मीद कंपनी की अन्य उपयोगी आस्तियों के लिए नहीं किया जाता है।

आस्ति के अनुपयोज्य रहने की अवधि	प्रावधान का प्रतिशत	
	प्रतिभूत आस्ति	अप्रतिभूत आस्ति
दो वर्षों तक	10%	10%
दो वर्षों से अधिक परंतु तीन वर्षों तक	20%	100%
तीन वर्षों से अधिक परंतु पांच वर्षों तक	30%	100%
पांच वर्षों से अधिक	50%	100%

(iv) जहां मूल पुनर्भरणता

(क) 3 वर्षों तक की अवधि के संतुलित परिपक्वता वाले ऋण लिखतों के संबंध में पिछली देय अवधि के दो तिमाहियों हेतु और

(ख) 3 वर्षों से अधिक अवधि के संतुलित परिपक्वता वाले ऋण लिखतों के संबंध में पिछली देय अवधि के एक वर्ष हेतु बकाया रहता है, वहां ऐसी बकाया किस्तों हेतु प्रावधान किया जाता है। ऐसी आस्तियों के लिए समग्र प्रावधान, उपरोक्त तालिका में उल्लिखित प्रतिशत (जमानती आस्तियों हेतु 50% तथा गैर जमानती आस्तियों हेतु 100%) या चूक वाली राशि, जो भी अधिक हो, तक सीमित है।

ऐसे मामले जिनमें मूल चूक जारी रहती है, किसी भी परवर्ती किस्त के लिए प्रावधान, संबंधित देय तिथि से 30 दिनों के बाद किया जाता है।

(v) देय बकाया ब्याज के पूंजीकरण के द्वारा, ब्याज के निधियन के मामले में, उसके चूक की अवधि के बावजूद प्रावधान किया

- वित्त अधिनियम 2000 के अनुसार, पूंजीगत अभिलाष कर छूट केवल 1 अप्रैल, 2000 से पहले अंतरित दीर्घावधि पूंजीगत आस्तियों के लिए उपलब्ध होगी, बशर्ते बिक्री राशि का निवेश यटीआई की यूनित योजनाओं में ऐसी बिक्री / अंतरण के छः

माह के भीतर किया जाता है। तदनुसार, 31 मार्च 2000 तक दीर्घवधि पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से प्राप्त होने वाली सम्पूर्ण या अंशिक शब्द राशि का प्रमाणपत्र 2000 (धर्मा) में किया गया निवेश आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 ई के अंतर्गत पूंजीगत अधिनाभ कर छूट के लिए पात्र होगा, बशर्ते यूनिट की पुनर्खरीद/प्रतिदान तिथि 31 मार्च 2000 की स्वीकृति तिथि से तीन वर्षों के बाद किया जाए।

तथापि, विशिष्ट परिस्थितियों में निवेशों का आहरण किया जा सकता है, बशर्ते यूनिटधारक विंगट अंतर्गत निवेशों का पालन करता हो। जब ऐसे निवेश का आहरण किया जाता है, तब धारा 54 ई के अंतर्गत कर लाभ नहीं दिया जाता है और आय कर प्राधिकारियों को आय कर का भुगतान करने का भार निवेशकर्ता पर पड़ता है।

3. पात्र न्यासों के लिए

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(2)(बी) के अंतर्गत यूनिट स्वीकृत प्रतिभूतियां हैं। अतः यूनिटों में निवेश कर रहे पात्र ट्रस्ट आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 और 13 के अंतर्गत आय और निधि के लिए आवश्यक कर छूट के योग्य होंगे।

उपरोक्त जानकारी केवल निवेशकों को साधारण जानकारी देने के उद्देश्य से दी गई है। कर परिणामों के व्यक्तिगत स्वरूप के परिप्रेक्ष्य में, प्रत्येक निवेशकर्ता को यह सूचित किया जाता है कि वह योजना/प्लान में अपनी सहभागिता से आनेवाली विशिष्ट कर उलझनों के संबंध में अपने कर सलाहकार से परामर्श लें।

XVI. सदस्यों के अधिकार एवं सेवाएं

1. प्लान के अधीन सदस्यों को प्लान की आस्तियों के लाभकारी स्वामित्व तथा प्लान द्वारा घोषित आय में समानुपातिक अधिकार है।
2. सदस्यों को न्यासियों से ऐसी कोई भी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है, जो उनके निवेशों पर प्रतिकूल प्रभाव रखती हो तथा सदस्यों को ऐसी जानकारी देने के लिए न्यासी बाध्य होंगे।
3. सदस्यों को प्लान के अंतर्गत बिक्री बंद होने की तारीख से छः सप्ताह के भीतर सदस्यता सूचना जारी किए जाने तथा सदस्यता सूचना के स्थान पर यूनिट प्रमाणपत्र जारी करने हेतु निवेदन प्राप्त होने से 7 दिन के भीतर यूनिट प्रमाणपत्र जारी किए जाने का अधिकार है।
4. सदस्यों को अधिकार है कि जिस कार्यालय में पुनर्खरीद अनुरोध संसाधित किए जाते हैं वहां आवेदन प्राप्त होने की तिथि से 10 कार्य दिवसों के भीतर (बशर्ते आवेदन सही हो) पुनर्खरीद/प्रतिदान प्राप्ति या उन्हें भेजी जाएं। यदि प्रतिदान राशि के प्रेषण में 10 कार्य दिवसों से अधिक विलंब होता है, तो यूटीआई 15% प्रति वर्ष की दर से (अथवा सेबी द्वारा निर्धारित दर से) ब्याज का भुगतान करेगा।
5. सभी सदस्यों को मासिक आय प्लान 2000 (तृतीय) के संदर्भ में संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट संबद्ध लेखा वर्ष की समाप्ति की तिथि से छः माह के भीतर भेजा जाएगा एवं निरीक्षण के लिए केंद्रीय निवेशक संपर्क कक्ष में उपलब्ध कराया जाएगा एवं इसकी एक प्रति सदस्यों को न्यूनतम शुल्क, यदि कोई हो, के भुगतान पर उपलब्ध कराई जाएगी।
6. सदस्य को प्रत्येक छमाही की समाप्ति से एक माह के भीतर योजना के पोर्टफोलियो का एक पूर्ण विवरण भेज दिया जाएगा। यदि प्लान के पोर्टफोलियो का विवरण संपूर्ण भारत में एक अंग्रेजी दैनिक में और एक मराठी समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाता है, तो इसे निवेशकर्ताओं को नहीं भी भेजा जा सकता है।
7. योजना की मूलभूत विशेषताओं में किसी तरह का परिवर्तन तभी किया जाएगा जब सदस्यों को बिना किसी निकासी भार के प्रचलित एनएवी पर योजना से बाहर हो जाने की अनुमति दी जाती है और यह भी कि इसके बारे में व्यक्तिगत सम्पर्क द्वारा सूचित किया जाता हो तथा उसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित होने वाले एक अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में और एक मराठी दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाता हो।
8. निर्दिष्ट परिस्थितियों के अंतर्गत सदस्यों का अनुमोदन 'पोस्टल बैलट' के जरिए मांगा जाएगा।
9. सदस्यों को केन्द्रीय निवेशक संपर्क कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, बेसमेंट द्वार. नं. 1, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग, मुंबई-400 020 में रखे निम्नलिखित दस्तावेजों के निरीक्षण का अधिकार है :
 - * अधिनियम
 - * विनियम

- * अभिरक्षक, रजिस्ट्रार और संग्रहणकर्ता बैंकों के साथ किए गए करार
- * एमआईपी 2000 (तृतीय) के पेशकश वस्तावेज की प्रति
- * सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996

XVII. भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना एवं प्रबंधन

यूटीआई की स्थापना

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 के अंतर्गत भारतीय यूनिट ट्रस्ट की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य बचत एवं निवेश को प्रोत्साहन देने तथा प्रतिभूतियों के अर्जन, धारण, प्रबंधन और निपटान से ट्रस्ट को प्रोद्भूत होनेवाली आय, लाभों और अभिलाषों में सहभागिता थी। इसने 1 जुलाई, 1964 से कार्य करना आरंभ किया।

यूटीआई का प्रबंधन

ट्रस्ट के कार्यों एवं व्यवसाय का प्रबंधन न्यासी मंडल में निहित है, जिसका भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक पूर्णकालिक अध्यक्ष होता है। मंडल के अलावा, एक सांविधिक कार्यकारिणी समिति होती है जिसमें अध्यक्ष, कार्यपालक न्यासी तथा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा नामित दो अन्य न्यासी होते हैं। यह समिति मंडल की कार्यक्षमता के अंतर्गत आने वाले किसी भी मामले पर कार्य करने के लिए सक्षम है।

न्यासी मंडल *

1.	श्री पी एस सुब्रमन्यम	अध्यक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
2.	श्री जी पी मुनिअप्पन	कार्यपालक निवेशक, भारतीय रिजर्व बैंक
3.	श्री जी पी गुप्ता	अध्यक्ष एवं प्रबंध निवेशक, आईडीबीआई
4.	श्री एन एस सेखसरिया	प्रबंध निवेशक, गुजरात अंबुजा सिमेन्ट्स लि.
5.	श्री राजेन्द्र पी चितले	सनदी लेखाकार
6.	डॉ. विश्वनाथ वी वेसाई	अर्थशास्त्री
7.	श्री वाई पी गुप्ता	वर्तमान प्रभारी तथा प्रबंध निवेशक, भारतीय जीवन बीमा निगम
8.	श्री जी जी वैद्य	अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
9.	श्री डी टी पई	अध्यक्ष एवं प्रबंध निवेशक, सिंडिकेट बैंक
10.	डॉ. राकेश मोहन	महा निवेशक, नेशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकानामिक रिसर्च

* न्यासियों के पते और अन्य वर्तमान निदेशिकाएं इस प्रकार हैं :

1. श्री पी.एस. सुब्रमन्यम -

भारतीय यूनिट ट्रस्ट, सर विठ्ठलदास ठाकरसी मार्ग, न्यू मरीन लाईन्स, मुंबई 400 020

(i) अध्यक्ष एवं निवेशक-इंडिया फंड, (ii) अध्यक्ष एवं निवेशक - इंडिया ग्रोथ फंड, (iii) अध्यक्ष एवं निवेशक - इंडिया एक्सेस लि., (iv) अध्यक्ष एवं निवेशक - इंडिया पब्लिक सेक्टर फंड लि., (v) शासी परिषद के अध्यक्ष - यूटीआई इस्टिट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट्स, (vi) अध्यक्ष एवं निवेशक - यूटीआई निवेशक सलाहकार सेवा लि., (vii) अध्यक्ष एवं निवेशक - यूटीआई निवेशक सेवा लि., (viii) अध्यक्ष एवं निवेशक - यूटीआई सिक्यूरिटीज एक्सचेंज लि., (ix) निवेशक - यूटीआई बैंक लि., (x) अध्यक्ष एवं निवेशक - ओवर द काउंटर एक्सचेंज ऑफ इंडिया, (xi) सदस्य - भारतीय जीवन बीमा निगम, (xii) निवेशक - भारतीय मितिकाटा एवं वित्त गृह लि., (xiii) निवेशक - सिक्यूरिटीज ट्रेडिंग कापोरेशन ऑफ इंडिया लि., (xiv) निवेशक - नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि., (xv) न्यासी - इंडियन इस्टिट्यूट ऑफ सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, (xvi) अध्यक्ष एवं निवेशक - इंडिया आईटी फंड लि., (xvii) अध्यक्ष एवं निवेशक - यूटीआई-आईएस (मॉरिशस) लि., (xviii) अध्यक्ष एवं निवेशक - इंडिया मीडिया, इंटरनेट एण्ड कम्युनिकेशन फंड लि., (xix) अध्यक्ष एवं निवेशक - इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड लि., (xx) अध्यक्ष - भारतीय स्टॉक धारिता निगम लि., (xxi) सदस्य - फेडरेशन ऑफ इंडियन चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) - संचालन समिति

2. श्री जी पी मुनिअप्पन -

भारतीय रिजर्व बैंक, केंद्रीय कार्यालय भवन, मुंबई 400 023

3. श्री जी.पी.गुप्ता -

आईडीबीआई, आईडीबीआई टॉवर्स, कफ परेड, मुंबई - 400005

(i) निवेशक - इंडिया फंड, (ii) निवेशक - इंडिया ग्रोथ फंड, (iii) निवेशक-भारतीय मितिकाटा एवं वित्त गृह लि., (iv) निवेशक-भारतीय आयात-निर्यात बैंक, (v) निवेशक-भारतीय प्रतिभूति व्यापार निगम लि., (vi)

निवेशक-इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट फायनेंस कं. ऑफ इंडिया लि., (vii) निवेशक - इंडियन एयरलाइन्स लि. (viii) निवेशक - आईडीबीआई बैंक लि. (ix) निवेशक - नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि., (x) सदस्य - भारतीय जीवन बीमा निगम लि., (xi) सदस्य - भारतीय साधारण बीमा निगम लि., (xii) निवेशक - दक्षिण एशिया क्षेत्रीय निधि, (xiii) अध्यक्ष - दक्षिण एशिया विकास निधि, (xiv) समिति सदस्य-भारतीय बैंकर संस्थान, (xv) सदस्य-बैंकर प्रशिक्षण कॉलेज (आरबीआई), (xvi) सदस्य - एशिया एवं प्रशांत में विकासशील वित्तीय संस्थाओं का संघ, (xvii) सदस्य-बैंकिंग कर्मचारी चयन संस्था, (xviii) सदस्य-भारतीय कंपनी सचिव संस्था, (xix) निवेशक - इरिडियम एलएलसी, यूएसए, (xx) सदस्य वित्तीय विश्वविद्यालय (फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज), (xxi) प्रेसिडेंट - एंटरप्राइज रीशप डेवलेपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद।

4. श्री एन.एस. सेखसरिया -

गुजरात अम्बुजा सीमेंट्स लि., मेकर चैम्बर्स III, नरीमन प्वाइंट, मुंबई 400005

(i) उपाध्यक्ष - व एसोसिएटेड सीमेंट कंपनी लि. (ii) निवेशक - राधा माधव इन्वेस्टमेंट लि. (iii) निवेशक - अंबुजा सिमेंट फाउंडेशन (iv) निवेशक - अंबुजा शैक्षणिक संस्थान।

5. श्री राजेन्द्र पी. धितले -

मे. एम पी धितले एण्ड कं., हमाम हाउस, 1ली मंजिल, अंबालाल दोशी मार्ग, फोर्ट, मुंबई

(i) निवेशक - भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (ii) निवेशक - नेशनल सिक्यूरिटीज क्लियरिंग कॉर्पोरेशन लि. (iii) निवेशक - एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. (iv) निवेशक - ज्युरीच असेट मैनेजमेंट कंपनी (इंडिया) लि. (v) निवेशक - नट4नट्स लिमिटेड (vi) सदस्य - राष्ट्रीय शेयर बाजार की कार्यकारी समिति (शासी मंडल) (vii) सदस्य - इंडिया एडवाइजरी बोर्ड ऑफ बैंक ऑफ अमेरिका एनटी एवं एसए (viii) सदस्य - निवेश समिति, भारतीय जीवन बीमा निगम।

6. श्री बी. बी. देसाई -

नीट हाउस, कॉलेज लेन, दादर, मुंबई

(i) सलाहकार - आईसीआईसीआई लिमिटेड।

7. श्री चाई पी गुप्ता -

भारतीय जीवन बीमा निगम, 'योगक्षेम', जीवन बीमा मार्ग, नरीमन प्वाइंट, मुंबई 400021

8. श्री जी जी वैद्य -

भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय कार्यालय, पोस्ट बॉक्स सं. 12, मुंबई 400 021

(i) अध्यक्ष - एसबीआई कैपिटल मार्केट लि., (ii) अध्यक्ष - एसबीआई निधि प्रबंधन लि. (iii) अध्यक्ष - एसबीआई गिल्ड्स लि. (iv) अध्यक्ष - एसबीआई सिक्यूरिटीज लि. (v) अध्यक्ष - एसबीआई फैक्ट्स एण्ड कमर्शियल सर्विसेज लि. (vi) अध्यक्ष - एसबीआई यूरोपियन बैंक लि. (vii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ इंदौर (viii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र (ix) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ पटियाला (x) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर (xi) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद (xii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ मैसूर (xiii) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर (xiv) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया) (xv) अध्यक्ष - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कनाडा) (xvi) उपाध्यक्ष, शासी मंडल - इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकर्स (xvii) निवेशक - राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (xviii) निवेशक - भारतीय आयात-निर्यात बैंक (xix) निवेशक - साधारण बीमा निगम (xx) सदस्य, शासी मंडल एवं अध्यक्ष, वित्त समिति - राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्था, (xxi) सदस्य, शासी मंडल एवं अध्यक्ष, वित्त समिति एवं कार्यालय परिसर समिति एवं आईबीपीएस कर्मचारी भविष्य निधि प्रशासक समिति - बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (xxii) सदस्य - बैंकिंग टेक्नोलॉजी विकास एवं अनुसंधान संस्था (xxiii) निवेशक - इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास वित्त निगम (xxiv) निवेशक - इन्फ्रास्ट्रक्चर लिजिंग एवं फाइनेंस सर्विसेज लि. (xxv) निवेशक - भारतीय निर्यात ऋण एवं गारंटी निगम।

9. श्री डी टी पई

सिंडिकेट बैंक, मणिपाल 576 119

10. डॉ. राकेश मोहन -

नेशनल काउन्सिल ऑफ एप्लाइड इकॉनॉमिक रिसर्च, परिशिला भवन, 11 इंद्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली 110 002

(i) अध्यक्ष- रेलवे विशेषज्ञ समूह, (ii) सदस्य - प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद, (iii) सदस्य - राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मंडल, (iv) अंशकालिक सदस्य - टेलिकाम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया, (v) सदस्य - राष्ट्रीय

सांख्यिकी आयोग, (vi) सदस्य - कमिटी ऑन कंपिटिशन लॉ एण्ड एमआरटीपी एक्ट, (vii) सदस्य - बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, इंस्टिट्यूट ऑफ इकॉनॉमिक ग्रोथ, नई दिल्ली, (viii) सदस्य - लोकल एडवाइजरी बोर्ड, ड्रेसनर बैंक, (ix) ऑनररी विजिटिंग प्रोफेसर - इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली (x) निवेशक - इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाइनांस कॉर्पोरेशन, चेन्नई, (xi) सदस्य - न्यासी मंडल, आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्था, तंजानिया, (xii) निवेशक - भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, लखनऊ, (xiii) सदस्य सचिव - लघु उद्योग पर विशेषज्ञ समिति, उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, 1996, (xiv) सदस्य - टैरिफ अथॉरिटी फॉर मेजर पोर्ट्स, भूतल परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार, (xv) अध्यक्ष - राष्ट्रीय लेखों हेतु सलाहकार समिति, सांख्यिकी विभाग, भारत सरकार, (xvi) सदस्य - सार्वजनिक उद्यम विभाग, राजस्थान सरकार।

निधि का प्रबंधन -

श्री कौशिक रॉयचौधरी, सहायक महाप्रबंधक प्रबंधक निधि प्रबंधक होंगे।

योग्यता : बी. एससी. इको, (ऑनर्स), प्रेसिडेन्सी कॉलेज-1989, पीजीडीएम - आईआईएम (ए), 1992

अनुभव एवं पृष्ठभूमि :

वर्तमान में ट्रस्ट के निधि प्रबंधन विभाग में हैं। यह विभाग घरेलू आय उन्मुख योजनाओं के निधि प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है।

वर्तमान पद से पहले उनका कार्य अनुभव निम्नानुसार है :

पद	विभाग	अवधि	जिम्मेदारियाँ
सहायक महाप्रबंधक	नीति आयोजना प्रभाग	1.1.96 - 27.04.98	यूटीआई सहयोगियों के लिए समन्वयनकर्ता ; यूटीआई की बीमा क्षेत्र में प्रवेश रणनीति बनाने में योगदान दिया, शेयरब्रोकिंग (जेवी के माध्यम से) ; नए उत्पादों की रूपरेखा।
प्रबंधक	नीति आयोजना प्रभाग	8.6.95 - 31.12.95	-
उप प्रबंधक	नीति आयोजना प्रभाग	1.1.94 - 7.6.95	-
उप प्रबंधक	अंतर्राष्ट्रीय वित्त विभाग	6.1.93 - 31.12.94	इक्विटी विश्लेषक
प्रबंधन प्रशिक्षार्थी	विविध विभाग	8.6.92 - 5.1.93	-

साथ ही, 1.1.90 से 1.7.90 तक कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट में प्रबंधन प्रशिक्षार्थी के रूप में कार्य किया है।

XVIII. योजना के लिए अन्य सेवाएं देने वाले

1. अभिरक्षक

भारतीय स्टॉक धारिता निगम के साथ 17 जनवरी 1994 को हुए करार के अनुसार हमारी सभी योजनाओं और प्लानों का अभिरक्षक भारतीय स्टॉक धारिता निगम है जिसका कार्यालय भित्तल कोर्ट, बी विंग, नरीमन प्वाइंट, मुंबई -400 021 में स्थित है।

अभिरक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे ट्रस्ट की योजनाओं/फंडों/प्लानों की सभी प्रतिभूतियों की सुपुर्वगी लें और उन्हें अपनी अभिरक्षा में रखें। अभिरक्षक प्रतिभूतियों की सुपुर्वगी केवल ट्रस्ट के अनुदेशों के अनुसार और प्रतिफल प्राप्त करने पर ही करेंगे। जब तक ट्रस्ट द्वारा अन्यथा निर्देश न दिया गया हो, अभिरक्षक, एजेंट के रूप में उसके द्वारा धारित प्रतिभूतियों, अन्य आस्तियों की बिक्री, खरीद, अंतरण एवं अन्य लेन-देन से संबंधित अभिरक्षा संबंधी सामान्य कार्यों का पालन करने के लिए सभी गैर विवेकाधीन एवं प्रक्रियात्मक ब्यौरों के लिए सामान्यतया प्राधिकृत होगा।

अभिरक्षक सभी सूचनाएं रिपोर्टें अथवा ट्रस्ट की योजनाओं/फंडों/प्लानों से संबंधित प्रतिभूतियों के वास्तविक सत्यापन एवं मिलान और लेखा परीक्षा के प्रयोजन हेतु ट्रस्ट अथवा ट्रस्ट के लेखा परीक्षकों द्वारा मांगा गया कोई भी स्पष्टीकरण उपलब्ध करावेंगे।

भारतीय स्टॉक धारिता निगम लि. (एसएचसीआईएल) का सेबी रजिस्ट्रेशन नंबर आईएन/सीयूएस/011 है।

एसएचसीआईएल शुल्क की दर इस प्रकार है :

	इलेक्ट्रॉनिक	वास्तविक
डिमांडरियलाजेशन	रु. 5 प्रति प्रमाणपत्र	-
खरीद	कारोबार मूल्य पर 5.5 आधार बिंदु	प्रति डीआईपी रु. 100

बिक्री	कारोबार मूल्य पर 5.5 आधार बिंदु	प्रति डीआईएस रु. 100
अभिरक्षा	अभिरक्षा में आस्ति मूल्य पर 1.5 आधार बिंदु	अभिरक्षा में आस्ति मूल्य पर 8 आधार बिंदु
गैर बाजार खरीद	कारोबार मूल्य पर 5.5 आधार बिंदु	-
गैर बाजार बिक्री	कारोबार मूल्य पर 5.5 आधार बिंदु	-
रीमैटोरियाइजेशन	प्रति प्रमाणपत्र 15 रुपए अथवा परिवर्तन मूल्य के 15 आधार बिंदु, जो भी अधिक हो।	-

2. लेखा परीक्षक

मेसर्स चतुर्वेदी एंड कंपनी, सनवी लेखाकार, 60 बेंटिक स्ट्रीट, कलकत्ता 700 069 एवं मेसर्स बाटलीबॉय एण्ड पुरोहित, सनवी लेखाकार, नेशनल इंश्योरेंस बिल्डिंग, 204, डी.एन. रोड, फोर्ट, मुंबई 400001। योजना के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति आईडीबीआई द्वारा की जाती है और वे प्रत्येक वर्ष बदले जाने के अधीन हैं।

3. रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंट

(i) मेसर्स यूटीआई आईएसएल लि. (सेबी रजिस्ट्रेशन सं. आईएनआर 00000121) को रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया है।

(ii) आवेदन पत्रों की प्रोसेसिंग और बिक्री के पश्चात् सेवाएं रजिस्ट्रार की निम्नलिखित शाखाओं द्वारा प्रदान की जाएंगी :
पश्चिमी अंचल : प्लॉट सं. 369, मरोल मरोशी रोड, मरोल मरोशी बस डिपो के समीप, विजय नगर, अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400059.

पूर्वी अंचल : बॉम्बे म्यूचुअल बिल्डिंग, 4 थी मंजिल, 9, बीटीएम सरणी, ब्रेबोर्न रोड, इंडिया टी बोर्ड के सामने, डलहौसी स्क्वेयर, कलकत्ता 700001.

दक्षिणी अंचल : 45, जस्टिस बशीर अहमद सय्यद बिल्डिंग, दूसरी लाइन बीच, चेन्नई 600 001.

उत्तरी अंचल (उत्तर प्रदेश को छोड़कर): 174/175, 1 ली मंजिल, राजेंद्र भवन, डीडीए, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली 110008.

लखनऊ (केवल उत्तर प्रदेश राज्य के लिए) : शॉप नं. 8 एवं 9, 2 री मंजिल, सरन चैम्बर्स II, नं. 5, पार्क रोड, लखनऊ 226001.

4. संग्रहणकर्ता एवं भुगतानकर्ता बैंक

- यूटीआई बैंक को संग्रहण एवं स्थानीय भुगतान तथा साथ ही सीमित स्थानों पर सम-मूल्य भुगतानों हेतु नियुक्त किया गया है।
- यूटीआई द्वारा समय-समय पर निर्धारित निबंधनों एवं शर्तों पर भारतीय स्टेट बैंक और सेबी के साथ पंजीकृत अन्य बैंकों को संग्रहणकर्ता बैंक और सेबी के साथ पंजीकृत अन्य किसी भी बैंक को भुगतानकर्ता बैंक के रूप में नियुक्त किया जाएगा।
- आवेदन यूटीआई शाखा कार्यालयों, सीआर संग्रहण केंद्रों एवं विशेष बिक्री कार्यालयों में भी स्वीकार किए जाएंगे। ओमान सलतनत में ओमान अंतर्राष्ट्रीय बैंक की चुनी हुई शाखाएं, अनिवासियों से आवेदन पत्रों का संग्रहण करने हेतु नियुक्त की गई हैं। सभी अनिवासी आवेदन प्रमुख रूप से मुंबई कार्यालय द्वारा व्यावहारित तथा संसाधित किए जाएंगे।

बैंकों के मुख्य व्यापार के पते :

भारतीय स्टेट बैंक

(विकास एवं व्यक्तिगत बैंकिंग)

(आईएनबी 100000038)

केंद्रीय कार्यालय, मादाम कामा रोड,

पो. बॉ. नं 10003, मुंबई - 400 021

यूटीआई - बैंक लि.

(आईएनबी 100000017)

केंद्रीय कार्यालय, मेकर टॉवर - 'एफ'

13वीं मंजिल, कफ परेड, कोलाबा,

मुंबई - 400 005.

ओमान अंतर्राष्ट्रीय बैंक**एस.ए.ओ.जी**

1-ए, मितल कोर्ट, नरीमन प्वाइंट,

मुंबई - 400 021

XIX. निवेशकों की शिकायतों का निवारण

1. सभी निवेशक अपनी शिकायतें निवेश संबंधी पूर्ण विवरण देते हुए संबंधित निवेशक संपर्क कक्ष को निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं :

पश्चिमी अंचल :

सुश्री तन्वी उपाध्ये/

श्री प्रकाश सहस्रबुद्धे

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक संपर्क कक्ष,

'जीएन' ब्लॉक, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स

बान्द्रा (पूर्व), मुंबई 400 051

टेली : 652 0850

दक्षिणी अंचल :

सुश्री जयसुधा के

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक संपर्क कक्ष,

यूटीआई हाउस, 29, राजाजी सालै,

चेन्नई-600 001

टेली : 5260146

पूर्वी अंचल :

श्री आर के मंगला

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक संपर्क कक्ष,

4 फेयरली प्लेस, 1 ली मंजिल,

पोस्ट बॉक्स सं. 60

कलकत्ता-700 001

↑

टेली : 243 5947/ 210 7698

उत्तरी अंचल :

श्री डी के गांधी

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

निवेशक संपर्क कक्ष,

हेरोल्ड हाउस, 2री मंजिल,

5ए, बहादुरशाह जफर मार्ग,

नई दिल्ली 110 002

टेली : 332 1801/3315574

2. निवेशकों की शिकायतों, जिनका निवारण किया गया, का रिकॉर्ड

पिछले तीन वर्षों के दौरान प्राप्त शिकायतें, जिनका निवारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, इस प्रकार हैं:

अवधि	शिकायतों की संख्या			कुल प्राप्त में से निवारणाधीन शिकायतें
	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	
01-04-97 से 31-03-98	551929	539318	12611	2.28%
01-04-98 से 31-03-99	287260	274580	12680	4.41%
01-04-99 से 31-03-2000	265331	257702	7629	2.88%

01-07-99 से 30-06-2000 तक की अवधि के लिए प्राप्त शिकायतों की संख्या, जिनका निवारण किया गया और जो निवारणाधीन हैं, उनका योजनावार विवरण नीचे दिया गया है :

योजना	शिकायतों की संख्या			कुल प्राप्त में से निवारणाधीन शिकायतें %
	प्राप्त शिकायतें	जिनका निवारण किया गया	निवारणाधीन	
सीसीसीएफ	697	683	14	2.01%
सीजीजीएफ	8331	8240	91	1.09%
सीजीएस -83	15	15	0	0.00%
सीजीयूएस-91	27	26	1	3.07%
सीआरटीएस	379	371	8	2.11%
डीआईपी-91	845	839	6	0.71%
डीआईयूपी-93	1671	1665	6	0.36%

डीआईयूपी-95	177	174	3	1.69%
डीआईयूएस-90	110	110	0	0.00%
डीआईयूएस-91	25	24	1	4.00%
डीआईयूएस-92	42	42	0	0.00%
ईओएफ	63	57	6	9.52%
ईटीएस प्लान	167	146	21	12.57%
जीसीजीआई	2468	2412	56	2.27%
जीएमआईएस-91	463	442	21	4.54%
जीएमआईएस-92 (I)	77	75	2	2.60%
जीएमआईएस-92 (II)	339	337	2	0.59%
जीएमआईएस-बी-92	654	654	0	0.00%
जीएमआईएस-बी-92(II)	164	163	1	0.61%
ग्रैंडमास्टर-93	710	689	21	2.96%
गृहलक्ष्मी यूनिट प्लान	1296	1257	39	3.01%
आवास यूनिट योजना	23	23	0	0.00%
आईईएफ-97	12	12	0	0.00%
आईआईएसएफयूएस 95,96,97	8	8	0	0.00%
मास्टर इंडेक्स फंड	228	224	4	1.75%
मास्टर वेल्यु यूनिट प्लान	4	4	0	0.00%
मास्टरगेन-92	42992	39593	3399	7.91%
मास्टरग्रोथ-93	7552	7245	307	4.07%
मास्टरप्लस-91	51656	50867	789	1.53%
मास्टरशेयर-86	18327	16957	1370	7.48%
एमईपी-91	1710	1686	24	1.40%
एमईपी-92	8748	8545	203	2.32%
एमईपी-93	5663	5559	104	1.84%
एमईपी-94	5676	5570	106	1.87%
एमईपी-95	5339	5259	80	1.50%
एमईपी-96	1813	1806	7	0.39%
एमईपी-97	166	163	3	1.81%
एमईपी-98	98	98	0	0.00%
एमईपी-99	55	55	0	0.00%
एमआईपी 2000	393	365	28	7.12%
एमआईपी-93	786	777	9	1.15%
एमआईपी-94(I)	315	307	8	2.54%
एमआईपी-94(II)	511	500	11	2.15%
एमआईपी-94(III)	1869	1838	31	1.66%
एमआईपी-95	547	538	9	1.65%
एमआईपी-95(II)	474	459	15	3.16%
एमआईपी-95(III)	401	395	6	1.50%
एमआईपी-96	254	248	6	2.36%
एमआईपी-96(II)	616	610	6	0.97%
एमआईपी-96(III)	498	488	10	2.01%
एमआईपी-96(IV)	7303	7099	204	2.79%
एमआईपी-97	713	694	19	2.66%
एमआईपी-97(II)	907	895	12	1.32%
एमआईपी -97(III)	1294	1195	99	7.65%

एमआईपी -97(IV)	984	969	15	1.52%
एमआईपी -97(V)	294	294	0	0.00%
एमआईपी 98	1500	1422	78	5.20%
एमआईपी -98(II)	755	744	11	1.46%
एमआईपी -98(III)	7086	6816	270	3.81%
एमआईपी -98(IV)	1014	1010	4	0.39%
एमआईपी -98(V)	5675	5648	27	0.48%
एमआईपी -99(I)	1088	1066	22	2.02%
एमआईपी -99(II)	821	784	37	4.51%
एमआईएस-बी-93	256	253	3	1.17%
एमआईएसजी-90(I)	493	444	49	9.94%
एमआईएसजी-90(II)	1497	1488	9	0.60%
एमआईएसजी-91	1667	1658	9	0.54%
मनी मार्केट म्यूचुअल फंड	4	3	1	25.00%
एनआरआई फंड	67	65	2	2.99%
निफ्टी फंड	64	64	0	0.00%
ओमनी-प्लान	10	10	0	0.00%
प्राइमरी इक्विटी फंड	1065	1046	19	1.78%
राजलक्ष्मी यूनिट प्लान	2318	2267	51	2.20%
सेवानिवृत्ति लाभ प्लान	1380	1344	36	2.61%
वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान	354	343	11	3.11%
यूजीएस-10000	696	686	10	1.44%
यूजीएस-2000	2595	2550	45	1.73%
यूजीएस-5000	2108	2067	41	1.94%
यूलिप	11432	11132	300	2.62%
यूएस -64	36758	36116	642	1.75%
यूएस -92	836	825	11	1.32%
यूएस -95	1	1	0	0.00%
यूटीआई बॉण्ड फंड	590	556	34	5.76%
यूटीआई जी-सेक फंड	289	237	52	17.99%
यूटीआई -जीएसएफ	1235	1146	89	7.21%
कुल	270603	261557	9046	3.34%

(iii) शिकायतें लंबित रहने के कारण :

- (क) संग्रहणकर्ता बैंकों से आवेदन पत्र/निधियों का प्राप्त न होना।
- (ख) आवेदन पत्र में निवेशक के पते, नाम और हस्ताक्षर सहित अपूर्ण विवरण
- (ग) निवेशक के पते में हुए परिवर्तन को सूचित नहीं किया जाना / अद्यतन नहीं किया जाना।
- (घ) मार्ग में ही खो जाना।
- (ङ) डाक सेवा में विलंब
- (च) अंतरण / मृत्यु दावों / पुनर्खरीद के मामलों में अपेक्षित दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं कराया जाना।
- (छ) शिकायतें भेजते समय अपूर्ण ब्यौरा
- (ज) कमीशन प्राप्त न होना / विलंब से प्राप्त होना
- (झ) पत्रों / दस्तावेजों को गलत कार्यालय / रजिस्ट्रार को भेजा जाना।

XX. जुर्माना, लंबित मुकदमा, निरीक्षणों / जांच-पड़तालों के महत्वपूर्ण निष्कर्ष

1. भारतीय यूनिट ट्रस्ट / न्यासी मंडल या न्यासियों या मुख्य कर्मों में से किसी (विशिष्टतः निधि प्रबंधक) के प्रति सेबी अधिनियम या उसकी कोई विनियमों के अंतर्गत सेबी द्वारा या किसी स्टॉक एक्सचेंज द्वारा (जहां यूटीआई की योजना की यूनिटें सूचीबद्ध हैं) जुर्माना लगाने का कोई मामला नहीं है।
2. न्यासी मंडल या न्यासियों या मुख्य कर्मों सहित भारतीय यूनिट ट्रस्ट के व्यापार से संबंधित कोई महत्वपूर्ण मुकदमे की कार्यवाही लंबित नहीं है। भारतीय यूनिट ट्रस्ट, न्यासी मंडल या न्यासियों या मुख्य कर्मों के प्रति कोई अपराधिक मामला लंबित नहीं है।
3. न तो सेबी और न ही किसी अन्य नियामक एजेंसी ने भारतीय यूनिट ट्रस्ट के परिचालनों या सिस्टम्स में किसी कमी को पेशकश दस्तावेज में दर्शाए जाने की विशेष रूप से सलाह दी है।
4. भारतीय यूनिट ट्रस्ट, न्यासी मंडल / न्यासी या मुख्य कर्मों के प्रति सेबी अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए विनियमों के अधीन कोई पूछताछ / अधिनिर्णय की कार्यवाही नहीं है।

XXI. संक्षिप्त वित्तीय जानकारी

पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रारंभ की गई सभी योजनाओं हेतु वर्ष 1996-97, 1997-98 एवं 1998-99 तथा 31/12/1999 को समाप्त छमाही के लिए संक्षिप्त वित्तीय जानकारी संलग्न है।

भारतीय यूनिट ट्रस्ट
के न्यासी मंडल के लिए
और की ओर से

ह/-
(बी.जी. डागा)
कार्यपालक निदेशक
व्यवसाय विकास एवं विपणन

स्थान : मुंबई
दिनांक : 10-07-2000

संक्षिप्त वित्तीय जानकारी

(i) पूर्ववर्ती प्रति यूनिट आंकड़े

योजना (आबटन की तिथि)	एमएमएमएफ 23-04-97)EE				एमआईपी 96 (III) (01.10.96)				डीआईपी-91 (15.10.96)			
	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99
1 वर्ष के आरम्भ में एनएवी	10.00	10.17	11.2316	12.47	10.00	f11.51 ₹10.21	f13.30 ₹10.13	f15.70 ₹10.06	10.00	@10.60 \$11.42 &11.38	@9.21 \$12.65 &12.59	@10.24 \$13.43 &15.77
2 शुद्ध आय प्रति यूनिट	0.14	0.74	0.70	0.80	0.90	1.44	1.32	0.81	1.18	1.41	1.45	0.96
3 आय वितरण (%) प्र. व.	-	-	-	-	15.00	#13.00	£10.75	10.75	15.00	15.00	£10.85 \$28.00	@10.85 \$28.00
4 प्रशिक्षितों में अन्तर्ग (यदि कोई हो)		0.79	0.70	0.80	-0.08	0.37	0.39	0.35	0.75	1.17	1.00	0.71
5 वर्ष के अंत में एनएवी	10.17	11.2316	12.4685	13.08	f11.51 ₹10.21	f13.30 ₹10.13	f15.17 ₹10.06	f16.81 ₹10.41	@10.60 \$11.42 &11.38	@9.21 \$12.65 &12.59	@10.24 \$13.43 &15.77	@10.52 \$12.37 &18.09
6 वार्षिकीकृत आय (%)	₹11.70	10.41	10.62		₹15.10 ₹13.25	f17.75 ₹16.58	f16.39 ₹15.18	f17.33 ₹15.62	₹16.63 \$14.20 &13.80	@10.87 \$14.77 &14.45	@15.59 \$19.75 &18.33	@15.75 \$17.46 &20.27
7 अवधि के अंत में शुद्ध आस्तिया (रु. करोड़ में)	37.99	105.39	302.29	202.5984	416.50	413.56	429.10	436.39	241.41	254.44	291.70	320.45
8 शुद्ध आस्तिया में आवर्ती व्यय का अनुपात (%)	0.001	0.002	0.11	0.27	0.008	0.010	1.04	0.52	0.007	0.009	0.82	0.37

योजना (आबंटन की तिथि)	आईआईएसएफवूएस-96 (01.01.97)				एसआईपी 96 (IV) (01.01.97)				एसआईपी -97 (31.03.97)			
	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99
1. वर्ष के आरंभ में एनएवी	10.00	11.09	10.60	10.85	10.00	f11.03 ¶10.21	f12.01 ¶9.45	f14.06 ¶9.66	10.00	12.09	9.70	11.67
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	1.01	1.42	1.59	1.07	0.67	1.31	1.34	0.66	0.11	0.71	-1.88	1.27
3. आय वितरण (%) प्र.व.	16.00	16.00	14.00	14.00	15.00	#13.00	£10.75	10.75	--	--	--	--
4. प्रारक्षितों में अंतरण (यदि कोई हो)	0.05	-0.16	0.15	0.37	0.02	0.27	0.52	0.25	--	0.82	-1.87	1.27
5. वर्ष के अंत में एनएवी	11.09	10.60	10.85	12.00	f11.03 ¶10.21	f12.01 ¶9.45	f14.06 ¶9.66	f15.55 ¶9.99	12.09	9.70	11.67	*14.98
6. वार्षिकीकृत आय (%)	Ψ18.90	20.04	18.59	21.00	Ψf 10.30 ¶9.60	f13.05 ¶11.97	f14.65 ¶13.53	f15.87 ¶14.30	Ψ20.90	-2.37	7.11	15.84
7. अवधि के अंत में शुद्ध आस्तियां (रु. करो)	206.50	174.06	178.07	197.54	891.29	841.61	888.93	929.93	88.69	71.14	85.55	110.96
8. शुद्ध आस्तियों में आकर्षी व्यय का अनुपात	0.003	0.003	0.29	0.13	0.007	0.011	1.06	0.52	0.006	0.011	0.95	0.50

योजना (आबंटन की तिथि)	एमआईपी-97 (01.05.97)				एमआईपी-97(II) (01.07.97)				आईआईएसएफयूएस-97 (01.07.97)			
	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99
1. वर्ष के आरम्भ में एनालक	10.00	f10.09 ¶9.85	f9.31 ¶9.06	9.17 8.59	10.00	10.09	f9.50 ¶9.25	f9.50 ¶8.73	10.00	10.14	9.48	9.74
2. शुद्ध आय प्रति युनिट	0.25	1.02	0.51	1.22	0.11	1.08	0.69	1.22	0.12	1.07	1.40	1.36
3. आय वितरण (% प्र. व.)	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	15.00	15.00	15.00	15.00
4. प्राप्ति में अंतरण (यदि कोई हो)	-0.06	-0.29	-0.86	0.78	0.03	-0.08	-0.75	0.87	--	-0.49	-0.25	1.34
5. वर्ष के अंत में एनएवी	f10.18 ¶9.85	f9.31 ¶9.06	f9.17 ¶8.59	10.59 9.05	10.09	f9.50 ¶9.25	f9.50 ¶8.73	f11.31 ¶9.51	10.14	9.48	9.74	11.62
6. वार्षिकीकृत आय (%)	Ψ f0.90 ¶0.83	f5.00 ¶6.40	f8.71 ¶8.33	12.94 11.47	--	f5.65 ¶6.96	f10.20 ¶8.45	f15.87 ¶13.03	--	9.05	13.80	18.15
7. अवधि के अंत में शुद्ध आम्निया (रु. करोड़ में)	1195.73	1118.75	1145.98	1261.64	1462.16	1478.46	1545.74	1771.24	685.15	640.48	666.05	805.70
8. शुद्ध आम्नियों में अन्तर का अनुपात (%)	0.006	0.012	1.13	0.50	0.001	0.011	1.05	0.46	0.000	0.005	0.43	0.18

योजना (राज्य की तिथि)	आईएफ (01.08.97)				एमआईपी-97(III) (01.09.97)			एमआईपी-97(IV) (01.11.97)		
	1996-97	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99
1 वर्ष के आरम्भ में एनएवी	10.00	10.00	9.33	14.94	--	f9.70 ₹9.38	f9.98 ₹9.40	--	f9.99 ₹9.53	f10.36 ₹9.67
2 शुद्ध आय प्रति यूनिट	0.00	0.00	1.14	1.38	0.84	1.02	1.28	0.81	0.89	0.99
3 आय वितरण (%) प्र.व.	--	--	--	--	13.00	13.00	13.00	12.50	12.50	12.50
4 प्राशिक्षितों में अंतरण (यदि कोई हो)	--	0.10	1.15	1.39	-0.26	-0.31	0.78	0.01	-0.34	0.60
5 वर्ष के अंत में एनएवी	10.00	9.33	14.94	*19.56	f9.70 ₹9.38	f9.98 ₹9.40	f11.63 ₹10.10	f9.99 ₹9.53	f10.36 ₹9.67	f11.61 ₹10.08
6 वार्षिकीकृत आय (%)	--	-6.70	23.26	30.61	Ψ f 4.81 ₹4.63	f11.85 ₹10.51	f16.58 ₹14.23	Ψ f5.41 ₹3.64	f13.72 ₹11.27	f16.33 ₹13.62
7 अवधि के अंत में शुद्ध आस्तियां (रु. करोड़ में)	31.28	30.91	49.48	65.76	829.79	873.84	965.19	924.40	997.61	1075.42
8 शुद्ध आस्तियों में आवर्ती व्यय का अनुपात (%)	0.001	0.017	1.13	0.41	0.011	1.04	0.50	0.007	0.74	0.38

योजना (आइटम की तिथि)	एमआईपी-97 (v) (01.01.98)			एमआईपी-98 (31.03.98)			आईआईएसएफयूस-97(II) (01.02.98)			एमआईपी-98 (01.04.98)			एमआईपी-98(II)(01.07.98)			एनआरआई फंड (01.05.98)		
	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99
1 वर्ष के आरंभ में एनएवी		f9 98 □ 10 27 ¶ 9 71	f10 08 □ 10 29 ¶ 9 64		8 35	11 59	--	9 74	10 14		f9 81 □ 9 74 ¶ 9 48	f10 41 □ 10 33 ¶ 10 09			f10 53 □ 10 06 ¶ 10 21		Δ 9 94	f10 94 □ 10 92
2 शुद्ध आय प्रति यूनिट	0 70	0 65	0 88	0 23	1 16	3 02	0 60	1 00	1 05	0 31	1 11	0 67	12 50	0 97	0 99	0 04	1 19	1 12
3 आय वितरण (%) प्र व	11 75	11 75	¶ 11 75	--	--	--	12 75	12 75	12 75	12 50	12 50	f10 3 25	0 07	12 50	□ f 13 25	13 50	13 50	13 50
			□ 12 40									¶ 12 50			¶ 12 50			
4 प्रारंभिक म अंतरण (यदि कोई हो)	0 27	0 55	0 25	0 23	1 13	3 02	0 07	0 39	1 04	0 02	-0 11	0 30	9 75	-0 28	0 28	0 06	0 15	1 13
5 वर्ष के अंत में एनएवी	f9 98 □ 10 27 ¶ 9 71	f10 08 □ 10 29 ¶ 9 64	f11 73 □ 10 48 ¶ 10 47	8 35	11 59	*15 91	9 74	10 14	11 29	f9 81 □ 9 74 ¶ 9 48	f10 41 □ 10 33 ¶ 10 09	f10 75 □ 10 67 ¶ 10 09		f10 53 ¶ 10 21 □ 10 06	f11 59 □ 11 07 ¶ 10 47	Δ 9 94	f10 94 □ 10 92	f11 55 □ 11 53
6 वार्षिकीकृत आय (₹)	ψ f1 86 □ 2 70 ¶ 2 97	f10 22 □ 10 40 ¶ 9 98	f16 03 □ 14 66 ¶ 14 73	ψ 16 50	12 53	30 43	ψ 2 10	13 47	15 85	ψ f -2 60 □ -1 90 ¶ -2 07	f14 11 □ 13 39 ¶ 14 03	f11 89 □ 11 55 ¶ 11 44		f15 65 □ 13 89 ¶ 15 51	f17 41 □ 16 01 ¶ 16 41	ψ 0 60	f22 21 □ 21 05	f17 49 □ 17 08
7 अवधि के अंत में शुद्ध अस्तित्व (₹ करांड म)	475 12	490 53	536 11	18 06	25 12	37 99	656 31	688 35	777 37	928 05	1019 42	1014 39	770 12	901 65	962 64	63 45	75 97	80 22
8 शुद्ध अस्तित्वों में आवर्ती व्यय का अनुपात (₹)	0 008	1 02	0 48	0 012	2 63	0 69	0 004	0 41	0 19	0 01	1 03	0 56		1 03	0 49	0 01	0 91	0 41

योजना (आबंटन की तिथि)	आईआईएसएफयूएस-98(01.06.98)			यूजीएस 10000 (01.06.98)₹₹			यूबीएफ (18.06.98)₹₹			एमबीयूपी (01.07.98)		एमआईएफ ₹₹ (01.06.98)	
	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99	1997-98	1998-99	31.12.99	1998-99	31.12.99	1998-99	31.12.99
1. वर्ष के आरम्भ में एनएवी	--	9.64	10.23	--	9.57	14.08	--	9.93	11.58	10.00	14.34	9.89	12.75
2. शुद्ध आय प्रति यूनिट	0.08	1.26	1.11	- 0.41	1.29	2.09	- 0.07	0.74	0.56	0.76	0.69	0.09	3.41
3. आय वितरण (%) प्र.व	13.50	13.50	13.50	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
4. प्रारक्षितो में अंतरण (यदि कोई हो)	- 0.18	-0.22	1.12	- 0.41	1.28	2.10	- 0.07	0.76	0.56	0.76	0.69	0.17	3.41
5. वर्ष के अंत में एनएवी	9.64	10.23	11.95	9.57	14.08	*18.12	9.93	11.58	12.09	14.34	*22.50	12.75	*15.08
6. वार्षिकीकृत आय (%)	Ψ-2.48	15.75	21.36	Ψ-4.30	37.66	54.46	Ψ-0.70	13.53	11.66	43.40	71.96	25.38	31.60
7. अवधि के अंत में शुद्ध अस्तित्व (रु. करोड़ में)	944.49	1007.21	1205.03	67.40	131.00	147.19	136.39	690.50	999.79	143.59	233.11	198.01	168.02
8. शुद्ध अस्तित्वों में आवर्ती व्यय का अनुपात (%)	0.00	0.41	0.18	0.05	2.08	1.18	0.01	1.10	0.81	1.19	0.36	2.14	0.89

योजना (आइटम की विधि)	एसआईएफ (08 07 98)		एसआईएफ III (01 09 98)		एसआईएफ IV (01 12 99)		आईआईएसएफएस 98 (II) (01 01 99)		एसआईएफ V (01 02 99)		एसवीपी 99 (31 03 99)		जीएसएफ-ब्राउड (27 05 99)EE	जीएसएफ-फार्म (27 05 99)EE	जीएसएफ-सॉफ्टवेयर (27 05 99)EE	जीएसएफ-पेटेंट (27 05 99)EE	जीएसएफ-सर्विस (27 05 99)EE	जी-सेक फंड (27 05 99)EE	एसआईपी 99 (01 06 99)
	1998-99	31 12 99	1998 99	31 12 99	1998-99	31 12 99	1998-99	31 12 99	1998-99	31 12 1999	1998-99	31 12 99	31 12 99	31 12 99	31 12 99	31 12 99	31 12 99	31 12 99	31 12 99
1 नव क भारत में प्रगति	9 89	11 33		f10 80		f10 83		10 40		f10 33		11 76	10 07	9 94	10 08	9 99	9 99		10 09
				□ 11 63		□ 11 26				□ 10 53									
				¶10 21		¶10 41				¶ 9 96									
2 बुद्धि और प्रति प्रतिष्ठित	1 31	0 51	1 10	0 86	0 90	1 40	0 92	0 99		0 73	0 47	7 68	7 15	0 95	5 43	1 55	8 77	0 47	0 81
3 आय विवरण (1/2) ब्र ब			17 50	□ f13 25	17 50	□ f13 25	14 00	14 00		□ f13 35									f11 26
				¶12 50		¶12 50				¶12 50									¶10 75
4 प्राकृतिक व भरण (वर्धन 2/2)	1 34	0 50	0 76	0 26	0 78	0 28	0 02	0 99		0 49	0 47	7 68	2 07	-0 94	5 47	1 54	9 08	0 32	0 62
5 वर्ष के 31 व जनवरी	11 3	11 76		f10 80	f12 02	f10 83	f12 19	f10 30	f11 99	f10 33	f11 44	11 76	*75 11	*11 85	*1 6	*72 00	*0 99	*17 77	104 81
				□ 11 63	□ 11 24	□ 11 26	□ 11 04	¶10 30	¶11 95	□ 10 53	□ 11 67								f11 74
				¶10 21	¶10 61	¶10 41	¶10 91			¶9 96	¶10 28								11 72
6 वार्षिकीय आय (1/2)	1 30	12 28		¶ f16 10	f21 22	¶ f16 42	f24 77	¶ f10 00	28 38	¶ f5 46	¶ f16 79	¶ 12 60	¶ 151 00	¶ 18 50	¶ 33 60	¶ 120 00	¶ 4 10	¶ 77 70	¶ f17 40
				□ 16 30	□ 19 27	□ 12 60	□ 21 87	¶10 20	27 49	□ 5 30	□ 16 70								17 20
				¶13 18	¶17 98	¶11 39	¶22 07			¶4 81	¶14 28								¶14 68
अवधि के अंत में बुद्धि आय (रु. करोड़ में)	0 75	0 79	14 9 35	1501 62	948 89	998 44	11 8 06	1359 77	887 0	95 00	5 91	8 46	19 58	79	781 67	8 15	11 86	315 38	3122 21
8 नूतन आयिको व आयिकी व्यय का अनुमान (1/2)	1 90	7 27	0 98	0 49	0 78	0 51	0 30	0 70	0 59	0 54	1 09	0 98	1 76	95	1 14	1 79	0 75	0 39	0 51

f मधुरी विकास

g पूर्ण वृद्धि विकास

4' इन योजनाओं में 40 नून / दसवें का एक वर्ष की अवधि पूर्ण नहीं की है अतः इनकी आय वार्षिकीय नहीं है।

5 आयिकीय आय विकास

6 निमात्री विकास

जनवरी 1999 तक 7 1999

11) गेट की योजनाओं द्वारा उधार/दान की कोई शर्त नहीं है।

□ वार्षिक आय विकास

¶ अ-मधुरी विकास

31 03 98 तक 15%

£ 31 03 1999 तक 13%

EE व सलग बुद्धि योजनाएं हानि के कारण इनकी प्रारंभ की तिथि दी गई है।

△ एकल एसवीपी परिवर्तित की गई है।

पूर्ववर्ती आंकड़े प्रति यूनिट

योजनाएं	31.07.2000 को एनएवी	वार्षिकीकृत आय (%)
यूबीएफ	12.79	11.58%
एसआईएफ @	12.54	11.66%
आईआईएसएफयूएस-96@	11.14	17.49%
आईआईएसएफयूएस-97@	9.74	13.98%
आईआईएसएफयूएस-97(II)@	9.75	11.33%
आईआईएसएफयूएस-98@	9.70	11.84%
आईआईएसएफयूएस-98(II)@		
- संचयी विकल्प	10.02	4.55%
- आय विकल्प	9.99	9.10%
यूएनएफ@		
- संचयी विकल्प	10.67	2.94%
- वार्षिक विकल्प	10.71	8.80%
एमएमएमएफ \$	13.8651	9.68%
एमआईपी-97*	11.71	4.78%
एमआईपी-98*	12.64	10.34%
एमआईपी-99*	22.13	90.67%
ईटीएमपी*	11.39	21.40%
यूजीएम-10000*	11.50	14.92%
आईआईएफ*	17.42	19.30%
एमवीयूपी*	16.00	24.71%
एमआईएफ*	13.09	13.48%
एमआईपी-96(III)		
- असंचयी विकल्प	10.12	14.20%
- संचयी विकल्प	17.51	15.73%
एमआईपी-96(IV)		
- असंचयी विकल्प	9.60	12.72%
- संचयी विकल्प	16.01	14.03%
एमआईपी-97		
- असंचयी विकल्प	9.06	12.23%
- संचयी विकल्प	10.03	13.41%
एमआईपी-97(II)		
- असंचयी विकल्प	8.94	12.04%
- संचयी विकल्प	10.11	13.66%
एमआईपी-97(III)		
- असंचयी विकल्प	9.25	11.34%
- संचयी विकल्प	10.08	12.51%
एमआईपी-97(IV)		
- असंचयी विकल्प	9.42	11.22%
- संचयी विकल्प	10.32	12.91%

योजनाएं	31.07.2000 को एनएवी	वार्षिकीकृत आय (%)
एमआईपी-97(V)		
- मासिक विकल्प	9.70	11.28%
- संचयी विकल्प	10.34	11.78%
- वार्षिक विकल्प	10.51	11.70%
एमआईपी-98		
- मासिक विकल्प	9.70	11.97%
- संचयी विकल्प	10.20	12.17%
- वार्षिक विकल्प	10.13	12.05%
एमआईपी-98(II)		
- मासिक विकल्प	9.06	8.66%
- संचयी विकल्प	9.52	8.41%
- वार्षिक विकल्प	8.86	7.48%
एमआईपी-98(III)		
- मासिक विकल्प	9.60	11.13%
- संचयी विकल्प	10.32	12.64%
- वार्षिक विकल्प	11.08	12.61%
एमआईपी-98(IV)		
- मासिक विकल्प	10.20	14.44%
- संचयी विकल्प	10.76	15.41%
- वार्षिक विकल्प	11.18	15.05%
एमआईपी-98(V)		
- मासिक विकल्प	9.68	11.06%
- संचयी विकल्प	10.33	12.58%
- वार्षिक विकल्प	10.53	12.53%
एमआईपी-99		
- मासिक विकल्प	9.99	12.44%
- संचयी विकल्प	10.54	15.23%
- वार्षिक विकल्प	11.63	16.30%
डीआईपी-91		
- तिमाही आय विकल्प	9.95	13.38%
- आस्थगित विकल्प	10.36	13.63%
- वृद्धि विकल्प	17.67	16.17%
एमआईपी-99(II)#		
@		
- मासिक विकल्प	9.45	1.50%
- संचयी विकल्प	10.17	1.70%
- वार्षिक विकल्प	10.17	1.70%
एमआईपी-2000 #		
@		
- मासिक विकल्प	8.50	-10.73%
- संचयी विकल्प	9.01	-9.90%
- वार्षिक विकल्प	9.01	-9.90%

@ 26.07.2000 को एनएवी,

* 16.08.2000 को एनएवी, 23.08.2000 को एनएवी

इन योजनाओं ने एक वर्ष पूर्ण नहीं किया है, इसलिए आय वार्षिकीकृत नहीं है।

XXII विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) के अंतर्गत आम्बासित आय वाली योजनाओं के संबंध में विवरण यथा दिनांक 30.06.2000

(रुपए करोड़ में)

योजना का नाम	अवधि	आम्बासित आय की दर %	निवेशयोग्य निधियां यथा 30.06.2000	शुद्ध आय	आय वितरण	प्रारक्षित निधि यथा 30.06.2000
से	तक					
एमआईपी 97	01.05.97	30.06.97	14.00	28.95	35.37	
	01.07.97	30.06.98		124.49	153.57	
	01.07.98	30.06.99		66.55	159.10	
	01.07.99	30.06.2000		1364.29	342.84	207.02
						-37.8
एमआईपी 97 II	*	30.06.97		15.29	19.54	
	01.07.97	30.06.98	14.00	170.34	184.33	
	01.07.98	30.06.99		116.33	200.71	
	01.07.99	30.06.2000		1835.13	412.52	271.98
						-24.63
आईआईएसएफयूस 97	*	30.06.97		7.91	14.77	
	01.07.97	30.06.98	15.00	72.57	98.89	
	01.07.98	30.06.99		95.88	113.89	
	01.07.99	30.06.2000		821.90	185.52	126.93
						7.73
एमआईपी 97 III	*	30.06.97		0.00	0.21	
	01.07.97	30.06.98	13.00	73.40	96.86	
	01.07.98	30.06.99		92.48	108.55	
	01.07.99	30.06.2000		970.17	192.82	134.07
						6.99
एमआईपी 97 IV	01.11.97	30.06.98	12.50	76.69	75.57	
	01.07.98	30.06.99		88.62	111.72	
	01.07.99	30.06.2000		1048.31	183.95	142.42
						-16.87
एमआईपी 97 V	01.01.98	30.06.98	11.75	33.33	20.53	
	01.07.98	30.06.99		31.93	47.94	
	01.07.99	30.06.2000		527.83	109.83	66.31
						14.67
आईआईएसएफयूस 97 II	01.02.98	30.06.98	12.75	40.68	45.58	
	01.07.98	30.06.99		67.52	96.04	
	01.07.99	30.06.2000		792.94	150.16	107.06
						8.88
एमआईपी 98	01.04.98	30.06.98	12.50	30.02	31.59	
	01.07.98	30.06.99		110.70	111.79	
	01.07.99	30.06.2000		1014.88	175.00	142.23
						48.80
आईआईएसएफयूस 98	01.06.98	30.06.98	13.50	8.16	25.85	
	01.07.98	30.06.99		123.95	147.51	
	01.07.99	30.06.2000		1168.43	184.98	166.15
						-20.89
एनआरआई फंड	01.06.98	30.06.98	13.50	0.25	0.65	
	01.07.98	30.06.99		8.30	8.81	
	01.07.99	30.06.2000		75.53	14.52	9.38
						3.69

एमआईपी 98 (II)	*	30.06.98		2.42	8.19	
	01.07.98	30.06.99	12.50	85.04	109.96	
	01.07.99	30.06.2000		896.03	143.28	130.42
						-8.79
एमआईपी 98 (III)	01.09.98	30.06.99	12.50	147.41	113.07	
	01.07.99	30.06.2000		1417.01	273.04	192.12
						108.80
एमआईपी 98 (IV)	01.12.98	30.06.99	12.50	79.70	55.28	
	01.07.99	30.06.2000		981.71	211.35	126.42
						86.14
आईआईएमएफयुएम 98 (II)	01.01.99	30.06.99	14.00	103.88	106.57	
	01.07.99	30.06.2000		1308.27	179.75	194.19
						-17.13
एमआईपी 98 (V)	01.07.99	30.06.99	12.50	29.48	29.65	
	01.07.99	30.06.2000		873.21	140.62	127.28
						2.30
सीजीडीएफ 86	01.07.98	30.06.99	14.00	210.77	502.33	
	01.07.99	30.06.2000		3721.59	518.24	575.58
						-606.61
आयुपी 94 (II)	01.07.98	30.06.99 20 वर्षों में 15000 रुपए		31.63	0.00	--
		21000 रुपए बन जाते हैं				
	01.07.99	30.06.2000		611.92	99.19	204.80
एमआईपी 99	01.06.99	30.06.99	10.75	23.59	30.52	
	01.07.99	30.06.2000		2707.20	374.41	147.29
						193.00
सीजीडीएफ 86 (पुनरांश)	01.07.98	30.06.99	12.00	-2.63	1.31	
	01.07.99	30.06.2000		320.80	33.04	24.37
						-7.32
आयुपी 99 (पुनरांश)	01.07.98	30.06.99 20 वर्षों में 15000 रुपए		-1.91	0.00	
		15000 रुपए बन जाते हैं				
	01.04.99	30.06.2000		146.11	7.24	5.33
एमआईपी 99-II \$	01.07.99	30.06.2000	10.50	1314.29	121.58	41.53
						-2.09
एमआईपी 2000 \$	01.02.2000	30.06.2000	10.25	1386.89	88.02	36.33
						-59.87
योग :				26268.96		

* प्रारंभिक बिल्ली अवधि से।

१. आय बिलिंग आम्बामित नहीं है, याजना में निवेशित पूंजी को परियोजना पर सुरक्षित रखा जाता है।



भारतीय यूनिट ट्रस्ट

कापोरिट कार्यालय

13, सर विट्ठलदास ठाकरसी मार्ग (न्यू मरीन लाईन्स), मुंबई-400 020. टेलि : 206 8468.

आंचलिक कार्यालय

- पश्चिमी अंचल : यूटीआई टॉवर, 'जीएन' ब्लॉक, बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई-400 051. टेलि : 6520850.
 ● पूर्वी अंचल : 4, फेयरली प्लेस, पहली मंजिल, पोस्ट बॉक्स नं. 60, कलकत्ता-700 001. टेलि : 2107699/7701. ● दक्षिणी अंचल : यूटीआई हाउस, 29, गजाजी सलाई, चेन्नई-600 001. टेलि : 5210356 - 59 ● उत्तरी अंचल : जीवन भारती (मेगा सेन्टर), 124, 13वीं मंजिल, टावर II, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-110 001. टेलि : 3329868 / 3731401.

पश्चिमी अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

मुंबई मुख्य शाखा कार्यालय

कॉमर्स सेंटर -1, 29 वीं मंजिल, कफ परेड, कुलाबा, मुंबई-400 005 • टेलि. 218 1600 / 218 1254

शाखाएं जहां आवेदन पत्र भेजे जा सकते हैं

अहमदाबाद : यूटीआई हाऊस, मिथाखट्टी रेलवे पुल के समीप, आश्रम रोड के सामने, अहमदाबाद-380009. टेलि : 6583864 / 6583043. • बड़ौदा : मेघधनुष, चौथी और पांचवीं मंजिल, ट्रान्स्पेक सर्कल, रेस कोर्स मार्ग, बड़ौदा-390015. टेलि : 332481. • भोपाल : पहली मंजिल, गंगाजमुना कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 202, महाराणा प्रताप नगर, अंचल-1, स्कीम 13, हबीब गज. भोपाल-462001. टेलि : 558 308. • इन्दौर : सिटी सेंटर, दूसरी मंजिल, 570, एम जी मार्ग, इन्दौर-452001 टेलि : 535607, कोल्हापुर : अयोध्या टावर्स, सी एम नं. 511, केएच-1/2, 'ई' वार्ड, दाबोलकर कार्निर, स्टेशन मार्ग, कोल्हापुर-416001. टेलि : 657315. • मुंबई : (1) यूनिट मं. 2, ब्लॉक 'बी', जेवीपीडी स्कीम, गुलमोहर क्रॉस मार्ग नं. 9, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई - 400049 टेलि : 6201995. • मुंबई : (2) लोटस कोर्ट बिल्डिंग, 196, जमशेदजी टाटा मार्ग, बैंकबे रिवलमेशन, मुंबई-400020. टेलि : 2850821/ 822 (मुंबई मुख्य शाखा कार्यालय के लिए). • मुंबई : (3) श्रद्धा शॉपिंग आर्केड, पहली मंजिल, एस वी मार्ग, बोरिवली (पश्चिम), मुंबई-400092. टेलि : 8980521. • मुंबई : (4) मांगर बोनांजा, पहली मंजिल, खोत लेन, घाटकोपर (पश्चिम), मुंबई- 400086. टेलि : 5162256. • नागपुर : श्री मोहिनी कॉम्प्लेक्स, तीसरी मंजिल, 345, सरदार वल्लभभाई पटेल मार्ग, किंग्सवे, नागपुर-440001. टेलि : 536893. • नासिक : सारवा संकुल, दूसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, नासिक-422001. टेलि : 572166. • पणजी : ई.डी.सी. हाऊस, भूतल, डॉ. ए बी मार्ग, पणजी, गोवा-403001. टेलि : 222472. • पुणे : सवाशिव विलास, तीसरी मंजिल, 1183-ए, फर्ग्युसन कॉलेज मार्ग, शिवाजी नगर, पुणे - 411005. टेलि : 5535954. • रायपुर : वाणिज्य भवन, साई नगर, जेल रोड, रायपुर-492 009. टेलि. 551412. • राजकोट : लल्लुभाई सेन्टर, 3री मंजिल, लखाजी राज मार्ग, राजकोट-360 001. टेलि : 235112. • सूरत : सैफी बिल्डिंग, डच मार्ग, ननपुरा, सूरत-395001. टेलि : 474550. • ठाणे : यूटीआई हाउस, ठाणे पोस्ट तथा टेलिग्राफ ऑफिस के समीप, शिक्षा स्टैंड के सामने, स्टेशन मार्ग, ठाणे (प.) -400601. टेलि : 5400905. • वाशी : पर्सपोलिस बिल्डिंग, 3 री मंजिल, आंध्र बैंक, सेक्टर 17, वाशी, नवी मुंबई-400 703. टेलि : 7890979 / 82 / 84.

पूर्वी अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

भुवनेश्वर : ओसीएचसी बिल्डिंग, 1ली एवं 2री मंजिल, 24, जनपथ, काखेला नगर, राम मंदिर के समीप, भुवनेश्वर - 751001. टेलि : 410995. • कलकत्ता : 29, नेताजी सुभाष चंद्र मार्ग, कलकत्ता 700 001. टेलि : 2434581. • दुर्गापुर : तीसरी एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, आसनसोल दुर्गापुर विकास प्राधिकरण, सिटी सेन्टर, दुर्गापुर 713216. टेलि : 546831. • गुवाहाटी : हिंदुस्तान बिल्डिंग, 1ली मंजिल, एम एल नेहरू मार्ग, पानबाजार, गुवाहाटी 781 001. टेलि : 543131. • जमशेदपुर : 1-ए, राम मंदिर परिसर, भूतल और दूसरी मंजिल, बिस्तूपुर, जमशेदपुर 831001. टेलि : 424508. • पटना : जीवन दीप बिल्डिंग, भूतल और पांचवीं मंजिल, एक्जिबिशन मार्ग, पटना 800 001. टेलि : 235001. • सिलीगुड़ी : जीवन दीप भूतल, गुरु नानक सारनी, सिलीगुड़ी - 734 401. टेलि : 535199.

दक्षिणी अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

बंगलोर : रहेजा टॉवर्स, 26-27, 12वीं मंजिल, पश्चिमी स्कंध, एम जी मार्ग, बंगलोर 560 001. टेलि : 5595091. • चेन्नई :

यूटीआई हाउस, 29, राजाजी सलई, चेन्नई - 600001. टेलि. : 517 101. • **कोचीन** : जीवन प्रकाश, पांचवीं मंजिल, एम जी मार्ग, एर्नाकुलम - 682 011. टेलि. : 362 354. • **कोयम्बतूर** : चेरन टावर्स, तीसरी मंजिल, 6/25, आदर्स कान्नेज मार्ग, कोयम्बतूर 641018. टेलि. : 214973. • **हुबली** : कालबर्गी मेशन, 4 थीं मंजिल, लेमिंगटन मार्ग, हुबली 580 020. टेलि. : 363963. • **हैदराबाद** : पहली मंजिल, सुगंधि आर्केड, 5-1-664, 665, 669, बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद -500 195. टेलि. : 461 1095. • **मदुरई** : तमिलनाडु सर्वोदय संघ बिल्डिंग, 108, तिरुप्परनकुन्द्रम मार्ग, मदुरई 625 001. टेलि. : 738186. • **मंगलोर** : सिद्धार्थ बिल्डिंग, पहली मंजिल, बाल-मत्ता मार्ग, मंगलोर-575 001. टेलि. : 426290. • **तिरुअनंतपुरम** : स्वस्तिक सेन्टर, तीसरी मंजिल, एम. जी. मार्ग, तिरुअनंतपुरम 695 001. टेलि. : 331415. • **त्रिची** : 104, सलाई मार्ग, बोरेयूर, तिरुचिरापल्ली 620 003. टेलि. : 760060. • **त्रिचूर** : 28/700, वेस्ट पल्लियामाम बिल्डिंग, करुणाकरण नंबियार मार्ग, राउंड नॉर्थ, त्रिचूर-680 020. टेलि. : 331259. • **विजयवाड़ा** : 27-37-156, बन्दर मार्ग, मनोरमा होटल के आगे, विजयवाड़ा 520 002. टेलि. : 571134. • **विशाखापट्टनम्** : रत्ना आर्केड, तीसरी मंजिल, 47/15/6, स्टेशन मार्ग, द्वारकानगर, विशाखापट्टनम् - 530 016. टेलि. : 748121.

उत्तरी अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

आगरा : भूतल, जीवन प्रकाश, संजय प्लेस, महात्मा गांधी मार्ग, आगरा - 282 002. टेलि. : 358047. • **इलाहाबाद** : यूनाइटेड टावर्स, तीसरी मंजिल, 53, लीडर मार्ग, इलाहाबाद - 211 003. टेलि. : 400521. • **अमृतसर** : श्री द्वारकाधीश काम्प्लेक्स, दूसरी मंजिल, विक्स मार्ग, अमृतसर-143 001. टेलि. : 564388. • **चंडीगढ़** : जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, सेक्टर 17-बी, चंडीगढ़-160 017. टेलि. : 703683. • **देहरादून** : दूसरी मंजिल, 59/3, रायपुर मार्ग, देहरादून - 248 001. टेलि. : 743203. • **फरीदाबाद** : बी-614-617, नेहरू ग्राउंड, एनआईटी, फरीदाबाद -121 001. टेलि. : 5424771. • **गाजियाबाद** : 41, नवयुग मार्केट, सिंधानी गेट के समीप, गाजियाबाद - 201 001. टेलि. : 4790366. • **जयपुर** : आनंद भवन, तीसरी मंजिल, संसार चन्द्र मार्ग, जयपुर 302 001. टेलि. : 365212. • **जोधपुर** : मिनर्वा सेंटर, पहली मंजिल, स्टेशन रोड, जोधपुर 342 001, टेलि. : 645229. • **कानपुर** : 16/79ई, सिविल लाईन्स, कानपुर 208 001. टेलि. : 317278. • **लखनऊ** : रिजेन्सी प्लाजा बिल्डिंग, 5, पार्क मार्ग, लखनऊ 226 001. टेलि. : 238491. • **लुधियाना** : सूर्यकिरण, फेस II, 92, द माल, लुधियाना 141 001. टेलि. : 441264. • **नई दिल्ली** : गुलाब भवन, 2 री मंजिल, 6, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110 002. टेलि. : 3319786. • **शिमला** : फ्लैट नं. 401, 402, 403, 405 मुकेश अपार्टमेंट्स, फिंगास्क एस्टेट, होटल शील के समीप, शिमला - 171 002. टेलि. : 257803. • **वाराणसी** : पहली मंजिल, डी-58/2ए-1, भवानी मार्केट, रथयात्रा, वाराणसी 221 001. टेलि. : 358306.

यूटीआई एनआरआई शाखा

यूटीआई टॉवर, 'जीएन' ब्लॉक, बान्द्रा कुर्ला काम्प्लेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051. टेलि. : 6520850 • फैक्स : 6528175 • ई-मेल : utinri@giasbm01.vsnl.net.in

दुबई प्रतिनिधि कार्यालय

पोस्ट बॉक्स नं. - 29288, 17, अल-मस्कान, करामा, दुबई - यू.ए.ई. • टेलि. : 00971 4 3356656 • फैक्स : 3356636

यूटीआई लंदन शाखा

यूटीआई (गर्नसे लि.), श्री प्रवीप कुमार, स्टेट बैंक हाउस, 1, मिल्क स्ट्रीट, लंदन ईसी2पी 2 जेपी. टेलि. 0044207454 0415 • फैक्स : 004420 7454 0416.

ओमान इंटरनेशनल बैंक की नामित शाखाएं

एनआरआई सेंटर : पो. बॉक्स 1216, पोस्टल कोड 112, रुवी शाखा. ओमान सल्तनत : अल खुविर, पोस्ट बॉक्स 1216, रुवी-112. बुरैमि : पो. बॉ. 358, बुरैमि-512. फहद : पो. बॉ. 54, मिना अल फहल-116. मारुमल : पो. बॉ. 54, मिना अल फहल-116. मिना अल फहल : पो. बॉ. 54, मिना अल फहल-116. मस्कुर अल मुरतफा : पो. बॉ. 559, सीपीओ सीब 111. मुत्राह : पो. बॉ. 117, मुत्राह 114. निजवा : पो. बॉ. 71, निजवा 611. कुरुम : पो. बॉ. 43, मिना अल फहल-116. सालालाह : पो. बॉ. 1453, सालालाह 211. स्लीफ : पो. बॉ. 11, इबरी 511. सुर : पो. बॉ. 651, सुर 411.

यूटी/डीबीडीएम/आर-50/एसपीडी -66/2000-01

२ दिसंबर 2000

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) की धारा 19(1)(8)(सी) के अंतर्गत निर्मित सेवानिवृत्ति लाभ प्लान, जो उक्त अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत निर्मित सेवानिवृत्ति लाभ योजना से संबंधित है, के प्रावधानों में संशोधन, जिसे 17 सितंबर 1999 को संपन्न कार्यकारी समिति की बैठक में अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

५४-१ २१.८.२००१

एस चटर्जी

उप महाप्रबंधक

व्यवसाय विकास एवं विपणन

अनुबंध

1. प्लान के अंतर्गत 'निवेश की न्यूनतम राशि' से संबंधित खंड III के तीसरे अनुच्छेद के पहले वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

निवेशकर्ता न्यूनतम रु.500/- (बिक्री मूल्य) के अधिकतम 12 किश्तों में निवेश कर सकते हैं।

2. निम्नलिखित को प्लान के प्रावधानों में 'वेतन के जरिए प्रत्यक्ष अदायगी (एसएसपी)' शीर्षकयुक्त नए खंड III क के रूप में जोड़ा जाता है :

(क) ट्रस्ट व्यक्तियों से उनके नियोक्ताओं द्वारा 'वेतन बचत प्लान' के अंतर्गत की गई कटौती के जरिए अंशदान की अदायगी स्वीकार कर सकता है। वर्तमान में, एसएसपी के जरिए अंशदान का भुगतान कुछ चुनिंदा संस्थाओं/ कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों से ही स्वीकार किया जाता है।

(ख) किसी कर्मचारी को एसएसपी के जरिए प्लान में शामिल होने की अनुमति तभी दी जाएगी जब वह प्लान की नई सदस्यता प्राप्त करे। प्लान के वर्तमान सदस्यों को एसएसपी के जरिए अंशदान की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) एसएसपी के जरिए आरबीपी में शामिल होने के इच्छुक व्यक्तियों को अपने नियोक्ताओं (जिनके साथ यूटीआई का समझौता है) को अपने वेतन में से अपने द्वारा बताई गई अंशदान की राशि की हर माह कटौती करने के लिए अधिकृत करना होगा।

(घ) अपने कर्मचारियों की ओर से निवेश करने वाले संस्थान को प्रति माह न्यूनतम रु.5000/- (या ट्रस्ट द्वारा समय समय पर निर्धारित न्यूनतम राशि) की राशि का निवेश करना होगा।

(ड) व्यक्ति द्वारा न्यूनतम रु. 500/- की एकमुश्त राशि का निवेश करने का अनुबंध एसएसपी के अंतर्गत लागू नहीं है।

(च) नियोक्ता ट्रस्ट को अनुमोदन के लिए एसएसपी के अंतर्गत शामिल अपने नियोक्ताओं की एक सूची जमा कराएगा। इस सूची में कोई नाम जोड़े जाने के लिए भी पूर्व अनुमोदन लेना होगा। कर्मचारियों के नामों का अनुमोदन करते समय ट्रस्ट प्रत्येक कर्मचारी को एक विशिष्ट फोलियो सं. आबंटित करेगा जिसका अंशदान करते समय तथा अन्य पत्रव्यवहारों में उल्लेख करना होगा।

(छ) अंशदान को ट्रस्ट द्वारा फंड की प्राप्ति की तिथि पर लागू बिक्री मूल्य पर पूंजीकृत किया जाएगा।

(ज) कर्मचारी को योजना और उसके अंतर्गत बनाए गए प्लान की सदस्यता के साक्ष्य के रूप में पहले अंशदान के समय एक सदस्यता सूचना भेजी जाएगी। इसके बाद प्रत्येक सदस्य को प्रति वर्ष कर संबंधी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक वार्षिक खाता विवरणी भेजी जाएगी। इस वार्षिक खाता विवरणी के निम्न वर्ष के दौरान प्लान के अंतर्गत किए गए कुल निवेश और यथा 31 मार्च बकाया यूनिटों की संख्या का उल्लेख होगा।

(झ) 52 वर्ष की आयु से पूर्व रु. 10,000/- का पूर्ण निवेश प्राप्त न करने वाले कर्मचारी या यदि कोई कर्मचारी 52 वर्ष की आयु प्राप्त करने से पहले ही नौकरी छोड़ देते हैं तो संस्थान/कर्मचारी के पास शेष राशि को जमा कराने का विकल्प होगा। अन्यथा, योजना के प्रावधानों के अनुसरण में पुनर्खरीद राशि में से जुमाने के तौर पर 10% की कटौती करके संबंधित कर्मचारी को उसका निवेश वापस कर दिया जाएगा।

(ञ) एसएसपी में शामिल व्यक्ति यदि प्लान के अंतर्गत अतिरिक्त निवेश करने के इच्छुक हों तो उन्हें ट्रस्ट में अलग से एक खाता खोलना होगा।

STATE BANK OF INDIA
ASSOCIATES & SUBSIDIARIES GROUP
MUMBAI

SBD. No. 13 /2000

Dec. 26 , 2000.

In terms of clause (c) Sub-Section (1) of Section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the State Bank of India hereby nominates Shri M.N. Rao, Dy.General Manager (Associate Banks), State Bank of India, A&S Group, Mumbai, as a Director on the Boards of the following Associate Banks w.e.f. 1.1.2001 vice Shri B.V.V. Rajeswara Rao :

- 1) State Bank of Bikaner & Jaipur
- 2) State Bank of Hyderabad
- 3) State Bank of Indore
- 4) State Bank of Mysore
- 5) State Bank of Patiala
- 6) State Bank of Saurashtra
- 7) State Bank of Travancore.


(Janki Ballabh)
CHAIRMAN

No.2/1959/DLI/ELFIP/CG/Pt.1/2602

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-II

S.No.	Name & Address of the estt.	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry	Period for exemp.	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Manipal Finance Corporation Ltd., Manipal House, Post Manipal-576119.	KN/12151	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. 1, dt. 18.11.98	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	6/4/96 E.D.U
2.	M/s. Manipal Sowbhagya Nidhi Ltd., Manipal House, Manipal-576119.	KN/12398	-do- dt. 18.11.98	31.10.99	1.11.99 to 23.6.2000	6/5/96
3.	M/s. Manipal Industries Ltd., Manipal House, Manipal-576119.	KN/3555	-do- dt. 18.11.98	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	6/9/96
4.	M/s. Western Roadways, C/o Manipal Industries, P.O. Manipal Karnataka.	KN/3558	-do- dt. 18.11.99	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	6/11/96
5.	M/s. N.M.A.M. Institute of Technology Nitte, Kerkala 574100.	KN/12288	-do- dt. 16.11.98	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000	6/14/96
6.	M/s. Nitte Education Trust, Kodialbail, Mangalore-755003.	KN/12229	-do- dt. 10.11.98	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000	6/15/96
7.	M/s. Nitte Institute of Nursing Science, Nanthoor, Mangalore.	KN/12822	-do- dt. 16.11.98	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000	6/19/96

9. M/s. T.A. Pal Management Institute Post Manipal-576119.	KN/12332	-do- dt. 16.11.98	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000	6/20/96
10. M/s. N.G.S.M. Institute of Pharmaceutical Service Nanthoor, Mangalore.	KN/12287	-do- dt. 16.11.98	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000	6/21/96
10. M/s. N.R.A.M. Plytechnic, P.O Nitte, Karkala-574100.	KN/12503	-do- dt. 16.11.98	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000	6/22/96
11. M/s. Mandovi Motors, Arvind Motors Balmatta Road, Mangalore-575001.	KN/3750	-do- dt. 10.11.98	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000	6/32/96

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees provident Fund or the provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employee than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir (s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance scheme or the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, for the benefits to the employees under the scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corpn. of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.


(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No: 2/1959/DLI/EXEMP/89/Pt.I/2619

S.O.WHearea the employer of the establishment mentioned in Scheduled - I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are without making any seperate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule - II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule - I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Maryana from the operation of said Scheme for a period of 3(three) years.

SCHEDULE- I

S.No.	Name and Address of the Establishment	Code No.	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	M/s. Hind Udyog, 56-C/2, Industrial Area, N.I.T., Faridabad, Haryana.	HR/1457	1.12.90 to 30.11.93, 1.12.93 to 30.11.96,	5/15/99/DLI
2	M/s. Hotel Delite, Plot No. 17, Neelam Bata Road, Faridabad	HR/5717	1.2.92 to 31.1.95, 1.2.95 to 31.1.98, 1.2.98 to 23.6.2000	5/4/98/DLI
3	M/s. Modern Public School, Sector - 37, Faridabad.	HR/7506	1.9.95 to 31.8.98	5/24/2000/DLI

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No.2/1999/DLI/E&EP/09/Pt.1/2633

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-II

S.No. Name & Address of the estt.	Code No.	No and date of Govt. Notification vide which exemp was granted/extended	Date of expiry	Period for exemp.	C.P.F.C's File No.
1. M/s. Indian Dyestuff Ind. Ltd., Nafthal Centre, Nariman Point Mumbai-400021.	MH/4395	2/1959/DLI/Exem./89/ Pt.I dt.	5.4.92	6.4.92 to 9/71/99 5.4.95 & 6.4.95 to 5.4.98 6.4.98 to 23.6.2000	E D L I
2. M/s. Emucuse Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Papodi, Pune-411012.	MH/21772	-do- dt. 5.2.98	31.10.97	1.11.97 to 2/60/95 23.6.2000	
3. M/s. Omni Protech Drugs Pvt. Ltd., C-4/13, MIDC, Bhosari, Pune.	MH/21772-C	-do- dt. 26.1.99	31.1.99	1.4.99 to 9/22/98 23.6.2000	
4. M/s. Lasor Laboratories Ltd., C-10/12, MIDC, Bhosari, Pune-411026.	MH/21772-A	-do- dt. 28.1.99	31.12.98	1.1.99 to 9/23/98 23.6.2000	
5. M/s. Fouress Engineering India Ltd., 22, Bhulabhai Desai Road, Mahalaxmi Chambers, 22X Mumbai-26 alongwith its branches.	MH/6830	-do- dt. 25.1.2000	31.1.97	1.2.97 to 2/1963/89 31.1.2000 & 1.2.2000 to 23.6.2000	
6. M/s. Mahindra Vgine Stell Co. Ltd., Mahindra Towers, Worli, Mumbai-400016. alongwith its branches.	MH/7123	-do-	31.5.94	1.6.94 to 2/2161/89 31.5.97 & 1.6.97 to 31.5.2000 & 1.6.2000 to 23.6.2000	

7. M/s. Otis Elevator Company India Gateway Building, Apollo Bunder Mumbai-400001, alongwith its branches.	MH/4154-2295	-do- dt. 12.12.97	4.1.97	5.1.97 to 2/1125/84 4.1.2000 & 5.1.2000 to 23.6.2000
8. M/s. Carbon Everflow Ltd., 88, MIDC Area, Satpur, Nasik- 422007.	MH/19682	-do- dt. 23.2.87	23.12.89	24.12.89 to 2/764/82 23.12.92 & 24.12.92 to 23.12.95 & 24.12.95 to 23.12.98 & 24.12.98 to 23.6.2000
9. M/s. Bajaj Electricals Ltd., 45/47, Veer Nariman Road, Mumbai-23.	MH/460	-do- dt. 28.5.92	30.9.93	1.10.93 to 2/2123/89 30.9.96 & 1.10.96 to 30.9.99 1.10.99 to 23.6.2000
10. M/s. Fibre Foils Ltd. 58, MIDC Andheri (L) Mumbai-400093.	MH/12107	-do- dt. 20.5.99	28.2.96	1.3.96 to 2/3376/91 28.2.99 & 1.3.99 to 23.6.2000
11. M/s. Estilbor Ltd., S.V. Road, Jogeshwari, Mumbai-4000102.	MH/4349	-do- dt. 18.9.89	24.9.91	25.9.91 to 2/663/82 24.9.94 & 25.9.94 to 24.9.97 & 25.9.97 to 23.6.2000
12. M/s. Hindustan Lever Ltd., Hindustan Lever House, 165/166, Backbay, Reclamation, Mumbai-20.	MH/917	-do- dt. 19.1.93	24.11.94	25.11.94 to 24.11.97

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2653

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Schedule -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-1

S.No.	Name & Address of the estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Hemnani Public School, Baba Nebh Raj Marg, Lajpat Nagar-I New Delhi-110024.	DL/12280	1.2.91 to 31.1.94 & 1.2.94 to 31.1.97 & 1.2.97 to 31.1.2000	3/181/C.V/2000
2.	M/s. TCIL Bellsouth Ltd., Mercantile House, 7th Floor, 15, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.	DL/13785	1.7.98 to 23.6.2000	3/182/C.V/2000
3.	M/s. VLS Finance Ltd., C-489, Defence Colony, New Delhi-24.	DL/15876	1.7.95 to 30.6.98 & 1.7.98 to 23.6.2000	3/183/C.V/2000
4.	M/s. K.L. Bhrara & Co., Pvt. Room No. 7-A, Metro Hotel, Connaught Place, New Delhi-1.	DL/15978	1.7.99 to 23.6.2000	3/184/C.V/2000
5.	M/s. Rieter India Pvt. Ltd., 38, Ring Road, Lajpat Nagar-III, New Delhi-110024.	DL/17530	1.6.97 to 31.5.2000	3/185/C.V/2000

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time; direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2666

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Scheduled -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of said Scheme fro a period of 3 (three) years.

Schedule-1.

S.No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Rakesh Press, A-7, Naraina Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110028.	DL/378	1.3.98 to 23.6.2000	3/187/C.V/2000
2.	M/s. The Fertiliser Associate of India, 10, Shaheed Jit Singh Marg, New Delhi-110067.	DL/3579	1.1.99 to 23.6.2000	3/188/C.V/2000
3.	M/s. Dripless Faucets India, 47-48, DSIDC Shed Okhla Indl. Area, Phase-1, New Delhi-20.	DL/5239	1.2.88 to 31.1.91 & 1.2.91 to 31.1.94 & 1.2.94 to 31.1.97 & 1.2.97 to 31.1.2000	3/189/C.V/2000
4.	M/s. Jagan Nath & Sons B/9-12, Okhla Industrial Area, Phase-1, New Delhi-110020.	DL/7243	1.10.87 to 30.9.90 & 1.10.90 to 30.9.93 & 1.10.93 to 30.9.96 & 1.10.96 to 30.9.99	3/190/C.V/2000
5.	M/s. Park Hotel, 15, Parliament Street, New Delhi-110001.	DL/8496	1.6.85 to 31.5.98 & 1.6.98 to 23.6.2000	3/191/C.V/2000
6.	M/s. Manta Modern Sr. Sec. School, H-Block, Vikas Puri, New Delhi-18.	DL/9281	1.11.92 to 31.10.95 & 1.11.95 to 31.10.98 & 1.11.98 to 23.6.2000	3/192/C.V/2000
7.	M/s. Inter Continental Consultants and Technografts Pvt. Ltd., A-11, Green Park, New Delhi-16.	DL/11894	1.3.95 to 28.2.98 & 1.3.98 to 23.6.2000	3/193/C.V/2000
8.	M/s. Indian Renewable Energy Development Agency Ltd., India Habitat Centre Complex Core 4, A, East Court, 1st Floor, Lodhi Road, New Delhi-110003.	DL/12903	1.3.97 to 29.2.2000	3/194/C.V/2000

- | | | |
|--|----------|--|
| 9. M/s. Solarson Industries Ltd.,
Sheetla House, 73-74, Nehru Place,
New Delhi-110019. | DL/13091 | 1.12.96 to 3/195/C.
30.11.99 & ✓/
1.12.99 to 2000
23.6.2000 |
| 10. M/s. Vasco Travel Pvt. Ltd.,
M-64 (1st Floor) Lajpat Nagar-II,
New Delhi-110024. | DL/15228 | 1.7.96 to 3/198/C.
30.6.99 & ✓/
1.7.99 to 2000
23.6.2000 |
| 11. M/s. Orient Craft Ltd., Orient
House, F-8, Okhla Industrial
Area, Phase-1, New Delhi-20. | DL/15629 | 1.10.97 to 3/199/C.V
23.6.2000 2000 |
| 12. M/s. Roof Top Hotels & Restaurants
Pvt. Ltd., Antriksh Bhawan, 27,
K.G. Marg, Connaught Place, New
Delhi-1. | DL/16050 | 1.8.99 to 3/200/C.V,
23.6.2000 2000 |
| 13. M/s. AVK-SEG Controls (India)
Ltd., 222, Okhla Industrial
Estate, New Delhi-110020 | DL/16206 | 1.4.93 to 3/201/C.V/
31.3.96 & 2000
1.4.96 to
31.3.99 &
1.4.99 to
23.6.2000 |
| 14. M/s. Bistro Americana Ltd.,
Punj Lloyd House, 17, Nehru Place,
New Delhi-110019. | DL/17293 | 1.7.98 to 3/202/C.V/
23.6.2000 2000 |

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2686

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Scheduled -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana from the operation of said Scheme fro a period of 3 (three) years.

SCHEDULE -1.

S.No.	Name & address the the estt.	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Reed Medway Packaging Company Of India Pvt. Ltd., Plot No.5E, Sec.,4, Ballabgarh Dist. Faridabad-121004,Haryana.	HR/1866	1.2.90 to 31.1.93 & 1.2.93 to 31.1.96 & 1.2.96 to 31.1.99 & 1.2.99 to 23.6.2000	5/25/C.V/2000
2.	M/s. Samanta Pvt. Ltd., 11/7, Mathura Road, Faridabad.	HR/3481	1.12.94 to 30.11.97 & 1.12.97 to 23.6.2000	5/26/C.V/2000
3.	M/s. Rebel, 448, Ph.III, Udyog Vihar, Gurgaon.	HR/9172	1.10.97 to 23.6.2000	5/27/C.V/2000
4.	^{ENC} M/s. Daclim India Pvt. Ltd., 166, Udyog Vihar, Phase-1, Gurgaon.	HR/9264	1.3.98 to 23.6.2000	5/22/C.V/2000
5.	M/s. N.T.F Pvt. Ltd., Plot No 48 Sec-3,I.M.T. Manesar, Gurgaon.	HR/9907	1.11.98 to 23-6.2000	5/23/C.V/2000
6.	M/s. Wheeler Leather Corporation Ltd., Vill., Pathreri, H.No. 8, Gurgaon.	HR/9443	1.12.97 to 23.6.2000	5/21/C.V/2000
7.	M/s. Cord India Behrampur Road, Vill., Khandsa, Gurgaon.	HR/9322	1.7.99 to 23.6.2000	5/28/C.V/2000

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government, Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2700

S.O.....Whereas the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-II

S.No	Name and Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	M/s. Vaidyamadham Vaidyasala and Nursing Home, P.O. Mexhathur Trithala, Palakkad Distt., Kerala – 679 534.	KR/KK 11369	2/1959/DLI/Exm./ Pt.-II/ dated 22.9.97	30.9.98	1.10.98 to 30.9.2001 23.6.2000	8/42/97/DLI
2	M/s. Kerala State Co. Op. Agricultural Rural Dev. Bank Ltd., P. B. No. 56, Thiruvananthapuram – 695 001.	KR/1914	Dated 12.11.97	30.6.97	1.7.97 to 30.6.2000 23.6.2000	2468/90
3	M/s. Kerala State Film Development Ltd., Chithranjali Studio Complex, Thiruvallam PO, Thiruvananthapuram-695027.	KR/4617	Dated 15.11.97	30.8.95	31.8.95 to 30.8.98 31.8.98 to 30.8.2001 23.6.2000	8/27/97

4	M/s. Hindustan Latex Ltd., Latex Bhavan, Poojapura, Trivandrum – 695 012.	KR/3947	12.12.97	28.2.93	1.3.93 to 29.2.96 1.3.96 to 28.2.99 1.3.99 to 28.2.2002 ^{23.1.2000}	3509/91
5	M/s. Bharat Hotel, Post Box No. 2357, D. H. Road, Ernakulam, Cochin – 682 016.	KR/2641	4.9.91	31.8.92	1.9.92 to 31.8.95 1.9.95 to 31.8.98 ✓	2/3779/91

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees provident Fund or the provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir (s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. There for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corpn. of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer, in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No.2/1959/DLI/E.E.F/69/Pt.I/2712

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

Schedule-II

S.No.	Name & Address of the estt.	Code No.	No and date of Govt. Notification vide which exemp was granted/extended.	Date of expiry	Period for Exemp.	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Kaveri Chemicals Pvt. Ltd., Thirumoolapuram, Tiruvana Kerala- 689115	KR/12565	2/1959/DLI/Exem./89/ Ptd dt. 24.1.99	31.10.99	1.11.99 to 8/62/97 23.6.2000	E.D.C.
2.	M/s. Malabar Cements Ltd., Walayar (P.O.) Palakkad, Dist., Kerala- 678624.	KR/KK/11299	-do- dt. 27.2.98	28.2.99	1.3.99 to 8/54/97 23.6.2000	
3.	M/s. Cryptom Confectioners India Pvt. Ltd., P.B. No.10, Kanjiramapara Road, Thodupurha, Kerala India.	KR/12380	-do- dt. 5.8.99	31.12.99	1.1.2000 to 6/51/96 23.6.2000	
4.	M/s. Century House Hold Industries Vettekkodu (P.O) Pullenchery Manjeri, Malappuram Dist-676102.	KR/KK/11734	-do- dt. 22.12.97	28.2.99	1.3.99 to 1/37/97 23.6.2000	
5.	M/s. The Wynad District Co.op. Bank Ltd., Kalpetta North, Wynad.	KR/9959	-do- dt. 26.10.97	31.12.99	1.1.2000 to 1/59/92 23.6.2000	
6.	M/s. Sri Bhagavathi Textiles Ltd. Regd Office, Mill Premises, Chittur, Vannamada Road, Chittur, Palakkad, Kerala-678101.	KR/KK/2963	-do- dt. 28.1.99	28.2.99	1.3.99 to 2/5088/93 23.6.2000	
7.	M/s. Hotel Elite Continental, Main Central Road, Thiruvalla, Kerala.	KR/12096	-do- dt. 21.5.99	30.9.99	1.10.99 to 8/59/97 23.6.2000	
8.	M/s. Enjoys Spices and Chemicals Oils Ltd., Abantowers Pathanamthitta, 689645.	KR/10903	-do- dt. 12.4.99	30.11.99	1.12.98 to 9/50/97 23.6.2000	

SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishments hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

The employer shall pay such inspection charges as the Central Provident Fund Commissioner may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (1) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner and recommended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

2. Whereas an employee who is already a member of the Employees Provident Fund or the provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

3. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits available under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir (s) of employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- the said Act.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled to it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exem./89/Pt.I/2726

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Schedule -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Madras from the operation of said Scheme for a period of (three) years.

SCHEDULE-I

S.No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effect date of exemption	C.P.F.Cs. File No.
1.	M/s Coenka Engg. Works Shillong-793001 (Keating Road) Meghalaya	AS/ 245 345	1.12.98 30.11.98 1.12.98 30.11.98 1.12.98 30.11.98	2/15/2000/CV/
2.	M/s. Bijou Cinema Police Bazar, Shillong-793001, Meghalaya	AS/1286	1.12.98 30.11.98 1.12.98 30.11.98 1.12.98 30.11.98 1.12.98 23.6.2000	2/15/2000/CV/ AS
3.	M/s Eastern Agro processing & Tea Ware Housing Co-op Society Ltd., Jawahar Nagar, Beltoila, Guwahati- 781028 Assam.	AS/1522	17.2.99 23.6.2000	2/17/2000/CV/ AS
4.	M/s Shree Automobiles Pvt. Ltd., Paltan Bazar, G.S. Road, Guwahati- 781008.	AS/1828	31.1.92 30.1.96 31.1.95 30.1.98 31.1.98 23.6.2000	2/18, 2000/CV/ AS
5.	M/s. K. K. Kur Electronics Development Corporation Ltd., B-14, Takyel Industrial Estate Imphal-795001, Manipur.	AS/1975	23.4.99 23.6.2000	2/19/AS/CV/2000
6.	M/s. Bharali Commercial Pvt. Hem Barva Road, Pan Bazar, Guwahati-781001.	AS/2693	1.3.94 to 28.2.97 & 1.3.97 to 29.2.2000	2/20/C.V/AS/2000

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establi- shment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s Bongaigaon Roller Flour Mill, P.O. Bongaigaon-783380, Chapaguri Road (Assam).	AS/1001	1.12.93 30.11.96 1.12.96 30.11.99	2/21/2000/AS/ C-V

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such books and records and such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee or legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall insure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2740

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Scheduled -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Kerala from the operation of said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-1

S.No.	Name of the estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Electronics research and development Centre, Vellayambalam, Trivandrum-695033.	KR/12190	1.4.99 to 23.6.2000	8/151/DLI/00
2.	M/s. The Kerala Minerals and Metals Ltd., P.B.No. 4, Chavara-691583, Kollam, Kerala.	KR/10315	1.1.98 to 23.6.2000	8/154/DLI/00
3.	M/s. Kerala State Co.op. Bank Ltd., Cobank Towers, Palayam, Trivandrum-695033.	KR/2575	1.4.91 to 31.3.94 & 1.4.94 to 31.3.97 & 1.4.97 to 31.3.2000	8/156/DLI/2000

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government, Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employee in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heir (s) of deceased member would have been under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (a) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it, and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2751

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Scheduled -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act,

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat from the operation of said Scheme fro a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-1.

S.No.	Name & Address of the estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Mihir Textiles Ltd., 4th Floor, Bank of Baroda Building, Gandhi Road, Ahmedabad-380001.	GJ/262-A	1.6.95 to 31.5.98 & 1.6.98 to 23.6.2000	4/198/C.V/2000
2.	M/s. Stovec Industries Ltd. (Serveen Division) Nandlia Industrial Development Corp. Nr. Lambha Vill. Post.Narol, Ahmedabad-382405.	GJ/6927	1.3.95 to 28.2.98 & 1.3.98 to 23.6.2000	4/198A/C.V/2000
3.	M/s. Atul Ltd., 297, G.I.D.C. Industrial Estate, Ankleshwar- 393002.	GJ/9720	1.3.94 to 28.2.97 & 1.3.97 to 29.2.2000	4/199/C.V/2000
4.	M/s. Investment and precision Castings Ltd., Nari Road, Bhavnagar (Gujarat)	GJ/11080	1.7.93 to 30.6.96 & 1.7.96 to 30.6.99 & 1.7.99 to 23.6.2000	4/200/C.V/2000
5.	M/s. Royal Knitting Pvt. Ltd., Vill., Baska, Plot No. 318, Panchmahal, Tal Halal, Gujarat.	GJ/16388-B	1.9.97 to 23.6.2000	4/201/C.V/2000
6.	M/s. Vijay Knitting Pvt. Ltd., Plot No. 318, At Baska, Tal Halal, Dist., Panchmahal (Gujarat)	GJ/16388-D	1.9.97 to 23.6.2000	4/202/C.V/2000
7.	M/s. Royal Wellknit Pvt. Ltd., 319, Baska, Baroda Road, Vill., Tal. Halal Baska, Panchmahal (Gujarat)	GJ/16388-E	1.9.97 to 23.6.2000	4/203/C.V/2000
8.	M/s. Ashirwad Enterprises, Vill., Uchnad Padra, Jambusar, Highway Dist., Bharuch, Gujarat.	GJ/23274	1.12.99 to 23.6.2000	4/206/C.V/2000
9.	M/s. Videocon International Ltd (Picture Tube Unit) E-23 and E-24, Electronics Estate, Gandhinagar- 382044, Gujarat.	GJ/24365	1.9.97 to 23.6.2000	4/208/C.V/2000

- | | | | |
|--|------------|--|----------------|
| 10. M/s. Gandhinagar Hotel Ltd.
Hotel Haveli" Sector-11,
Ch. Road, Gandhinagar-382001
Gujarat. | GJ/24571 | 1.5.95 to
30.4.98 &
1.5.98 to
23.6.2000 | 4/209/C.V/2000 |
| 11. M/s. Haguru Engineering Pvt.
Ltd., A-11, Nr. Bharatinagar,
Highway, Amraikadi, Amraikadi-
380026. | GJ/15860 | 1.2.94 to
31.1.97 &
1.2.97 to
31.1.2000 &
1.2.2000 to
23.6.2000 | 4/210/C.V/2000 |
| 12. M/s. Samyak Udyog Plastics
Pvt. Ltd., Vill., Uchhad Padra
Jambusar Highway Dt., Bharuch,
Gujarat. | GJ/30797 | 1.12.99 to
23.6.2000 | 4/211/C.V/2000 |
| 13. M/s. Meeta Chemicals, 163,
G.I.D. C. Nandesari Indl.
Estate, Nandesari-391340,
Vadodara. | GJ/20620 | 1.1.95 to
31.12.97 &
1.1.98 to
23.6.2000 | 4/121/C.V/2000 |
| 14. Maruti Gases Pvt. Ltd.
1402-B, G.I.D.C. Halal,
Dist., Panchmahal, Gujarat. | GJ/17883-A | 1.3.99 to
23.6.2000 | 4/213/C.V/2000 |
| 15. M/s. Ablaze Glass Works Pvt.,
Ltd., E-5212, Sardar Indl.
Estate, Ajeva Road, Baroda-
390019. | GJ/20381-B | 1.2.99 to
23.6.2000 | 4/214/C.V/2000 |

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2773

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Scheduled -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II -annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-1.

S.No.	Name & address of the estt.	Code No.	Effective date of exemption.	F.P.F.C's File No.
1.	M/s. Motorades Dr. K.S. Krishnan Road, (Near N.P.L. Pusa Institute) New Delhi-110012.	DL/2222	1.2.97 to 31.1.2000.	3/142/C.V/ 2000
2.	M/s. Oscar Health Care Pvt. Ltd., B-84, /1, Okhla Phase-II, New Delhi-110020.	4686	1.4.88 to 31.3.91 & 1.4.91 to 31.3.94 & 1.4.94 to 31.3.97 & 1.4.97 to 31.3.2000	3/138/C.V/ 2000
3.	M/s. H.M.S. (India) Ltd., CSC, C/9, Vasant Kunj, New Delhi-110070.	DL/8863	1.1.90 to 31.12.92 & 1.1.93 to 31.12.95 & 1.1.96 to 31.12.98	3/132/C.V/ 2000
4.	M/s. A.R.J. Security Printers B-25/3, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi-20.	DL/11326	1.4.91 to 31.3.94 & 1.4.94 to 31.3.97 & 1.4.97 to 31.3.2000	3/143/C.V/ 2000
5.	M/s. ABC Leathers, B-65, Mayapuri, Phase-I, New Delhi-64	DL/13527	1.5.98 to 23.6.2000	3/147/C.V/ 2000
6.	M/s. Onkar Security Enterprises E-45, Kaushalya Bhawan, Mohan Baba Nagar, Tajpur Extn. New Delhi-44.	DL/13780	1.1.98 to 23.6.2000	3/148/C.V/ 2000
7.	M/s. Systopic Pharmaceuticals Pvt. Ltd. 208, Samrat Bhawan Commercial Complex, Ranjit Nagar, New Delhi-11008.	DL/13789	1.6.93 to 31.5.96 & 1.6.96 to 31.5.99 & 1.6.99 to 23.6.2000	3/149/C.V/ 2000
8.	M/s. TBWA Anthem Pvt. Ltd., 25-C, Commercial Complex, Pashim Marg, Vasant Vihar New Delhi-57.	DL/14069	1.7.92 to 30.6.95 & 1.7.95 to 30.6.98 & 1.7.98 to 23.6.2000	3/150/C.V/ 2000

- | | | | |
|--|----------|--|----------------|
| 9. M/s. Orient Craft Ltd.,
B-14, Okhla Industrial
Area, Ph-II, New Delhi-20. | DL/15628 | 1.1.97 to
31.12.99 | 3/151/C.V/2000 |
| 10. M/s. Svedala Industry India
Ltd., E- 7/14, Vasant Vihar,
New Delhi-57. | DL/15708 | 1.10.96 to
30.9.99 &
1.10.99 to
23.6.2000 | 3/152/C.V/2000 |
| 11. M/s. Ansun Zippers Pvt. Ltd.,
S-470, Grater Kailash-I,
New Delhi-110048. | DL/16151 | 1.3.98 to
23.6.2000 | 3/153/C.V/2000 |
| 12. M/s. Integra Capital
Management Ltd., Integra
House, Panchsheel Park,
9, Community Centre,
New Delhi-110017. | DL/16936 | 1.7.95 to
30.6.98 &
1.7.98 to
23.6.2000 | 3/146/C.V/2000 |
| 13. M/s. Sikkas International
Freight Services, Pvt. Ltd
N-28, Middle Circle,
Connaught Place, N. Delhi-1. | DL/17166 | 1.1.99 to
23.6.2000 | 3/154/C.V/2000 |
| 14. M/s. Pratap Parikh
Associates, C-65, Malviya
Nagar, N. Delhi-17. | DL/17876 | 1.3.98 to
23.6.2000 | 3/144/C.V/2000 |
| 15. M/s. M.M. Exports (India)
A-221, Okhla Industrial
Area, Phase-I,
New Delhi-20. | DL/17824 | 1.6.98 to
23.6.2000 | 3/155/C.V/2000 |
| 16. M/s. Prem Nath Motors Ltd.
8, Scindia House,
New Delhi-1. | DL/196 | 1.9.94 to
31.8.97 &
1.9.97 to
23.6.2000 | 3/155/C.V/2000 |
| 17. M/s. Himalaya Manufacturing
& Sales Company, 3632, Netaji
Subhash Marg, Darya Ganj,
New Delhi-2. | DL/494 | 1.8.98 to
23.6.2000 | 3/156/C.V/2000 |
| 18. M/s. Ansun Multitech India
Ltd., B-123/B-141, Okhla
Indl. Area, Phase-1,
New Delhi-20. | DL/10081 | 1.3.98 to
23.6.2000 | 3/157/C.V/2000 |

- | | | | |
|---|----------|--|----------------|
| 19. M/s. Systopic Laboratories Ltd., 101, Pragati Chambers, Commercial Complex, Ranjit Nr. New Delhi-110008. | DL/12804 | 1.6.93 to 31.5.96 & 1.6.96 to 31.5.99 | 3/158/C.V/2000 |
| 20. M/s. Sam Zippers Pvt. Ltd., (Basement) Kailash Colony, New Delhi-110048. | DL/19917 | 1.3.98 to 23.6.2000 | 3/159/C.V/2000 |
| 21. M/s. Stic Travels Pvt. Ltd., R-734, 1st Floor, New Rajender Nagar, Delhi-110060. | DL/11851 | 1.11.98 to 23.6.2000 | 3/160/C.V/2000 |
| 22. M/s. Veekay Metal Industry 4193, Daroga Street, Jogiware, Nai Sarak, Delhi-6. | DL/4283 | 1.8.89 to 31.7.92, & 1.8.92 to 31.7.95 & 1.8.95 to 31.7.98 | 3/139/C.V/2000 |
| 23. M/s. Win Medicare Ltd., 98, Nehru Place, N. Delhi-19. | DL/6600 | 1.10.90 to 30.9.93 & 1.10.93 to 30.9.96 & 1.10.96 to 30.9.99 | 3/129/C.V/2000 |
| 24. M/s. A.K.S. Software Ltd., A-17-69, Safderjung Enclave New Delhi-110029. | DL/11314 | 1.12.94 to 30.11.97 & 1.12.97 to 23.6.2000 | 3/161/C.V/2000 |
| 25. M/s. Rashi Exports, C-63/1, Okhla, Ph.-II, New Delhi-20. | DL/12152 | 1.8.97 to 23.6.2000 | 3/162/C.V/2000 |
| 26. M/s. R.C.M.C. Share Registry Pvt. Ltd., 1515(1st Floor) Bhisam Pitamah Marg, Kotla Mubarkpur, (Near South Ext.) New Delhi | DL/15824 | 1.3.98 to 23.6.2000 | 3/163/C.V/2000 |
| 27. M/s. Ester Industries Ltd., 75-76, Amrit Nagar, Behind South Extn. Part-I, New Delhi-110003. | DL/13668 | 1.9.93 to 31.8.96 & 1.9.96 to 31.8.99 | 3/164/C.V/2000 |
| 28. M/s. Eastern Exports, 3/9, Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi-110015. | DL/15059 | 1.8.98 to 23.6.2000 | 3/165/C.V/2000 |

- | | | | |
|---|----------|------------------------|----------------|
| 29. M/s. Honda Sael Cars India Ltd.
C/o ShriRam Honda Power Equip-
ment Ltd., 19, Rajindra Place,
Kirti Mahal, Building, 5th Floor,
New Delhi-110008. | DL/17547 | 1.1.97 to
31.12.99 | 3/166/C.V/2000 |
| 30. M/s. P.A.C.L India Ltd., PACL
House, B-1/5, Jwala Heri Road,
Pashim Vihar, New Delhi-63. | DL/18066 | 1.2.99 to
23.6.2000 | 3/167/C.V/2000 |
| 31. M/s. Superwire Corporation, 2,
DLF Industrial Area, Najaf-
garh Road, N. Delhi-15. | DL/19712 | 1.9.98 to
23.6.2000 | 3/168/C.V/2000 |
| 32. M/s. Fujitsu India Ltd.,
Mercantile House, 1st Floor,
15, K.G. Marg, N. Delhi-1. | DL/19727 | 1.1.98 to
23.6.2000 | 3/169/C.V/2000 |
| 33. M/s. R.P.G. Itochu Finance Ltd
602, Antriksh Bhawan, 22, K.G.
Marg, New Delhi-110001. | DL/20198 | 1.5.98 to
23.6.2000 | 3/170/C.V/2000 |

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No.2/1959/DLI/EXEMP/69/Pt.I/2816

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-II

S.No. Name & Address of the estt.	Code No.	No and date of Govt. Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry	Period for Exemption	CPFC's File No.
1. M/s. Sri Vijaya Rama Gajapathi Co.op.Sugers Ltd., Bhimasingi	AP/VP -5638	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt-I dt. 16.9.97	31.1.99	1.2.99 to 1/71/97 23.6.2000	
2. M/s. I.D.L. Chemicals Ltd., Post Box No. 1, Sanath Nagar (IE) P.O. Hyderabad-500016.	AP/1791	-do- dt. 27.8.97	27.8.97	28.8.97 to 2/294/99 23.6.2000	
3. M/s. P.E. Engineers Pvt. Ltd., 231, D.A. Balanagar, Hyderabad-500037.	AP/4803	-Do. dt. Nil	29.2.94	1.3.94 to 2/2138/89 28.2.97 & 1.3.97 to 29.2.2000 & 1.3.2000 to 23.6.2000	
4. M/s. Stan packs (India) Ltd., 6-6, Industrial Estate, Nellore, 524004. (A.P.)	AP/6980	-do-	28.2.2000	29.2.2000 to 23.6.2000 2/1997/	
5. M/s. APSR T C employees Co.op. Credit Society Ltd., Satyana- yana Reddy Mars A ₂ Amabad, Hyderabad.	AP/6479	-do- dt. 7.10.92	29.4.91	30.4.91 to 2/1203/85 29.4.94, 30.4.94 to 29.4.97 30.4.97 to 29.4.2000	
6. M/s. Jaswal Engg. Works Pvt. Ltd. IDA Bala Nagar, Hyderabad-500037.	AP/6279	-do- dt. 14.5.99	31.3.99	1.4.99 to 1/75/99 23.6.2000	
7. M/s. Haggbunds Denision Ltd., Patancheru Medak Dist.-5021319.	AP/4239	-do- 7.3.94	28.2.95	1.3.95 to 2/2698/92 28.2.98 3 1.3.98 70 23.6.20002/.....	

8. M/s. Vasavi Parboiled Rice Mill, AP/18623 Sugar Road, Miryalguda Nalganda Dist. AP -508207	-do- dt. 11.3.99	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	1/72/98/DLI/AP/
9. M/s. Holy Mother High School, 284, AP/20871 Srivivase Nagar Radhika Road, Kopra R.R. Dist, Hyderabad.	-do- dt. 14.5.99	28.2.98	1.3.98 to 23.6.2000	1/80/DLI/99
10. M/s. Maheshwari Parboiled Modern AP/ Rice Mill, R/10, Mukundapuram 18633 Post Duggapalli -508278.	-do- dt. 18.3.99	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	1/36/DLI/98
11. M/s. S ubhagya confectioners Pvt. AP/19689 Ltd., 308, Nirmal Towers, Dwarapuri Panjagutta, Hyderabad- 500082.	-do- dt. 6.11.97	29.2.2000	1.3.2000 to 23.6.2000	1/112/DLI/97
12. M/s. Dr. Reddy's Laboratories Ltd. AP/17049 Survey No. 47, Rachupally Vill., Qutubullapur Mandal R.R. Dist- 5000123	-do- dt. 1.3.95	30.11.96	1.12.96 to 30.11.99 & 1.12.99 to 23.6.2000	2/2704/90
13. M/s. Prasad Drugs Ltd, So. No 296 AP/18803 /713, Bollaram, Dargapur, T.O. Medak Dist.	-do- dt. 22.12.98	31.8.98	1.9.98 to 23.6.2000	2/2185/
14. M/s. Kakatiya Textiles Ltd., AP/17150 No. 6-3-1090/C/1/a/101 Loverly Mangion Raj Bhavan Rd., Somajoguda, Hyderabad-500482.	-do- dt. 2.11.98	30.9.95	1.10.95 to 30.9.98 & 1.10.98 to 23.6.2000	2/4243/DLI/92

15. M/s. Indo National Ltd. Tadavillage Silverpet Taluk Nellore Dist. A.P. 524401.	AP/11560	-do- dt. 9.8.96	31.10.97	1.11.97to 23.6.2000	2/1451/66
16. M/s. K.C. P. Ltd., (Ramakrishna Cements Temporary Staff Macherla Guntur- 522426. A.P.	AP/2267	-do- dt. 27.9.95	30.11.96	1.12.96to 30.11.99& 1.12.99to 23.6.2000	2/3190/DLI/90
17. M/s. The K.C.P. Ltd., (Ramakrishna Cements) Macherla Guntur Dist.	AP/929	-do- dt. 13.12.92	30.11.93	1.12.93 to 30.11.96 1.12.96to 30.11.99	2/3188/90
18. M/s. Dr. Reddy's Research Fountion 7-1-27, Ammeerpet Hyderabad-500016.	AP/18588	-do- dt. 10.1.99	28.2.99	1.3.99to 23.6.2000	2/3035/90
19. M/s. Zuari Cement, Krishna Nagar Yerraguntta, Guddapah AP-31.	AP/18735	-do- dt. 3.9.97	30.11.99	1.12.99to 23.6.2000	1/49/96
20. M/s. N.C.L. Industries Ltd., R.R. Towers, 7th Floor, Chirag Ali lane, Hyderabad-500001.	AP/17031	-do- dt. 13.8.97	31.3.99	1.4.99to 23.6.2000	2/2136/
21. M/s. Godavari Explosives Pvt. Ltd. 202 & 203 Minerva Complex, 2nd Floor, S.D. Road, Secunderbad3.	AP/18612	-do- dt. 26.7.99	31.10.99	1.11.99to 23.6.2000	2/4278/92

22. M/s. Book Point (India)Ltd., 3-5-819, AP/16274 Hyderabad-500029.		-do- 28.2.91 dt.24.9.91	1.3.91to 2/3733/91 28.2.94& 1.3.94to 28.2.97& 1.3.97to 29.2.2000& 1.3.2000 to 23.6.2000	
23. M/s. Pennar Industries Ltd., AP/20737 1-10-75/1/1-6,First Floor, Saptagiri Towers,S.P.Road, Begmpet, Hyderabad-500016.		-do- 31.10.99 dt.10.1.99	1.11.99to 2/4247/92 23.6.2000	
24. M/s. Navayyga Engineering Ltd., AP/17618 Dwaraka nagar, Visakhpatnam-530061.		-do- 31.10.99 dt.9.2.98	1.11.99to 2/4336/94 23.6.2000	
25. M/s.The A.P. Dairy Development Co.op. AP/2862 Federation Ltd-500017		-do- 4.3.98 dt. 7.97	5.3.98to 2/706/82 23.6.2000	
26. M/s. Sirijan Co.op. Corporation AP/3060 Ltd., Visakhapatnam-17.		-do- 31.5.91 dt.3.5.91	1.6.91to 2/3506/91 31.5.94& 1.6.94 to 31.5.97 & 1.6.97 to 23.6.2000	
27. M/s. Premier Tobacco Packers Ltd., AP/13526 Post Box No.1,Singaryakonda-523101, Prakasam Dist. A.P.		-do- 30.9.95 dt.2.2.94	1.10.95to 2/4521/92 30.9.98 & 1.10.98 to 23.6.2000	

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2853

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Scheduled -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh from the operation of said Scheme for a period of 3 (three) years.

Schedule-1.

Sl.No. Name & address of the estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.F.S.C's File No.
1. M/s. Akhil Farma Ltd., Muttangi Vill., Patancheru, Sangareddy, Taulka, Dist., Medak (AP) 502300.	AP/14260	1.11.92 to 31.10.95, 1.11.95 to 31.10.98 1.11.98 to 23.6.2000	1/41/DLI/AP/96
2. Charminar Granites Exports Ltd., Sy. No. 172, IDA, Bollaram Jinnaram Mandal, Medak Dist-502325.	AP/26198	1.11.95 to 31.10.98 1.11.98 to 23.6.2000	1/174/AP/2000
3. BHEL Employees Co.op. Credit Society Ltd. Ramachandra Puram Hyderabad-500032.	AP/25292	1.7.96 to 30.6.99 1.7.99 to 23.6.2000	1/175/2000
4. M/s. Vorin Laboratories Ltd., 1-8-179/2 Usha Kiran S.D. Road, Secunderabad A.P. 500003.	AP/22102	1.1.96 to 31.12.98 1.1.99 to 23.6.2000	1/176/DLI/AP/2000
5. M/s. Liberty Corporation Ltd., 23, Nagar-Jina Hills, Punjagutta, Hyderabad-500082.	AP/26197	1.11.95 to 31.10.98 1.11.98 to 23.5.2000	1/177/DLI/2000
6. M/s. Ushodaya Publications, Eenadu Complex Somajiguda Hyderabad-500082.	AP/29091	1.8.96 to 31.7.99 1.8.99 to 23.6.2000	1/178/DLI/2000
7. M/s. Signion Systems Pvt. Ltd., Plot No. 71 & 72, Anrich Industrial Estate, I.D.A. Bollaram Hyderabad-502325.	AP/23975	1.7.97 to 23.6.2000	1/179/DLI/2000
8. M/s. Borganics Ltd., 2011, Emerald House, S.D.Road, Secunderabad-500003.	AP/25213	1.7.99 to 23.6.2000	1/180/DLI/2000
9. M/s. Sapthagiri Company Ltd., 13-5, Gootyn Road, B-Kothapally NH-7, Anantapur-515731	AP/29249	1.10.99 to 23.6.2000	1/181/DLI/2000
10. M/s. Medak Rubber Ltd., Plot No. 106, Srivenkateswara Cop.op Industrial Estate, P.O. Bollaram, Tq Narrapur, Dist., Medak 502320.	AP/30609	1.5.98 to 23.5.2000	1/182/DLI/2000

11. M/s. Asian Peroxides Ltd., G.N.T. Road Sullurpet Nellore Dist., 524123, A.P.	AP/29260	1.7.99 to 23.6.2000	1/183/DLI/2000
12. M/s. Shri Shakti Collage of Hotel Management, Adjacent to airport Begumpet, Hyderabad-500016.	AP/30633	1.4.99 to 23.6.2000	1/184/DLI/2000
13. M/s. Hartex Elastomers Plot No. 106, I.D.A., Bollaram Tq. Narsapur Dist, Medak-502320.	AP/29841	1.5.98 to 23.6.2000	1/185/DLI/2000
14. M/s. Hertex Rubber Ltd., Plot No. 104, IDA, Bollaram, Medak Dist-502325.	AP/19841	1.5.98 to 23.6.2000	1/186/DLI/2000
15. M/s. Tata Teleservices Ltd., 5-9-62, Kham Lateef Kham estate, Fateh Mahdan Rd., Hyderabad-500001.	AP/32831	1.4.98 to 23.6.2000	1/187/DLI/2000
16. M/s. Global Bulk Drugs & Anechemicals Ltd., Digwal Village, Kohir Mandal Medak Dist., AP-502321.	AP/24019	1.5.96 to 30.4.99 & 1.5.99 to 23.6.2000	1/188/DLI/2000
17. M/s. Sri G.C.S.R. Collage, Rajam Sri kakulam Dist., 532127.	AP/VP/ 28897	1.4.97 to 31.3.2000	1/189/DLI/2000
18. M/s. L.P.F. Process Filters & Accumulators Pvt. Ltd., 59-A, CIF (Expm) GandhiNagar, Hyderabad-500037.	AP/28067	1.10.96 to 30.9.99 & 1.10.99 to 23.6.2000	1/190/DLI/2000

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.


(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No.2/1959/DLI/E&EP/69/Pt.I/2881

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-II

S.No.	Name & Address of the establishment.	Code No.	No. and date of Govt. Notification wide which exemp. was granted extended	Date of expiry	Period for	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Sri Sarada Mills P.B.No.4803 Surendra Puram, Coimbatore-24.	TN/69 69	2/1959/DLI/Exemp./ 89/Pt.I dt.17.6.99	31.12.98	1.1.99 to 23.6.2000	2/3298/TN/90
2.	M/s. The Cumaran Mill Ltd.N.S.N. Palayam, Coimbatore-31.	TN/70	-do- dt. 15.8.99	21.12.99	22.12.99 to 23.6.2000	2/1089/84
3.	M/s. Beardsell Ltd., No.47, Greaves Road, Chennai-600006, alongwith its branches.	TN/129-A & B	-do- dt. 3.4.2000	31.3.99	1.4.99 to 23.6.2000	2/5369/93
4.	M/s. Tuticorin Spinning Mills Ltd., 106, Palayamkottai Road, Tuticorin-8.	TN/209	-do- dt. 26.10.97	30.11.98	1.12.98 to 23.6.2000	2/2941/90
5.	M/s. Precot Mills Ltd., "Supram" P.B. No. 3888, Race Course Road, Coimbatore-18.	TN/240-C	-do- dt. 19.5.99	31.3.99	1.4.99 to 23.6.2000	2/3151/90
6.	M/s. K.K. District Central Co.op. Bank, Nagercoil.	TN/4144	-do- dt.3.5.94	31.3.93	1.4.93 to 31.3.96 & 1.4.96 to 31.3.99 & 1.4.99 to 23.6.2000	2/5405/94
7.	M/s. T&R Welding Products Pvt. Ltd. 29, Indl. Estate, Ambatur, Chennai-58.	TN/5054	-do- dt. 19.3.99	29.2.2000	1.3.2000 to 23.6.2000	2/2603/90

8. M/s. Mylady Primary Agricultural Co.op. Bank Ltd., Mylady, K.K. District.	TN/6124	-do- dt.5.4.2000	31.1.93	1.2.93 to 31.1.96 14/704/99 1.2.96 to 31.1.99 & 1.2.99 to 23.6.2000
9. M/s. Wellington Tea Factory, Wellington P.O., 643231, The Nilgiris.	TN/8876	-do- dt.19.5.99	30.11.99	1.12.99 to 23.6.2000 2/4856/93
10. M/s. Sierra Trading Ltd., 96/2, Anna Salai, Nyalakeni, Chrompet, Chennai-4.	TN/30433	d-o- dt.14.1.2K	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000 14/684/99
11. M/s. T. Abdul Wahid Tanneries Ltd., No.26, Vepery High Road, Periamet, Chennai-3.	TN/10602-A	-do- 21.6.99	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000 14/45/95
12. M/s. Electron India, Type-II, No.9, VSI Estate, Thiruvanniyur, Chennai-4.	TN/12170	-do- 24.11.95	31.8.96	1.9.96 to 31.8.99 2/2585/90 1.9.99 to 23.6.2000
13. M/s. Tamil Nadu Chemical Products Koviloor, Karaikudi.	TN/12143	-do- 26.2.98	28.2.99	1.3.99 to 23.6.2000 2/3292/91
14. M/s. Shankar Higher Secondary School Madurai Road, Sankarnagar-627358, Tirunelveli Dist, Tamil Nadu.	TN/13548	-do- 4.5.98	31.3.99	1.4.99 to 23.6.2000 14/326/97
15. M/s. Mahatma Gandhi Centenary Vidyalaya, Tennur, Trichy-620107.	TN/16227	-do- 18.3.99	28.2.99	1.3.99 to 23.6.2000 14/504/98
16. M/s. Electronics Corporation of Tamil Nadu Ltd., IInd Floor, M.H.U. Complex, 473, Anna Salai, Nandamam, Chennai-35, alongwith its branch.	TN/16633	-do- 30.9.97	31.3.66	1.4.96 to 31.3.99 2/1088/84 1.4.99 to 23.6.2000
17. M/s. Sanco Trans Ltd., No.90, Moore Street, Chennai-1.	TN/16536	-do- 24.11.95	31.3.96	1.4.96 to 31.3.99 2/2734/90 1.4.99 to 23.6.2000
18. Vandalicode primary Agricultural Co.op. Bank Ltd., Vandalicode-P.O.	TN/17308	-do- 5.4.2000	28.2.99	1.3.99 to 23.6.2000 14/706/99

19. M/s. Mears Software International Ltd., No.24, Main Road, United India Colony Kodambakkam, Chennai-24, alongwith its branch.	TN/36091	-do- 11.3.99	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	14/394/98
20. M/s. Ransar Industries Ltd., 17, Avara- palayam Road, Ganapathy, P.O. Coimbatore-641006.	TN/21845	-do- 23.1.99	31.10.99	1.11.99 to 23.6.2000	2/4722/92
21. M/s. Sri Varadhraja Textiles, PB No. 1616, Peelamedu, Coimbatore 641004.	TN/519	-do- 15.5.99	9.11.99	10.11.99 to 23.6.2000	2/1068/84
22. M/s. Breeze Hotel Pvt. Ltd., No. 850 Poonamallee High Road, Chennai-10.	TN/31403	-do- 5.4.2000	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	14/715/99
23. M/s. Madras Port Trust Employees Co.op. Bank Ltd., 317, Sembudoss Street, Chennai-600001.	TN/10945	-do- 1.11.95	31.5.96	1.6.96 to 31.5.99 1.6.99 to 23.6.2000	2/3605/91
24. M/s. The Tiruchendur Co.op. Spinning Mills Ltd., Nazareth-628617, Tuticorin Dist.	TN/3926	-do- 12.5.99	23.12.98	24.12.98 to 23.6.2000	2/938/83
25. M/s. S.G. Jayaraj Nadar & Sons, 176-B Trivandram Road, Palayankottal, Tirunelveli-2.	TN/6293	-do- 31.1.92	31.8.94	1.9.94 to 31.8.97 1.9.97 to 23.6.2000	2/2464/90
26. M/s. Ramco Industries Ltd., VI Floor, 98A, Dr. Radhakrishnan Road, Mylapore, Chennai-4.	TN/6183	-do- 20.10.95	29.2.96	1.3.96 to 28.2.99 1.3.99 to 23.6.2000	2/2725/90
27. M/s. EIH Associated Hotel Ltd., 1/24, G.S.T. Road, Meenambkkam, Chennai-27.	TN/26101	-do- 17.8.99	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	14/79/95
28. M/s. Complete Business Solutions (India) Ltd., Madras Export Processing Zone, Chennai-600045.	TN/30027	-do- 1.6.98	31.8.99	1.9.99 to 23.6.2000	14/107/95

29. M/s. Madras Oxygen & Acetylene Co. Ltd., P.B. No.5218, Perianiaken, Palayan, Coimbatore-641020.	TN/7985	-do- 15.5.99	30.9.99	1.10.99 to 23.6.2000	2/3116/90
30. M/s. The Trichy District Amaravathi Consumers Coop. Wholesale Stores Ltd., Trichy-620002.	4512	-do- 16.2.99	29.2.99	1.3.99 to 23.6.2000	14/230/97
31. M/s. E.M.L. Agencies Pvt. Swamy Complex, Ist Floor, No.41, Thambu Chetty Street, Chennai-1.	TN/36278	-do- 16.5.99	30.11.99	1.12.99 to 23.6.2000	14/441/98
32. M/s. Amirican Remedies Ltd., No.124, L.B. Road, Adyar, Chennai-600020.	TN/16265	-do- 19.4.94	31.3.93	1.4.53 to 31.3.96 1.4.96 to 31.3.99 1.4.99 to 23.6.2000	2/4489/92
33. M/s. Fuller India Ltd., No. 180, Kodambakkam High Road, Chennai-600034 alongwith its branches.	19248	-do- 23.1.99	31.1.2000	1.2.2000 to 23.6.2000	2/2052/89
34. M/s. Jaylakshmi Engineering Works Ltd. Sengalipalayam, N.G.G.O. Colony(po) Coimbatore-641022.	TN/10434	-do- 8.4.99	31.1.99	1.2.99 to 23.6.2000	14/396/98
35. M/s. Eastern Chrome Tanning Corpn. No.12, College Road, Chennai-6.	TN/9396	-do- 19.5.99	29.2.2000	1.3.2000 to 23.6.2000	2/2258/89
36. M/s. Kumbakonam Rural Electric Coop. Society, Kamraj Road, PB No. 8, Kumbakonam.	TN/16814	-do- 30.9.97	28.2.98	1.3.98 to 23.6.2000	2/4051/92
37. M/s. Shanmugha Precision Forgings Thirumalaisandram, Thanjavur Dist.	TN/27065	-do- 16.2.99	31.8.96	1.9.96 to 31.8.99 1.9.99 to 23.6.2000	
38. M/s. Cethar Food Oil Ltd., Trichy .Salam, Main Road, Musiri-621211, Trichy Dist., Tamil Nadu.	TN/27043	-do- 19.5.99	31.12.99	1.1.2000 to 23.6.2000	14/227/97

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.


(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2928

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Scheduled -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner. Anishx bradish from the operation of said Scheme fro a period of 3 (three) years.

Schedule-1.

Sl.No. Name & address of the estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.F.F.C's File No.
1. M/s. Akhil Farma Ltd., Muttangi Vill., Patancheru, Sangareddy, Taulka, Dist., Medak (AP) 502300.	AP/14260	1.11.92 to 31.10.95, 1.11.95 to 31.10.98 1.11.98 to 23.6.2000	1/41/DLI/AP/96
2. Charminar Granites Exports Ltd., Sy. No. 172, IDA, Bollaram Jinnaram Mandal, Medak Dist-502325.	AP/26198	1.11.95 to 31.10.98 1.11.98 to 23.6.2000	1/174/AP/2000
3. BHEL Employees Co.op. Credit Society Ltd., Ramachandra Puram Hyderabad-500032.	AP/25292	1.7.96 to 30.6.99 1.7.99 to 23.6.2000	1/175/2000
4. M/s. Vorin Laboratories Ltd., 1-A-179/2 Usha Kiran S.D. Road, Secunderabad A.P. 500003.	AP/22102	1.1.96 to 31.12.98 1.1.99 to 23.6.2000	1/176/DLI/AP/2000
5. M/s. Liberty Corporation Ltd., 13, Nagar-Jina Hills, Punjagutta, Hyderabad-500082.	AP/26197	1.11.95 to 31.10.98 1.11.98 to 23.6.2000	1/177/DLI/2000
6. M/s. Ushodaya Publications, Sarada Complex Somajiguda Hyderabad-500092.	AP/29091	1.8.96 to 31.7.99 1.8.99 to 23.6.2000	1/178/DLI/2000
7. M/s. Signion Systems Pvt. Ltd., Plot No. 71 & 72, Anrich Industrial Estate, I.D.A. Bollaram Hyderabad-502325.	AP/23975	1.7.97 to 23.6.2000	1/179/DLI/2000
8. M/s. Borganics Ltd., 2011, Emerald House, S.D. Road, Secunderabad-500003.	AP/25213	1.7.99 to 23.6.2000	1/180/DLI/2000
9. M/s. Sapthagiri Company Ltd., 13-5, Gootyn Road, B-Kothapally NH-7, Anantapur-515731	AP/29249	1.10.99 to 23.6.2000	1/181/DLI/2000
10. M/s. Medak Rubber Ltd., Plot No. 106, Srivenkateswara Cop.op Industrial Estate, P.O. Bollaram, Tq Narrapur, Dist., Medak 502320.	AP/30609	1.5.98 to 23.6.2000	1/182/DLI/2000

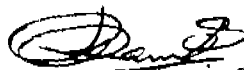
11. M/s. Asian Peroxides Ltd., G.N.T. Road Sullurpet Nellore Dist., 524123, A.P.	AP/29260	1.7.99 to 23.6.2000	1/183/DLI/2000 O
12. M/s. Shri Shakti Collage of Hotel Management, Adjacent to airport Begumpet, Hyderabad-500016.	AP/30633	1.4.99 to 23.6.2000	1/184/DLI/2000
13. M/s. Hartex Elastomers Plot No. 105, I.D.A., Bollaram Tq. Narsapur Dist, Medak-502320.	AP/29841	1.5.98 to 23.6.2000	1/185/DLI/2000 O
14. M/s. Hertex Rubber Ltd., Plot No. 104, IDA, Bollaram, Medak Dist-502325.	AP/19841	1.5.98 to 23.6.2000	1/186/DLI/2000 O
15. M/s. Tata Teleservices Ltd., 5-9-62, Kham Lateef Kham estate, Fateh Mahdan Rd., Hyderabad-500001.	AP/32831	1.4.98 to 23.6.2000	1/187/DLI/2000
16. M/s. Global Bulk Drugs & Amechemicals Ltd., Digwal Village, Kohir Mandal Medak Dist., AP-502321.	AP/24019	1.5.96 to 30.4.99 & 1.5.99 to 23.6.2000	1/188/DLI/2000
17. M/s. Sri G.C.S.R. Collage, Rajam Sri kakulam Dist., 532127.	AP/VP/ 28897	1.4.97 to 31.3.2000	1/189/DLI/2000
18. M/s. E.P.F. Process Filters & Accumulators Pvt. Ltd., 59-A, CIF (Expm) GandhiNagar, Hyderabad-500037.	AP/28067	1.10.96 to 30.9.99 & 1.10.99 to 23.6.2000	1/190/DLI/2000

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No.2/1959/DLI/E&EP/69/Pt.1/2953

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-II

S.No. Name & Address of the estt.	Code No.	No and date of Govt. Notification vide which exemp.was granted/extended.	Date of expiry	Period for Exemption	CPFC's File No.
1. M/s. Supreme Motors Balmatta Road Mangalore-575001.	KN/6607	2/1959/DLI/Exem/98 Pt.I dt.10.11.98	31.1.2000	1.2.2000to 23.6.2000	6/34/96
2. M/s. Meta Plast Engineering Works Baikampady, Mangalore.	KN/2004	-do- dt. 3.7.98	31.10.99	1.11.99to 23.6.2000	6/27/97
3. M/s. Arvind Motors Pvt. Ltd., Balamatta, Mangalore-57001.	KN/2147	-do- dt. 10.11.98	31.1.2000	1.2.2000to 23.6.2000	6/33/96

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No.2/1959/DLI/E&P/69/Pt.I/2960

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S.No	Name and Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	M/s. Mohan Meakin Ltd., Solan Brewery, Solan, Himachal Pradesh.	HP/11851	35014/251/86-SS-II dated 21.10.86	20.10.89	21.10.89 to 20.10.92, 21.10.92 to 20.10.95, 21.10.95 to 20.10.98, 21.10.98 to 23.6.2000	2/252/DLI/88

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/s Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/E.E.F/69/Pt. I/2970

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-II

S.No	Name and Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No
1	M/s. Anil Starch Products Ltd., P.B. No. 110 009, Anil Road, Ahmedabad – 380 025.	GJ/1062	2/1959/DLI/Exm./89/Pt.I/2515 Dated 26.10.97	31.12.97	1.1.98 to 23.6.2000	2/4871/93 /DLI
2	M/s. JEM Industries Ltd. Mogar – 388 340, Tal-Anand, Dist Kheda	GJ/6107	Dated 6.4.98	31.12.97	1.1.98 to 23.6.2000	2/2356/89 /DLI
3	M/s. L P Gas Equipments Ltd., 1A/1, GIDC, Narmadanagar, Bharuch – 392 015.	GJ/9562	Dated 18.1.94	31.1.96	1.2.96 to 31.1.99, 1.2.99 to 23.6.2000	2/3859/91 /DLI
4	M/s. Vimal Industries, 5, GIDC Estate, Highway Mehsana – 384 002.	GJ/11107	2/1959/Exm./89 /Pt.I/2440 dated 9.11.98	31.7.97	1.8.97 to 23.6.2000	2/2370/89 /DLI
5	M/s. Jyoti Hospital, Visnagar (N. G.). Dist. Mehsana – 384 315.	GJ/11769	Dated 27.1.94	31.1.95	1.2.95 to 31.1.98, 1.2.98 to 23.6.2000	2/4343/92 /DLI

6	M/s. New Shorrock Mills, Mafatlal Industries Ltd., Textile Division, Nadiad Unit, Ahmedabad -387001.	GJ/363	2/1959/DLI/Exm./ 89/Pt.I/448 dated 18.1.94	30.7.94	31.7.94 to 30.7.97, 31.7.97 to 23.6.2000	2/567/91/DLI
7	M/s. Vepar Pvt. Ltd., Nayroji Vakil Compound Police Line, Shahi Baug, Ahmedabad - 380 004.	GJ/14219	Dated 26.10.97	28.2.99	1.3.99 to 23.6.2000	2/5209/93 /DLI

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employees as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)
REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2994

S.O..... Whereas the employer of the establishment mentioned in Scheduled -I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercised of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt. each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of said Scheme fro a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-1.

S.No. Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1. M/s. Nirula and Company Pvt. Ltd., L-Block, Connaught Circus, New Delhi-1.	DL/3453	1.3.95 to 28.2.98 & 1.3.98 to 23.6.2000	3/207/C.V/2000
2. M/s. Karna Industries Ltd., 10/67 Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi.	DL/3479	1.1.94 to 31.12.96 & 1.1.97 to 31.12.99 & 1.1.2000 to 23.6.2000	3/208/C.V/2000
3. M/s. Picker India Ltd., 806-808 Sidhartha, 96, Nehru Place, New Delhi-19.	DL/19024	1.1.98 to 23.6.2000	3/211/C.V/2000
4. M/s. Surya Print Process Pvt. Ltd., 9/54, Kirti Nagar, Indl. Area, New Delhi-15.	DL/7698	1.7.99 to 23.6.2000	3/205/C.V/2000
5. M/s. India International Exporters Veenus Plaza, 11nd Floor, 237, Sant Nagar, East of Kailash, New Delhi-65.	DL/8642	1.11.98 to 23.6.2000	3/206/C.V/2000
6. M/s. Newage Industries B-66, Mayapuri, Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110064.	DL/11436	1.3.91 to 28.2.94 & 1.3.94 to 28.2.97 & 1.3.97 to 29.2.2000	3/210/C.V/2000
7. M/s. Bow Nishi Services Pvt. Ltd., 109, 1st Floor, Aurobindo Place Hauz Khas, New Delhi-16.	DL/13486	1.10.91 to 30.9.94 & 1.10.94 to 30.9.97 & 1.10.97 to 23.6.2000	3/196/C.V/2000
8. M/s. Alcit India Pvt. Ltd., H-16, Udyog Nagar (Near Nangloi) Rohtak Road, New Delhi-41.	DL/13918	1.1.92 to 31.12.94 & 1.1.95 to 31.12.97 & 1.1.98 to 23.6.2000	3/197/C.V/2000

- | | | | |
|---|----------|--|----------------|
| 9. M/s. Modern School,
Barakhamba Road,
New Delhi-110001. | DL/5935 | 1.7.86 to
30.6.89 &
1.7.89 to
30.6.92 &
1.7.92 to
30.6.95 &
1.7.95 to
30.6.98 &
1.7.98 to
23.6.2000 | 3/212/C.V/2000 |
| 10. M/s. Enpro India Ltd.,
Amba Deep, 19th Floor,
K.G. Marg, New Delhi-1 | DL/14699 | 1.1.96 to
31.12.98 &
1.1.99 to
23.6.2000 | 3/213/C.V/2000 |
| 11. M/s. The Travel People
Room No. 16, Hotel Janpath,
New Delhi-110001. | DL/17242 | 1.12.98 to
23.6.2000 | 3/214/C.V/2000 |
| 12. M/s. Avro Sales Pvt. Ltd.,
11th Floor, Surya Kiran,
19, K.G. Marg, New Delhi-1. | DL/17315 | 1.4.97 to
31.3.2000 &
1.4.2000 to
23.6.2000 | 3/215/C.V/2000 |

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government, Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.


(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

No.2/1959/DLI/EXEMP/69/Pt.1

S.O.....Whereas the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ extended	Date of Expiry	Period of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. The Indian Sugar & General Engg. Corporation, Yamuna Nagar-135001 (Haryana)	HR/22	2/1959/DLI/EXM/89/P-II/ 1538 dated 25.10.96	31.3.96	1.4.96 31.3.99 1.4.99 30.11.2000	5/30/2000/ HR/CV
2.	M/s. North West Switchgear (P) Ltd., 14/3, Mathura Road, Faridabad, Haryana.	HR/6355	-do- dated 11.2.2000	31.3.95	1.4.95 31.3.98 1.4.98 30.11.2000	5/8/99/HR/ CV

S.No. Name & Address of the estt.	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry	Period for exemption	C.P.F.C's File No.
3. M/s. Atlas Cycle Industry Ltd., Atlas Nagar, Atlas Road, Post Box No. 20, Sonapat (Haryana)	HR/19	2/1959/DLI/Exem./ 89/Pt.I dt.23.1.96	30.5.94	31.5.94 to 2/4111/92 30.5.97	

S C H E D U L E - II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt., may from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under said Scheme are enhanced so that the benefits available under Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s) legal heir(s) of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.
9. Therefore any reason the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) Legal heir (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer,

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal Heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect.



(S. RAGHURAM)

REGIONAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

UNIT TRUST OF INDIA**MUMBAI****UT/DBDM/SPD-3 /2000-2001****10 November, 2000**

The amendments to the provisions /offer documents of the following schemes:.

1. PEF Unit Scheme
2. Master Gain 92
3. Master Plus-91
4. UGS 10000
5. Equity Opportunity Fund
6. Mastergrowth 93
7. Unit Scheme 92
8. UTI-Growth Sectors Fund
9. Unit Scheme 1995

formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) and the following plans:

1. UTI-Equity Tax Savings Plan
2. Master Equity Plan 91
3. Master Equity Plan 92
4. Master Equity Plan 93
5. Master Equity Plan 94
6. Master Equity Plan 95
7. Master Equity Plan 96
8. Master Equity Plan 97
9. Master Equity Plan 98
10. Master Equity Plan 99

formulated under Section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit schemes made under section 21 of the said Act approved in principal by the Executive Committee in the meeting held on 27th April 2000 and reported to the Executive Committee at its meeting held on 24th June 2000 are published herebelow.



S CHATTERJI
DEPUTY GENERAL MANAGER
BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING

ANNEXURE I

UTI- GROWTH SECTORS FUND (UTI-GSF)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Highlights Point 6	Minimum investment in each fund is Rs 5000/- and in multiple of Rs.1000/- thereafter There is no maximum limit on investment .	Minimum investment in each sector fund is Rs.5000/-.
Highlights Point 11	Switchover facility from one or more sector fund(s) to another or vice versa at NAV.	Switchover facility available at NAV or NAV based prices amongst the sector funds and also from one sector fund to other funds/schemes of UTI as may be permitted from time to time.
Units & Offer Clause V(6) (1st sentence)	Every application shall be for a minimum of Rs.5000/- per sector fund and in multiples of Rs.1000/- thereafter	Initial investment in each sector fund shall be for a minimum of Rs.5000/- and thereafter for such additional amount (not being a fraction of rupee) as the investor may choose.
Repurchase/ Switchover of Units Clause VIII (B) (1)	In case an investor wishes to switchover from one sector fund to one or more other sector fund(s) under the UTI-Growth Sectors Fund he may apply for the switchover by submitting his request in the switchover slip duly signed.	In case an investor wishes to switchover from one sector fund to one or more sector fund/s of the scheme or to any other fund/scheme of UTI; as may be allowed, he may apply for switchover in the prescribed manner alongwith the latest statement of account. The switchover will be effected at NAV/NAV based repurchase price as may be decided from time to time.
Repurchase/ Switchover of Units Clause VIII (B) (3)	The switchover from one sector fund to anyone of the sector funds will be for a minimum of Rs.5000/- and in multiples of Rs 1000/- thereafter. Partial switchover shall be permitted subject to the member maintaining minimum balance of Rs.5000/- (face value) under the fund from which switchover has been effected.	The switchover from one sector fund to any other sector fund/scheme will be for a minimum of Rs.5000/- to be reckoned with reference to the previous day's NAV of that fund. Partial switchover shall be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 5000/- under that sector fund from which the switchover is made.

		The minimum amount will be reckoned with reference to the repurchase price applicable as on the working day prior to the date of acceptance of the application for switchover
Repurchase Switchover of Units Clause VIII (B) (4)	Sector switching will not be permitted for investments under section 54EA / 54EB of the Income Tax Act, 1961. Switchover under such investments can be made only after the lock-in-period of 3 and 7 years respectively	Switchover facility will not be available for investment made in the scheme for the purpose of availing benefits under section 54EA / 54EB of the Income Tax Act, 1961, before the expiry of the lock-in-period of 3/7 years respectively.

ANNEXURE II**UTI- EQUITY TAX SAVINGS PLAN**

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Highlights Point 7	No provision exists.	Partial repurchase from the investment made in any year from 1st April of that year to 31st March of the succeeding year, after holding the investment for a minimum lock in period of 3 years.
Highlights Point 8	No provision exists.	Switchover facility from the scheme to such other schemes which may be announced by the Trust from time to time or vice versa at NAV or NAV based price.
Statement of account Clause V(8) (last sentence of second paragraph)	Every member will receive an updated statement of account each time any additional purchase or repurchase of units is made.	Every member will receive updated statements of account each time an additional purchase or partial repurchase or switchover of units is made.
Repurchase of units Clause VIII(1) (da)	No provision exists.	Partial repurchase from the investment made in the scheme between 1st April to 31st March, after holding that investment for a minimum period of 3 years is allowed subject to the member maintaining a minimum balance of Rs.5000/- from that year's investment. The amount of the minimum balance will be reckoned with reference to the repurchase price applicable as on the working day prior to the date of acceptance of repurchase application. In case, the balance amount so calculated is less than the minimum requirement, prescribed as above, UTI may compulsorily repurchase/redeem the entire holding of the investor and remit the proceeds to him without he being required to make any fresh application therefor.
VIII (A)	No provision exists	i) Members under the scheme will be permitted to switchover their investment from the scheme to such other schemes (after holding that investment for a minimum period of 3 years) or vice versa which may be allowed by the Trust from time to time. In such a case they may apply for the switchover. by submitting their request in the prescribed

		<p>Composite Services Form (CSF) alongwith the latest statement of account /duly signed unit certificate, if any.</p> <p>(ii)The switchover will be effected at NAV or NAV based price as may be decided by the Trust</p> <p>(ii) Partial switchover from the scheme to such other schemes or vice versa which may be announced by the Trust from time to time should satisfy the condition of holding minimum investment limit under both the schemes. The Trust shall retain the unit certificate, if any, for cancellation and the member shall be issued fresh statement of account of both the schemes.</p>
--	--	--

ANNEXURE III

1. Mastershare Plus Unit Scheme 1991 (Masterplus-91)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (n)	Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding.	Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
Definitions II (x)	"Unit" means one undivided share of the face value of ten Rupees in the unit capital of this scheme.	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
VIII A	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and</p>

		<p>purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise</p>
--	--	--

2. Unit Scheme 92 (US 92)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
II (g)	"Number of units to be issued" means the aggregate of the number of units sold and outstanding"	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
II (k)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
XXIII A	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as</p>

		<p>aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>
--	--	--

3. Mastergrowth Unit Scheme 1993 (Mastergrowth 93)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions III (10)	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding.	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
Definitions III (17)	"Unit" means one undivided share of face value of Rupees ten in the unit capital	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
Definitions III (18)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being.
IX A	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same</p>

		<p>proportions</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise</p>
--	--	---

4. Master Equity Plan 1991 (MEP 91)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions 2 (f)	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding
Definitions 2(h)	"unit" means* one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital of this scheme	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as full paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme
18 A of 11 SS 1991	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed</p>

		<p>for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>
--	--	---

5. Master Equity Plan 1992 (MEP 92)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (f)	"Number of units" to be issued means the aggregate of the number of units sold and outstanding.	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
Definitions II (h)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital of this scheme.	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
XXI A of ELSS 1992	No provision exists.	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing</p>

		<p>to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Options exercised by a Member on the units under a folio by way of nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise</p>
--	--	--

6. Master Equity Plan 1993 (MEP 93)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (i)	"Number of units" to be issued means the aggregate of the number of units sold and outstanding	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
Definitions II (k)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital of this scheme	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme
XXII A	No provision exists	Capitalisation and issue of bonus units

of MES 93		<p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>
-----------	--	---

7. Master Equity Plan 1994 (MEP 94)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (e)	"Number of units" to be issued means the aggregate of the number of units sold and outstanding	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
Definitions II (i)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital of this scheme	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this

		scheme.
XXII A of ELSS 1994	No provision exists.	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) herebelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>

8. Master Equity Plan 1995 (MEP 95)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (f)	"Number of units to be issued" means the aggregate of the number of units sold and outstanding"	"Number of units issued" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
Definitions II (i)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the

	unit capital of this scheme	amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme
XXIV A	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise</p>

9. Master Equity Plan 1999 (MEP 99)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions H (c)	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units issued and remaining outstanding

Definitions. II (i)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme
Definitions II (i)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being.
VII A	No provision exists.	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>

10. Equity Opportunity Fund 1996 (EOF 96)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (b)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
Definitions II (m)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being.
XXIX A	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/</p>

		nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.
--	--	---

11. UTI Equity Tax Savings Plan (UTI-ETSP)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions III (7)	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units issued and remaining outstanding.
Definitions III(11)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
IX A	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p>

		(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.
--	--	--

12. Unit Scheme 1995 (US 95)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions III(17)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees one hundred in the unit capital.	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees one hundred in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
Definitions III (18)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being.
IX A	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as</p>

		<p>aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>
--	--	---

13. PEF Unit Scheme

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions III (k)	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding.	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
Definitions III(q)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
Definitions III (r)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being.
XXXII A	No provision exists	<p>Capitalisation and issue of bonus units</p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or</p>

		<p>towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>
--	--	--

14. Capital Growth Unit Scheme 1992 (Mastergain 92)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions 3 (i)	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding	"Number of units in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding.
Definitions 3 (n)	"Unit" means one undivided share of the face value of ten Rupees in the unit capital of this scheme.	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
28 A	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of</p>

		<p>income on the units held by them and in the same proportions</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise</p>
--	--	--

15. Unit Growth Scheme 10000 (UGS 10000)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (g)	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding
Definitions II (l)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme
Definitions II (m)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being

XX A	No provision exists	<p>Capitalisation and issue of bonus units</p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise</p>
------	---------------------	---

16. UTI- Growth Sectors Fund

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions III (f)	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units issued and outstanding
Definitions III (u)	"Unit" means one undivided share of the face value of ten Rupees in the unit	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital of each of the sector funds and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by

	capital of each of the sector funds of this scheme	capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of particular sector fund (s).
IX A	No provision exists	<p>Capitalisation and issue of bonus units</p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>

17. Master Equity Plan 1996 (MEP-96)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (g)	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units issued and remaining outstanding

Definitions II (l)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme
Definitions II(m)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being.
XII (A)	No provision exists	<p>Income Distribution</p> <p>(a) Notwithstanding the growth being the main objective of the scheme, the scheme may make income distribution as may be decided by UTI.</p> <p>(b) Such of the unitholders whose names appear in the register of unitholders as at the close of registers prior to the declaration of income distribution by the scheme shall be entitled to receive the income so distributed under the scheme.</p> <p>(c) The income distributed by the scheme shall be paid through ECS, wherever such facility is available or by a cheque/draft or warrant encashable at the branches of such bank/s as UTI may specify</p> <p>(d) In case of declaration of income distribution, the Income Distribution Warrants shall be despatched within a period not exceeding 42 days from the date of declaration/record date of such distribution</p> <p><u>e) Bank particulars of investors & Electronic Clearing Service (ECS) :</u></p> <p>i) In order to avoid fraudulent encashment of Income Distribution Warrants/repurchase cheques/ maturity proceeds cheques, SEBI has made it mandatory for investors, in their own interest to give bank particulars. Accordingly, all unitholders in cities announced by UTI from time to time are required to furnish particulars of their bank account (i.e. nature of account, account number and name of the bank branch) The unitholders are also required to furnish the 9 digit bank and branch MICR code no. in the application form for availing of ECS credit as indicated under (ii) below</p>

		<p>ii) Currently ECS facility is being made available to investors residing in cities whose names are decided by UTI from time to time for direct credit to the unitholder's bank account at the respective centres if the amount of a single instrument does not exceed Rs 5,00,000/-, presently. This amount may be increased/decreased as may be decided from time to time. In such case the investor will be issued an advice giving details of such direct credits to his bank account. In case the number of investors from a centre are found not sufficient enough or for any other reasons, the Trust may not pay the income through "ECS".</p>
XII B	No provision exists.	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve, including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid.</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes.</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>

18. Master Equity Plan 1997 (MEP-97)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (f)	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units issued and remaining outstanding.
Definitions II (i)	"Unit", means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
Definitions II(m)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being.
XI (A)	No provision exists	<p>Income Distribution</p> <p>(a) Notwithstanding the growth being the main objective of the scheme, the scheme may make income distribution as may be decided by UTI.</p> <p>(b) Such of the unitholders whose names appear in the register of unitholders as at the close of registers prior to the declaration of income distribution by the scheme shall be entitled to receive the income so distributed under the scheme.</p> <p>(c) The income distributed by the scheme shall be paid through ECS, wherever such facility is available or by a cheque/draft or warrant encashable at the branches of such bank/s as UTI may specify.</p> <p>(d) In case of declaration of income distribution, the Income Distribution Warrants shall be despatched within a period not exceeding 42 days from the date of declaration /record date of such distribution.</p> <p><u>c) Bank particulars of investors & Electronic Clearing Service (ECS) :</u></p> <p>i) In order to avoid fraudulent encashment of</p>

		<p>Income Distribution Warrants/repurchase cheques/maturity proceeds cheques. SEBI has made it mandatory for investors, in their own interest to give bank particulars. Accordingly, all unitholders in cities announced by UTI from time to time are required to furnish particulars of their bank account (i.e. nature of account, account number and name of the bank branch). The unitholders are also required to furnish the 9 digit bank and branch MICR code no. in the application form for availing of ECS credit as indicated under (ii) below</p> <p>ii) Currently ECS facility is being made available to investors residing in cities whose names are decided by UTI from time to time for direct credit to the unitholder's bank account at the respective centres if the amount of a single instrument does not exceed Rs 5,00,000/-, presently. This amount may be increased/decreased as may be decided from time to time. In such case the investor will be issued an advice giving details of such direct credits to his bank account. In case the number of investors from a centre are found not sufficient enough or for any other reasons, the Trust may not pay the income through "ECS"</p>
XI B	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements</p>

		<p>rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>
--	--	--

19. Master Equity Plan 1998 (MEP-98)

Clause No.	Existing provisions	Proposed amendments
Definitions II (c)	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.	"Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
Definitions II (i)	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.	"Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the unit capital and includes, where the context so requires, a unit issued as fully paid up bonus unit by capitalising a part of the amount standing to the credit of the account of the reserve formed or otherwise in respect of this scheme.
Definitions II(j)	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.	"Unit Capital" means the aggregate of the face value of units issued under the scheme and outstanding for the time being.
XI (A)	No provision exists	<p>Income Distribution</p> <p>(a) Notwithstanding the growth being the main objective of the scheme, the scheme may make income distribution as may be decided by UTI.</p> <p>(b) Such of the unitholders whose names appear in the register of unitholders as at the close of registers prior to the declaration of income distribution by the scheme shall be entitled to receive the income so distributed under the scheme</p> <p>(c) The income distributed by the scheme shall be</p>

		<p>paid through ECS, wherever such facility is available or by a cheque/draft or warrant encashable at the branches of such bank/s as UTI may specify.</p> <p>(d) In case of declaration of income distribution, the Income Distribution Warrants shall be despatched within a period not exceeding 42 days from the date of declaration/record date of such distribution.</p> <p><u>e) Bank particulars of investors & Electronic Clearing Service (ECS) :</u></p> <p>i) In order to avoid fraudulent encashment of Income Distribution Warrants/repurchase cheques/maturity proceeds cheques, SEBI has made it mandatory for investors, in their own interest to give bank particulars. Accordingly, all unitholders in cities announced by UTI from time to time are required to furnish particulars of their bank account (i.e. nature of account, account number and name of the bank branch). The unitholders are also required to furnish the 9 digit bank and branch MICR code no. in the application form for availing of ECS credit as indicated under (ii) below.</p> <p>ii) Currently ECS facility is being made available to investors residing in cities whose names are decided by UTI from time to time for direct credit to the unitholder's bank account at the respective centres if the amount of a single instrument does not exceed Rs.5,00,000/-, presently. This amount may be increased/decreased as may be decided from time to time. In such case the investor will be issued an advice giving details of such direct credits to his bank account. In case the number of investors from a centre are found not sufficient enough or for any other reasons, the Trust may not pay the income through "ECS".</p>
XI B	No provision exists	<p><u>Capitalisation and issue of bonus units</u></p> <p>(1) The Board may approve issue of bonus units by capitalisation of any sum for the time being standing to the credit of any reserve fund, unit premium reserve or any such reserve including any amount available for distribution to the members of the scheme and that such sum be utilised or distributed for the purpose and in the manner specified in sub-clause (2) hereinbelow for the members who would have been entitled thereto if</p>

		<p>distributed by way of income on the units held by them and in the same proportions.</p> <p>(2) The sum aforesaid shall be applied, subject to the provision contained in sub-clause(3), either in or towards paying up in full the units to be issued and allotted credited as full paid up to and amongst such members in the proportion aforesaid</p> <p>(3) The Board may accordingly make appropriations and applications of the sum decided by it to be so capitalised by allotment and issue of fully paid-up units as bonus units, and generally do all acts and things required to give effect thereto.</p> <p>(4) The bonus units so allotted and issued as aforesaid will as regards rights and entitlements rank <u>pari passu</u> with the units in existence on the record date (determined by the Board) in respect of which they were allotted and issued to all intents and purposes</p> <p>(5) Interest created/ options exercised by a Member on the units under a folio by way of pledge/ nomination will automatically apply to the bonus units, subject to the member opting otherwise.</p>
--	--	---

R-16

UT/DBDM/SPD-51/1/2000-2001

14 November, 2000

The amendments to the provisions of the Unit Scheme 1964 (US-64) formulated under section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) approved by Executive Committee of the Board of Trustees of the Trust, at its meetings held on 15th December, 1999 (on transfer of unit certificates without transfer deed) to come into immediate effect and on 27th July, 2000 (on issue of membership advice/statement of account in lieu of unit certificate) to come into effect from 1st September, 2000 is published herebelow.



S CHATTERJI
DEPUTY GENERAL MANAGER
BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING

ANNEXURE

SR. NO.	SUB- CLAUSE TO BE INSERTED	UNDER CLAUSE TITLE	SUB-CLAUSE
1.	(ccca)	DEFINITION Immediately after (ccc)	<p>“Member” used as an expression under the scheme shall mean and include -</p> <p>(i) the Applicant who has been admitted under the scheme on or after 1st September 2000 as a holder of the units evidenced by the Register of Members: and</p> <p>(ii) the existing holder of units under unit certificate(s) who, on partial repurchase of units represented by the unit certificate(s) on or after 1st September 2000 entered in the Register of Members as holder of the balance units and issued membership advice or statement of account, as the case may be, <i>in lieu of</i> unit certificate.</p>
2.	(ff)	DEFINITION Immediately after (f)	<p>In this scheme, after 1st September 2000 unless the context otherwise requires, in appropriate places, the term “Unitholder/s” shall include “Member/s” and the term “Register of Unitholders” shall include “Register of Members” also.</p>
3.	4(5)(d)	APPLICATIONS FOR UNITS Under Sub-Clause (5) immediately after (c)	<p>Membership advice will be issued -</p> <p>(i) in respect of all investments made in the scheme on or after 1st September 2000 and</p> <p>(ii) in respect of balance units arising out of partial repurchase of units represented by the unit certificate(s) on or after 1st September 2000</p> <p>and will be sent by post. The Trust will not incur any liability for loss, damage, or</p>

			<p>delivery or non-delivery of the membership advice so sent. A membership advice is a valid evidence of admission of the applicant into the scheme.</p> <p>Provisions of Clauses 14, 14A, 18, 19, 22A, 22B, 23 and 23A shall apply <i>mutatis mutandis</i> to units allotted to the members as evidenced by the Register of Members.</p> <p>Notwithstanding the above, the Trust may from such date as may be decided by the Executive Director, issue statement of account <i>in lieu</i> of membership advice in respect of units sold to / repurchased partially from a member from time to time as evidenced by the Register of Members, such intervals and in such form and manner as may be decided by the Executive Director from time to time, and all provisions of the scheme applicable to units held by the member as evidenced by the Register of Members will apply to units indicated in the statement of account <i>mutatis mutandis</i>.</p> <p>On issue of statement of account, in reference to membership advice all provisions pertaining to membership advice shall be deemed to refer to and pertain to statement of account and shall apply <i>mutatis mutandis</i>.</p> <p>Notwithstanding the above, a unit certificate will be issued in respect of whole or part of the units standing to the credit of a member in the Register of Members on specific request of the member, made in such form prescribed from time to time by the Trust subject to the condition that the request for unit certificate should be for a minimum of 200 units and the balance of the unit, if any, remaining under the member's name should be a minimum of 200 units and existing membership advice should</p>
--	--	--	---

			<p>surrendered alongwith the request for unit certificate and the Trust will issue fresh membership advice in respect of balance units.</p> <p>Unit certificate(s) will be issued within 7 days of the receipt of the request.</p>
4.	4(7)	APPLICATIONS FOR UNITS Immediately after (6)	Notwithstanding anything to the contrary, in respect of the units standing to the credit of a member in the Register of Members, the facility of transfer of units through the Stock Exchange/s, where the scheme is listed, will be available only on the member opting for and obtaining unit certificate(s) therefor.
5.	6	SALE OF UNITS After the existing Clause	Notwithstanding the above, in respect of units sold on or after 1st September 2000 membership advice will be issued indicating the number of units sold and standing to the credit of the member in the Register of Members.
6.	7(5)	REPURCHASE OF UNITS Immediately after (4)	<p>In respect of units standing to the credit of Member as evidenced by the Register of Members, the Trust shall on receipt of the repurchase application, in such form as may be stipulated by the Trust from time to time along with the membership advice repurchase all or any part of the unit indicated in the repurchase form and the restrictions and conditions stipulated for repurchase of units under unit certificate detailed above shall apply <i>mutatis mutandis</i> to such repurchase.</p> <p>Membership advice submitted as above shall be retained by the Trust for cancellation and, in the event of partial repurchase, the Trust shall issue a fresh membership advice indicating the balance units standing to the credit of the member in the Register of Members.</p>
7.	8A(f)	TRADING OF UNITS Immediately after (e)	A member desirous of liquidating units standing to his credit in a Stock Exchange will have to opt for and obtain u

			certificate(s) in respect of the units prior to liquidating the units in the Stock Exchange
8.	9A	CONVERSION OPTION TO UNIT HOLDERS OF OTHER MATURED SCHEMES TO INVEST IN US 64 After the existing Clause	Provided that in respect of conversion taking place after 1st September 2000 membership advice will be issued in respect of units, subject to the rights, restrictions, limitations and privileges set out under the scheme for members.
9.	9B	ISSUE OF BONUS UNITS After the existing Clause	Provided that in respect of bonus units there may be issued after 1st September 2000 membership advice will be issued for bonus unit holder/s and member/s subject to the right of exchanging same for unit certificate on request.
10.	11A	FORM OF MEMBERSHIP ADVICE	Membership advice shall be in such form as may be decided by the Executive Director of the Trust.
11.	13A	MANNER OF PREPARATION OF MEMBERSHIP ADVICE	Membership advice may be engraved, lithographed or printed and may be signed by such authority on behalf of the Trust as the Executive Director may from time to time decide.
12.	15C	EXCHANGE OF MEMBERSHIP ADVISES AND PROCEDURE WHEN MEMBERSHIP ADVICE IS MUTILATED, DEFACED, LOST, ETC.	In the case of units standing to the credit of a member as evidenced by the Register of Members, for the purpose of consolidation of holding under various membership advices, issue of new membership advices in place of mutilated, defaced, lost membership advices, the Trust may call upon a member to follow such of the procedures set out in Clause 15, with or without such modifications, as the Executive Director of the Trust may from time to time decide.
13.	16A	REGISTER OF MEMBERS	The following provisions shall apply in regards registration of members : (1) A register of the members shall be kept by the Trust at its offices and there shall be entered in the register - (a) the number of the members holding membership advice and the number of units standing to the credit of the member

			<p>(b) Name and address of the 1st member;</p> <p>(c) Name of second holder;</p> <p>(d) Holding pattern;</p> <p>(e) Name of the nominee ;</p> <p>(f) Date of admission to membership;</p> <p>(2)The restrictions stipulated in Clause 1 applicable to unit certificate(s) an unitholder(s) shall apply <i>mutatis mutand</i> to membership advice and units applic for / standing to the credit of a member.</p>
14.	20(1)	TRANSFER OF UNITS Third Proviso to clause 20 (1)	<p>Provided further, that under speci circumstances, the Trust may allow transfo of units without an instrument of transfer o such terms and conditions as may b specified by the Trust.</p>
15.	Proviso to 20(2)	TRANSFER OF UNITS Under clause 20 (2)	<p>In case of partial transfer, if the Transferor does not indicate his option in th Instrument for Transfer, then he will b issued Membership Advice for the balan units standing to his credit after the transfo. A Transferor who has been issu Membership Advice can exchange the sar for Unit Certificate subsequently, if desires.</p> <p>Such Membership advices will be sent b post. The Trust will not incur any liabil for loss, damage, mis-delivery or no delivery of the Membership advice so se A Membership advice is a valid evidence continuation of the Transferor (in respect balance units, if any, standing to his cred and admission of the Transferee into scheme.</p> <p>If the Transferee does not indicate his opti in the Instrument for Transfer, then he v be issued Membership Advice which he c exchange for Unit Certificate subsequently, if he desires.</p> <p>Provisions of the Scheme shall ap</p>

			<i>mutatis mutandis</i> to the Transferor and the Transferee in respect of balance units (if any) held / units transferred, as the case may be, as evidenced by the Register of Members.
16.	20B	TRANSFER OF UNITS HELD UNDER MEMBERSHIP	The requirements and procedure for transfer of Units standing to the credit of a member as evidenced by the Register of Member shall be as determined by the Chairman from time to time and the rules framed from time to time for effective implementation of the procedure.

UT/DBDM/ R- 6 /SPD-102/2000-2001

The amendments to the provisions of the UTI-Bond Fund formulated under section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963(52 of 1963) in relation to the unit scheme, the UTI-Bond Fund Scheme made under section 21 of the said Act, approved by Executive Committee in the meeting held on 08/06/99 to come into effect from 1st October, 1999 is published herebelow.



S CHATTERJI
DEPUTY GENERAL MANAGER
BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING

Annexure

1. Following to be added under the heading 'Highlights' as item 8th & 9th respectively as:

- Folio Account to facilitate 'Systematic investment'.
 - Option for Monthly Withdrawal Plan' (MWP) under the 'Systematic Withdrawal Plan'.
2. The following paragraph is inserted as the last para of Clause XII titled Membership Advice/Unit Certificate/Statement of Account.

The member who opt for the MWP under UTI Bond Fund, will be provided with a statement of account indicating the investments and monthly repurchase for the period from first payment to the next March. Subsequent annual statements of account will be issued after all monthly repurchases during a period April-March every year. The statement will be issued by 31st May every year.

3. The existing Sub clause (8) and (9) under the clause IX on 'Repurchase of units' be amended as under

(8) Monthly Withdrawal Plan

The MWP option introduced under the 'Systematic Withdrawal Plan' of the Fund provides members a facility to receive monthly payment, through ECS or by post-dated cheques where ECS facility is not extended by the Trust currently. Such payments will be made for a period of six months at a time.

A. The Broad terms of the MWP are as under:

- i) **Minimum investment:** - Rs.30,000/-. No maximum limit.
- ii) **Eligibility:** Available from the beginning of immediately succeeding calendar quarter on completion of 6 months of the above minimum investment.
- iii) **Monthly payments:** Will be released twice in a year for 6 months each on 1st January & 1st July or 1st April & 1st October or 1st July & 1st January or 1st October & 1st April depending on the date of completion of the 6 months of the minimum investment.
- iv) **Valuation date:** For reckoning the amount of monthly payment, the date of valuations will be 15th March, 15th June, 15th September & 15th December being the preceding month to the relevant calendar quarter.
- v) **Monthly payment:** The amount of monthly payments will be determined on the basis of difference between the value of the investment of Rs.30,000/- or more on the valuation date as mentioned above, as well as the amount of the subsequent investment, if any, under a folio and the NAV of such investment/s as on the 15th of the month preceding the relevant quarter divided by six. Resultant amount in paise, if any, will be ignored.
- vi) **Methodology:** All members whose investment/s of Rs.30,000/- or more have completed 6 months on or before 15th September, 1999 are eligible for monthly payments from 1st October, 1999. For the purpose of arriving at the amount of the monthly payment, the difference of NAV of number of units outstanding as on 15th

September, 1999 and the NAV of same number of units as on 15th March 1999 will be taken.

- vii) If there were any subsequent investment/s made during the intervening period between 15th March 1999 and 15th September 1999 under that folio, such units will also be considered. The total difference, calculated as above, will be divided by 6 for arriving at the monthly payment.

Illustration: If a member has made initial investment/s of Rs.30,000/- or more on 18th January, 1999 which completed 6 months on 18th July, 1999, he / she was eligible to get monthly payment under the MWP from 1st October, 1999.

Further, if he has made subsequent investments of Rs.20,000/- on 22/2/99 and Rs.10,000/- on 10/7/99, his amount of monthly payment has been calculated as under :

Date	NAV (Rs.)	Amount (Rs.)	Number of Units
18.01.99	10.8184	30000	2773.053
22.02.99	10.9351	20000	1828.973
Valuation of units as on 15.03.99	11.0118	50676.59	4602.026
Additional investment on 10.07.99	11.5101	10000	868.802
Total (A)	-	60676.591	5470.828
Valuation of units as on 15.09.1999 (B)	11.7215	64126.314	5470.828

$$\begin{aligned}
 \text{Monthly payment} &= (B - A) / 6 \\
 &= (\text{Rs.}64124.314 - \text{Rs.}60676.591) / 6 \\
 &= (\text{Rs.}3449.72) / 6 \\
 &= \text{Rs.}574.95 \text{ (paise will be ignored)}
 \end{aligned}$$

Monthly payments from 01.10.99 onwards till 01.03.2000 is Rs. 574

- viii) **Monthly Redemption of units:** On the first working day of each month, based on the NAV of the unit, appropriate number of units equivalent to the amount of the monthly payment has been repurchased on First In First Out (FIFO) basis and the unitholder's account has been debited to that extent.
- ix) **Scenario for the next six months:** Monthly payments under the above illustration for the subsequent 6 months will be based on the difference in the NAV of the outstanding units as on 15th March, 2000 and the NAV of the same number of units as on 15th September, 1999. In case of any additional investment(s) during the intervening period, the difference in the NAV as on 15th March and that of such additional investment(s) will also be considered for monthly payments & so on. The monthly payments from 01.04.2000 to 01.09.2000 will be as per the illustration given below:

Date	NAV (Rs.)	No. of units before payment	Monthly Payment	Units Withdrawn	No of units Out- standing
01.10.1999	11.7839	5470.828	574	48.711	5422.118
01.11.1999	11.8925	5422.118	574	48.266	5373.852
01.12.1999	12.0091	5373.852	574	47.797	5326.055
01.01.2000	12.1223	5326.055	574	47.351	5278.704
01.02.2000	12.2853	5278.704	574	46.723	5231.982
01.03.2000	12.4871	5231.982	574	45.967	5186.014
15.03.2000	12.4735	5186.014			5186.014

Calculation of monthly amount to be paid from 01.04.2000 to 01.09.2000:

= (NAV on 15.03.2000 - NAV on 15.09.1999) * No. of outstanding units.

= (12.4735-11.7215)*5186.01 = 3899.87952

Monthly payments from 01.04.2000 onwards till 01.09.2000 = 3899.87/6 = 649.98 (paise will be ignored) i.e. Rs.649

x) Termination of MWP:

- Investors can opt out of the MWP by an advance notice of withdrawal for a period of at least one month and return the unpaid monthly cheques, if any, to the Trust alongwith the request for withdrawal. A charge of Rs.10/- per unencashed cheque, if any, will be recovered from the repurchase proceeds.
- If the member intends to repurchase / transfer entire / part of his investment during the currency of the MWP, he will cease to be a member of the plan and his remaining monthly payments through ECS will be stopped. If he has been issued monthly cheques, he will be required to surrender all the remaining unencashed cheques before effecting the repurchase. For each such cheque, a charge of Rs.10/- will be recovered from the repurchase proceeds.

xi) How to opt for MWP

An applicant can opt for MWP by ticking the appropriate box in the application form. MWP option can also be availed at a later date by a letter of request, quoting the folio number of the member.

xi) Rollover facility

Under this facility, the member can repurchase entire or a part of his outstanding unit holding and invest the entire proceeds or upto face value of units repurchased on the same day / next working day at the same NAV. No contingent deferred sales charge will be payable on the proceeds reinvested in the scheme under the rollover facility. This is with a view to enabling members to recognise the capital appreciation as income/gain in their books periodically.

(9) Bank particulars & ECS

- It is mandatory for an investor to give full particulars of his bank account, such as, nature of account, the account number and name and address of the bank branch along with the pin code at the appropriate place in the application form.

No application for sale /repurchase of units will be accepted / processed without bank particulars

- ii. Reserve Bank of India has introduced ECS for direct credit of amounts to the bank accounts of the members. Currently, this facility is available to investors from Ahmedabad, Ballabgarh/ Faridabad, Bangalore, Baroda, Bhopal, Bhubaneswar, Calcutta, Chandigarh, Chennai, Hyderabad, Indore, Jaipur, Jamshedpur, Ludhiana, Mumbai, Nagpur, New Delhi, Pune, Shimla, Siliguri, Surat and Thrissur, (number of centres may be added/deleted progressively) for credit to their bank accounts maintained at the respective centres and where the amount of one single instrument does not exceed Rs.5,00,000/-.The investors will be given a statement giving details of credit to his bank account.
- iii. The bank branch of the investor will credit the investor's account and indicate the credit entry with "ECS" in his passbook/statement of bank account. The applicant residing at the aforesaid centres are required to furnish name and address of bank branch, nature and number of account, 9 digit bank and branch MICR code number in the application form.
- iv. In case the number of investors from the aforesaid cities are not sufficient enough or for any other reasons, the Trust may pay the income distribution by issue of income distribution warrants incorporating bank account details instead of paying income through "ECS" at any or all the above centres.

v. Income Distribution to Non Resident Indian investor

Income under the plan shall be paid as per the Exchange Control Regulations. The present position regarding payment of income is as follows:

- a) The warrant can be issued in the name of the member and sent to a relative who is resident in India for crediting the NRE/NRO account of the member, as the case may be.
OR
- b) The warrant can be issued in the name of a relative who is resident in India and sent to him for being credited to his account. In case of an NRI investor where payment is required to be made in favour of his resident relative, the bank particulars of such relative's bank account should be furnished.
- vi. ECS facility is also available to NRI investors who have their own bank accounts in Mumbai. For those NRI investors who wish to credit Income Distribution to their resident relative's account, ECS facility could be extended to them at places as indicated in clause (ii) above.

R-15
UT/DBDM/SPD-119-C/2000-2001

14th November, 2000

The offer document of the Monthly Income Plan 2000 (Third) formulated under section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963(52 of 1963), in relation to the unit scheme, the Monthly Income Scheme 2000(Third) made under section 21 of the said Act, approved by the Executive Committee in the meeting held on June 24, 2000 is published herebelow.



S CHATTERJI
DEPUTY GENERAL MANAGER
BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING

The Monthly Income Plan 2000 (Third) has been formulated under section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act 1963 (52 of 1963), in relation to the unit scheme, the Monthly Income Scheme 2000(Third) made under section 21 of the said Act by the Board of Trustees of UTI. This offer document sets forth concisely the information about the scheme that a prospective investor ought to know before investing. The offer document should be retained for future reference.

The scheme particulars have been prepared in accordance with Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, as amended till date, and filed with the SEBI, and the units offered for public subscription have not been approved or disapproved by the SEBI, nor has the SEBI certified on the accuracy or adequacy of the offer document.

Objective of the scheme

This is an income oriented plan. The Plan aims at meeting the needs of investors by providing regular income on a monthly/ annual basis or cumulation of income over a period of five years.

HIGHLIGHTS

- ☐ A five year close end income plan
- ☐ The plan is open to both Residents and NRIs
- ☐ The plan offers three options a) Monthly Income Option b) Annual Income Option & c) Cumulative Option.
- ☐ The face value of a unit is Rs 10/- and units will be sold at par
- ☐ Minimum investment is Rs 10,000/-.
- ☐ Declaration of income distribution and despatch of income distribution warrants/ cumulation of income distribution under the three options will be as follows

Option	Period applicable	Rate of Income distribution	Warrant(s) despatch/ Cumulation of Income
Monthly Income	1st November 2000 – 31st March 2001	9.75 % p a	With the Membership Advice
	1st April 2001 – 31st October 2001	9.75 % p a	March / April 2001
	1st November 2001 – 31st March 2002	To be announced in March 2001	March / April 2001
	Each subsequent April – March till 2005	To be announced in March each year	March / April 2002 and so on
	1st April 2005 – 31st October 2005	To be announced in March 2005	March / April 2005
Annual Income	1st November 2000 – 31st October 2001	10.20% p a	March 2001
	1st November 2001 – 31st March 2002	To be announced in March 2001	March / April 2002
	Each subsequent April – March till March 2005	To be announced in March each year	March / April 2003 and so on
	1st April 2005 - 31st October 2005	To be announced in March 2005	With maturity proceeds
Cumulative (income will be cumulated)	1st November 2000 – 31st October 2001	10.20% p a	October 2001
	1st November 2001 – 31st March 2002 Each subsequent April – March till March 2005	To be announced in March 2001 To be announced in March each year	March / April 2002 March / April 2003 and so on
	1st April 2005 – 31st October 2005	To be announced in March 2005	October 2005

- ☐ For the period from the date of acceptance of an application to 31st October, 2000, investors under all the three options will be paid income distribution @ 9.75% p.a.
- ☐ Income distribution at specified centres (currently 22) will be made through ECS and at other places by issue of Income Distribution Warrants.
- ☐ Units of the scheme to be listed on the Wholesale Debt Segment of the NSE.
- ☐ Repurchase under all the three options can be made from 1st November, 2003 at the NAV based repurchase price.
- ☐ **The capital invested in the scheme is protected at maturity when units will be redeemed at NAV or at par value, whichever is higher. The Development Reserve Fund (DRF) of the Trust guarantees this capital protection. There is no such guarantee for repurchases which may be made between 1st November, 2003 to 31st October, 2005 and repurchase price in such cases will be based on the prevailing NAV.**
- ☐ Income distribution and repurchase / redemption proceeds payable to NRI and OCB investors is fully repatriable, if they make investment by remittances from abroad or by debit to their NRE account or by a cheque/draft issued out of proceeds of the FCNR deposits and they continue to be NRI at the time of such payment / remittance.
- ☐ Currently income distribution, if any, received by all the categories of investors under all the schemes/plans of the Trust is totally free from tax under Section 10(33) of the Income Tax Act, 1961.
- ☐ Under the current tax laws, there is no deduction of tax at source from income distribution by UTI, for all categories of investors, irrespective of the amount of income received by an investor from the scheme. As per Finance Act 2000, the scheme, is required to make an income distribution tax at 20% and surcharge of 10% thereon on the amount of income, if any, distributed by it after 01.06.2000 under Section 115R of the Income Tax Act, 1961.
- ☐ Value of investment in units under the scheme is totally free from the levy of Wealth Tax.
- ☐ The Gift Tax Act, 1958 has abolished the levy of Gift Tax in respect of gifts made on or after 1st October, 1998. Thus, gifts of units of UTI will not attract any levy of Gift Tax.
- ☐ Long term capital gains, if any, arising on repurchase of units of the schemes are currently taxable at 20 % + surcharge after factoring cost inflation indexation or at a flat rate of 10 % + surcharge as may be opted for by the investor.
- ☐ Eligible for investment of sale proceeds arising out of transfer of long term capital assets sold/ transferred till 31/3/2000, under section 54EA of the Income Tax Act, 1961 provided such investment is made within six months of such sale/transfer, units arising out of such investment can be repurchased/ transferred/ pledged only after the expiry of the lock-in period of three years from the date of commencement of the scheme.

II. DUE DILIGENCE CERTIFICATE

Due Diligence Certificate submitted to SEBI for MIP 2000 (Thlrd)

It is confirmed that :

- I. the draft offer document forwarded to Securities and Exchange Board of India is in accordance with the SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 and the guidelines and directives issued by SEBI from time to time;
- II. all legal requirements connected with the launching of the scheme as also the guidelines, instructions, etc. issued by the Government and any other competent authority in this behalf, have been duly complied with;
- III. the disclosures made in the offer document are true, fair and adequate to enable the investors to make a well informed decision regarding investment in the proposed scheme;
- IV. all the intermediaries named in the offer document are registered with SEBI and till date such registration is valid.

Date : 06.07.2000
Place : Mumbai

Sd/-
Ajeet Prasad
Compliance Officer
With seal

III. DEFINITIONS

In the scheme and plan made thereunder unless the context otherwise requires:

- (a) "Acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is complete in all respects, accepts the same;
- (b) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963).
- (c) "Alternate applicant" in case of minor means the parent other than the parent who has made the application on behalf of the minor.
- (d) "Applicant" means a person who is eligible to participate in the scheme and plan made thereunder who is not a minor and shall include the alternate applicant mentioned in the application form when units are sold for the benefit of a mentally handicapped person and makes an application under Clause V of the plan.
- (e) "Date of commencement" of the five years term of the scheme/plan is 1st November 2000.
- (f) "Eligible institution" means an eligible trust as defined in the Unit Trust of India General Regulations 1964.
- (g) "Firm", "partner" and "partnership" have the meanings assigned to them in the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), but the expression partner shall also include any person who being a minor is admitted to the benefits of the partnership.
- (h) "Listed" means the listing of units for the purpose of trading on the Whole Sale Debt Market Segment of the NSE or any other stock exchange/segment as may be decided with the approval of SEBI.
- (i) "Member" used as an expression under the scheme and plan made thereunder shall mean and include the applicant who has been allotted units under the scheme.
- (j) "Mentally handicapped person" means any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life.
- (k) "Non Resident Indian (NRI)" means a person resident outside India who is a citizen of India or is a person of Indian origin. A person shall be deemed to be 'person of Indian origin' if he is a citizen of any country other than Bangladesh or Pakistan, (a) if he at any time held an Indian passport or (b) he or either his parents or any of his grand parents was a citizen of India by virtue of the Constitution of India or the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955) or (c) the person is a spouse of an Indian citizen or a person referred to in clause 2 (xii) (a) or (b) of Foreign Exchange Management (Deposit) Regulations, 2000.
- (l) "Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
- (m) "Overseas Corporate Bodies (OCBs)", means a company, partnership firm, society and other corporate body owned directly or indirectly to the extent of at least sixty percent by Non-Resident Indians and includes overseas trust in which not less than sixty percent beneficial interest is held by Non-resident Indians directly or indirectly but irrevocably.
- (n) "Person" shall include an eligible institution as defined above.
- (o) "Registrars" means a person whose services may be retained by the Trust to act as the Registrar and Transfer Agents under the scheme from time to time.
- (p) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act.
- (q) "SEBI" means the Securities and Exchange Board of India set up under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).
- (r) "SEBI (MF) Regulations" means the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 framed by SEBI in exercise of powers conferred under Securities and Exchange Board of India, Act 1992 as amended from time to time.
- (s) "Society" means a society established under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any State or Central law for the time being in force.
- (t) "Trading" means the dealing in buying or selling units through the stock exchange after the first allotment of units.
- (u) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (v) "Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.
- (w) "Unit Trust" or "Trust" or "UTI" means the Unit Trust of India established under Section 3 of the Act.
- (x) All other expressions not defined herein but defined in the Act/ Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/ Regulations.
- (y) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa.

IV. RISK FACTORS

- ❑ Mutual Funds and securities investments are subject to market risks. There is no guarantee for protection

of capital on repurchases between 1st November, 2003 to 31st October, 2005 as the repurchase price in such cases will be based on the then prevailing NAV.

- ❑ As with any investment in securities, the NAV of the units issued under the scheme can go up or down depending on the factors and forces affecting the capital markets.
- ❑ Performance of previous schemes/plans is not necessarily an indication of future results.
- ❑ Monthly Income Plan 2000 (Third) [MIP 2000(Third)] is only the name of the plan and does not in any manner indicate the quality of the plan.
- ❑ Like in all listed close end schemes there is a risk of infrequent trading and possibility of market price of units being at a discount to NAV.
- ❑ **Derivatives:** Trading in derivative securities like options & futures is a highly specialised activity and entails greater than ordinary investment risks. Even though the plan intends to use the activity of investing in derivatives only for portfolio hedging and balancing purposes, the overall market in these segments could be highly speculative due to the actions of the other participants in this market. The success of dealing in derivatives depends upon the ability of the fund manager in predicting the future movement of the market and if the fund manager is incorrect in their prediction the performance of the fund could diminish compared to what it would have been if this investment strategy had not been used.
- ❑ **Investment in overseas market:** The success of investment in overseas market depends upon the ability of the fund manager in understanding of those market conditions and analysing the information which could be different from Indian markets. As this would involve operations in foreign markets there could be exchange rate fluctuations risk besides market risk.
- ❑ **Stock Lending:** It is one of the means of earning additional income for the plan with least risk. The risk could be in the form of non-availability of ready stock for sale during the period the stocks remain lent. The plan could also be exposed to risk through the possibility of default by the borrower/intermediary in returning the securities. However, the risk would be adequately covered by taking in of suitable collateral from the borrower by the intermediary involved in the process. The Trust will have a lien on such collateral. The Trust will also have other suitable checks and controls to minimise any risk involved in the securities lending process.
- ❑ The Trust has been following the practice of paying returns under the MIP out of the unit capital and members who repurchase units before maturity may get a lower NAV on account of this practice.

Therefore, during the period of the scheme, the return may be paid out of capital and to that extent NAV could be lower.

- ❑ The assurance of returns under this scheme is given on the basis of guarantee provided by the Development Reserve Fund (DRF) of the Trust. The size of the DRF as on 30.06.2000 was Rs. 1069.97 crore as against investible funds of Rs. 26268.96 crore as on 30.06.2000 under 22 schemes that have assured returns with the guarantee of DRF. About 63.33% of the assets of DRF are in equities, 20.77% in debt and 15.89% are in Money Market instruments.

V. UNITS & OFFER

1. This scheme shall be called the Monthly Income Scheme 2000(Third) [MIS'2000(Thrd)] and the plan formulated under this scheme shall be called Monthly Income Plan 2000(Third) [MIP2000 (Thrd)].
2. The scheme shall be for a period of five years from 1st November, 2000 to 31st October, 2005.
3. Units will be on sale from 30th August, 2000 to 13th October, 2000 for 45 days. Provided, however, the Executive Committee of the Board of Trustees of the Unit Trust / Chairman may suspend the sale of units under the scheme earlier at any time in circumstances like war, disruption of trading in stock exchanges and other socio-economic factors after giving 7 days notice through newspapers or in such other manner as may be decided by the Unit Trust.
4. The face value of each unit issued under the scheme shall be ten rupees.
5. **Application for units**

Application for units can be made by residents as well as NRIs as under :

- (i) a resident individual or an NRI either singly or jointly with another or up to two other individuals on joint/ any one or survivor basis,
- (ii) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a resident or a NRI minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly,
- (iii) an eligible institution as defined under the scheme including Private Trust being irrevocable trust and created by an instrument in writing,
- (iv) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
- (v) a society as defined under the scheme,
- (vi) a body corporate including a company formed under the Companies Act, 1956 and banks,
- (vii) a Hindu Undivided Family (HUF) both resident and non-resident,
- (viii) an Army/Navy/Air Force/Paramilitary Fund,
- (ix) a partnership firm,

(An application by a partnership firm shall be made by not more than three members of the firm and

- the first named person shall be recognised by the Trust for all practical purposes as the member.) and
- (x) an Overseas Corporate Body owned by NRIs to the extent of at least 60%.

6. Minimum amount of Investment

Application shall be made for a minimum of Rs.10,000/- under all options. There will be no upper limit. For investments not in multiple of Rs.10/-, units will be allotted in fractions up to three places after the decimal. In case of investment of Rs.50,000/- and above, the resident or a NRI investing out of non-resident ordinary account is advised to furnish Income Tax P.A.N./ G.I.R. number and I T Circle address if he/ she is having so.

7. Target amount of the issue

Amount of Rs.50 crore is targeted to be raised under the scheme.

If the targeted amount is not subscribed, the Trust shall refund the entire amount collected under the scheme by account payee cheque/refund order not later than six weeks from the date of closure of the sale of units under the scheme. In such an event the investors will not be entitled to get the income distribution of 9.75% p.a. for the period from the date of acceptance to the date of closure of the sale. In the event of failure to refund the amounts within the above period stipulated, the Trust shall be liable to pay interest to the applicants @ 15% p.a. from the 43rd day of the date of closure of sale of units till the date of refund.

8. Listing

The units issued under the scheme shall be listed on the Wholesale Debt Segment of the NSE or any other stock exchange/segment as may be decided with the approval of SEBI within six months from the date of closure of subscription. An application for listing shall be made to the stock exchange after dispatch of membership advices to all the valid applicants in the scheme. The marketable lot is 100 units of face value of Rs.10/- each.

9. Membership Advice

The Trust shall send a Membership Advice within 6 weeks from date of closure of sale of units under the plan. The member desirous of selling units through stock exchange or transfer the units may write to the Registrar for exchange of membership advice with unit certificate/s indicating whether the unit certificate/s are required in marketable lots or a single certificate. The unit certificate/s will be issued within 7 days from the date of receipt of such request by the Registrar.

An NRI applicant may choose any of the following options to receive the membership advice or unit certificate/s in exchange of the membership advice:

- (i) At his Indian/foreign address, or
- (ii) At his relative's address in India, or
- (iii) At his banker in India for safe custody.

10. Transfer/Pledge/Assignment of Units

A membership advice is not transferable/pledgeable/assignable. The member desirous of selling units through stock exchange or intending to transfer the units may write to the Registrar for exchange of the membership advice with unit certificate/s as mentioned in paragraph 9 above. The unit certificate/s so issued will be transferable/pledgeable/assignable subject to the following terms:

- (i) The transfer is in favour of categories of investors as mentioned under paragraph V (5) above.
- (ii) Transfers are effected only by and between transferors and transferees who are capable of holding units. The Trust shall not be bound to recognise any other transfer.
- (iii) Duly stamped prescribed transfer deed with the relative unit certificate and unencashed income distribution warrants subsequent to and inclusive of the month of transfer (in case of monthly income option) are returned to Registrar. Any transfer deed lodged with or accepted by any of the offices of the Trust shall be forwarded to the nearest office of the Registrar.
- (iv) Every instrument of transfer is signed by the transferor (all the transferors in case of joint holding) and the transferee (all the transferees in case of joint purchase) and the transferor shall be deemed to hold units until the name of the transferee is entered in the register of members by the Registrar.
- (v) The Registrar may require such evidence as they may consider necessary in support of the title of the transferor or his right to transfer units.
- (vi) The Registrar may subject to compliance with such requirements as they deem necessary dispense with the production of the original unit certificate, should it be lost, stolen or destroyed.
- (vii) Upon registration of a transfer of units all instruments of transfer and the unit certificate may be retained by the Registrar.
- (viii) The Registrar recognising and registering a transfer may issue the original or fresh unit certificate or membership advice and income distribution warrants, if any, (in case of monthly income option) to the transferee upon payment and realisation of such charges as are payable in connection with the transfer.
- (ix) If a transferee becomes a holder of units in an official capacity, by operation of law or a scheduled bank upon enforcement of a pledge, then the Registrar shall, subject to the production of such evidence which in their opinion is sufficient, proceed to effect the transfer if the intended transferee is otherwise eligible to hold units.
- (x) Under special circumstances, holding of units by a company or other body corporate with another company or body corporate or an individual/

Individuals, none of whom is a minor, will be considered by the Trust.

- (xi) Subject to the provisions contained herein above, the Trust shall register the transfer and return the unit certificate along with income distribution warrants, if any, to the transferee within 30 days from the date of lodgement of the unit certificate together with the relevant instrument of transfer. In case of joint transferees, the unit certificate will be sent to and all payments in respect of the unit certificate will be made only in the name of the first member.

11. Termination/roll over/winding up of the scheme and plan made thereunder

- (i) The scheme shall stand terminated at close of business on 31st October, 2005, the outstanding units of the members shall be redeemed and the members shall be paid the value of their units at the redemption price to be fixed by the Trust. The redemption will be at NAV or Rs.10/- whichever is higher. The Development Reserve Fund (DRF) will guarantee this capital protection. There will be no such guarantee for repurchases made between 1st November, 2003 to 31st October, 2005 and repurchase price in such cases will be based on the prevailing NAV. Besides receiving the repurchase/redemption price determined as above, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase/redemption price or by way of income for any subsequent period to repurchase/redemption date shall accrue to the members.
- (ii) However, the Trust with the prior approval of SEBI reserves the right to extend the scheme beyond five years. In such an event the member shall be given an option to either repurchase the units or to continue in the scheme. The Trust may also give the investor an option to convert the redemption proceeds into any other scheme launched by it or in operation at that time.

The extension of the period of the scheme beyond five years shall be in conformity with sub-regulation 4 of regulation 33 of SEBI (MF) Regulations, 1996. The provisions of the sub regulation are:

"A closed-ended scheme shall be fully redeemed at the end of the maturity period.

Provided that a close ended scheme may be allowed to be rolled over if the purpose, period and other terms of the roll over and other material details of the scheme including the likely composition of assets immediately before the roll over, the net assets and net asset value of the scheme, are disclosed to the unit holders and a copy of the same has been filed with SEBI.

Provided further that such roll over will be permitted only in case of those unit holders who express their

consent in writing and the unit holders who do not opt for the roll over or have not given written consent shall be allowed to redeem their holdings in full at net asset value based price."

- (iii) The Trust may wind up the scheme and the plan made thereunder under the following circumstances:
- on the expiry of five years of the scheme i.e. on 31st October, 2005 or on the expiry of such date beyond five years as may be decided by the Trust.
 - on the happening of any event which in the opinion of the Trust requires the scheme and the plan made thereunder to be wound up, or
 - if 75% of the members of the plan pass a resolution that the scheme be wound up; or
 - if the SEBI so directs in the interest of the members of the plan.
- (iv) Where the scheme is wound up in pursuance of items (b), (c) and (d) of sub-clause (iii) above, the Trust shall give notice giving circumstances leading to the winding up of the scheme to SEBI and in two daily newspapers having circulation all over India and also in a vernacular newspaper circulating in Mumbai at least before a week the termination is effected.
- (v) On and from the date of advertisement of the termination, the Trust shall -
- cease to carry on any business activities in respect of the scheme.
 - cease to create and cancel units in the scheme.
 - cease to issue and redeem units in the scheme.
- (vi) The Board of Trustees shall call a meeting of the members to consider and pass necessary resolution by simple majority of the members present and voting at the meeting for authorising the Trustees or any other person to take steps for winding up of the scheme.
- Provided that a meeting shall not be necessary if the scheme is wound up at the end of the maturity period of the scheme.
- (vii) (a) The Board of Trustees or the person authorised under sub-clause (vi) shall dispose of the assets of the scheme in the best interest of the members of the scheme.
- (b) The proceeds of sale made in pursuance of sub clause (vii) (a) above, shall, in the first instance be utilised towards discharge of such liabilities as are properly due under the scheme and after making appropriate provision for meeting the expenses connected with such winding up, the balance shall be paid to the members in proportion to their respective interest in the assets of the scheme as on the

date when the decision for winding up was taken.

- (viii) On completion of the winding up, the Trust shall forward to the SEBI and the members a report on the winding up containing particulars such as circumstances leading to the winding up, the steps taken for disposal of assets of the scheme before winding up, expenses of the scheme for winding up, net assets available for distribution to the members and a certificate from the auditors of the scheme.
- (ix) Notwithstanding anything contained herein above, the application of the provisions of SEBI (MF) Regulations, 1996 in respect of disclosures of half yearly reports and annual report shall continue until winding up is completed or the scheme ceases to exist.
- (x) After the receipt of the report referred to in item (viii) above, if the SEBI is satisfied that all measures for winding up of the scheme have been completed, the scheme shall cease to exist.
- (xi) The Trust shall pay the repurchase value as early as possible but not later than 10 days after the receipt of repurchase request (printed on the reverse of the membership advice/unit certificate) duly discharged by the members at the Registrar's office and other procedural and operational formalities are complied with. The membership advice/unit certificate, the repurchase request for repurchase and other forms, if any, shall be retained by the Trust for cancellation.
- (xii) In case of non-resident investors, repurchase/redemption proceeds will be remitted depending upon the source of investment as given below:
- (a) Where units have been purchased out of remittance in foreign exchange from abroad or from the proceeds of the member's FCNR deposits or from funds held in member's Non-Resident External(NRE) Account with a bank in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency or credited to NRE or Non-Resident Ordinary (NRO) account or paid to his resident relative in India.
- (b) Where units have been purchased while the applicant was a resident in India or out of funds held in members NRO Account, the maturity proceeds will be sent either to the investors bankers in India for credit to his NRO account or to a resident relative of the investor in India.

VI. EXPENSES

1) Initial issue expenses

- (i) Initial issue expenses of the scheme are estimated to be as under:

Items	% of funds raised under the scheme
Printing & Postage	1.75
Publicity, Marketing and Sales Promotion	3.50
Registrars Charges	0.50
Bank Charges	0.25
Total	6.00

The total initial issue expenses would be within the limit of 6% of the funds collected in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. Thus for every Rupee invested by an investor, not less than 94 paise will be invested in the scheme.

- (ii) Initial issue expenses for the schemes launched during the last financial year are as follows:

Scheme	Expenses (% of funds collected)
UTI-GSEC	0.32
MIP 99 II	2.83
MIP 2000	3.11
ETSP	4.71

- (b) The initial issue expenses were borne by the Trust (by charge to DRF) in respect of Nifty Index Fund launched during the last financial year as it was a no load scheme.

2) Recurring expenses

- (i) Recurring expenses: The following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis. Estimated annual recurring expenses are as under:

Items	As % of average weekly NAV
Administrative Expenses	0.90
Custodial Fees	0.15
Contribution to DRF	0.25
Staff Welfare Fund	0.10
Registrars Fees/Processing Charges including Stamp Duty, if any	0.85
Total	2.25

- (ii) The above are estimates and are subject to change inter se as per actual expenses incurred.
- (iii) The total annual recurring expenses of the scheme excluding amortisation of initial issue expenses and redemption expenses but including administrative expenses, contribution to DRF and Staff Welfare Fund shall be subject to the following limits :
- (a) On the first Rs.100 crore of the average weekly net assets of the scheme – 2.25%
- (b) On the next Rs.300 crore of the average weekly net assets of the scheme – 2.00%
- (c) On the next Rs.300 crore of the average weekly net assets of the scheme – 1.75%
- (d) On the balance of the assets of the scheme – 1.50%

(iv) Administrative expenses, contribution to DRF and contribution to Staff Welfare Fund will not exceed the limits specified under clause 2 of regulation 52 of SEBI (MF) Regulations, 1996, namely:

- (a) One and quarter of one percent of the weekly average net assets outstanding in each accounting year for the scheme as long as the net assets do not exceed Rs.100 crore, and
- (b) One percent of the excess amount over Rs.100 crore, where net assets so calculated exceed Rs. 100 crore.

3) While UTI does not charge any investment management and advisory fees as provided in the SEBI (MF) Regulations, 1996 it will ensure that the initial issue expenses and the annual recurring expenses shall remain within the limits specified under regulation 52 of SEBI (MF) Regulations, 1996.

4) Development Reserve Fund (DRF) contribution

- (i) A sum equal to 0.25% p.a. of the weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution towards the DRF of the Trust. DRF contribution will be part of the recurring expenses.
- (ii) The Trust instituted this fund in the year 1983-84 as a common fund to enable the Trust to meet the expenditure in respect of research & developmental work in connection with the introduction of new schemes, innovation of new systems and procedures at the conceptual stage and also various other production & developmental work not related to or linked with any particular scheme itself. The Fund is also utilised for Economic and Capital Market Research, Management & Professional Training, Surveys and Market Research for the Trust, Marketing and Corporate Image building efforts that are not connected to any specific scheme, Human Resource Development efforts with long term effects and which may relate to the Trust's future activities and for meeting the shortfall, if any, in the assured rate of return of any of the schemes of the Trust as well as the issue expenses for no-load schemes.

5) Staff Welfare Fund (SWF) Contribution

A sum equal to 0.10% p.a. of weekly average Net Asset Value shall be set aside as contribution to the SWF. The Trust has instituted the SWF for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

VII. SALE OF UNITS

1. Sale contract/issuance of Membership Advice

- (a) The sale price of units during the period of offer shall be at par. The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date except when the application is

rejected by Trust for any reason as stated in clause VII (6) of this document. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall as soon thereafter as possible, issue to the applicant a membership advice. A membership advice issued by the Trust to the eligible institution, firm or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/firm/body corporate. The Trust shall not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non delivery of the membership advice so sent.

(b) Non-individual applications along with documents will be accepted only at UTI branch offices/Dubai Representative Office.

(c) The Trust shall send the membership advice not later than 6 weeks from the date of closure of sale of units under the plan.

2. Mode of Payment

- (a) The payment for units by an applicant shall be made by him along with the application in cash, cheque or draft. Where application are submitted at UTI branch offices, cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the UTI branch office at which the application is tendered, is situated.

Provided, however, individual investors who apply from a place other than where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office may do so by sending the application to the branch office of the Trust along with a bank draft after deducting therefrom bank charges for purchasing a bank draft up to Rs.25/- or the actual amount incurred by him, whichever is lower. Bank draft commission charges paid by the Individual Investor in excess of Rs.25/- as stated above will have to be borne by the investor. The collection centre /franchise office/agency bank are authorised to accept applications along with a cheque payable locally or a demand draft payable at places of the concerned branch office of UTI in which case an individual applicant may deduct bank commission charges to the extent of Rs.25/- or the actual amount incurred by him whichever is lower. The draft commission charges will form a part of the initial issue expenses of the plan.

- (b) Where payment is made by a bank draft, by a non-individual applicant the entire commission charges for purchasing a draft will have to be borne by the applicant.

(c) However, in case of applications received along with local bank draft where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office/agency bank, bank draft commission will have to be borne by the investors.

- (d) If the payment is made by a cheque/draft, the date of receipt of the application will, subject to such cheque/draft being realised, be the date on which the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre.

- (e) If the application amount is less than the minimum investment under the plan, the entire amount shall be refunded to the applicant at his cost in such manner as the Trust may deem fit.
- (f) NRIs/OCBs should submit their applications preferably at the NRI Branch, Mumbai, Dubai Representative Office or at any of the Branches of UTI along with NR(E)/NR(O) cheque or a rupee draft payable at the place where the application is submitted.

3) Mode of payment for investment on repatriation basis

The investment by NRIs/OCBs will carry the right of repatriation of capital invested, income distribution and capital appreciation (if any), as long as the investor continues to be an NRI and provided the investment is made by any one of the following modes:

- (a) By a draft in rupees issued in favour of UTI by a bank/exchange house operating outside India drawn on their Indian correspondent bank.
- (b) By a cheque drawn on the investor's NRE account maintained with a bank in India.
- (c) By a cheque/draft issued out of the proceeds of FCNR deposits.

Note: Payment in Nepalese and Bhutanese currencies are not accepted.

4) Mode of payment for investment on non-repatriation basis

- (a) Where the funds held in NRO accounts or from the proceeds of NRSR/NRNR deposits are utilised for purchase of units, the funds so invested and capital appreciation (if any), will not qualify for repatriation out of India. Similarly, investments in units purchased in rupees while the investor was resident of India and becomes non-resident subsequently will not qualify for repatriation of repurchase proceeds of units.
- (b) As per RBI circular A.D.(M.A. Series) No.18 dated August 19, 1994 the entire income distribution on such investment during the financial year 1996-97 and onwards will qualify for full repatriation provided the member continues to be a non-resident. In such cases UTI will make payment in Rupees for credit to NRO A/C. Investors are advised to contact their bankers/tax consultants if they desire remittance of the income distribution on units.

5) Application and registration as a member of the plan by eligible institutions, minors, an applicant for the benefit of a mentally handicapped person etc. and requirements to be complied with by applicants under the scheme before being issued units.

- (i) Eligible institutions, bodies corporate, and societies (including co-operative societies) may be registered as members.

- (ii) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and his capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

- (iii) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be a good discharge to the Trust.

- (iv) A firm shall be registered as a member and the membership advice/unit certificate shall be made in the name of the firm.

- (v) Persons applying for units under the scheme and the plan made thereunder on behalf of a minor/mentally handicapped person shall satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements as laid down by the Trust such as submission of the Birth Certificate in case of minor/Oculist or Psychiatrist Certificate in case of Mentally Handicapped.

- (vi) Applications for units on behalf of bodies like Partnership Firms/Co-operative Societies/Bodies Corporate/Companies shall be accompanied by certified copy of Partnership Deed/Bye-Laws of the Society/Statute governing the Body Corporate/Memorandum and Articles of Association of the Company (if the same is already registered with any of the offices of the Trust it is sufficient to quote the document registration number) together with Resolution of the governing Body authorising investment in the scheme. Names of officials with their designation authorised to sign the application form and attested specimen signatures of the authorised officials should also be submitted. At the time of repurchase of the units, resolution of the governing body authorising repurchase and authorisation of the concerned official(s) of the Body to comply with the formalities and collect the repurchase cheque will have to be submitted.

- (vii) Person who holds units under a false declaration/certificate shall be liable to have the membership cancelled and the name deleted from the register of members.

- (viii) In aforesaid case as in clause (vii) above, Trust shall have the right to repurchase the units at par

or NAV whichever is lower and deduct therefrom 25% as penalty or at such price as may be decided by the Trust and recover the Income Distribution, if any, wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance. The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

6) Right of the Trust to accept or reject application

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the scheme and the plan made thereunder. The Trust shall reject an application for issue of units in the following circumstances:

- (i) The application is received with less than the minimum investment of Rs.10,000/-.
- (ii) The application has not been signed by the first applicant
- (iii) The applicant is not eligible to invest in the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the scheme and the plan made thereunder shall be final.
- (iv) In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection without incurring any liability, whatsoever, for interest or other sum.
- (v) **Any application without the first applicant's bank particulars will be liable to be rejected.**

Refund in such rejected cases will be made after compliance with requisite operational and procedural formalities without incurring any liability whatsoever for interest or other sum.

7) Nomination by members

- (i) Nomination facility is available to individuals applying on their own behalf i.e. singly or jointly up to two.
- (ii) Only one person can be nominated.
- (iii) Minors including an NRI minor can be nominated.
- (iv) Nomination of NRIs is subject to requirements of the RBI prescribed from time to time.
- (v) Nomination can be changed at any time during the currency of the investment.
- (vi) Member being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, HUF, partnership firms and an applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.
- (vii) Other provisions will be to the extent provided in the regulations.
- (viii) The facility of the statutory nomination is available to a member under Section 39A of the Act. Accordingly, where a nomination in respect of any

unit has been made in accordance with the Regulations, the unit shall, on the death of the member(s), vest in the nominee and the nominee shall be issued a membership advice in respect of the unit so vested subject to any charge or encumbrance over the said units. Payment made by the Trust as aforesaid shall be a full discharge to the Trust from all liability in respect of the said units.

VIII. REPURCHASE OF UNITS

1. There shall be no repurchase during the first three years of the scheme and plan made thereunder except for settlement of death claim cases. Repurchase of units under the plan will commence after three years from the date of commencement of the plan i.e. from 1st November, 2003 under all the three options. The repurchase price will be based on the NAV of units (on historic basis) and shall be issued to the press for publication six months from the date of commencement of the plan i.e. on 1st May, 2001 and thereafter on a weekly basis. The repurchase price valid for a week (Monday to Sunday) will be based on the NAV of the Wednesday of the preceding week. If Wednesday is holiday in the state of Maharashtra, then NAV as of immediate preceding working day will be considered. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit.
2. **Monthly Income Option**
 - (i) Repurchase will be effected on receipt of the repurchase request (printed on the reverse of the membership advice/unit certificate) duly discharged by the members at the Registrar's office.
 - (ii) Partial repurchase shall be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs.10,000/- (face value).
 - (iii) The member while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unencashed Income Distribution Warrants remaining outstanding subsequent to and inclusive of the month of repurchase to the Trust.
 - (iv) **A member to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. In the event of a member repurchasing units and his holding units for a part of the year he shall be entitled to receive only proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.**
 - (v) In the event of repurchase in full the Trust shall not, on accepting the repurchase request (printed

on the reverse of the membership advice/unit certificate) duly discharged, be bound to pay any Income Distribution on the units for the month of acceptance or future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds provided such repurchase proceeds are paid or despatched within the time frame provided under SEBI (MF) Regulations.

- (vi) All the documents and the unencashed Income Distribution Warrants, if any, received shall be retained by the Trust for cancellation.
- (vii) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses, the Trust shall be at liberty while repurchasing the units, in the event of failure of the member to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding, to deduct from the repurchase proceeds such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant(s) payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the member. On acceptance of the repurchase request (printed on the reverse of the membership advice/unit certificate) duly discharged and in the event of full repurchase, the member's right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount represented by such outstanding Income Distribution.
- (viii) In the event of partial repurchase, depending on the number of units retained by him, the member shall be issued a fresh membership advice/unit certificate and a fresh set of Income distribution warrants for the remaining period including the month of acceptance. No interest shall be payable on the repurchase proceeds provided such repurchase proceeds are paid or despatched within the time frame provided under the SEBI (MF) Regulations.
- (ix) In the event of death of the member/s and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the membership advice/unit certificate, together with a repurchase request for repurchase of the units outstanding to the credit of the deceased member and the unencashed Income Distribution Warrants outstanding to the deceased member, the Trust shall on compliance with the requirements laid down in connection with the recognition of claim, repurchase the units in the manner prescribed in sub clause (iv) and (vii) herein above in accordance with such rules and guidelines as may be formulated by the Trust and pay the outstanding proportionate monthly income distribution up to the date of settlement of the claim.

3. Annual & Cumulative Options

Partial repurchase will be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs.10,000/- (face value) under both the options.

- 4. Payment for units repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made within 10 working days (provided the application is in order) from the date of receipt of the repurchase request (printed on the reverse of the membership advice/unit certificate) duly discharged and income distribution warrants, if any, at the centre where the repurchase requests are processed.

No interest shall, on any account, be payable on the amount of repurchase due to the applicant provided such repurchase proceeds are paid within the time frame provided under SEBI(MF) Regulations and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

- 5. In case of NRI/OCB investors, repurchase proceeds will be remitted outside India depending upon the source of investment as mentioned in paragraph V(11) (xii) above.

6. Restrictions on repurchase of units

Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme and the plan made thereunder, the Trust shall not be under any obligation to repurchase units :

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period (not exceeding 15 days) when the register of members remains closed for the purpose of updation of record and reconciliation of unit capital.

Explanation: For the purpose of this scheme and the plan made thereunder the term "working day" shall mean a day which has not been either

- (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or
- (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will remain closed.

IX. INCOME DISTRIBUTION

- (a) The member shall have the right to exercise an option to participate in :
 - 1) Monthly Income Option OR
 - 2) Annual Income Option OR
 - 3) Cumulative Option.

This shall be done at the time of investment in the scheme. In case no option is exercised in the application form at the first instance it will be deemed to be under monthly income option. The Trust reserves the right to permit investors to change of income distribution option (i.e. monthly to annual or cumulative option or vice-versa) on such terms and conditions as may be decided in future and the same will be communicated to investors in such manner as may be deemed appropriate.

1) Monthly Income Option

- (i) Declaration of income distribution and despatch of income warrants under the monthly income option will be as follows:

Period applicable	Rate of Income distribution	Despatch of Income distribution warrants
1st November, 2000 to 31st March, 2001	9.75% p.a	With membership advice
1st April, 2001 to 31st October, 2001	9.75% p.a	March / April, 2001
1st November, 2001 to 31st March, 2002	To be announced in March 2001	March/ April, 2001
Each subsequent April-March till 2005	To be announced in March every year	March / April 2002 and so on.
1st April, 2005 to 31st October, 2005	To be announced in March 2005	March/ April, 2005

Based on the investment objectives and policies of the plan as also prevailing and likely yields from the instruments in which funds of the scheme will be invested, the scheme is expected to generate sufficient returns to pay assured income @ 9.75% p.a. payable monthly for the first year of the plan.

- (ii) The income distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust by means of Income Distribution Warrants or by ECS or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify under prepayment arrangements with the banks.
- (iii) Depending upon the date of acceptance of the application one income distribution for the period upto 31st December 2000 and for the 3 months from January 2001 to March 2001 will be made by ECS or by Income Distribution Warrants sent along with the Membership Advice. The Income Distribution Warrant for the month of March will be dated 31st March every year.
- (iv) Subject to the provisions of sub-clause (iii), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the member in advance. The warrants will be so dated that the member shall encash each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrant shall have validity for three months.
- (v) The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the members before the expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.
- (vi) In the event of repurchase, the member upon non-surrender of unencashed warrants the amount represented by such Income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds and in that event the member shall be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent months and remaining in the custody of the members on the dates of maturity of warrants.

(vii) In the event of the death of the member if the nominee/legal heir is eligible to hold units and desires to continue to hold the units, then the nominee/legal heir shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary change in his favour. However, such a nominee/legal heir desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased member to those in favour of the newly admitted member.

(viii) In the event of death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.

2) Annual Income Option

Declaration of income distribution and ECS payment or despatch of IDW under the annual income option will be as follows:

Period applicable	Rate of Income distribution	Despatch of Income distribution warrants
1st November, 2000 to 31st October, 2001	10.20% p.a.	October, 2001
1st November, 2001 to 31st March, 2002	To be announced in March 2001	March / April, 2002
Each subsequent April-March till March 2005	To be announced in March every year	March / April, 2003 and so on.
1st April, 2005 to 31st October, 2005	To be announced in March 2005	With maturity proceeds

3) Cumulative Option

No income will be distributed under this option. Declaration of Income distribution and cumulation of income under the cumulative option will be as follows:

Period applicable	Rate of Income distribution	Cumulation of Income
1st November, 2000 to 31st October, 2001	10.20% p.a.	October, 2001
1st November, 2001 to 31st March, 2002	To be announced in March 2001	March / April, 2002
Each subsequent April-March till March 2005	To be announced in March every year	March / April, 2003 and so on.
1st April, 2005 to 31st October, 2005	To be announced in March 2005	October, 2005

Under all three options, the member will be paid Income distribution @ 9.75% p.a. from the date of acceptance of the application to 31st October, 2000 by means of cheque which will be sent along with the membership advice under all three options.

4) Justification of the return of 10.20% p.a. under the plan

- (i) Assuming a collection of Rs.100 crore and initial expenses are 3% to be written off over a period of five years, the investible funds available for the first year would be Rs.97 crore. The initial issue expenses would be within the limit of 6% of the funds collected in accordance with SEBI (MF) Regulations.
- (ii) Further assuming that the scheme will be investing 80% in debt instruments, with a low to medium risk profile at a YTM in the range of 10.00% to 13.50%, the investment will earn the weighted average yield of 12.31% p.a.
- (iii) The annualised return on 20% amount to be invested in equity by way of dividend and taking into account, appreciation/ depreciation in the value of equity portfolio and profits booked be around 22.50% p.a.
- (iv) In the above example, the scheme is expected to earn a return of 13.91% in the first year shown below:

Instruments	% of Portfolio	Investible Funds	Return (%)
Debentures	80	77.60	12.31
Equity	20	19.40	22.50

(vi) Weighted Avg.

$$\text{Yield on Portfolio} = \frac{77.60 \times 12.31 + 19.40 \times 22.50}{100.00} = 13.91\%$$

- (i) Taking annual expenses and provisions as 1.25%, the income available for distribution would be 12.66%. This would be sufficient to pay income for the first year of the plan @ 9.75% p.a. under the monthly option and @ 10.20% p.a. under the annual & cumulative options, after tax payment of 22% p.a. on the income distribution under all the options.
- (ii) The above is illustrative and is based on market conditions at the time of launch of the plan with the following assumptions:
 - a) There would be enough opportunities to deploy the entire funds mobilised in the shortest possible time say 1-2 months.
 - b) The equity portfolio will consist of liquid scrips and adopt a reasonably active trading strategy.

5) Bank particulars & Electronic Clearing Service (ECS)

- i) It is mandatory for an applicant to give full

particulars of his bank account, such as, nature of account, the account number and name and address of the bank branch along with the pin code at the appropriate place in the application form.

- ii) Reserve Bank of India has introduced ECS for direct credit of amounts to the bank accounts of the members. Currently, this facility is available to investors from Ahmedabad, Ballabgarh/ Fandabad, Bangalore, Baroda, Bhopal, Bhubaneshwar, Calcutta, Chandigarh, Chennai, Hyderabad, Indore, Jaipur, Jamshedpur, Ludhiana, Mumbai, Nagpur, New Delhi, Pune, Shimla, Siliguri, Surat and Thrissur, (number of centres may be added/delete progressively) for credit to their bank accounts maintained at the respective centres and where the amount of one single instrument does not exceed Rs.5,00,000/-. The members will be given a statement giving details of credit to his bank account.
- iii) The bank branch of the member will credit the member's account and indicate the credit entry with "ECS" in his passbook/statement of bank account. The applicant residing at the aforesaid centres are required to furnish name and address of bank branch, nature and number of account, 9 digit bank and branch MICR code number in the application form.
- iv) In case the number of members from the aforesaid cities are not sufficient enough or for any other reasons, the Trust may pay the income distribution by issue of Income distribution warrants incorporating bank account details instead of paying income through "ECS" at any or all the above centres.

v) Income Distribution to NRI member

Income under the plan shall be paid as per the Exchange Control Regulations. The present position regarding payment of income is as follows:

- a) The warrant can be issued in the name of the member and sent to a relative who is resident in India for crediting the NRE/NRO account of the member, as the case may be. OR
- b) The warrant can be issued in the name of a relative who is resident in India and sent to him for being credited to his account. In case of an NRI member where payment is required to be made in favour of his resident relative, the bank particulars of such relative's bank account should be furnished.

ECS facility is also available to NRI members who have their own bank accounts in Mumbai. For those NRI members who wish to credit Income Distribution to their resident relative's account, ECS facility could be extended to them at places as indicated in clause (ii) above.

X. INVESTMENT OBJECTIVES , POLICIES, STOCK LENDING & DERIVATIVES

Investment Objective

- (i) Investment objective of the scheme is to primarily provide regular income to members and also to endeavour providing capital appreciation on maturity of the scheme. Funds collected under the scheme after meeting all initial issue expenses shall generally be invested as follows:
 - (a) Not less than 80% of the funds in debt instruments including money market instruments of low to medium, risk profile.
 - (b) Not more than 20% of the funds in equities and equity related instruments. The risk profile of equity investments could be high.
- (ii) Minimum and maximum asset allocation:
 - (a) Debt — Minimum 80 % Maximum 100%
 - (b) Equity — Maximum 20%
- (iii) No fixed allocation will normally be made for money market instruments.

Investment in money market instruments will be kept to the minimum so as to be able to meet the liquidity needs of the plan. However, pending deployment of funds of the scheme in securities in accordance with its investment objective, as stated above, the Trust may invest in money market instruments.

- iv) The Trust retains the option to alter the asset allocation for a short term period on defensive consideration.

Fundamental Attributes

- (i) "Fundamental attributes" mean the following.
 - a) Type of scheme: MIP 2000 (Third) is a close end Income fund, with return assured at 9.75% p.a. payable monthly and 10.20% under annual and cumulative options for the first year of the plan period and for subsequent period as indicated in clause IX.
 - b) Investment objective : as provided under clause X of this offer document.
 - c) Terms of Issue :
 - i. provisions in this offer document in respect of listing repurchase of units and expenses.
 - ii. The capital invested in the scheme is protected at maturity when units will be redeemed at NAV or at par value, whichever is higher. However, there is no guarantee of protection of capital for premature repurchases and the repurchase prices for such cases will depend on the NAV.

- (ii) Any change in the fundamental attributes of the scheme will be carried out only if:
 - a) the existing unitholders are intimated by individual communication and
 - b) an advertisement is given in English daily newspaper having circulation all over India and also in a Marathi newspaper having circulation in Mumbai.
 - c) the members are given an option to exit at prevailing NAV without any exit load.
- (iii) The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and the plan made thereunder and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette as required in terms of the Act.
- (iv) Any change/amendment/modification of the fundamental attributes of the scheme will be made with the prior approval of the SEBI. In respect of other changes/amendments/modifications not being of fundamental nature and not affecting the interest of the investor adversely, SEBI will be kept informed.

3. Investment Policies

- (i) The scheme shall not invest more than 15% of its NAV in debt instruments issued by a single issuer which are rated not below investment grade by a credit rating agency authorised to carry out such activity under SEBI. Such investment limit may be extended to 20% of the NAV of scheme with the prior approval of the Board of Trustees. Provided that such limit shall not be applicable for investments in government securities and money market instruments.
- (ii) The scheme shall not invest more than 10% of its NAV in unrated debt instruments issued by a single issuer and the total investment in such instruments shall not exceed 25% of the NAV of the scheme. All such investments shall be made with the prior approval of the Board of Trustees.

Provided further that investment within such limit can be made in mortgaged backed securitised debt which are rated not below investment grade by a credit rating agency registered with SEBI.
- (iii) No term loans will be advanced by this scheme.
- (iv) The Trust shall buy and sell securities on the basis of deliveries and shall in all cases of purchases, take delivery of relative securities and in all cases of sale, deliver the securities and shall in no case put itself in a position whereby it has to make short sale or carry forward transaction or engage in badla finance.
- (v) The Trust shall, get the securities purchased by it transferred in its name.

- (vi) (a) The scheme will participate in the stock lending programme, in accordance with the terms of securities lending scheme announced by SEBI. The activity shall be carried out through approved intermediary.
- (b) The maximum exposure of the scheme to a single intermediary in the stock lending programme at any point of time would be 10% of the market value of the equity portfolio of the scheme or such limit as may be specified by SEBI.
- (c) If mutual funds and UTI are permitted to borrow stocks the scheme may in appropriate circumstances borrow stocks in accordance with SEBI guidelines in that regard.
- (vii) The scheme may invest in securities issued by overseas/foreign companies and listed abroad or securities issued by Indian Corporates to foreign/overseas investors and listed on foreign stock exchange directly by subscribing to such issues or purchasing them on the foreign stock exchanges in accordance with the SEBI/RBI guidelines issued in that regard from time to time.
- (viii) The scheme shall not make any investment in:
- any unlisted security of an associate or group company of the Trust; or
 - any security issued by way of private placement by an associate or group company of the Trust; or
 - the listed securities of group companies of the Trust which is in excess of 25% of the net assets.
- (ix) As advised by SEBI purchase and sale of securities for the plan through UTI Securities Exchange Ltd. during any block of three months shall not exceed 5% of aggregate purchase and sale of securities made by the plan.
- (x) Investment in non publicly offered debt: Depending upon the available yield the scheme would be investing in non-publicly offered debt securities.
- (xi) Based upon the liquidity needs, the scheme may invest in Government of India/State Government Securities without any restriction on the extent to which such investment can be made.
- (xii) The scheme shall invest not more than 10% of its NAV in the equity shares or equity related instruments of any company.
- (xiii) The scheme shall invest not more than 10% of its NAV in the unlisted equity shares or equity related instruments.

4. Corporate Investment in the Trust's schemes and the Trust's investments in these companies.

- (i) List of schemes wherein companies have invested more than 5% of the net asset value of a scheme as on 31/12/99.

Sr No.	Scheme Name	Name of Company holding > 5% of scheme assets
1	IISFUS '97	HDFC
		Hindustan Lever Ltd
2	IISFUS 97(II)	State Bank of India
		The Peerless General Finance & Investment Co Ltd
3	IISFUS 98	The Peerless General Finance & Investment Co Ltd
4	IISFUS 98 (II)	National Housing Bank
5	MIP 97(IV)	Oriental Bank of Commerce
6	MIF	The Peerless General Finance & Investment Co Ltd
		State Bank of India
7	MVUP	IDBI
		SBI
8	GROWTH SECTOR FUND (BRAND VALUE)	Aranik Securities Pvt Ltd
		State Bank of Hyderabad
9	GROWTH SECTOR FUND (PHARMA)	State Bank of Hyderabad
10	GROWTH SECTOR FUND (SERVICES)	State Bank of Hyderabad
11	G SEC	Union Bank of India
		State Bank of India
12	UTI-MMF	Bennett, Coleman & Co Ltd
		UTI Bank Ltd
		The Arvind Mills Ltd.
		Stock Holding Corporation of India Ltd

- (ii) Investment made by the above scheme or any other scheme of UTI in the above companies or their subsidiaries on an aggregate basis as on 31/12/99

Rs. crore

Company Name	Equity (Cost)	Debt (Cost)	Deposits	Total
State Bank of Mysore	0.18	0.00	0.00	0.18
State Bank of Hyderabad	0.00	0.76	0.00	0.76
IDBI Bank	0.85	0.00	0.00	0.85
Stock Holding Corporation of India Ltd	7.33	0.00	0.00	7.33
Hind Lever Chemicals Ltd (HLL Subsidiary)	20.45	0.00	0.00	20.45
Oriental Bank of Commerce	29.07	0.00	0.00	29.07
SBI Capital Markets (SBI subsidiary)	0.00	35.45	0.00	35.45
Union Bank of India	0.00	50.00	0.00	50.00
The Arvind Mills Ltd	58.35	1.07	0.00	59.42
SIDBI (IDBI Subsidiary)	0.00	75.96	0.00	75.96
UTI Bank Ltd	89.12	0.00	0.00	89.12
HDFC	234.50	91.63	0.00	326.13
SBI	599.33	57.01	0.00	656.34
Hindustan Lever Ltd	1782.16	0.00	0.44	1782.60
IDBI	352.73	2012.16	0.00	2364.89
TOTAL	3174.07	2324.04	0.44	5498.55

- (ii) Investment made by the above scheme or any other scheme of UTI in the above companies or their subsidiaries on an aggregate basis as on **31/12/98**

Rs crore

Company Name	Equity (Cost)	Debt (Cost)	Term Loan	Total
State Bank of Mysore	0.18	0.00	0.00	0.18
State Bank of Hyderabad	0.00	0.65	0.00	0.65
IDBI Bank	0.00	0.00	0.00	0.00
Stock Holding Corporation of India Ltd	7.51	0.00	0.00	7.51
Hind Lever Chemicals Ltd (HLL Subsidiary)	0.00	0.00	0.00	
Oriental Bank of Commerce	31.66	0.00	0.00	31.66
SBI Capital Markets (SBI subsidiary)	0.00	0.00	0.00	0.00
Union Bank of India	0.00	0.00	0.00	0.00
The Arvind Mills Ltd	97.76	2.24	0.00	100.00
SIDBI (IDBI Subsidiary)	0.00	75.36	0.00	75.36
UTI Bank Ltd	89.12	0.00	0.00	89.12
HDFC	303.39	150.00	0.00	453.39
SBI	844.50	52.33	0.00	896.83
Hindustan Lever Ltd	1082.68	6.60	0.87	1090.15
IDBI	363.39	1883.92	0.00	2247.31
TOTAL	2820.19	2171.10	0.87	4992.16

These investments were made by UTI in the normal course of its business activities

XI. INTER-SCHEME TRANSFERS

Transfer of investments from/to this scheme to/from other schemes/plans of the Trust shall be done only if –

- such transfers are on spot basis and are at the prevailing market price for quoted instruments
Explanation "spot basis" shall have the same meaning as specified by the stock exchanges for spot transactions
- the securities so transferred are in conformity with the investment objective of the schemes/ plans to which such transfers are made, and
- transfer of unlisted or unquoted investments from / to the plan to / from other schemes/plans of the Trust shall be done as per the policies laid down by the Board of Trustees of the Trust

XII. ASSOCIATE TRANSACTIONS & BORROWINGS

- The scheme shall not borrow except to meet temporary liquidity needs of the scheme for the

purpose of repurchase, redemption of units or payment of interest or income to the members

Provided that the scheme shall not borrow more than 20% of the net asset of the scheme and the duration of such a borrowing shall not exceed a period of six months

- As per section 20 of the Act the Trust has the following borrowing powers

- The Trust may borrow, whether in India or outside India from any authority or person, not being Government or the Reserve Bank, against such security and on such terms and conditions as may be agreed upon

- The Trust may borrow money from the Reserve Bank –

- repayable on demand or on the expiry of a fixed period not exceeding ninety days from the date on which the money is so borrowed, against stocks, funds and securities (other than immovable property) in which a trustee is authorised to invest trust money by any law for the time being in force in India,
- repayable on demand or within a period of eighteen months from the date on which the money is so borrowed, against the security of the bonds which the Trust may issue with the approval of the Central Government,
- on such terms and conditions and against the security of such other property of the Trust as may be specified in this behalf by the Reserve Bank for the purposes of any scheme other than the first unit scheme

Provided that any amount borrowed under this clause and outstanding at any one time shall not exceed –

- five crores of rupees in respect of each such scheme, and
 - ten crores of rupees in respect of all such schemes in the aggregate
- The bonds issued by the Trust under sub-section (ii) of section 20 shall be guaranteed by the Central Government as to the repayment of principal and the payment of interest at such rate as may be fixed by the Central Government at the time the bonds are issued

XIII. NAV DETERMINATION & VALUATION OF ASSETS

1. Computation and disclosure of NAV

The Net Asset Value of the units issued under the scheme shall be calculated by determining the value of the scheme's assets and subtracting the liabilities of the

scheme taking into consideration the accruals and provisions. The Net Asset Value per unit shall be calculated by dividing the NAV of the scheme by the total number of units issued and outstanding on that date. The NAV of the scheme shall be determined separately for the Monthly Income Option, Annual Income and the Cumulative Options. The NAVs (on historical basis) shall be issued to the press for publication within six months from the closure of subscription and on a weekly basis (applicable from next Monday to Sunday based on valuation date being the previous Wednesday) thereafter.

2. Valuation of assets pertaining to this scheme

- i) Quoted investments including those under lock-in period, if any, but except government securities are valued at the closing market rates on the valuation date and in its absence, the latest available quote within a period of sixty days prior to the valuation date. If no quotes are available for a period of sixty days prior to the valuation date, the same is treated as unquoted investment.
- ii) Quoted government securities are valued at closing NSE market rates on the valuation date and in its absence the latest available quote within a period of seven days prior to the valuation date. If no quotes are available for a period of seven days prior to the valuation date the same are treated as unquoted government securities.
- iii) In case of quoted debentures and bonds, the market rate, being cum-interest, the same is adjusted for the interest element, if any.
- iv) Right entitlements for shares are valued at market rates, discounted for dividend element, wherever applicable.
- v) Unquoted preference shares/cumulative convertible preference shares are taken at cost.
- vi) Unquoted equity shares are valued on fair valuation basis as determined by the Board of Trustees from time to time.
- vii) Unquoted debentures, bonds and transferable notes are valued at yield to maturity, linked to the yield on GOI Securities (yield curve) along with a mark up approved by the Board of Trustees.
- viii) Unquoted warrants are valued at the market rate of the underlying equity shares discounted for dividend element, if any, and reduced by the exercise price payable. In cases where the exercise price payable is higher than the value so derived, the value of warrants is taken as nil.
- ix) Unquoted Government Securities are valued at yield to maturity based on the prevailing interest rates.
- x) Convertible debentures and bonds where composite market quotations are not available, the convertible portion is valued at the market rate relevant to equity shares, discounted for dividend element, if any. The non-convertible portion if any, of such debentures and bonds is valued as in (vi) above.

Where terms of conversion are not specified in respect of the convertible portion, the same is taken at cost.

- xi) Capital indexed bonds are valued on cost basis.
- xii) Valuation policies for Money Market instruments :-
 - (a) Money market instruments and other investments are taken at book value.
 - (b) The money invested in inter bank call market is taken at cost.
 - (c) The money invested in discount/interest earning instruments is valued at the yield at which the instrument was last traded. For this purpose the latest available quote within a period of two working days, prior to the valuation date is considered. When there are no quotes available in the last two working days, the instrument is valued at cost plus the difference between the face value and the cost, applied uniformly over the remaining maturity of the instrument.
 - (d) Other money market instruments, including unquoted debentures are valued at cost plus the difference between the face value and cost, applied uniformly over the remaining maturity of the instrument.

Notwithstanding anything contained in respect of clauses X(3), XIII(1) and XIII(2) the investment policies, valuation of assets, computation of NAV, fixation of repurchase price and frequency of their disclosure of NAV, repurchase price/portfolio would be in accordance with the provisions of SEBI (MF) Regulations / Guidelines / Directives issued by SEBI from time to time.

XIV. ACCOUNTING POLICIES

1. Income recognition

- i) Dividend Income on listed equity shares is accrued on the ex-dividend date. Dividend Income on unlisted equity shares and preference shares is accounted on receipt basis.
- ii) Interest on investments and commitment charges is accounted for on accrual basis.
- iii) Profit or loss on sale of investments is recognised on the trade dates on the basis of weighted average cost.
- iv) Profit or loss and premium on redemption of debenture/bonds are recognised on the due date.
- v) Underwriting commission is recognised as revenue on receipt basis when there is no devolvement. In case of devolvement, the full underwriting commission is reduced from the cost of such investments.
- vi) Front-end fee on investments in shares and debentures is reduced from the cost of such investments.

- vii) The difference between purchase price and the maturity value, in respect of zero coupon bonds, deep discount bonds and other long-term discounted instruments is treated as income over the remaining life of the instrument on YTM basis.
- viii) Other income is accounted for on receipt basis.

2. Expenses

- i) Expenses are accounted for on accrual basis.
- ii) Certain common expenses incurred through Unit Scheme 1964, are allocated to the other schemes as per the provisions of Sec 25 (4) of the Act.
- iii) Unit Scheme 1964, which owns the fixed assets, recovers lease rent, on an approved basis, from other schemes for their usage of the said assets.

3. Deferred revenue expenditure

In accordance with the provisions of Section 25 (3) of the Act, certain expenses are deferred as under :

- (i) The initial issue expenses including commission to agents, incurred by the close-ended schemes are written off equally over the tenure of the schemes.
- (ii) When units are repurchased/bought back, the deferred revenue expenses to be charged in that year, as also for the unexpired period, is suitably adjusted.

4. Investments

- i) Investments are stated at cost or written down cost.
- ii) In case of secondary market transactions investments are recognised on trade dates.
- iii) Subscription to primary market issues is accounted as investments, on allotment.
- iv) Bonus/right entitlements are recognised on ex-bonus/ex-right dates.
- v) Investment viz., debenture /bonds are transferred to current assets on the redemption / due date.
- vi) The cost of investments include brokerage and service tax but does not include stamp fees which is charged to revenue.

5. Provisions and Depreciation:

(A) Provisions against the income considered doubtful:

Provision is made in respect of interest income remaining past due for two quarters or more. Provision is made in respect of dividend at the year end, where it remains outstanding for more than one year from the ex-dividend date.

(B) Depreciation in the value of investments

- (i) The aggregate value of investments as computed in accordance with clause XIII(2) above is compared to the aggregate cost of such investments and the resultant depreciation, if any, is charged to General Reserve / Unit Premium Reserve. In case such aggregate value exceeds the aggregate cost or the

aggregate value as at the end of the previous year, the appreciation is added to Unit Premium Reserve/ General Reserve to the extent depreciation was previously adjusted.

- (ii) In cases where unquoted equity or preference shares, were written off in the earlier years, the cost of such investment is written back to its cost, as and when a quote or fair value is available.
- (iii) Assets where interest is remaining past due for two quarters or more are classified as non performing assets. Provision for such assets is made individually (as stated in the table below). Such provisions are not made for other performing assets of the same company.

Period for which asset remains non-performing	Percentage of Provision	
	Secured Asset	Unsecured Asset
Up to two years	10%	10%
Exceeding two years but up to three years	20%	100%
Exceeding three years but up to five years	30%	100%
Exceeding five years	50%	100%

(iv) Where principal repayment remains outstanding –

(a) for two quarters beyond the past due period in respect of the debt instruments with a balance maturity of not more than 3 years and

(b) for one year beyond the past due period in respect of debt instruments with a balance maturity of more than 3 years, provision is made for such outstanding instalments. The overall provision for such assets is limited to the percentage mentioned in the above table (up to 50% for secured and 100% for unsecured assets) or the amount in default whichever is higher.

Any subsequent instalments in such cases where the original default continues, are provided after 30 days from the respective due dates.

- (v) In case of funding of interest by way of capitalisation of outstanding interest dues, the same is provided irrespective of the period of default.
- (vi) Provisions for non-performing assets are charged to Unit Premium Reserve/General Reserve/ Revenue Account as the case may be.
- (vii) Provisions made under paragraph 5(A) and 5(B) (iv) are written back on receipt or on restructuring of the assets. Provisions under 5(B) (v) are written back on receipt basis.

6. Buy-back of units

The units of schemes, listed on stock exchanges which are bought back for redemption through open market operations are accounted for on trade dates. The

difference between the acquisition cost and the face value is charged to the Revenue Appropriation Account.

7. Income Distribution

- i) In respect of application money pending capitalisation, provision for income distribution is made for schemes where units are sold at face value and for other schemes no such provision is made. The income distribution is charged to revenue appropriation account in the year of capitalisation.
- ii) Provision for income distribution is made on unit capital at rates approved by the Board of Trustees.
- iii) In respect of monthly income plans launched after 1st January 1997, where the income distribution is assured, the liability pertaining to Cumulative Option is provided for the period from April to March each year in the books of accounts.

8. Publication of Financial Results

The unaudited financial results as on 31st December will be published within 2 months and audited annual results as on 30th June will be published within six months of finalisation of accounts in one English daily and one Marathi daily.

XV. TAX TREATMENT OF INVESTMENTS

Tax Treatment

As per the taxation laws in force as the date of the offer document, the tax benefits that are available to the investors investing in units of the scheme / plan are stated as follows:

1. Residents / NRIs / OCBs

- (i) Currently income, if any, received by all the categories of investors including NRIs/OCBs under all the schemes/plans of the Trust is totally free from tax under Section 10(33) of the Income Tax Act, 1961.
- (ii) Under the current tax laws, there is no deduction of tax at source by UTI, for all investors, irrespective of the amount/income received by the investor from the scheme. As per Finance Act 2000 the plan is required to pay an income distribution tax at the rate of 20% and surcharge of 10% thereon under Section 115R of the Income Tax Act, 1961 on the amount of income distribution after 01.06.2000.
- (iii) Currently, any long term capital gains arising out of investment in the scheme by residents and NRIs out of rupee originated or NRO funds will be subject to treatment indicated under sections 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961. At present an investor is required to pay tax @ 20% plus 10% surcharge on long term capital gains after factoring the benefit of the Cost Inflation Indexation. As per Finance Act 2000, investor can instead opt to pay tax on such

long term capital gains at the rate of 10% plus surcharge without indexation.

- (iv) The capital gains accruing to investments made through NRE accounts or by remittance of funds in foreign currency are not taxable.
- (v) Value of investment in units under the plan is completely exempt from Wealth Tax.
- (vi) The Gift Tax Act, 1958 has abolished the levy of Gift Tax in respect of Gifts made on or after 1st October 1998. Thus, Gifts of Units of the plan are fully exempt from levy of Gift Tax.

2 Eligibility for Capital Gains Tax Exemption under Section 54EA

As per Finance Act 2000, the capital gains tax exemption under section 54EA will be available only in respect of long term capital assets transferred before April 1, 2000, if the sale proceeds are invested in unit schemes of UTI within six months of such sale/transfer. Accordingly, investment of entire or part of net consideration arising out of transfer of long term capital assets till March 31, 2000 in MIP-2000 (Third) will be eligible for capital gains tax exemption under Section 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to availability of repurchase/transfer/pledge of such units only after three years from the date of commencement of the scheme.

However, under special circumstances the investments can be withdrawn provided the unit holder complies with certain formalities. Once such investment is withdrawn the tax benefit under Section 54EA also stands withdrawn and the onus falls on the investor to pay the income tax to the Income Tax authorities.

3. For Eligible Trusts

Units are approved securities under section 11(2)(b) of the Income Tax Act, 1961. Eligible Trusts investing in units will therefore, qualify for tax exemption in respect of income and corpus under Sections 11 and 13 of the Income Tax Act, 1961.

The information stated above is only for the purposes of providing general information to the investors. In view of the individual nature of the tax consequences, each investor is advised to consult with his or her own tax consultant with respect to the specific tax implications arising out of their participation in the scheme / plan.

XVI. MEMBERS' RIGHTS & SERVICES

1. Members under the plan have a proportionate right in the beneficial ownership of the assets of the plan and to the income declared by the plan.
2. The members have a right to ask the Trustees any information which may have an adverse bearing on their investments and the Trustees shall be bound to disclose such information to the members.
3. The members have the right to have the membership

advices issued to them not later than 6 weeks from the date of closure of sales under the plan/unit certificates within 7 days from the date of receipt of request for issue of unit certificate in lieu of membership advice.

4. The members have the right to have the repurchase/redemption proceeds despatched to them within 10 working days (provided the application is in order) from the date of receipt of the application at the office where the repurchase requests are processed. In the event of delay in despatch of redemption proceeds beyond 10 working days, UTI shall pay interest @ 15% per annum (or such rate as may be specified by SEBI).
5. An abridged annual report in respect of the Monthly Income Plan 2000(Third) shall be mailed to all members not later than six months from the date of closure of the relevant accounting year and made available for inspection at the Central Investors Relation Cell and a copy shall also be made available to the members on request on payment of nominal fee, if any.
6. The member shall be sent a complete statement of the plan portfolio before the expiry of one month from the close of each half year. Provided that the statement of the plan portfolio may not be sent to members if it is published by way of an advertisement in one English daily circulating in the whole of India and one Marathi news paper.
7. Any change in the fundamental attributes of the scheme will be carried out if the members are allowed to exit at prevailing NAV without exit load, besides being intimated by individual communication, and also publishing in one English daily newspaper having nation wide circulation and in one Marathi news paper.
8. Under specified circumstances the approval of members will be sought by a Postal Ballot.
9. The members have the right to inspect the following documents at the Central Investors Relations Cell, Unit Trust of India, SNTD Women's University Basement, Door No.1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai 400020.
 - The Act
 - The Regulations
 - The agreements with the custodians, registrars and collecting banks.
 - Copy of offer document of MIP2000(Third)
 - SEBI (MF) Regulations, 1996

XVII. CONSTITUTION & MANAGEMENT OF UNIT TRUST OF INDIA

Constitution of UTI

Unit Trust of India is a statutory corporation constituted under the Act, with a view to encouraging saving and

investment and participation in the income, profits and gains accruing to the Trust from the acquisition, holding, management and disposal of securities. It started functioning with effect from 1st July, 1964.

Management of UTI

The Management of the affairs and business of the Trust are vested in the Board of Trustees with a full time Chairman appointed by the Government of India. Besides the Board, there is a statutory Executive Committee comprising the Chairman, the Executive Trustee and two other Trustees nominated by the Industrial Development Bank of India. This Committee is competent to deal with any matter within the competence of the Board.

Board of Trustees *

1. Shri P S Subramanyam : Chairman, Unit Trust of India
2. Shri G P Muniappan : Executive Director, RBI
3. Shri G P Gupta : Chairman & Managing Director, IDBI
4. Shri N S Sekhsaria : Managing Director, Gujarat Ambuja Cements Ltd.
5. Shri Rajendra P Chitale : Chartered Accountant
6. Dr. Vishvanath V Desai : Economist
7. Shri Y P Gupta : Current-in Charge and Managing Director, LIC
8. Shri G G Vartya : Chairman, S.B.I.
9. Shri D T Pai : Chairman & Managing Director, Syndicate Bank
10. Dr Rakesh Mohan : Director General, National Council of Applied Economic Research

* The addresses and other current directorships of the Trustees are as follows:

1. Shri P S Subramanyam –
Unit Trust of India, Sir Vithaldas Thackersey Marg, New Marine Lines, Mumbai 400 020
(i) Chairman & Director - The India Fund, (ii) Chairman & Director - India Growth Fund, (iii) Chairman & Director - India Access Ltd. (iv) Chairman & Director - The India Public Sector Fund Ltd. (v) Chairman of Governing Council - UTI Institute of Capital Markets, (vi) Chairman & Director - UTI Investment Advisory Services Ltd. (vii) Chairman & Director - UTI Investor Services Ltd (viii) Chairman & Director - UTI Securities Exchange Ltd., (ix) Director- UTI Bank Ltd. (x) Chairman & Director - Over-the-counter Exchange of India (xi) Member - Life Insurance Corporation of India. (xii) Director - Discount & Finance House of India Ltd. (xiii) Director - Securities Trading Corpn. of India Ltd. (xiv) Director

- National Stock Exchange of India Ltd (xv) Trustee-Indian Institute of Software Engineering (xvi) Chairman and Director - The India IT Fund Ltd (xvii) Chairman and Director -UTI- IAS(Mauritius) Ltd (xviii) Chairman and Director- The India Media, Internet & Communication Fund Ltd (xix) Chairman and Director - The India Infrastructure Fund Ltd (xx) Chairman - Stock Holding Corporation of India Ltd. (xxi) Member - Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry (FICCI) - Steering Committee
2. **Shri G P Munnalapan -**
Reserve Bank Of India, Central Office Building, Mumbai 400 023
3. **Shri G P Gupta -**
IDBI, IDBI Towers, Cuffe Parade Mumbai - 400 005
(i) Director- The India Fund (ii) Director- India Growth Fund, (iii) Director - Discount and Finance House of India Ltd. (iv) Director- Export-Import Bank of India, (v) Director- Securities Trading Corp., of India, (vi) Director- Infrastructure Development Finance Co. of India Ltd, (vii) Director- Indian Airlines Ltd (viii) Director- IDBI Bank Ltd. (ix) Director- National Stock Exchange of India Ltd (x) Member- Life Insurance Corpn. of India, (xi) Member- General Insurance Corpn of India (xii) Director- South Asia Regional Fund, (xiii) Chairman - South Asia Development Fund, (xiv) Council Member- Indian Institute of Bankers, (xv) Member- Bankers Training College (RBI), (xvi) Member- Association of Development Financing Institutions in Asia and the Pacific (ADFIAP) (xvii) Member- Institute of Banking Personnel Selection (xviii) Member- The Institute of Company Secretaries of India (xix) Director - Iridium LLC, USA (xx) Member - University of Delhi (Faculty of Management Studies) (xxi) President - Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad.
4. **Shri N S Sekhsaria -**
Gujarat Ambuja Cements Ltd., Maker Chambers III, Nariman Point, Mumbai 400 005
(i) Dy. Chairman - The Associated Cement Companies Ltd. (ii) Director- Radha Madhav Investments Ltd. (iii) Director- Ambuja Cement Foundation (iv) Director - Ambuja Educational Institute.
5. **Shri Rajendra P Chitale -**
M/s M P Chitale & Co., Hamam House, 1st Floor, Ambalal Doshi Marg, Fort, Mumbai
(i) Director - Small Industries Development Bank of India, (ii) Director- National Securities Clearing Corporation Ltd (iii) Director - SBI Capital Markets Ltd. (iv) Director - Zurich Asset Management Company (India) Ltd. (v) Director- Nut4Nuts Limited (vi) Member - Executive Committee (Governing Board) of National Stock Exchange (vii) Member - India Advisory Board of Bank of America NT & SA (viii) Member - Investment Committee, Life Insurance Corporation of India.
6. **Shri V V Desai -**
Neat House, College Lane, Dadar, Mumbai
(i) Advisor - ICICI Limited
7. **Shri Y P Gupta -**
Life Insurance Corporation of India, 'Yogakshema', Jeevan Bima Marg, Nariman Point, Mumbai 400 021
8. **Shri G G Valdia -**
State Bank Of India, Central Office, Post Box no. 12, Mumbai 400 021
(i) Chairman - SBI Capital Markets Ltd., (ii) Chairman- SBI Funds Management Ltd, (iii) Chairman - SBI Gilts Ltd, (iv) Chairman - SBI Securities Ltd., (v) Chairman - SBI Factors & Commercial Services Ltd, (vi) Chairman - SBI European Bank Ltd., (vii) Chairman - State Bank of Indore, (viii) Chairman - State Bank of Saurashtra, (ix) Chairman - State Bank of Patiala, (x) Chairman - State Bank of Bikaner & Jaipur, (xi) Chairman - State Bank of Hyderabad, (xii) Chairman - State Bank of Mysore, (xiii) Chairman - State Bank of Travancore, (xiv) Chairman - State Bank of India (California), (xv) Chairman - State Bank of India (Canada), (xvi) Vice President of the Governing Council - Indian Institute of Bankers, (xvii) Director- National Bank for Agriculture and Rural Development, (xviii) Director - Export- Import Bank of India, (xix) Director- General Insurance Corporation, (xx) Member of the Governing Board & Chairman of Finance Committee- National Institute of Bank Management, (xxi) Member of the Governing Board, Chairman of the Finance Committee & Office Premises Committee & Committee of Administrators of IBPS Employees Pro Fund, - Institute of Banking Personnel Selection (xxii) Member- Institute for Developing & Research in Banking Technology, (xxiii) Director- Infrastructure Development Finance Corporation, (xxiv) Director- Infrastructure Leasing & Financial Services Ltd, (xxv) Director- Export Credit Guarantee Corporation.
9. **Shri D T Pal -**
Syndicate Bank, Manipal 576 119
10. **Dr. Rakesh Mohan -**
National Council of Applied Economic Research, Parisila Bhawan, 11 Indraprastha Estate, New Delhi 110 002
(i) Chairman - Expert Group on Railways, (ii) Member - Economic Advisory Council to the Prime Minister,

(iii) Member - National Security Advisory Board, (iv) Part Time Member - Telecom Regulatory Authority of India, (v) Member - National Statistical Commission, (vi) Member - Committee on Competition Law & MRTP Act, (vii) Member - Board of Governors, Institute of Economic Growth, New Delhi, (viii) Member - Local Advisory Board, Dresdner Bank, (ix) Honorary Visiting Professor - Indian Institute of Technology, New Delhi, (x) Director - Infrastructure Development Finance Corporation, Chennai, (xi) Member - Board of Trustees, Economic & Social Research Foundation, Tanzania, (xii) Director - Small Industries Development Bank of India, Lucknow (xiii) Member Secretary - Expert Committee on Small Scale Industry, Ministry of Industry, Government of India, 1996 (xiv) Member - Tariff Authority for Major Ports, Ministry of Surface Transport, Government of India, (xv) Chairman - Advisory Committee for National Accounts, Department of Statistics, Government of India, (xvi) Member - Bureau of Public Enterprises, Government of Rajasthan

Management of the Fund :-

Shri Kaushik Roychoudhury, Assistant General Manager will be the fund manager.

Qualifications: B.Sc. Econ (Hons)- Presidency College-1989, PGDM -IIM (A), 1992

Experience and Background.

Presently with the Department of Funds Management, of the Trust which is responsible for the management of domestic income oriented schemes. The work experience prior to the current position is as under.

Designation	Department	Period	Responsibilities
Assistant General Manager	Policy Planning Division	1 1 96 - 27 04 98	Co-ordinator for UTI Associates, Involved in formulating UTI's entry strategy for insurance, stockbroking (through JV route), Design of new products
Manager	Policy Planning Division	8 6 95 - 31 12 95	
Deputy Manager	Policy Planning Division	1 1 94 - 7 6 95	
Deputy Manager	Department of International Finance	6 1 93 - 31 12 94	Equity Analyst
Management Trainee	Various Departments	8 6 92 - 5 1 93	

Also worked as a Management Trainee with Calcutta Port Trust from 1 1 90 to 1 7 90

XVIII. OTHER SERVICE PROVIDERS FOR THE SCHEME

1. Custodians

Stock Holding Corporation of India situated at Mittal Court, B-Wing, Nariman Point, Mumbai - 400021, have been functioning as custodian for all our schemes and plans as per the agreement entered into with them on January 17, 1994.

The custodians are required to take delivery of all securities belonging to schemes/funds/plans of the Trust and hold them in its custody. The custodians will deliver the securities only as per instructions from the Trust and on receipt of the consideration. The custodian shall be generally authorised to attend to all non-discretionary and procedural details for discharge of normal custodial functions in connection with the sale, purchase, transfer of and other dealings in the securities, other assets held by them as an agent except as may otherwise be directed by the Trust.

Custodians shall provide all information, reports or any explanation sought by the Trust or the auditors of the Trust for the purpose of audit and for physical verification and reconciliation of securities belonging to the schemes/funds / plans of the Trust

The SEBI registration number of SHCIL is IN/CUS/011

Tariff structure of SHCIL is as under:

	Electronic	Physical
Dematerialisation	Rs 5 per certificate	—
Purchase	5.5 basis points on the value of the transaction	Rs 100 per DIP
Sale	5.5 basis points on the value of the transaction	Rs 100 per DIS
Custody	1.5 basis points on the asset value in custody	8 basis points on the asset value in custody
Off market purchases	5.5 basis points on the value of the transaction	—
Off market Sales	5.5 basis points on the value of the transaction	—
Rematerialisation	Rs 15 per certificate or 15 basis points of conversion value whichever is higher	—

2. Auditors

M/s. Chaturvedi & Company, Chartered Accountants, 60, Bentik Street, Calcutta 700 069 and M/s Batliboi & Purohit, Chartered Accountants, National Insurance Building, 204, D N Road, Fort, Mumbai 400 001. The auditors of the scheme are appointed by the IDBI and they are subject to change from year to year.

3. Registrar and transfer agent :

- (i) M/s UTI ISL Ltd.. (SEBI Registration No. INR00000121) have been appointed as the Registrars.
- (ii) Processing of applications and after sales services will be handled from the following branches of the Registrars:

West Zone: Plot No.369, Marol Maroshi Road, Near Marol-Maroshi Bus Depot, Vijay Nagar, Andheri (East), Mumbai-400 059.

East Zone: Bombay Mutual Building, 4th Floor, 9, B.T.M. Sarani, Brabourm Road, (Opp. India Tea Board), Dalhousie Square, Calcutta -700 001.

South Zone: 45 Justice Basheer Ahmed Building, Second line Beach, Chennai 600 001.

North Zone (excluding Uttar Pradesh): 174/175, 1st Floor, Rajendra Bhawan, (DDA Building), Rajendra Place, New Delhi -110008.

Lucknow (For the State of Uttar Pradesh only): Shop No.8 & 9, 2nd Floor, Saran Chambers II, No.5, Park Road, Lucknow -226 001.

4. Collecting and Paying Bankers:

- (i) UTI Bank has been appointed for collection and local payments as well as for At par payments at restricted places.
- (ii) State Bank of India and such other banks registered with SEBI will be appointed as paying bankers and any other bank, registered with SEBI, as collecting bank on such terms/conditions as may be decided by UTI from time to time.
- (iii) Applications will also be accepted by UTI Branch Offices, CR Collection Centres, Franchise Offices. The selected branches of Oman International Bank in the Sultanate of Oman and UAE have been appointed for collection of applications from NRIs.

Principal Business Addresses of the Banks:

State Bank of India
(Development & Personal Banking)
(INB100000038)
Central Office,
Madam Cama Road,
P.B. No.10003,
Mumbai 400 021

UTI- Bank Ltd.
(INB 100000017)
Central Office,
Maker Tower-F, 13th Floor,
Cuffe Parade, Colaba,
Mumbai 400 005.

Oman International Bank S.A.O.G.
1-A, Mittal Court,
Nariman Point,
Mumbai 400 021

XIX. INVESTORS' GRIEVANCE REDRESSAL

1. All investors could refer their grievances giving full particulars of investment to concerned Investors' Relation Cell at the following addresses:

WESTERN ZONE:

Ms. Tanvi Upadhye/
Shri.Prakash Sahasrabudhe
Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
Gn Block, Bandra - Kurla Complex,
Bandra (East), Mumbai 400 051
Tel: 652 0850

EASTERN ZONE:

Shri R K Mangla
Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
4, Fairlie Place, 1st Floor
Post Box No.60
Calcutta 700 001
Tel : 243 5947/ 210 7698

SOUTHERN ZONE

Ms. Jayasudha K
Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
UTI-House, 29, Rajaji Salai,
Chennai 600 001
Tel: 5260146

NORTHERN ZONE

Shri D K Gandhi
Unit Trust of India
Investors' Relation Cell
Herald House,
11nd Floor,
5A, Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi 110 002.
Tel.: 332 1801/3315574

2. Investor Complaints redressal record

- i. Complaints received, redressed and pending for the last three years are:

Period	No of Complaints			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
01-04-97 to 31-03-98	551929	539318	12611	2.26%
01-04-98 to 31-03-99	287260	274580	12680	4.41%
01-04-99 to 31-03-2000	265331	257702	7629	2.88%

Schemewise details of complaints received, redressed and pending for the period 01/07/99 to 30/06/2000 are given below:

Scheme	No of Complaints			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
CCCF	697	683	14	2.01%
CGGF	8331	8240	91	1.09%
CGS-83	15	15	0	0.00%
CGUS-91	27	26	1	3.70%
CRTS	379	371	8	2.11%
DIP-91	845	839	6	0.71%
DIUP-93	1671	1665	6	0.36%
DIUP-95	177	174	3	1.69%
DIUS-90	110	110	0	0.00%
DIUS-91	25	24	1	4.00%
DIUS-92	42	42	0	0.00%
E.O.F	63	57	6	9.52%
ETSPLAN	167	146	21	12.57%
GCGI	2468	2412	56	2.27%
GMIS-91	463	442	21	4.54%
GMIS-92(I)	77	75	2	2.60%
GMIS-92(II)	339	337	2	0.59%
GMIS-B-92	654	654	0	0.00%
GMIS-B-92(II)	164	163	1	0.61%
GRANDMASTER-93	710	689	21	2.96%
GRIHALAXMI UNIT PLAN	1296	1257	39	3.01%
HOUSING UNIT SCHEME	23	23	0	0.00%
IEF-97	12	12	0	0.00%
IISFUS-95,96,97	8	8	0	0.00%
MASTER INDEX FUND	228	224	4	1.75%
MASTER VALUE UNIT PLAN	4	4	0	0.00%
MASTERGAIN-92	42992	39593	3399	7.91%

Scheme	No of Complaints			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
MASTERGROWTH-95	7552	7245	307	4.07%
MASTERPLUS-91	51656	50867	789	1.53%
MASTERSHARE-86	18327	16957	1370	7.48%
MEP-91	1710	1686	24	1.40%
MEP-92	8748	8545	203	2.32%
MEP-93	5663	5559	104	1.84%
MEP-94	5676	5570	106	1.87%
MEP-95	5339	5259	80	1.50%
MEP-96	1813	1806	7	0.39%
MEP-97	166	163	3	1.81%
MEP-98	98	98	0	0.00%
MEP-99	55	55	0	0.00%
MIP-2000	393	365	28	7.12%
MIP-93	786	777	9	1.15%
MIP-94(I)	315	307	8	2.54%
MIP-94(II)	511	500	11	2.15%
MIP-94(III)	1869	1838	31	1.66%
MIP-95	547	538	9	1.65%
MIP-95(II)	474	459	15	3.16%
MIP-95(III)	401	395	6	1.50%
MIP-96	254	248	6	2.36%
MIP-96(II)	616	610	6	0.97%
MIP-96(III)	498	488	10	2.01%
MIP-96(IV)	7303	7099	204	2.79%
MIP-97	713	694	19	2.66%
MIP-97(II)	907	895	12	1.32%
MIP-97(III)	1294	1195	99	7.65%
MIP-97(IV)	984	969	15	1.52%
MIP-97(V)	294	294	0	0.00%
MIP-98	1500	1422	78	5.20%
MIP-98(II)	755	744	11	1.46%
MIP-98(III)	7086	6816	270	3.81%
MIP-98(IV)	1014	1010	4	0.39%

Scheme	No of Complaints			Pending to Total Received
	Received	Redressed	Pending	
MIP-98(V)	5675	5648	27	0.48%
MIP-99 (I)	1088	1065	22	2.02%
MIP-99 (II)	821	784	37	4.51%
MIS-B-93	256	253	3	1.17%
MISG-90(I)	493	444	49	9.94%
MISG-90(II)	1497	1488	9	0.60%
MISG-91	1667	1658	9	0.54%
MMMF	4	3	1	25.00%
N.R.I FUND	67	65	2	2.99%
NIFTY I FUND	64	64	0	0.00%
OMNI-PLAN	10	10	0	0.00%
PRIMARY EQUITY FUND	1065	1046	19	1.78%
RAJLAKSHMI U.P.	2318	2267	51	2.20%
RETIREMENT BENEFIT PLAN	1380	1344	36	2.61%
SENIOR CITIZENS' UNIT PLAN	354	343	11	3.11%
UGS-10000	696	686	10	1.44%
UGS-2000	2595	2550	45	1.73%
UGS-5000	2108	2067	41	1.94%
ULIP	11432	11132	300	2.62%
US-64	36758	36116	642	1.75%
US-92	836	825	11	1.32%
US-95	1	1	0	0.00%
UTI BOND FUND	590	556	34	5.76%
UTI G-SEC FUND	289	237	52	17.99%
UTI-GSF	1235	1146	89	7.21%
TOTAL	270603	261557	9046	3.34%

J. Reasons for pending complaints are :

- Non-receipt of application/funds from the collecting banks.
- Incomplete details of the investor in the application including address, name and signature of the investor.
- Change of address of investor not informed/not updated.

- Loss in transit.
- Postal delay.
- Non compliance of required documents in case of transfer/death claims/Repurchase.
- Incomplete details while forwarding the complaints.
- Non-receipt/ Delayed receipt of commission.
- Letters/Documents sent to the wrong office/ Registrars.

XX. PENALTIES, PENDING LITIGATIONS, MATERIAL FINDINGS OF INSPECTIONS/ INVESTIGATIONS

- There are no cases relating to penalties awarded by SEBI under the SEBI Act or any of its regulations or by any Stock Exchanges (where the units of the schemes of UTI are listed) against the Unit Trust of India/Board of Trustees, or any of the Trustees or key personnel (specifically the fund managers).
- There are no pending material litigation proceedings incidental to the business of the Unit Trust of India including the Board of Trustees or any of the trustees or key personnel. There are no pending criminal cases against the Unit Trust of India, Board of Trustees or any of the Trustees or key personnel.
- Neither SEBI nor any other Regulatory Agency has specifically advised that any deficiency in the systems and operations of the Unit Trust of India be disclosed in the offer document.
- There are no enquiry/adjudication-proceedings under the SEBI Act and the Regulations made thereunder, against Unit Trust of India, Board of Trustees/Trustee or key personnel.

XXI. CONDENSED FINANCIAL INFORMATION

The condensed financial information for the years 1996-97, 1997-98, 1998-99 and for the half year ending 31.12.1999 for all schemes launched during the last three years is annexed.

For and on behalf of the Board of Trustees
of the Unit Trust of India

Sd/-

(B.G. DAGA)

Executive Director
Business Development & Mktg.

Place : Mumbai
Date : 10.07 2000

CONDENSED FINANCIAL INFORMATION

(I) HISTORICAL PER UNIT STATISTICS

Scheme (Date of Allotment)	MMMF (23.04.97) ₹				MEP 96(III) (01.10.96)				DMP 91 (15.10.96)			
	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99
1. NAV at the beginning of the year	10.00	10.17	11.2316	12.47	10.00	f 11.51 ₹ 10.21	f 13.30 ₹ 10.13	f 15.70 ₹ 10.06	10.00	₹ 10.60 \$ 11.42 £ 11.38	₹ 9.21 \$ 12.65 £ 12.59	₹ 10.24 \$ 13.43 £ 15.77
2. Net income per unit	0.14	0.74	0.70	0.80	0.90	1.44	1.32	0.81	1.18	1.41	1.45	0.96
3. Income Distribution: (%) p.a.	—	—	—	—	15.00	₹ 13.00	₹ 10.75	10.75	15.00	15.00	₹ 10.85 \$ 28.00	₹ 10.85 \$ 28.00
4. Transfer to reserves (if any)	—	0.79	0.70	0.80	-0.08	0.37	0.39	0.35	0.75	1.17	1.00	0.71
5. NAV at the end of the year	10.17	11.2316	12.4685	13.08	f 11.51 ₹ 10.21	f 13.30 ₹ 10.13	f 15.17 ₹ 10.06	f 16.81 ₹ 10.41	₹ 10.60 \$ 11.42 £ 11.38	₹ 9.21 \$ 12.65 £ 12.59	₹ 10.24 \$ 13.43 £ 15.77	₹ 10.52 \$ 12.37 £ 18.09
6. Annualised return (%)	Ψ 1.7	10.41	10.62		Ψ f 15.10 ₹ 13.25	f 17.75 ₹ 16.58	f 16.39 ₹ 15.18	f 17.33 ₹ 15.62	Ψ ₹ 16.63 \$ 14.20 £ 13.80	₹ 10.87 \$ 14.77 £ 14.45	₹ 15.39 \$ 19.75 £ 18.33	₹ 15.75 \$ 17.46 £ 20.27
7. Net assets end of the period (Rs. Crs)	37.99	105.39	302.29	202.5964	416.50	413.56	429.10	436.39	241.41	254.44	291.70	320.45
8. Ratio of recurring exp. To net assets (%)	0.001	0.002	0.11	0.27	0.008	0.010	1.04	0.52	0.007	0.009	0.82	0.37

Scheme (Date of Allotment)	ISFUS 96 (01.01.97)				MEP 96(IV) (01.01.97)				MEP 97 (31.03.97)			
	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99
1. NAV at the beginning of the year	10.00	11.09	10.60	10.85	10.00	f 11.03 ₹ 10.21	f 12.01 ₹ 9.45	f 14.06 ₹ 9.66	10.00	12.09	9.70	11.67
2. Net income per unit	1.01	1.42	1.59	1.07	0.67	1.31	1.34	0.68	0.11	0.71	-1.88	1.27
3. Income Distribution: (%) p.a.	16.00	16.00	14.00	14.00	15.00	₹ 13.00	₹ 10.75	10.75	—	—	—	—
4. Transfer to reserves (if any)	0.05	-0.18	0.15	0.37	0.02	0.27	0.52	0.25	—	0.82	-1.87	27
5. NAV at the end of the year	11.09	10.60	10.85	12.00	f 11.03 ₹ 10.21	f 12.01 ₹ 9.45	f 14.06 ₹ 9.66	f 15.55 ₹ 9.99	12.09	9.70	11.67	*14.98
6. Annualised return (%)	Ψ 18.90	20.04	18.59	21.00	Ψ f 10.30 ₹ 9.60	f 13.05 ₹ 11.97	f 14.65 ₹ 13.53	f 15.87 ₹ 14.30	Ψ 20.90	-2.37	7.11	15.84
7. Net assets end of the period (Rs. Crs)	206.50	174.06	178.07	197.54	891.29	841.61	888.93	929.93	88.69	71.14	65.55	110.96
8. Ratio of recurring exp. To net assets (%)	0.003	0.003	0.29	0.13	0.007	0.011	1.06	0.52	0.006	0.011	0.95	0.50

Scheme (Date of Allotment)	MEP 97 (01.05.97)				MEP 97(II) (01.07.97)				ISFUS-97 (01.07.97)			
	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99
1. NAV at the beginning of the year	10.00	f 10.08 ₹ 9.85	f 9.31 ₹ 9.06	9.17 8.59	10.00	10.08	f 9.50 ₹ 9.25	f 9.50 ₹ 8.73	10.00	10.14	9.48	9.74
2. Net income per unit	0.25	1.02	0.51	1.22	0.11	1.08	0.69	1.22	0.12	1.07	1.40	1.36
3. Income Distribution: (%) p.a.	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	14.00	15.00	15.00	15.00	15.00
4. Transfer to reserves (if any)	-0.06	-0.29	-0.86	0.78	0.03	-0.08	-0.75	0.87	—	-0.49	-0.25	1.34
5. NAV at the end of the year	f 10.08 ₹ 9.85	f 9.31 ₹ 9.06	f 9.17 ₹ 8.59	10.59 9.05	10.09	f 9.50 ₹ 9.25	f 9.50 ₹ 8.73	f 11.31 ₹ 9.51	10.14	9.48	9.74	11.62
6. Annualised return (%)	Ψ f 0.90 ₹ 0.83	f 5.00 ₹ 6.40	f 8.71 ₹ 8.33	12.94 11.47	—	f 5.65 ₹ 6.96	f 10.20 ₹ 8.45	f 15.87 ₹ 13.03	—	9.05	13.80	18.15
7. Net assets end of the period (Rs. Crs)	1195.73	1118.75	1145.98	1261.64	1462.16	1478.46	1545.74	1771.24	685.15	640.48	666.05	805.70
8. Ratio of recurring exp. To net assets (%)	0.006	0.012	1.13	0.50	0.001	0.011	1.05	0.46	0.000	0.005	0.43	0.18

Scheme (Date of Allotment)	IEF (01.08.97)				MEP-97(III) (01.09.97)			MEP-97(IV) (01.11.97)		
	1996-97	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99
1 NAV at the beginning of the year	10.00	10.00	9.33	14.94	—	f 9.70 ₹ 9.38	f 9.98 ₹ 9.40	—	f 9.99 ₹ 9.53	f 10.36 ₹ 9.67
2 Net income per unit	0.00	0.00	1.14	1.38	0.84	1.02	1.28	0.81	0.89	0.99
3 Income Distribution: (%) p.a.	—	—	—	—	13.00	13.00	13.00	12.50	12.50	12.50
4 Transfer to reserves (if any)	—	0.10	1.15	1.39	-0.26	-0.31	0.75	0.01	-0.34	0.60
5 NAV at the end of the year	10.00	9.33	14.94	*19.56	f 9.70 ₹ 9.38	f 9.98 ₹ 9.40	f 11.63 ₹ 10.10	f 9.99 ₹ 9.53	f 10.36 ₹ 9.67	f 11.61 ₹ 10.08
6 Annualised return (%)	—	-6.70	23.26	30.61	Ψ f 4.81 ₹ 4.63	f 11.85 ₹ 10.51	f 16.58 ₹ 14.23	Ψ f 5.41 ₹ 3.64	f 13.72 ₹ 11.27	f 16.33 ₹ 13.62
7 Net assets end of the period (Rs. Crs)	31.28	30.91	48.48	65.76	829.79	873.84	965.19	924.40	987.61	1075.42
8 Ratio of recurring exp. To net assets (%)	0.001	0.017	1.13	0.41	0.011	1.04	0.50	0.007	0.74	0.38

	MEP-97(V) (01.01.98)			MEP-98 (31.03.98)			ISFUS 97(II) (01.02.98)			MEP-98 (01.04.98)			MEP-98(II) (01.07.98)		
	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99
1 NAV at the beginning of the year	—	f 9.98 □ 10.27 ₹ 9.71	f 10.08 □ 10.29 ₹ 9.64	—	8.35	11.59	—	9.74	10.14	—	f 9.81 □ 9.74 ₹ 9.48	f 10.41 □ 10.33 ₹ 10.09	—	—	f 10.53 □ 10.06 ₹ 10.21
2 Net income per unit	0.70	0.65	0.88	0.23	1.16	3.02	0.60	1.00	1.05	0.31	1.11	0.57	12.50	0.97	0.99
3 Income Distribution: (%) p.a.	11.75	11.75	f 11.75 □ 12.40	—	—	—	12.75	12.75	12.75	12.50	12.50	f 13.25 ₹ 12.50	-0.07	12.50	f 13.25 ₹ 12.50
4 Transfer to reserves (if any)	0.27	-0.55	0.25	0.23	-1.13	3.02	-0.07	-0.39	1.04	-0.02	-0.11	0.36	9.75	-0.28	-0.28
5 NAV at the end of the year	f 9.98 □ 10.27 ₹ 9.71	f 10.06 □ 10.29 ₹ 9.64	f 11.73 □ 10.48 ₹ 10.47	8.35	11.59	*15.91	9.74	10.14	11.29	f 9.81 □ 9.74 ₹ 9.48	f 10.41 □ 10.33 ₹ 10.09	f 10.75 □ 10.41 ₹ 9.65	—	f 10.53 □ 10.06 ₹ 10.21	f 11.59 □ 11.07 ₹ 10.47
6 Annualised return (%)	Ψ f 1.86 □ 2.70 ₹ 2.97	f 10.22 □ 10.40 ₹ 9.98	f 16.05 □ 14.66 ₹ 14.73	Ψ -16.50	12.53	30.43	Ψ 2.10	13.47	15.85	Ψ f 2.60 □ -1.90 ₹ 2.07	f 14.11 □ 13.39 ₹ 14.03	f 11.88 □ 11.55 ₹ 11.44	—	f 15.65 □ 13.89 ₹ 15.51	f 17.41 □ 16.01 ₹ 16.41
7 Net assets end of the period (Rs. Crs)	475.12	490.53	536.11	18.06	25.12	37.99	656.31	688.35	777.37	928.05	1019.42	1014.39	770.12	961.65	962.64
8 Ratio of recurring exp. to net assets (%)	0.008	1.02	0.48	0.012	2.63	0.69	0.004	0.41	0.19	0.01	1.03	0.96	—	1.03	0.49

Scheme (Date of Allotment)	NRE FUND (01.05.98)			ISFUS-98 (01.06.98)			UGS-10000 (1.06.98) ₹ ₹			UBF (18.06.98) ₹ ₹			MVUP (01.07.98)	
	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99	1997-98	1998-99	31-12-99	1998-99	31-12-99
1 NAV at the beginning of the year	—	Δ 9.94	f 10.94 □ 10.92	—	9.64	10.23	—	9.57	14.08	—	9.83	11.58	10.00	14.34
2 Net income per unit	0.04	1.19	1.12	0.08	1.26	1.11	-0.41	1.29	2.09	-0.07	0.74	0.56	0.76	0.69
3 Income Distribution: (%) p.a.	13.50	13.50	13.50	13.50	13.50	13.50	—	—	—	—	—	—	—	—
4 Transfer to reserves (if any)	-0.06	-0.15	1.13	-0.18	-0.22	1.2	-0.41	1.28	2.10	-0.07	0.76	0.56	0.76	0.69
5 NAV at the end of the year	Δ 9.94	f 10.94 □ 10.92	f 11.55 □ 11.53	9.64	10.23	11.95	9.57	14.08	*18.12	9.93	11.58	12.09	14.34	*22.50
6 Annualised return (%)	Ψ -0.60	f 22.21 □ 21.05	f 17.49 □ 17.08	Ψ -2.48	15.75	21.36	Ψ -4.30	—	54.46	Ψ -0.70	13.53	11.66	43.40	71.96
7 Net assets end of the period (Rs. Crs)	63.45	75.97	80.22	944.49	1007.21	1205.03	67.40	131.00	147.19	136.39	690.50	999.79	143.59	233.11
8 Ratio of recurring exp. to net assets (%)	0.01	0.91	0.41	0.00	0.41	0.18	0.05	2.08	1.18	0.01	1.10	0.81	1.19	0.36

Scheme (Date of Allotment)	MEF £ £ (01.06.98)		SIF (08.07.98)		MIP-98(III) (01.09.98)		MIP-98(IV) (01.12.98)		ISFUS-98(N) (01.01.99)		MOP-98(V) (01.02.99)	
	1998-99	31-12-99	1998-99	31-12-99	1998-99	31-12-99	1998-99	31-12-99	1998-99	31-12-99	1998-99	31-12-99
1 NAV at the beginning of the year	9.89	12.75	9.89	11.33	—	f 10.80 □ 11.63 ¶ 10.21	—	f 10.83 □ 11.26 ¶ 10.41	—	10.30	—	f 10.33 □ 10.53 ¶ 9.96
2 Net income per unit	0.09	3.41	1.31	0.51	1.10	0.86	0.90	1.40	0.92	0.99	—	0.73
3 Income Distribution: (%) p.a.	—	—	—	—	12.50	□ f 13.25 ¶ 12.50	12.50	□ f 13.25 ¶ 12.50	14.00	14.00	—	□ f 13.25 ¶ 12.50
4 Transfer to reserves (if any)	0.17	3.41	1.34	0.50	0.26	0.26	0.28	0.28	-0.02	0.99	—	0.49
5 NAV at the end of the year	12.75	*15.08	11.33	11.76	f 10.80 □ 11.63 ¶ 10.21	f 12.02 □ 11.24 ¶ 10.61	f 10.83 □ 11.26 ¶ 10.41	f 12.19 □ 11.04 ¶ 10.91	f 10.30 ¶ 10.30	f 11.99 ¶ 11.95	f 10.33 □ 10.53 ¶ 9.96	f *1.44 □ 11.57 ¶ 10.28
6 Annualised return (%)	25.38	31.60	13.30	12.28	Ψ f 16.10 □ 16.30 ¶ 13.18	f 21.22 □ 19.27 ¶ 17.96	Ψ f 16.42 □ 12.60 ¶ 11.39	f 24.77 □ 21.67 ¶ 22.07	Ψ f 10.00 ¶ 10.20	28.58 27.19	Ψ f 5.46 □ 5.30 ¶ 4.81	Ψ f 16.79 □ 16.70 ¶ 14.26
7 Net assets end of the period (Rs Crs)	198.01	168.02	0.25	0.29	1439.45	1501.62	948.89	998.44	*158.06	1359.7	882.07	953.30
8 Ratio of recurring exp. to net assets (%)	2.14	0.89	1.90	2.27	0.98	0.49	0.78	0.51	0.30	0.20	0.59	0.54

Scheme (Date of Allotment)	MEP - 99 (31.03.99)		GSF-BRAND (27-05-99) £ £	GSF - PHARMA (27-05-99) £ £	GSF-SOFTWARE (27-05-99) £ £	GSF-PETRO (27-05-99) £ £	GSF-SERVICE (27-05-99) £ £	G-SEC FUND (27-05-99) £ £	MIP 99 (01-06-99)
	1998-99	31-12-99	31-12-99	31-12-99	31-12-99	31-12-99	31-12-99	31-12-99	31-12-99
1 NAV at the beginning of the year	—	11.26	10.02	9.94	10.08	9.89	9.79	—	10.09
2 Net income per unit	0.47	7.68	2.15	-0.95	5.43	1.55	8.72	0.32	0.61
3 Income Distribution: (%) p.a.	—	—	—	—	—	—	—	—	□ f 11.25 ¶ 10.75
4 Transfer to reserves (if any)	0.47	7.68	2.07	-0.94	5.42	1.54	9.08	0.32	0.62
5 NAV at the end of the year	11.26	*25.11	*11.85	*13.36	*22.00	*9.59	*17.77	*04.51	f 11.74 □ 11.72 ¶ 110.93
6 Annualised return (%)	Ψ 12.60	Ψ 151.00	Ψ 18.50	Ψ 33.60	Ψ 120.00	Ψ 4.10	Ψ 77.70	—	Ψ f 17.40 □ 17.20 ¶ 14.66
7 Net assets end of the period (Rs Crs)	3.91	8.46	19.58	£1.29	281.65	8.15	11.86	315.38	3122.21
8 Ratio of recurring exp. to net assets (%)	1.09	0.98	1.75	3.95	1.14	1.29	0.75	0.39	0.51

f Cumulative Option,

□ Annual Income Option,

⊖ Qtr Option,

* 15% up to 31.03.98,

£ £ date of launch is given as they are open ended,

Δ A single NAV is calculated

¶ Non Cumulative Option,

\$ Deferred Income Option,

& Capital Growth Option,

£ 13% upto 31.03.98,

Ψ Return not annualised since scheme has not completed one year, as on 30th June/31st Dec.,

* NAV as on 29.12.99

(ii) There are no instances of borrowing by schemes of the Trust.

HISTORICAL PER UNIT STATISTICS

Schemes	NAV as on 31.07.2000	Annualised Yield (%)
UBF	12 79	11 58%
SIF @	12 54	11 66%
IISFUS-96 @	11 14	17 49%
IISFUS-97 @	9 74	13 98%
ISSFUS-97(II) @	9 75	11 33%
IISFUS-98 @	9 70	11 84%
IISFUS 98(II) @		
– Cum Option	10 02	4 55%
– Income Option	9 99	9 10%
UNF @		
– Cum Option	10 67	2 94%
– Annual Option	10 71	8 80%
MMMF \$	13 8651	9 68%
MEP-97 *	11 71	4 78%
MEP-98 *	12 64	10 34%
MEP-99 *	22 13	90 67%
ETSP *	11 39	21 40%
UGS-10000 *	11 50	11 92%
IEF *	17 42	19 30%
MVUP *	16 00	24 71%
MIF *	13 09	13 48%
MIP-96(III)		
– Non Cum Option	10 12	14 20%
– Cum Option	17 51	15 73%
MIP-96(IV)		
– Non Cum Option	9 60	12 72%
– Cum Option	16 01	14 03%
MIP-97		
– Non Cum Option	9 06	12 23%
– Cum Option	10 03	13 41%
MIP 97(II)		
– Non Cum Option	8 94	12 04%
– Cum Option	10 11	13 66%
MIP-97(III)		
– Non Cum Option	9 25	11 34%
– Cum Option	10 08	12 51%
MIP 97(IV)		
– Non Cum Option	9 42	11 22%
– Cum Option	10 32	12 91%

Schemes	NAV as on 31.07.2000	Annualised Yield (%)
MIP-97(V)		
– Monthly Option	9 70	11 28%
– Cum Option	10 34	11 78%
– Annual Option	10 51	11 70%
MIP-98		
– Monthly Option	9 70	11 97%
– Cum Option	10 20	12 17%
– Annual Option	10 13	12 05%
MIP-98(II)		
– Monthly Option	9 06	8 66%
– Cum Option	9 52	8 41%
– Annual Option	8 86	7 48%
MIP-98(III)		
– Monthly Option	9 60	11 13%
– Cum Option	10 32	12 64%
– Annual Option	11 08	12 61%
MIP-98(IV)		
– Monthly Option	10 20	14 44%
– Cum Option	10 76	15 41%
– Annual Option	11 18	15 05%
MIP-98(V)		
– Monthly Option	9 68	11 06%
– Cum Option	10 32	12 58%
– Annual Option	10 53	12 53%
MIP-99		
– Monthly Option	9 99	12 44%
– Cum Option	10 54	15 23%
– Annual Option	11 63	16 30%
DIP-91		
– Qtr Inc Option	9 95	13 38%
– Defr Inc Option	10 36	13 63%
– Growth Option	17 67	16 17%
MIP-99 (II) # @		
– Monthly Option	9 45	1 50%
– Cum Option	10 17	1 70%
– Annual Option	10 17	1 70%
MIP-2000 # @		
– Monthly Option	8 50	– 10 73%
– Cum Option	9 01	– 9 90%
– Annual Option	9 01	– 9 90%

@ NAV as on 26 07 2000

* NAV as on 16 08 2000 \$NAV as on 23 08 2000

yield not annualised as the schemes have not completed 1 year

**XXII. DETAILS REGARDING SCHEMES WHEREIN RETURNS ARE ASSURED
UNDER DRF AS ON 30.06.2000 (PROVISIONAL)**

(Amt in Crs)

Name of Scheme	Period		% Rate of Returns Assured	Investible Funds as of 30.06 2000	Net Income	Income Distribution	Reserves as of 30.06 2000
	From	To					
MIP 97	01 05 97	30 06 97	14	1364.29	28 95	35 37	-37.80
	01 07 97	30 06 98			124 49	153 57	
	01 07 98	30 06 99			66 55	159 10	
	01 07 99	30 06 2000			342.84	207 02	
MIP 97 (II)		30 06 97	14	1835 13	15 29	19 54	-24.83
	01 07 97	30 06 98			170 34	184 33	
	01 07 98	30 06 99			116 33	200 71	
	01 07 99	30 06 2000			412 52	271.98	
IISFUS 97		30 06 97	15	821 90	7 91	14 77	7 73
	01 07 97	30 06 98			72 57	98 89	
	01 07 98	30 06 99			95 88	113 89	
	01 07.99	30 06 2000			185 52	126.93	

Name of Scheme	Period		% Rate of Returns Assured	Investible Funds as of 30.06.2000	Net Income	Income Distribution	Reserves as of 30.06.2000
	From	To					
MIP 97 (III)	01.07.97	30.06.98	13		0.00	0.21	
	01.07.97	30.06.98			73.40	96.86	
	01.07.98	30.06.99			92.48	108.55	
	01.07.99	30.06.2000		970.17	192.82	134.07	6.99
MIP 97 (IV)	01.11.97	30.06.98	12.50		76.69	75.57	
	01.07.98	30.06.99			88.62	111.72	
	01.07.99	30.06.2000		1048.31	163.92	142.42	-16.47
MIP 97 (V)	01.01.98	30.06.98	11.75		33.33		
	01.07.98	30.06.99			31.93	47.91	
	01.07.99	30.06.2000		527.83	109.43	66.31	14.67
IISFUS 97 (II)	01.02.98	30.06.98	12.75		40.68	15.58	
	01.07.98	30.06.99			67.52	96.04	
	01.07.99	30.06.2000		792.94	150.16	107.06	1.38
MIP 98	01.04.98	30.06.98	12.50		30.02	31.59	
	01.07.98	30.06.99			110.70	111.74	
	01.07.99	30.06.2000		1014.88	175.00	142.23	48.84
IISFUS 98	01.06.98	30.06.98	13.50		3.16	25.85	
	01.07.98	30.06.99			123.94	117.51	
	01.07.99	30.06.2000		1168.43	184.98	165.15	-20.89
NRI FUND	01.08.98	30.06.98	13.50		0.25	0.63	
	01.07.98	30.06.99			8.30	8.81	
	01.07.99	30.06.2000		75.53	14.52	9.38	3.69
MIP 98 (II)	01.07.98	30.06.98	12.50		2.12	1.14	
	01.07.98	30.06.99			85.01	109.98	
	01.07.99	30.06.2000		896.03	143.28	130.42	2.19
MIP 98 (III)	01.09.98	30.06.99	12.50		147.41	113.07	
	01.07.99	30.06.2000		1117.01	273.04	192.12	108.8
MIP 98 (IV)	01.12.98	30.06.99	12.50			55.28	
	01.07.99	30.06.2000		981.71	211.35	156.43	86.14
IISFUS 98 (II)	01.01.99	30.06.99	14.00				
	01.07.99	30.06.2000		1308.27	179.7	191.13	-17.11
MIP 98 (V)	01.02.99	30.06.99	12.50		29.48	20.67	
	01.07.99	30.06.2000		873.21	140.02	127.28	7.30
CGGF 86	01.07.98	30.06.99	14.00		210.77	502.33	
	01.07.99	30.06.2000		3721.59	518.24	575.58	-606.61
RUP 94 (II)	01.07.98	30.06.99	Rs 1500 becomes Rs 21000 in 20 yrs		31.63	0.00	
	01.07.99	30.06.2000		611.92	99.19		204.80
MIP 99	01.06.99	30.06.99	10.75		23.59	30.52	
	01.07.99	30.06.2000		2707.20	374.41	147.29	193.00
CGGF 86 (RE LAUNCH)	01.07.98	30.06.99	12.00		-2.63	1.31	
	01.07.99	30.06.2000		320.8	33.04	24.37	-7.32
RUP 99 (RE LAUNCH)	01.07.98	30.06.99	Rs 1500/- becomes Rs 15,000/- in 20 yrs			0.00	
	01.04.99	30.06.2000		146.11	7.24		5.33
MIP 99 II \$	01.09.99	30.06.2000	10.50	1314.29	121.55	41.23	-2.09
MIP 2000 \$	01.02.2000	30.06.2000	10.25	1386.89	88.02	31.33	-59.87
TOTAL				26268.96			

* From initial sale period

\$ Income Distribution is not assured, the capital invested in the scheme is protected on maturity

UNIT TRUST OF INDIA

CORPORATE OFFICE

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg (New Marine Lines), Mumbai-400 020. Tel: 2068468

ZONAL OFFICES

Western Zone: UTI Tower, 'Gn' Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai-400 051. Tel: 6520850. • **Eastern Zone:** 4 Fairlie Place, 1st Floor, Calcutta-700 001 Tel: 2107693/7701. • **Southern Zone:** UTI-House, 29, Rajaji Salai, Chennai-600 001 Tel: 5210356 to 59. • **Northern Zone:** Jeevan Bharati, 13th Floor, Tower II, Connaught Circus, New Delhi-110 001. Tel: 3329868 / 3731401.

BRANCH OFFICES UNDER WESTERN ZONE JURISDICTION

MUMBAI MAIN BRANCH OFFICE

Commerce Centre-1, 25th Floor, Cuffe Parade, Colaba, Mumbai-400 005 • Tel.: 218 1600 / 218 1254

BRANCHES WHERE APPLICATIONS CAN BE TENDERED

Ahmedabad: UTI House, Near Milhakhall Railway Bridge, Off. Ashram Road, Ahmedabad-380 009. Tel: 6583864 / 6583043. **Baroda:** 'Maghdhanush' 4th & 5th Floor, Transpek Circle, Race Course Road, Baroda-390 015 Tel: 332481. **Bhopal:** 1st Floor, Ganga Janani Commercial Complex, Plot No. 202, Maharana Pratap Nagar, Zone I, Scheme 13, Habeeb Ganj, Bhopal-462 001. Tel: 558308. **Indore:** City Centre, 2nd Floor, 570, M.G. Road, Indore-452 001 Tel: 535607. **Kolhapur:** Ayodhya Towers, C.S. No. 511 KH-1/2, 'E' Ward, Dabholkar Corner, Station Road, Kolhapur-416 001. Tel: 657315. **Mumbai: (1)** Unit No 2, Block 'B', Opp. JVPD Shopping Centre, Gul Mohar Cross Road No. 9 Anjuna (W), Mumbai-400 049. Tel: 6201995. **(2)** Lotus Court Building, 196, Jamsheji Tata Road, Backbay Reclamation, Mumbai-400 020 Tel: 285032/822 (For Mumbai Main Branch Office). **(3)** Shradha Shopping Arcade, 1st Floor, S.V. Road, Borivali (West), Mumbai-400 092 Tel: 8980521. **(4)** Sagar Bonanza, 1st Floor, Khot Lane, Ghalkopar (W), Mumbai-400 086. Tel: 5162253. **Nagpur:** Shree Monins Complex, 3rd Floor, 345, Sardar Vallabhbhai Patel Marg (Kingsway), Nagpur-440 001 Tel: 536893. **Nasik:** Sarda Sankul, 2nd Floor, M.G. Road, Nasik-440 001 Tel: 572166. **Panaji:** E D C House, Ground Floor, Dr. A.B. Road, Panaji, Goa-403 001. Tel: 222472. **Pune:** Sadashiv Vilas, 3rd Floor, 1183 Ferguson College Road, Shivaji Nagar, Pune-411 005. Tel: 5535954. **Raipur:** 'Vanijya' Bhavan, Sai Nagar, Jail Road, Raipur-492 009. Tel: 551412. **Rajkot:** Lalubhai Centre, 3rd Floor, Lakhaji Raj Road, Rajkot-360 001. Tel: 235112. **Surat:** Saifee Bldg., Dutch Road, Nanpura, Surat-395 001. Tel: 474550. **Thane:** UTI House, Near Thane Post & Telegraph Office Opp. Rickshaw Stand, Station Marg, Thane (W)-400 601. Tel: 5400905. **Vashi:** Persepolis Bldg., 3rd Floor, Above Andhra Bank, Sector-17, Vashi, Navi Mumbai-400 703 Tel: 7890979 / 82 / 84

BRANCH OFFICES UNDER EASTERN ZONE JURISDICTION

Bhubaneshwar: OCHC Bldg., 1st & 2nd Floor, 24, Junpath, Kharvela Nagar, Nr. Ram Mandir, Bhubaneshwar-751 001 Tel: 410995. **Calcutta:** 29, Netaji Subhash Chandra Road, Calcutta-700 001. Tel: 2434581. **Durgapur:** 3rd Administrative Bldg. 2nd Floor, Asansol Durgapur Dev. Authority, City Centre, Durgapur-713 211 Tel: 546831. **Guwahati:** Hindustan Bldg., 1st Floor, M.L. Nehru Marg, Panbazar, Guwahati-781 001. Tel: 543131. **Jamshedpur:** 1-A, Ram Mandir Area, Gr. & 2nd Floor, Bistupur, Jamshedpur-831 001 Tel: 424508. **Patna:** Jeevan Deep Bldg., Gr. & 5th Floor, Exhibition Marg, Patna-800 001. Tel: 235001. **Siliguri:** Jeevan Deep, Ground Floor, Gurunank Sarani, Siliguri-734 401 Tel: 535199

BRANCH OFFICES UNDER SOUTHERN ZONE JURISDICTION

Bangalore: Raheja Towers, 26-27 12th Floor, West Wing, M.G. Marg, Bangalore-560 001 Tel: 5595091. **Chennai:** UTI House, 29, Rajaji Salai, Chennai-600 001 Tel: 517 101. **Cochin:** Jeevan Prakash, 5th Floor, M.G. Marg, Emakulam-682 011 Tel: 362 354. **Coimbatore:** Cheran Towers, 3rd Floor, 6/25 Arts College Marg, Coimbatore-641 018 Tel: 214973. **Hubli:** Kalburgi Mansion, 4th Floor, Lamington Marg, Hubli-580 020 Tel: 363963. **Hyderabad:** 1st Floor, Surabhi Arcade, 5-1-664, 665, 669, Bank Street, Hyderabad-500 195. Tel: 4611095. **Madurai:** Tamil Nadu Sarvodaya Sangh Bldg., 108, Thirupparakundram Marg, Madurai-625 001. Tel: 738186. **Mangalore:** Siddhartha Bldg., 1st Floor, Bal-Matta Marg, Mangalore-575 001 Tel: 426290. **Thiruvananthapuram:** Swastik Centre, 3rd Floor, M.G. Marg, Thiruvananthapuram-695 001 Tel: 331415. **Trichy:** 104, Salai Marg, Woraiyur, Tiruchirappalli-620 003 Tel: 760060. **Trichur:** 28/700 West Paliatham Bldg., Karunakaran Nambiar Marg, Round North, Trichur-680 020 Tel: 331259. **Vijaywada:** 27-37 153, Bunder Marg, Next to Hotel Manorama, Vijaywada-520 002. Tel: 571134. **Vishakhapatnam:** Ratna Arcade, 3rd Floor, 47/15/6, Station Marg, Dwarkanagar, Vishakhapatnam-530 016. Tel: 748121.

BRANCH OFFICES UNDER NORTHERN ZONE JURISDICTION

Agra: Ground Floor, Jeevan Prakash, Sanjay Place, Mahatma Gandhi Marg, Agra-282 002 Tel: 358047. **Allahabad:** United Towers, 3rd Floor, 53, Leader Marg, Allahabad-211 003 Tel: 400521. **Amritsar:** Shri Dwarkadhish Complex, 2nd Floor, Queen's Marg, Amritsar-143 001 Tel: 564388. **Chandigarh:** Jeevan Prakash, 11C Bldg., Sector 17-B, Chandigarh-160 017 Tel: 703683. **Dehradun:** 2nd Floor, 59/3, Rajpur Marg, Dehradun-248 001. Tel: 743203. **Faridabad:** B-614-617, Nehru Ground, NIT, Faridabad-121 001. Tel: 5424771. **Ghaziabad:** 41, Navyug Market, Near Singhani Gate, Ghaziabad-201 001 Tel: 4790366. **Jaipur:** Anand Bhavan, 3rd Floor, Sansar Chandra Marg, Jaipur-302 001. Tel: 365212. **Jodhpur:** Minerva Centre, 1st Floor, Station Road, Jodhpur-342 001. Tel: 645229. **Kanpur:** 16/79-E, Civil Lines, Kanpur-208 001 Tel: 317278. **Lucknow:** Regency Plaza Building, 5, Park Marg, Lucknow-226 001. Tel: 238491. **Ludhiana:** Surya Kiran Phase II, 92, The Mall, Ludhiana-141 001 Tel: 441264. **New Delhi:** Gulab Bhavan, 2nd Floor, 6, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi-110 002 Tel: 3319786. **Shimla:** Flat No. 401 402, 403, 405 Mukesh Apts., Fingask Estate, Near Hotel Sheel, Shimla-171 002. Tel: 257803. **Varanasi:** 1st Floor, D-5R / 2A-1, Bhawani Market, Rathyatra, Varanasi-221 001 Tel: 358306.

UTI NRI Branch:

UTI Tower, 'Gn' Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai - 400 051. Tel.: 6520850 • Fax: 6528175 • E-mail: utinri@qiasbm01.vsnl.net.in

Dubai Representative Office:

Post Box No. 29288, 17, Al Maskan, Karama, Dubai, U.A.E. Tel. 00971 4 3356656 • Fax: 3356636

UTI London Branch:

UTI (Guernsey Ltd.) Shri Pradeep Kumar, State Bank House, 1, Milk Street, London EC2P 2 JP Tel: 0044207454 0415 • Fax: 004420 7454 0416

DESIGNATED BRANCHES OF OMAN INTERNATIONAL BANK

NRI Centre: P.O. Box 1216, Postal Code 112, Ruwi Branch. **Sultanate of Oman:** Al Khuwir, P.O. Box 1216, Ruwi-112. **Buraimi:** P.O. Box 358, Buraimi-512. **Fahud:** P.O. Box 54, Mina-Al-Fahal-116. **Marmul:** P.O. Box 54, Mina-Al-Fahal-116. **Mina Al Fahal:** P.O. Box 54, Mina Al Fahal-116. **Muskar Al Murtaffa:** P.O. Box 559, CPO Seeb 111. **Muttrah:** P.O. Box 117, Muttrah 114. **Nizwa:** P.O. Box 71, Nizwa 611. **Qurum:** P.O. Box 43, Mina Al Fahal-116. **Salalah:** P.O. Box 1453, Salalah 211. **Sleef:** P.O. Box 11, Ibbi 511. **Sur:** P.O. Box 651, Sur 411

UT/DBDM/ R- 50/SPD-66/2000-2001

7th December, 2000

The amendments to the provisions of the Retirement Benefit Plan(RBP) formulated under section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963(52 of 1963) in relation to the Retirement Benefit Scheme made under section 21 of the said Act, approved by the Executive Committee in the meeting held on 17th September, 1999 is published herebelow.



S CHATTERJI
DEPUTY GENERAL MANAGER
BUSINESS DEVELOPMENT AND MARKETING

ANNEXURE

1. The first sentence of the third paragraph of clause III titled 'Minimum amount of investment' in the plan provisions, is amended as:
An investor may invest a maximum of 12 instalments a year for a minimum of Rs.500/- (sale value) each
2. The following may be inserted as a new clause IIIA titled 'Direct payment through salary' in the plan provisions:
 - (a) The Trust may accept from individuals the payment of contributions through deduction made by their employers under a 'Salary Savings Plan' (SSP). Presently payment of contributions through SSP is accepted from employees working with select organisations/companies.
 - (b) An employee would be allowed to join the plan through SSP only if he joins it afresh. The existing members of the plan would not be allowed to pay contributions under the SSP.
 - (c) Persons intending to join RBP through 'SSP' shall authorise his employer with whom UTI has arrangements to deduct from his salary every month an contribution as indicated by the employee.
 - (d) An institution investing on behalf of its employees will have to invest a minimum amount of Rs. 5000 - per month (or such minimum amount as may be decided by the Trust from time to time).
The restriction of investing a minimum amount of Rs.500/- at a time by an individual is not applicable under SSP.
 - (e) The employer will furnish to the Trust a list of its employees to be covered by the SSP for approval. Any further addition to the list will also require prior approval. While approving the names of employees the Trust will allot a specific folio to each employee which has to be mentioned while forwarding the contributions and other correspondence.
 - (g) The contribution will be capitalised at the sale price prevailing on the date of receipt of funds by the Trust.
 - (h) A membership advice, shall be sent at the time of the first contribution evidencing that the employee has been admitted as a member under the scheme and the plan made thereunder. Thereafter an annual statement of account indicating total investment made under the plan during the fiscal year and outstanding number of units, as on 31st March of the year will be sent to each member every year for tax purposes.
 - (i) For employees not able to complete investment of Rs.10,000/- before 52 years of age or if any of them leaves the employment before that, the institution/employee will have an option to put in the balance amount. Else, as per the scheme provisions the investment will be returned to the concerned employee after deducting 10% of the repurchase amount as penalty.
 - (j) Persons covered under the 'SSP' and desirous of making additional investments under the plan will be required to open a separate account with the Trust.

No. 3-7/99-SDF
Government of India
Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution
Department of Food & Public Distribution

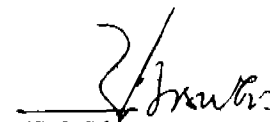
Krishi Bhavan, New Delhi
Dated: the 15th Dec. 2000

Memorandum

Subject:- Sugar Development Fund Act. 1982- Report for the financial year 1999-2000.

The undersigned is directed to forward herewith the Annual Report for the financial year 1999-2000 for publication in the Gazette of India, Part-III., Section 4 in its next issue.

Two copies of the Gazette may please be supplied to this Ministry at an early date.


(S. B. Biswas)
Director(SDF)

Government of India
Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution
Department of Food & Public Distribution

Krishi Bhavan, New Delhi
Dated, the 15th Dec., 2000

No. 3-7/99-SDF. In pursuance of Section 7 of the Sugar Development Fund Act, 1982 (4 of 1982), the Central Government hereby publishes the following report containing an account of the activities financed under the Act during the financial year 1999-2000.

2. The Act provides for the setting up of a fund consisting of (a) amounts equivalent to the proceeds - of duty of excise levied and collected under the Sugar Cess Act 1982 (3 of 1982) reduced by the cost of collection as determined by the Central Government; and (b) income from investment of the proceeds of the fund. A sum of Rs. 355,56,61,949.00 (Rs. Three Hundred Fifty Five Crores, Fifty Six Lakhs, Sixty One Thousand and Nine Hundred Forty Nine only) consisting of Rs. Two hundred fifty crores by transfer of cess on sugar and Rs. One hundred five crores fifty six lakhs sixty one thousand and nine hundred forty nine only being credit for repayment of instalment of the principal of loan and interest thereon, was credited to the fund during the financial year. With the credit, the balance in the fund rose to Rs. 1181,00,15,396 (Rs. Eleven hundred Eighty one crores, twenty lakhs, fifty five thousand, three hundred and ninety six only). Out of this a total expenditure of Rs. 200,61,01,257.00 (Rs. Two hundred crores, sixty one lakhs, one thousand, two hundred and fifty seven only) was incurred as detailed below:-

MAJOR HEAD 2408

FIGURES IN WHOLE RUPEES

a)	02.02.01 & 02.02.50 Administration of Sugar Development Fund	469,05,322
b)	01.00.33 Subsidy for maintenance of buffer stock of sugar	710,02,305
c)	02.00.31 Grants-in-aid for development of Sugar Industry	65,49,000
d)	Expenditure on National Institute of Sugarcane and Sugar Technology Mau.	33,79,041

MAJOR HEAD 6860

- | | | |
|----|---|---------------|
| a) | 02.01.55 – Loan for Rehabilitation/Modernisation of Sugar Mills,. | 160,03,52,800 |
| b) | 02.02.55 – Loans to Sugar Mills for Cane Development | 26,85,50,300 |

MAJOR HEAD 4408

National Sugar Institute of Sugarcane and Sugar Technology Mau	93,62,489
TOTAL	<u>200,61,01,257</u>

The balance at credit of the fund at the close of the financial year was Rs. 980,59,54,139 (Rs. Nine hundred eighty crores, fifty nine lakhs, fifty four thousand, one hundred thirty nine only).

Loans for development of Sugarcane were disbursed to 42 Sugar Mills during financial year 1999-2000. In addition, loans were disbursed to 30 Sugar Mills augmenting the shortfall in the promoter's contribution for rehabilitation/modernisation of the plant and machinery of the mills.

A STATEMENT OF ACCOUNTS FOR THE FINANCIAL YEAR 1999-2000 IS GIVEN BELOW:-

SUGAR DEVELOPMENT FUND

(Figures in whole rupees)

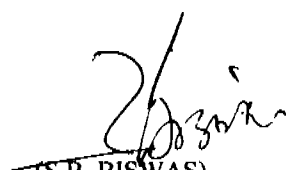
S.NO.	DETAILS	AMOUNT	AMOUNT
1.	Opening balance on 1.4.1999		825,63,93,447
	Amount credited during 1999-2000		
a)	Transfer from Cess on Sugar	250,00,00,000	
b)	Interest on SDF Loans	32,93,40,409	
c)	Repayment of instalments of loan for cane development & modernisation/ rehab. of sugar mills.	72,63,21,540	355,56,61,949
	TOTAL		1181,20,55396

Expenditure incurred during 1999-2000

a)	Admn. Of SDF	4,69,05,322	
b)	Subsidy for maintenance of buffer stock of sugar	710,02,305	
c)	Grants-in-aid for development of sugar industry	65,49,000	
d)	Loans for Modernisation/Rehabilitation of Sugar Mills.	160,03,52,800	
e)	Loans to Sugar Mills for Cane Development	26,85,50,300	
f)	Expenditure on National Institute of Sugarcane & S.T., Mau.	127,41,530	
	Total		2006101257

Balance as on 31.3.2000

9805954139


(S.B. BISWAS)
Director (SDF)

Wakf/45/Gen./Publication: 513/2000/ In exercise of the power conferred Under Section 27 of the Wakf Act, 1995, which are accessible by me under the delegated power by the Administrator, Punjab Wakf Board Under Section 40 of the Wakf Act, 1995. Properties are here *by declaration as Sunni Wakf*

Sr. No	Name of Wakf	Distt. Tehsil	Village	Kh.No.	Area	Value in Rs.	Nature & Object of Wakf	How the Wakf is Administered	Remarks
1.	Graveyard	Kapurthala	Sandir Jagi	48	K - M 10 - 0	1000000/-	Religious	Direct Mgnt. of PWB, A/Cantt	
2.	Mosque	-do-	Charagpur	24/5 15/10	7 - 11 7 - 4 14 - 15	300000/-	-do-	-do-	
3	Graveyard	-do-	Alodipur HB 51	67	10 - 00	209000/-	-do-	-do-	
4.	-do-	Kapurthala Sultanpur Lodhi	Busowal	97 125	3 - 6 3 - 2 6 - 8	250000/-	-do-	-do-	
5.	Khanqah	Amritsar Ajnala	Topiala	6/16 17/1	5 - 2 2 - 2 7 - 4	280000/-	-do-	-do-	
6.	Graveyard	Kapurthala	Gadani	59	16 - 9	1200000/-	-do-	-do-	
7.	Mosque	-do-	Passon	9/11/2 12 19 20/1	3 - 0 8 - 0 7 - 7 3 - 0 21 - 7	2100000/-	-do-	-do-	
8.	Graveyard	Amritsar Baba Bakala	Mattewal	108/2 108 108/1	8 - 4 2 - 8 0 - 17 11 - 9	150000/-	-do-	-do-	

9.	-do-	Kapurthala	Booh	117 109	3 - 5 2 - 17 6 - 2	800000/-	Religious	-do-	
10	Wakf property	Fatehgarh Sahib	Ajnali	699 867	0 - 18 2 - 13 3 - 11	100000/-	-do-	-do-	
11.	Khanqah	Kapurthala	Hamira	2596 2648 2696 2598/1 2597	- 3 - 10 1 - 7 3 - 8 7 - 8				
	Takia	-do-	-do-	282	23 - 2				
	Mosque	-do-	-do-	2628	7 - 12 48 - 17	3700000/-	-do-	-do-	
12.	Takia	Kapurthala	Thehkanjla	9/9 25 10/20	7 - 18 1 - 12 3 - 0 12 - 10	800000/-	-do-	-do-	
13.	Graveyard	Kapurthala Bholoth	Surkh	103 372 374 363 364 365 366 367 368	39 - 9 3 - 1 5 - 10 4 - 3 2 - 18 7 - 18 9 - 10 8 - 18 5 - 5 86 - 11	870000/-	-do-	-do-	
14	Graveyard	Ludhiana Payal	Jhangir	14/22/1	1 - 12 1/2 Share	40,000/-	-do-	-do-	
15.	-do-	Gurdaspur	Gurdaspur	101/1 101/2 101/3 101/7 101/4/2 101/8 101/9	6 - 3 15 - 7 8 - 18 17 - 10 4 - 7 1 - 0 1 - 10 54 - 15	540000/-	-do-	-do-	

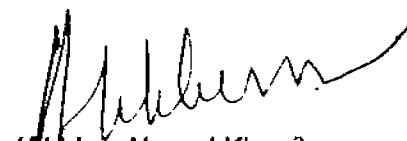
16	Islamia School & College	Jalandhar	Jalandhar	16425	B - B 5 - 12	2240000/-	-do-	-do-	
17.	Dargah Hzt. Mabhdoom Ali Ahmed Shah	-do-	-do-	16432 73/83	17 - 12 3 - 13 21 - 5	20000/-	-do-	-do-	
18.	Graveyard	Jalandhar	Jando Singha	746 747 748	K - M 0 - 5 0 - 4 0 - 2 0 - 11	220000/-	-do-	-do-	
19.	-do-	Kapurthala Bholath	Sidhwan	103 107	1 - 14 4 - 16 7 - 10	700000/-	-do-	-do-	
20.	-do-	Gurgaon	Malab	380	2 - 11	40000/-	-do-	-do-	
21.	-do-	Amabala Cantt	RHA Bazar (Topkhana Bazar) Ambala Cantt	-	38 - 0 Out of (4.465acres)	4000000/-	-do-	-do-	
22	-do-	Gurgaon	Chander-ni	144	7 - 2	200000/-	-do-	-do-	
23.	Muslim Chopal	Karnal	Mohallah Ghosian	3396	83 Sq. yrd	400000/-	-do-	-do-	
24	Dargah Khalid Bin Walid	Ropar	Khalid Bin Walid(351)	30 56 58 63 64 66 67 68 69 70 71 72 73 74 120/75/2 76	B - B 5 - 18 59 - 2 75 - 10 4 - 6 7 - 12 5 - 13 4 - 15 2 - 9 3 - 16 2 - 16 3 - 18 1 - 07 92 - 09 100 - 00 53 - 9 74 - 16	-do-	-do-		

	77	25 - 13							
	78	74 - 7							
	79	95 - 14							
	80	7 - 8							
	81	1 - 07							
	89/82	53 - 13							
	94/82	6 - 14							
	<u>76</u>	B - B							
	82	6 - 14							
	83	75 - 03							
	91/84	81 - 00							
	92/84	9 - 12							
	93/85	234 - 07							
	94/85	9 - 00							
	86	15 - 8							
	95/87	63 - 00							
	98/87	7 - 00							
	88	78 - 00							
		<u>1350 - 2</u>							
	47	3 - 07							
	7 MIN	1 - 7							
	7 MIN	1 - 16							
	7 MIN	0 - 7							
	7 MIN	1 - 16							
	7 MIN	0 - 12							
	8 MIN	32 - 00							
	7 MIN	0 - 14							
	7 MIN	1 - 4							
	100/6/2	4 - 00							
	7 Min	0 - 8							
	64	38 - 0							
	15	5 - 0							
		<u>90 - 11</u>							

25.	Graveyard	Gurgaon Nuh	Salamba	83	K - M 1 - 3	30000/-	-do-	-do-	
26.	-do-	Rohtak Gohana	Busana (46)	122	K - M 0 - 0	8000/-	Religious	Direct Mgmt. of PWB, A/Cantt	
27.	Khanqah	Yamunana gar (Chahhchr-uli)	Bhangra HB.9.	64 18/2 19 20 23/1	4 - 0 9 - 0 1 - 1 1 - 6 15 - 7	200000/-	-do-	-do-	
28.	Graveyard	Amritsar Taran Taran	Mianpur (35)	343	4 - 0	100000/-	-do-	-do-	

1. Sr. No. 1 According to Jamabandi, 1996-97 and report of Estate Officer, Kapurthala
2. Sr. No. 2 According to Jamabandi, 1997-98 and report of Estate Officer, Kapurthala
3. Sr. No. 3 According to Jamabandi, 1961-62 and report of Estate Officer, Kapurthala
4. Sr. No. 4 According to Jamabandi, 1996-97 and report of Estate Officer, Kapurthala
5. Sr. No. 5 According to Jamabandi, 1960-61 and report of Estate Officer, Amritsar
6. Sr. No. 6 According to Jamabandi, 1984-85 and report of Estate Officer, Kapurthala
7. Sr. No. 7 According to Jamabandi, 2010-11BK, 1959-60 and report of Estate Officer, Kapurthala
8. Sr. No. 8 According to Jamabandi, 1993-94 and report of Estate Officer, Amritsar
9. Sr. No. 9 According to Jamabandi, 1997-98 and report of Estate Officer, Kapurthala
10. Sr. No. 10 According to Jamabandi, 1995-96 and report of Rent Collector, Sirhind
11. Sr. No. 11 According to Jamabandi, 1996-97 and report of Estate Officer, Kapurthala
12. Sr. No. 12 According to Jamabandi, 1995-96 and report of Estate Officer, Kapurthala
13. Sr. No. 13 According to Jamabandi, 1958-59 and report of Estate Officer, Kapurthala
14. Sr. No. 14 According to Report of E.O. Kapurthala dated 3.10.2000
15. Sr. No. 15 According to Jamabandi, 1994-95 and report of Estate Officer, Batala
16. Sr. No. 16 According to revenue record and report of Estate Officer, Jalandhar
17. Sr. No. 17 According to revenue record and report of Estate Officer, Jalandhar
18. Sr. No. 18 According to Jamabandi, 1996-97 and report of Estate Officer, Jalandhar
19. Sr. No. 19 According to Jamabandi, 1994-95 and report of Estate Officer
20. Sr. No. 20 According to Jamabandi, 1938-39 and report of Estate Officer, Gurgaon
21. Sr. No. 21 According to Report of Amabal dated 15.9.2000 & copy of general land register.

- 22 Sr. No. 22 According to Jamabandi, 1987-88 and report of Estate Officer, Gurgaon
23. Sr. No. 23 According to Letter of H.O. vide No.32 Lacq./TSI+Y-2/176/91/9321 dated 31.10.2000
24. Sr. No. 24 According to Jamabandi 1995-96, 1943-44 and Punjab Haryana High Court order of Hon'ble Justice G.C Garg dated 19.10.93 titled Tara Singh v/s FC, Punjab CW No.11461 of 1991 and report of Estate Officer date 1.9.99 and W.C. opinion dated 16.3 2000 vide file No 45/Genl/Gazette/Spl(1)/99.
- 25 Sr. No. 25 According to Jamabandi, 1996-97 and report of Estate Officer dated 27.10.2000
- 26 Sr. No. 26 According to Rent Collector, Gohana Requisition dated 27.10.2000.
- 27 Sr. No. 27 According to Jamabandi, 1997-98 and report of Estate Officer, dated 6.11.2000.
- 28 Sr. No. 28 According to Jamabandi, 1996-97 and report of Estate Officer, dated 7.11.2000.



(Akhlaq Ahmed Khani)
Chief Executive Officer

PUNJAB WAKF BOARD AMBALA CANTT.

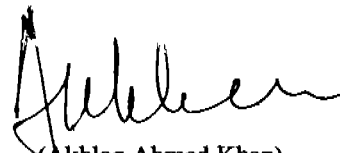
Corrigendum

No. Wakf-45(2)/Gen./Pub/(512)/2000 (Corrigendum):- In exercise to the power conferred under Section 27 of the Wakf Act, 1995 which are accessible by me under delegated powers by the Administrator, Punjab Wakf Board U/S 40 of the Wakf Act, 1995, the following corrigendum's published in the Govt. of India Gazette Part III Section 4.

Sr. No.	Page No. of Gazette	Sr. No. of Gazette	Date of Gazette	District/Tehsil	Village	Amendment
1.	2079	123	11.9.1971	Kapurthala	Noorpur Rajpton	In column No.6 & Kh.No 27/17/2 may be read as Kh. No. 27/17/1
2	2114	469	11.9.1971	-do-	Waryah (161)	In column No5 Area OK-10M may be read as 1K-0M
3.	2111	429	-do-	-do-	Aujla Jogi 196	In column No6 Kh. No. 447, may be read as Kh. No.448
4.	3253	5	5.8.2000	-do-	Mansurwal Dona HB 149	In column No4 mansoorwal Dona HB 149 may be read as Kapurthala HB 149
5.	1177	13	29.4.2000	Patiala Rajpura	Runi	In column No5&6 48 Area 1K-19M may be Inserted.
6.		3379	18.3.1978	Amritsar	Tung pain Urban	In column No 4 Village Tungbala may be read as village Tung Pain
7.	218	2489	9.1.1971	Amritsar Taran Taran	Hari	In column No 4 Village Hair 23 may be read as village Hair HB No. 410 and Column No. 6 Kh. No. 25 may be read as Kh. No. 35.
8.	2770	10	6.8.1983	Jalandhar	Jalandhar HB 307	In column No. 2 Graveyard, may be read as Takia
9.	-do-	11	-do-	-do-	-do-	In column No. 5,6,2 graveyard may be read as Takia bearing Kh. No. 6417,6418,6419,6414, 6410 min 19283/6413, in column No. 546 and column No. 2 may be read as Takia instead of Graveyard, while Kh. No. 6421, 6423,21381/6415, 21382/6405 8118/6405, 8118, 8510,2558,2561,10347,10555, 14748 & 3964 may be read as graveyard.
10.	2978	1563	19.12.1970	Kurukshetra Thanesar	Bahari (389)	In column 6,7 measuring 1K-18M, Kh. No. 1363 may be read as measuring OK-8M, Kh. No.1363 min total 2K-2M.
11.	1491	536	29.5.1971	Patiala Basi Pathana	Bassi Pathana	In column No.5 Area 2648 Sq. ft. may be read as Area 2648 Sq. yards.
12.	265	3100	9.1.1971	Amritsar Ajnala	Pathon Neryal 284	In column No. 6 Kh. No. 37/2, may be read as Kh. No. 37/3.

Note:

- No. 1. According to the report of E.O., Kapurthala dated 11.9.2000.
No. 2 According to the Jamabandi 196-64 and E.O. Ropar dated 16.10.2000
No. 3 According to the report of Estate Officer, Amritsar dated 8.11.2000.
No. 4. According to the report of E.O., Kapurthala dated 16.10.2000 and Jamabandi dated 1997-98.
No. 5. According to the Jamabandi 1997-98 and report of E.O. dated 16.10.2000.
No. 6 According to the Jamabandi 1992-93 and report of E.O. dated 29.9.2000
No. 7 According to report of E.O. Rajpura dated 29.9.2000.
No. 8 According to report of E.O. Amritsar dated 6.4.2000 and Jamabandi 1973-74, 9394.
No. 9 According to report of E.O. Amritsar dated 23.10.1998 and Jamabandi 1994-95.
No. 10 According to report of E.O. Jalandhar dated 8.7.1999 and Jamabandi 1943-43.
No. 11 According to report of E.O. Kurukshetra dated 21.6.1999 and Jamabandi 1993-94.
No. 12 According to report of E.O. Rajpura and H.O. Letter No. 24/Lease 4/2000/5101-4 dated 25.1.2000, 17.11.2000.



(Akhlaq Ahmed Khan)
Chief Executive Officer